

सं० 30] No. 30] नई बिस्ली, शमिवार, जुलाई 28, 1984 (श्रावण 6, 1906)

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 28, 1984 (SRAVANA 6, 1906)

इस भाग में भिन्नःपृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्य में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

मांव Ш...खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उर्वत न्यायालयों, नियम्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत • सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 जून 1984

सं० ए० 12025/1/83 प्रणाः II—प्रध्यक्ष, संघ लोक लोक सेवा धायोग एतद्द्वारा श्री विजय कुमार को संघ लोक सेवा घ्रायोग के कार्यालय में 30 मई, 1984 पूर्वाहन् । से ध्रागामी घ्रादेशों तक घ्रस्थायी तौर पर प्रोग्रामर के पृव पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जून, 1984

सं० ए० 82018/1/83 प्रजार II—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिस्चना दिनांक 15 मार्च, 1984 के अनुक्रम में प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग , एसद्द्वारा श्री जे० के० खन्ना, स्थायी वरिष्ठ प्रोग्रामर, संघ लोक सेवा श्रायोग को तदर्थ श्राधार पर 18-5-84 से 17-8-84 तक 3 मास की श्रग्रेतर श्रवधि तक श्रथवा ग्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थानापन्त रूप से प्रबन्धक (य० त० मं०) (ग्रुप क' ६० 1500-60-1800) के पद पर नियुक्त करते हैं । नियुक्ति की यह वर्तमान ग्रवधि भी संघ लोक सेवा श्रायोग के श्रनुमोदन के श्रध्यधीन है ।

2. श्री जै० के० खन्ना प्रबन्धक (प० त० सं०) की नियक्ति पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर है और उन्हें इससे प्रबन्धक (प० त० सं०) के रूप में नियमित नियक्ति ध्रयवा धरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

सं० ए० 32013/1/84-प्रणा० 2- इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 31 मई 1984 का श्रांशिक संशोधन करते हुए संघ लोफ आयोग में के० स० से० के श्रवर सिचव श्री आर० एन० ख़ुराना की विशेष कार्य प्रधिकारी (संवर्ग बाह्य ग्रुप 'क') के रूप में आयोग के कार्यालय में नियुक्ति 1-5-1984 से छः महीने के लिए अथवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्ति की शतौं एवं तदर्थ श्राधार पर हुई है।

प्रतिनियुक्ति के दौरान उनका वेशन समय-समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का० जा० सं० एफ०1 (II) ई० !!! (ब)/75 दिनांक 7-11-1975 के उपबन्धों की जतों के ग्रनुसार विनियमित होगा ।

> एम० पी० जैन, श्रवर सचिव, इते श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 जून, 1984

सं० ए० 32014/2/82 प्रणा० II— इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधमूचना दिनांक 27 दिसम्बर 1982, में आंशिक संशोधन करते हुए श्रो ग्रार० डो० क्षतिय, श्रनुसंधान विश्लेषक को जो 14-12-82 से ग्रगले ग्रादेशों तक नियमित ग्राधार पर स्थापन्न रूप से, श्रोमती राज कुमारी ग्रानन्द कार्नेष्ठ ग्रनुसंधान ग्रिधकारी (श्र० तथा सां०) के छुट्टी पर होने से उनके स्थान पर स्थापन्न रूप से किनष्ठ ग्रनुसंधान ग्रिधकारी (श्र० तथा सां०) के पद पर कार्यरत थे, नियमित ग्रिधकारी (श्र० तथा सां०) के पद पर कार्यरत थे, नियमित ग्रिधार पर 15-10-83 से ग्रगले ग्रादेशों तक, श्रीमती राजकुमारी ग्रानन्द जिन्हें उसी तारीख से भ्रनुसंधान ग्रिधकारी नियुक्त किया गया है, किनष्ट ग्रनुसंधान ग्रिधकारी (श्र० तथा सां०) नियकत किया जाता है।

एम० पी० जैन ग्रयर संचिव(प्रशा०) कृते सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011 दिनांक 22 मई, 1984

सं० ए० 32014/1/84 प्रणा०— संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के निम्निलिखित सहायकों कोः राष्ट्रपित द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अविध अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष निमुक्त किया जाता है।

क्र०सं०		नाम	पदोन्नति की भ्रवधि	
				सक
-	1	2	3	4
_	2. श्री	ातो एन० मीरा के० एल० सूद गुरबक्श राथ (श्र० जा०)	25-4-84 25-4-84 14-5-84	8-6-84 8-6-84 28-6-84

दिनांक 24 मई 1984

सं० ए० 32014/1/84 प्रणा०—III— संघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग ध्रिधकारी श्री एन० पी० एस० गुजराल को राष्ट्रपति द्वारा तदर्थ ध्राधार पर 25-4-84 से 8-6-84 तक अथवा ध्रागामी ध्रादेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रिधकारों के पद पर कार्य करने के लिए सहर्थ नियुक्त किया जाता है।

2. कार्मिक भ्रौर प्रणासनिक सुधार विधाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 12/1/74 सो॰ एस० (I) दिनांक 11-12-75 की गर्तों के ग्रनुसार रू० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेगें ।

दिनांक 6 जून 1984

सं० ए. 32011/1/83प्रशा०-1—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग श्रिधकारियों को राष्ट्रपति द्वारा 28-5-84 से 11-7-84 तक 45 दिनों की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो के० स० से० ग्रेड़ I में श्रवर सचिव के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्य नियुवत किया जाता है:--

क०सं०

ग्रधिकारियों के नाम

सर्वश्री:

- 1. श्रीबी० एन० ग्ररोड़ा
- 2. भाई० पी० तुली
- 3. के० एज० सूरी
- 4. बी० डी० शर्मा

दिनांक 14 जून, 1984

सं० ए० 32013/1/80 प्रशा० II(1)—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 23 मार्च, 84 के प्रनुक्रम में प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा प्रायोग एतद्वारा श्री एम० एल० रस्तगी, स्थायी प्रोग्रामर, संघ लोक सेवा श्रायोग को 18-5 1984 से 17-8-1984 तक, 3 मास की अग्रेतर प्रविध के लिए श्रयवा श्रागामी आदेशों तक जो भी पहले हो संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तक्ष्यं श्राधार पर वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद (ग्रुप 'क' र० 1100-50-1600) पर नियुक्त करते हैं। नियुक्ति की यह वर्तमान श्रवधि भी संघ लोक सेवा श्रायोग के श्रनमोदन के श्रध्यक्षीन है।

2. श्री एम॰ एल्॰ रूस्तगी, की वरिष्ठ प्रोग्रामर के रुप में नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर की गई है श्रीर उन्हें इससे वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियमित नियुक्ति श्रथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

सं० ए०32013/1/80 प्रशा० II(2)—इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 23 मार्च, 1984 के श्रनुक्रम में श्रध्यक्ष, संघ लोक मेवा आयोग, एतद्ढारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय के स्थायो श्रोजामर श्री जे० पी० श्रग्रवाल को तदर्थ श्राधार पर 1-6-84 से 31-8-84 तक 3 मास की श्रग्रेतर श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेणों तक, जो भी पहले हो श्रायोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर (ग्रुप 'क' क० 1100-50-1600 के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री जे० पी० अग्रवाल की वरिष्ट प्रोग्रामर के पक्ष पर नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ श्राक्षार पर है श्रौर उन्हें वरिष्ट प्रोग्रामर के पद पर नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्टता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

विनांकः 1.8 जून, 1984

सं० ए०35014/2/80 प्रशा $^{\circ}II/(^{i})$ — इस कार्यालय की समसंस्थक प्रधिसूचना दिनांक 9 मार्च 1984 के प्रनुकम

में सिचव, संघ लोक सेवा ग्रायोग एतव्दारा श्री एम पी० माथुर, किनष्ठ लेखा ग्राधिकारी, संघ लोक सेवा ग्रायोग को ग्रायोग के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर 1-6-84 से 15 जुलाई 1984 तक ग्रायेतर ग्रावधि के लिए ग्रथवा नियमित नियुक्ति किये जाने तक, जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से लेखा ग्राधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए 35014/2/80 प्रणाः II/(ii)—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 9-3-84 के प्रनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा श्रायांग एसद्द्वारा निम्नलिखित प्रधिकारियों को 1-6-84 से 15-7-84 तक प्रथम नियमिस नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में लेखा श्रधिकारों के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

ऋ० सं० नाम व पदनाम

- श्री सुदर्शन कुमार, प्रनुभाग प्रधिकारो (के० स० से० संवर्ग)
- 2. श्री बी० सी० काजला, ग्रनुभाग ग्रधिकारी (के०स० से० संवर्ग)
- श्री ए० के० सर्मा, अनुभाग श्रिष्ठिकारी (के० स से० संवर्ग)
- 2. उपर्युक्त प्रधिकारी लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेगी और उनका वेतन समय-समय पर यथासंगोधित वित्त मंत्रालय, ब्यय निभाग के का० ज्ञा० सं० एफ० 1 (ii) ई० III (ख) /75, दिनांक 7-11-75 में सन्निहित प्रनुदेशों की शतों के अनुसार विनियमित रहेगा।

एम० पी० जैन श्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 30 जुन 1984

सं० ए० 19014/3/81 प्रणा० - प्रपनी प्रतिनियुक्ति की ध्रवधि पूरी करने और ध्राकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग में उप निवेशक (प्रणा०) के पद से कार्य मुक्त होने के उपरान्त के० स० से० ग्रेड़ I ध्रधिकारी श्री वाई० ध्रार० गांधी ने सं० लो० से० ग्रा० में ग्रवर सचिष के पद का कार्यभार 30 जून 1984 ध्रपराहन से संभाल लिया है।

एस० बनर्जी धवर सचिव, संघ लोक सेवा धायोग गुह मंद्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय धन्नेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक

1984

सं० भार०-116/68-प्रशासन-5-- निवर्तन हो जाने पर, श्री भार० पी० अरोड़ा ने, दिनांक 30 जून, 1984 के अपराह्म से, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० एस०-4/73-प्रणासन-5-निवर्तन हो जाने पर श्री पुरुष्टिर सिंह, ने दिनांक 30 जून, 1984 के श्रपराह्म से हिन्दी अधिकारी, केन्द्रीय श्रन्त्रेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 7 जुलाई 1984

सं० ए० 19016/1/83-प्रशासन-5--श्री के० एस० ढिल्लों, भा पु० सेवा (म० प्र० 1953), संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय प्रन्थेषण ब्यूरो एवं विशेष पुलिस महानिरीक्षक/ विशेष पुलिस स्थापना की सेवाऐं, दिनांक 4 जुलाई 1984 के ग्रपराह्म से, पंजाब सरकार की सौंपी जाती हैं।

> भ्रार एस० नागपांस, प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०), केंद्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 जुलाई 1984

सं ० पी० सात 3/83 स्थापना-1-भाग-II--राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के निम्नलिखित निरीक्षकों की पुलिस उप प्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर ग्रस्थाई रूप में ग्रग्ले श्रादेश होने तक सहर्ष पदोक्षत करते हैं।

 इन कर्म चारीयों ने उनके नाम के श्रागे लिखे युनिट में वर्शायी गई तारीख से श्रपना कार्यभार संभाल लिया है।

क्रम० सं० घष्टिकारी का नाम	जिस युनिट में पद स्थ के लिए गए	
1 2	3	4
सर्व श्री		
1. सुरज सिंह	64 वाहिनी	14-2-84
2. सी० बी० ग्रानन्द	40 वाहिनी	30-1-84
3. सतेह सिंह	19 वाहिनी	07-2-84
4. राम चन्दर सिंह	39 बाहिनी	31-1-84
 बख्तावर सिंह 	72 वाहिनी	23-3-84
6. एस० पी० भ्रानन्य	32 वाहिनी	27-2-84

	AND THE RESERVE		
1 2	3	4	1
	·		43. एम०
7. धारा सिंह	75 वाहिनी	30-1-84	4.4. वेश र
		(ग्रपरान्ह)	
8. प्रभु वयाल	55 वाहिनो	25-1-84	45. रहन
, D. D.	ŕ n	(भ्रपराण्ह)	
9. एन ० के० कनीक	20 बाहिनी	21-2-84	46. गोरध
10. बी०सी०कटोच	68 वाहिनो	11-2-84	CZ.
11. नरेन्द्र दीक्षित	74 वाहिनी	30-1-84	48. एस०
12. गौरी शंकर सिंह	03 वाहिनी	30-1-84	49. जगम
13. धनी राम	37 वाहिनी 34 साहिनी	14-2-84	50. सुभा
14. डी० के० शर्मा	61 वाहिनी जी० सी०	03-2-84	51. सुरेन
15. एम बेंकट रामुबु	जारुसार (पालिपुरम)	09-2-84	52. ፒ ፡ ፒ
16. एस के० मिश्रा	(पालपुरम) . 73 वाहिनी	11-2-84	53. नील
15. एस कर्णामञ्जा 17. एस० एस० रावत	. 73 पाहिना 47 वाहि नी	06-2-84	54. एस
17. एसण्डसण्डापता र 18. गुरदयाल सिंह	47 पाहिना 20 वाहि नी	22-1-84	-
16. पुरवनाता १६६	20 नाहुना	22ाः उ <i>न्</i> (झपरान्ह)	5 5. पीं०
19. जे० एस० जेम्डा	03 वाहिनी	23-1-84	56. रॉम
10. 40 7/10 4:01	ob angar	(भ्रपरान्ह)	5 7. के०
20 कृपाल सिंह	16 वाहिनी	24-1-84	57. क् 58. पी०
21. सीस राम यादव	33 वाहिनी	26-1-84	59. कुन्य
		(भ्रपरान्ह)	30. g.4
22. मोहन सिंह	07 वाहिनी	10-3-84	
23. भाग सिंह	जी०सी० (गोह		
•	` `	17-1-84	
24. गिरधारी लाल	74 वाहिनो	25-1-84	
25. भीकाजी निक्कम	50 वाहिनी	31-1-84	#
		(म्रपरान्ह)	नर्ध
26. प्रकाश सिंह	72 वाहिनी	04-2-84	सं०
27. एस० पी० बदोला	73 वाहिनी	03-2-84	24-1-
28. मंजीत सिंह	67 वाहिनी	29-1-84	्र
29. गोविन्द सिंह राणा	25 वाहिनी	30-1-84	पुर [ु] नर महानिरीध
30. राम किशन यादव	72 वाहिनी	04-2-84	1611.171
31. जे० पी० क्लोरा	5 5 वाहिनी	16-2-84	क०सं०
32. राम निवास	46 वाहिनी	17-3-84	
		(श्रपरान्ह)	1. श्री
33. सुरेश पाल सिह	73 वाहिनी	03-3-84	
34. हरबंश सिंह	75 वाहिनी	06-4-84	2. श्री
35. एम० डी० भटटे	51 वाहिनी	25-3-84	3. শ্বী
36. लाल चन्द	39 वाहिनी	9-4-84	₹
37. ए० एस० वर्मा	31 वाहिनी	22-3-84	पर, नि य्
38. के० जी० जोसफ	65 वाहिनी 	28-4-84	(पंजाबः
39. ज्ञान चन्त्र शर्मा	52 वाहिनी	02-3-84	सु० ब०
40. मोहन्दिर सिंह	50 वाहिनी	19-3-84	भीर उन
41. के० के० मिश्रा	74 बाहिनी	15-3-84	महानिरी
42. मंजीत सिंह गिल	श्रार० टी० सी		गई है
,		29-2-84	- महानिरी

1 2	3	4
43. एम० करणा करन	73 थाहिनी	03-3-84
44. वेश राज यादव	3 3 वाहि मी	29-3-84
,		(ग्रपरान्ह)
45. रत्न सिंह	23 बाहिनी	29-3-84
		(भ्रपरान्ह)
46. गोरधन सिंह	5 5 वाहिनी	05-3-84
प्यार चन्द	20 वाहिनी	15-3-84
48. एस०पी० शर्मा	18 वाहिनी 🕆	15-3-84
49. जगमाल सिंह	28 वाहिनी	23-5-84
50. सुभाष सिंह	76 वाहिनी	05-4-84
51. सुरेन्द्र कुमार	19 वाहिनी	23-3-84
52. ए० एस० खा न	म्राई० बी०	28-4-84
53. नील कंठ	0 4 वाहिनी	17-4-84
54. एस०पी० तिवारी	27 बाहिनी	15-4-84
		('ग्रपराह्न)
5.5. पी० चन्दर से खर न	जी०सी० (ग्र	वाक्षी)
		12-4-84
56. राम सिंह	49 वाहिनी	07-4-84
57. के०सी०एस० नेर्ग	ो 27 बाहिनी	30-4-84
58. पी० वी० जोय	75 वाहिनी	09-4-84
59. कुन्यन सिंह	66 बाहिनी	09-4-84
		म० पी० जखमोला
	सहाय	कनिदेशक(स्था)

महानिवेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 जुलाई 1984

सं० $\xi-38013$ (2)/2/80-कार्मिक—राष्ट्रपति 24-1-1984 में निम्नलिखित ग्रधिकारियों को के॰ ग्रो॰ सु॰ ब॰ में स्थानांतर के ग्राधार पर मूल रूप से सहायक महानिरीक्षक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते ξ :-

क०सं०	नाम	मूल विभाग	
1. श्री एम	० एस० साण	सीमा सुरक्षाबल	
2. श्री एस० एस० किरपेकर		सीमा सुरक्षा बल	
3. श्रीके	एन ० स क्सै ना	मध्य प्रदेश पुलिस	

सं० ई-16013(2)/23/84-कार्मिक-प्रतिनियुक्ति पर, नियुक्ति होने पर, श्री ए० सी० शर्मा, भा० पु० ने० (पंजाब: 72) ने 30-5-84 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली में कार्यभार क्मंभाल लिया श्रौर उनकी तैनाती के० श्रौ० सु० व० मुख्यालय में सहायक महानिरीक्षक (फायर) के रूप में श्रस्थायी तौर पर कर वी गई है जहां उन्होंने 15-6-84 के पूर्वाह्न से सहायक महानिरीक्षक (फायर) के पद का कार्यभार संभाल लिया है। सं० ई-16013(2)/23/84-कार्मिक-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री गुरदयाल सिंह, भा० पु० से० (पंजाब 69) ने 16 मई, 1984 के अपराहन से के० औं० सु० ब० मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया और के० औ० सु० ब० यूनिट, वी० एस० एस० सी० (ग्राई० एस० ग्रार० ग्रो० थुम्बा में तैनात किया गया जहा उन्होंने 4-6-84 के अपराहन से के० औ० सु० ब० यूनिट वी० एस० एस० सी० (ग्राई० एस० ग्रार० ग्रो०) थुम्बा के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 7 जुलाई 1984

सं० ६० 16013(2)/23/84-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री जी० एस० भुस्लर, भा० पु० सु०
(पंजाब: 66) ने 21-5-1984 के पूर्वाह्म से के० ग्रौ० सु०
व० मुख्यालय, नई विल्ली में कार्यभार संभाल लिया है ग्रौर
जनकी सैनाती के० ग्रौ० सु० व० यूनिट डी० टी० पी० एस०
दुर्गापुर में कर दी गई है जहां उन्होंने 25-5-1984 के पूर्वाह्र
से के० ग्रौ० सु० व० यूनिट, ग्री० टी० पी० एस० युर्गापुर
के कमां डेंट के पव का कार्यभार संभाल लिया है।

(ह०) भ्रपठनीय महानिदेशक/के०औ० सु० ब०

वित्त मंत्रालय ग्रार्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, विनांक 27 जून 1984

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/84—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या बी० एन० पी०/सी/5/83 दिनांक 27-12-1983 के अनुक्रम में श्री जी० श्रार० ठाकुर की तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना) के पद पर की गई नियुक्ति की अविधि दिनांक 22-6-1984 से छः माह के लिये उन्हीं गर्ती एवं प्रतिबन्धों पर ग्रीर बढ़ाई जाती

> मु० वै० चार, महाप्रवन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई विल्ली-110002, विनांक 5 जुलाई 1984

सं० प्रशा० 1/का०/घा० संख्या 127—श्रीमान निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य इस कार्यालय के श्री तिलकराज साहृनी स्थायी प्रनुभाग प्रधिकारी (प्रव सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारी) को स्थानापक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के वेतनक्रम 800—1200 रू० में 27-6-1984 पूर्वाहृन से प्रगले प्रावेश दिये जाने तक नियक्त करते हैं।

प्र० विपाठी, संयुक्त निदेशक ले०प०(प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्छ प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1984

सं० प्रशा० 1/8-1/84-85/224---महालेखाकार भ्रांध-प्रदेश हैदराबाद कार्यालय, अधीन लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को महालेखाकार, भ्रांध प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000 ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर उनके नाम के श्रागे बताई गई तारीख से जब तक श्रागे श्रादेश न दिए जाएं नियुक्ति किये जाते हैं:---

नाम		भारग्रहण ता	रीख
1	2	3	
-	पि० वी० रमना	18-6-1984	पू०
2. श्री	' ग्रार'० रंगनाथन–1I	26-6-1984	पू०

यह पदोश्रति उनसे वरिष्ठ सबस्यों के दावे पर प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा श्रांध्र प्रदेश उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय में भ्रानिणीत याचिताश्रों के ग्रधीन है।

> वी० वेदकुमारी . उपमहालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार (लेखा) बिहार रांची,दिनांक 2 जुलाई 1984

'सं० का० ग्रा० प्र० 158——महालेखाकार -1, बिहार रांची अपने कार्यालय अधिकारी श्री निपेंद्र नारायण सिन्हा को अपने कार्यालय में दिनांक 23-11-1983 के अपराह्र से श्रगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

> ह०ग्र पठनीय वरीय उपमहालेखाकार (प्र०) बिहार

कार्यालय महालेखाकार (ग्रं०), बिहार पटना (स्थानीय श्रंकेक्षण शाखा)

रांची, दिनांक 6 जुलाई 1984

सं० एल० ए० प्रणा० I—स्था० I—1959—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) I बिहार पटना प्रपने कार्यालय के स्थानीय श्रंकेक्षण गाखा के सहायक लेखा परीक्षा श्रिष्ठिकारी श्री श्री० के० घोष को 23-6-1984 (पूर्वाह्र) से अगल ग्रावेश तक लेखा परीक्षा ग्रिष्ठिकारी पव पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष प्रवेन्नत करते हैं।

देवन्नत मुखर्जी, स्थानीय लेखा, बिहार परीक्षक कार्यालयं, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-प्रथम, मध्य प्रद्रेश

ग्वालियर, दिनांक 2 जुलाई 1984

सं० प्रशासन II/समूह II—क/स० ले० ग्र०-ग्र० ग्र०/198 4-8 5 प्रोफार्मा/1/169—महालेखाकार (ले० प०)-I म० प्र० खालियर ने निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रिधिकारियों को ('निक्स्टिबलों रूल' (Next below rule)के ग्रंतर्गत स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी के पद पर वेतनमान क्पये 650—30—740—35—880—द० रो०—40—1040 में उनके नाम के ग्रागे दर्णाये विनांक से प्रोफार्मा पदोन्नति प्रवान की है:—

ऋ० नाम	स्थाई	पदोन्नति
सं०		करने का दिनांक
	2/1535	1-3-84

श्री ग्रीर वा० स्वणकार 2/1535 1-3-84
 श्री ग्री० पी० गुल्हटी 02/1430 1-3-84
 [प्राधिकार म० ले० (ले० प०) प्रथम के ग्रावेश
 दिनांक 26-5-1984 एवं० 5-6-1984]।

एस० दीन वयाल उप महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, 110066 दिनांक 9 जुलाई 1984

सं० प्रणा० 1/1172/1/जिल्द-III—इस विभाग की विनांक 24-9-1982 तथा 9-2-83 की ग्रधिसूचना सं० प्रणा०1/1172/1/जिल्द-1 के संदर्भ में जो भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रधिकारियों (प्रतिनियुक्ति पर) की, 'ग्रनुक्रम नियम ग्रधीन', उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड (वेतनमान रूपये 2250-125/2-2500) के स्तर-II में, स्थानापन्न रूप $\frac{1}{4}$ कार्य करने के लिए नियुक्ति से संबंधित है।

2. 'अनुक्रम नियम के अधीन' भारतीय रक्षा लेखा सेवा के, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर—II में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, श्री बी० जी० जोशी, श्राई० डी० ए० एस० (दिनांक 24-9-1982 की अधिसूचना की क्रम सं० 5) की नियुक्ति, जो प्रारम्भ में दिनांक 20-7-1982 से 19-1-1983 तक की 6 माह की अवधि के लिए थी, को इस विभाग की दिनांक 9-2-83 की अधिसूचना में, दिनांक 20-1-83 से 31-3-1983 तक की अगली अवधि के लिए बढ़ाई गई थी। राष्ट्रपति, श्रव श्री बी० जी० जोशी को अनुक्रम नियम के अधीन', मिलने वाले लाभ को दिनांक 1-4-83 से 31-10-83 तक की अगली अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

मी० एस० ज्**फा** रक्षा लेखा भ्रपर महानियंत्रक, रक्षा मंत्रालय

भारतीय <mark>मार्ड</mark>नेंस फैक्टरियां सेवा म्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनांक 28 जूम 1984

सं० 30/जी/84—-श्री बी० बी० महीन्द्र, स्थानापन्न संयुक्त निदेशक (मौलिक एवं स्थायी उप प्रबन्धक/उप निदेशक (दिनांक 31 श्रगस्त, 1983 श्रपराह्म) से सेवा निवृत हुए।

सं० 31 जी/84—स्त्री आर० पी० अग्रवाल, उप निदेशक (स्थायी एवं मौलिक स्टोर होल्डर) विनांक 31 जनवरी, 1984 (ग्रपराह्न) से स्वेष्ठापूर्वक सेवा निवृत हुए।

> वीं० कें० मेहता, निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1984 श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/424/56-प्रणासन (राज०)/5534—राष्ट्रपति, श्री बी० के० मेहता, उप मुख्य नियंक्षक, श्रायात निर्यात (केन्द्रीय ज्यापार सेवा, वर्ग 2) को 1 फरवरी, 1984 के पूर्वाह से श्रगला श्रादेश जारी होने तक श्रायात-निर्यात व्यापार नियंद्रण संगठन में स्थानापन्न रूप से संयुक्त मुख्य नियंक्षक, श्रायात निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा, वर्ग) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 जुलाई 1984

सं० 1/9/82/प्रणा० (राज०) 5554—राष्ट्रपति, श्री एस० काक, ग्राई० ग्रार० एस० (सी० एंड सी० ई० 68), संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 30 जून, 1984 के ग्रपराहन से ग्रगला ग्रादेश जारी होने तक निर्यात ग्रायुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

> प्रकाश चन्द्र जैन, मुख्य नियंत्रक, श्रायास निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1984 आयात-निर्यात क्यापार नियंत्रण

सं० 6/1297/79-प्रशा० (रा०) — 5541 — सेवा निवृति की धायु होने पर मुख्य नियंत्रक, भ्रायात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली के श्री एस० पी० ग्रानन्द नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) 31 मई 1984 के भ्रपराहृन से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

एम० एम० जयन्त, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कृते मुख्य नियन्नंक, भायात-निर्यात विकास भायुक्त (हस्तिभिल्प) कार्यालय मई विल्ली-110066, दिनांक 11 जून 1984

सं० 58/225/80-प्रशासन-1-प्रधिर्वीयता की प्रायु प्राप्त होने पर, श्री जी० के० मटनागर, उप-निवेशक (सह-कारिता), विकास श्रायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली 31 मई, 1984 के श्रपगाह से नग्कारी सेवा से निवृत हुए।

शिरोमणि शर्मा, विकास आयुक्त (हस्सशिरूप)

उद्योग मंत्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग (श्राधिक संलाहकार का कार्यालय) नई विल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1984

सं० ए०-32015(1)/81-धा० स० —-राष्ट्रपति, भारतीय श्राधिक सेवा के ग्रेड-3 के एक ग्रधिकारी श्री एन० नट-राजन की श्राधिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग मंत्रालय में उसी सेवा के ग्रेड-2 के एक पद पर 29 जून 1984 की भ्रपराक्ष से सहायक श्राधिक सलाहकार के रूप में नियुक्ति करते हैं।

> मनमोहन सिंह, भ्रपर भ्राधिक सलाहकार

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1984

सं० ए०-19018(359)/78-प्रशा० (राज०) -- केन्द्रीय हस्त श्रीजार संस्थान, जालन्धर में प्रधान निदेशक के पद पर नियुक्ति हो जाने पर डा० मंजीत सिंह ने विकास आयुक्त (ल०उ०) का कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 5-4-84 (प्रपराह्न) से निदेशक, ग्रेड-I (धातुकर्म) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एस० के० पुरकायस्थ, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन श्रनुभाग-1)
नई दिल्लो दिनांक 13 जून 1984

सं० ए०-1/1(855) --पूर्ति तथा निपटान महानिधे-शालय, नई दिल्ली के स्थाई कनिष्ठ प्रगति श्रिधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड-) श्री श्रार० भार० दक्ता का दिनांक 6-6-1984 को निधन हो गया। दिनांक 29 जून 1984

सं० प्र0-1/1 (1237) —— निदेशक निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय के प्रधीक्षक (स्तर—II) श्री पी० हिर्रज को इसी कार्यालय में दिनांक 6 जून, 1984 के प्रशांत्र में 2 मास की श्रवधि के लिये श्रथवा सूची में शामिल प्रधिकारों की तैनाती होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, पूर्णतः तवर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त किया जाता है। उनकी नियुक्त निदेशक निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय के सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री जे०पी० वास के स्थान पर की गई है जो 31-5-84 के श्रपराङ्ग से सेवानिवृत्ति हो गए हैं।

दिनांकं 30 जून 1984

सं० ए०-1/1(1107)--इस महानिवेशालय के स्थायी किनिष्ठ प्रगति ग्रिधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री जैशी राम ग्रिधिविषता वय प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-84 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गये।

राजबीर सिंह उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई विल्ली, 110001, दिनांक 28 जून 1984

सं० प्र०-17011/116/79-प्र-6 — राष्ट्रपति, निरीक्षण प्रधिकारी (ग्रिभयांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा,
ग्रुप "ए") श्रिभयांत्रिकी माखा का ग्रेड II) श्री पी०
माधवन को दिनांक 8 जून, 1984 के पूर्वाह्म से छः
मास की श्रविध के लिये श्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर
भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, पूर्णतः तद्वर्ष ग्राधार
पर उप निदेशक निरीक्षण (ग्रिभयांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण
सेवा, ग्रुप "ए" श्रभियांत्रिकी माखा का ग्रेड II) के पद पर
स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। श्री माधवन की पदोन्नति
दिस्ली उच्च न्यायालय में विचाराश्रीन सिविल रिट याचिका
संख्या 1457/81, 1590/81 तथा 1973/81 के ग्रन्तंगत
तीन एल०पी०ए० सं० 67/83, 68/83 तथा 69/83 के
ग्रान्तिम निर्णय होने के श्रधीन होगी।

- 2. श्री माधवन की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये दावा करने का कोई हक नहीं होगा श्रीर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरिष्ठता, पदोन्नति की पालता तथा स्थायोकरण के लिये नहीं गिनी जायेगी।
- 3. श्रो माधवन ने विनांक 7 मई, 1984 के श्रपराह्म से निदेशक निरोक्षण, बम्बई के कार्यालय में निरोक्षण शक्षिकारों (श्रशिष्) के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर दिनांक 8 जून, 1984 के पूर्वाह्म से बम्बई निरीक्षण मंडल

के अधीन भ्रष्टमदाबाद में उप निदेशक निरीक्षण (ग्रिभि०) के पद का कार्यभार सम्भास लिया है।

> सोहन लाल कपूर उप निदेगक (प्रशासन)

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता 700316, दिनांक 3 ज्लाई 1984

सं० 467वी/ए-19012 (1-एम॰ग्रार०वी॰)/83-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महाइदिणक श्री एम॰ ग्रार० भुटियानी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650/-४० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-व०-रो०-35-880-40-1000-४० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 14-5-84 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी निवेशक (कार्मिक) कृते महानिवेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनोक 3 जुलाई 1984

सं० ए-19011(55)70-स्था०ए०--विभागीय पदोभृति समिति की सिफारिश पर श्री बी० एम० राष्ट्रवन, स्थायी
वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो को 3 मई
1984 के पूर्वाह्र से क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी के पद पर
स्थानापन्न रूप में पदोक्षति प्रदान की गई है।

दिनांक 6 जुलाई 1984

सं० ए~19011(336) 82-स्था०ए०--संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर श्री एस०एम० वांडेकर की दिनांक 16-5-84 के पुत्रिक्त से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी० पी० वादी
प्रशासन प्रविकारी
भारतीय खान ब्यूरो
कृते नियंसक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

(महासर्वेक्षक का कार्यालय) वेहरादून, दिनांक 6 जुलाई 1984

मं० सी-6095/718-ए--श्री एन० प्रार० प्रयंगर, स्थानायस काशीना प्रयोगक (प्ररिष्ठ नेतनमान), स०प्र० एवं सा० उ०कें ०, जो इस कार्यालय की दिनांक 19-5-1984 की श्रिष्मचना सं० सी-6070/718-ए, के श्रनुसार श्री एच०एल० जादक स्थापना एवं लेखा श्रिष्ठकारी की श्रवकाश रिक्ति पर दिनांक 3-4-84 (श्रपराह्म) से दिनांक 2-6-84 तक स्थापना एवं लेखा श्रिष्ठकारी (सा० सि० से० सुप "बो") के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए गए थे, श्रव दिनांक 3-6-84 से दिनांक 3-7-84 तक उक्त पद पर श्री के० वी० कुष्णामूर्ति, स्थापना एवं लेखा ग्रिष्ठकारी की ग्रवकाश रिक्ति पर स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहेगें।

गिरीमा चन्द्र प्रग्नवास, मेजर जनरल महासर्वेकक नियुक्ति प्राधिकारी।

मानाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली; विनांक 29 जून 1984

सं० 4(25)/84-एस-एक- महानिवेशक, भ्राकाशवाणी, एतद्दारा कुमारी हीरा पंडारीनाथ छोडनेकर को रूपये 650-30-740-35-810-दं०रो०-35-880-40-1000-दं०रो०-40-1200 के वेतनमान में 31 मई, 1984 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, पणजी में, अस्थाई रूप भें, कार्यक्रम निष्पावक के पद नियुक्त करते हैं।

सं० 4(60)/84-एस-1 — महानिवेशक, आकाशवाणी एतव्हारा श्री एम० कानन कुमार सिंह को आकाशवाणी; कोहिमा में, 650-30-740-35-810-य० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, 7 जून 1984 से अगर्से आदेशों तक अस्थाई तौर पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनोक 4 जुलाई 1984

सं० 4/18/84-एप० 1 -- महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री फैयाज शहरयार, को 6 जून, 1984 (अप-राह्म) से, ६० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, अगलें आदेश तक, रेडियो कश्मीर जम्मू में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 जुलाई 1984

सं० 4/19/84-एस०-1 ---महानिदेशक, आकाणवाणी एतव्हारा श्री एस०के० आधार्य, को 15 जून, 1984 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाणवाणी, कलकत्ता में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। मं० 4(35)/84-एस०-1 --महानिदेणक, 'आकाण-वाणी, एतद्द्वारा श्री एच० के० जी० कर्मजन्दानी को 5-6-1984 में अगले आदेण नक, 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपए के बेतनमान में आकाणवाणी, जयपुर में, अस्थाई रूप में, फार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं० 4(46)/84--एस-1 ---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्दारा श्री जोमंग जुआला को 5 जून, 1984 में अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी, ऐजल में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं० 4/52/84-एस०-1 — महानिदेणक आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस०वी० तथासे, की 8 जून, 1984 से अगले आदेण तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क्यमें के वेतनमान में आकाशवाणी, मांगली में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं० 4/73/84-गम०-1 ---महानिदेशक, आकाशवाणी, गृतद्वारा श्री सी०शू० बेल्लाक्की की 11 जून, 1984 में अगले आदेण तक 650-30-740-35-810-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में आकाशवाणी बंगलौर में, अस्पाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीण चन्द्र जथाले प्रणासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय (विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय) नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1984

सं० ए०-12026/6/83-स्था० - श्री दलीप सिंह, सुना ग्रोग प्रतारण मंत्रालय के केन्द्रीय सिंघनालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक ग्रीर विज्ञापन ग्रीर दृण्य प्रचार निदेगालय में प्रतिनिपृक्ति के आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त पर्यवेक्षक को. निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर सिनांक 30 जून, 1984 (अपराह्म) में सेवा निवृत किया जाता है।

जी० पी० भट्टी उप-निदेशक (प्रशासन)

उत्काष्ट्रन विकास संरथान देहरादून, दिनांक 28 जुन 1984

सं० 6/69/76-एन ०डी०आई० (पार्ट-2)--श्री बी० के० वाल्टर, फोरमैन उत्काष्ठन विकास संस्थान, केवल वेज सेंटर उत्तरकाणी (उ०प्र०) को विनांक 8 दिसम्बर 1983 2---166Gi84 (पूर्वाह्म) से उत्काष्ठन विकास संस्थान, केवल बेज मेंटर, उत्तरकाणी से उत्काष्ठन अनुदेशक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्ति की जाती है।

> आर० पी० शर्मा संयुक्त निदेशक

ग्रामीण विकास मंत्रालय (विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय) फरीदाबाद, दिनांक 23 जून 1984

मं० ए०-19025/5/81-प्र०-III ---भारतीय वन मेवा में खयन श्रीर उनका त्यागपत स्वीकृत होने के उपरास्त इस निदेणालय के अधीन नागपुर में श्री धी०एन० श्रीधास्तव सह्यक विषणन अधिकारी को 17-6-1984 के अपराह्म से कार्यमुक्स किया गया है।

दिनांक 10 मितम्बेर 1984

सं०ए०-19025/6/79-प्र०-III --भारतीय मानक संस्था, कलकत्ता में सहायक निदेशक के पद पर स्थायी रूप में लिए जाने के उपरान्त इस निदेशालय के श्री ए०गी० वन्द्राराव भूतपूर्व सहायक विषणन अधिकारी द्वारा दिया गमा त्यागपत्र दिनांक 10-3-1982 (अपराह्म) में स्वीकृत किया गया है।

संबा्र विषय और उनका त्यागपत्र स्विकृत होने के उपरांत इस निदेशालय के अधीन चंडीगढ़ में श्री आर०बी० सिंह, सहायक विषणन अधिकाणी को 14-6-1984 के अपराह्म से कार्यमुक्त किया गया है।

श्रतूल सिन्हा कृषि विषणन सलाह्कार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कामिक प्रभाग

बम्बई-85, दिनांक 21 जून 1984

मं० पी० ए०/80(10)/82-आर०-III--नियंत्रकः, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के श्री मुभाष चंन्द्र थो। स्थायी सहायक मुरक्षा अधिकारी को 14 जून 1984, पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

🧅 जे० राममूर्ति उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग (ऋय और भंडार निदेशालय) बम्बई, दिनांक 29 जून 1984

मं० डी ॰पी ॰ एस ॰ / 41/8/83--प्रणा ०/1555/ ---परमाणु डर्जा विभाग, ऋष और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी थी ई०ए० राजन को इसी निदेशालय में दिनांक 26-4-1984 (पूर्वाह्म) से 13-6-1984 (अप-र ह्म) तक रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-10-1-200 के मैतन मान में सहागक भंडार अधिकारी के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति राहासक भंडार अधिकारी श्री वील्पी० टिल्लू के स्थान पर दी। गई है, जिन्हें उदन अवधि के लिए छट्टी प्रदान की गई है।

सं० डी.०पी.०एस०/41/13/83--प्रणा०/15816 — परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋग श्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी श्री के०एल० नागोरी को इसी निदेशालय में दिनांक 30-4-84 (पूर्वाह्न) में 2-6-1984 (अपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारा क पद पर नदर्थ आधार पर रथानापक रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक भण्डार अधिकारा केप पद पर नदर्थ आधार पर रथानापक रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक भण्डार अधिकारा श्री वी०एन० ददलानी के स्थान पर की गई है। जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

दिनांक 3 जुलाई 1984

सं० डी॰पी॰एस॰/41/3/83-प्रणा॰/15898 — परमाणु कर्जा विभाग, क्रय ग्रीर भण्डार निदेणालय के निदेणक ने स्थायी उ०श्रे॰लि॰ ग्रीर स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री अतुर पिणाडी चेन्थामरक्षन को इसी निदेणालय में दिनांक 7-5-84 (पूर्वाह्न) से 8-6-84 (अपराह्न) तक रूपये 650-30-740-35-880-द० रो॰-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थाना-पद्म रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक लेखाक ग्रीधकारी श्री ए॰ मासकारेन्हांस के स्थान पर की गई है, जिन्हों उक्त ग्रावधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

दिनांक 4 जुलाई 1984

मं० डी०पी०एस०/41/1/83-प्रणा०/15678 --परमाणु-उर्जा विभाग, ऋष श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी ऋस सहायक श्री रंगनाथ कृष्णन अय्थर को इसी निदेशालय में दिनांक 14-5-1984 (पूर्वाह्न) से 22-6 प्र 1984 (अपराह्न) तक स्पये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में सहायक ऋस अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक ऋस अधिकारी श्री पी० वालासुन्नमण्यम के स्थान पर की गई है, जिल्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

> पी० गोपालन प्रणासन श्रधिकारी

(निर्माण एवं सेवा वर्ग) वंबई-400094, दिनांक 29 जून 1984

क्रमांक सी०ई०डी०/ए/216/1624:—-निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्गे परमाण ऊर्जा विभाग श्री श्रार०बी० पिल्लिय श्रम्भायी सहायक लेखापाल निर्माण एवं सेवा वर्ग की दिनांक 25-6-84 पूर्वाह्म से 27-7-84 तक श्री के०एम० बागा, सहायक लेखा श्रधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गयी है, के स्थान पर श्रम्थामी तदर्थ सहायक लेखा श्रधिकारी के रूप में नियक्त करते हैं।

वील्बी० धर्से प्रशासन ग्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं वम्वर्ड 400008, दिनांक 3 ज्लाई 1984

मं० 05012/प्रार2/स्था० पदो०/2663:—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयन्त्र (बढ़ोदा) के श्री एन० गंगाधरन नायर, सहायक-कामिक प्रधिकारी को इसी कार्यानय में 19 मार्च, 1984 (पूर्वाह्म) से 21 प्रप्रैल, 1984 (प्रपराह्म) नक के लिए श्री के०जे० महता, श्रम तथा कल्याण प्रधिकारी, जो छट्टी पर हैं, के स्थान पर स्थानापन्न श्रम तथा कल्याण प्रधिकारी नियक्त करने हैं।

सं० 05012/मार2/स्था० पदो०/2664:—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयन्त्र (बडोदा) के श्री घनश्याम छगनभाई पटेल, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवर श्रेणी लिपिक को उसी कार्यालय में, 19 मार्च, 1984 (पूर्वाझ) से 21 मुत्रैल, 1984 (प्रपाह्न) तक के लिए श्री एन०जी० नायर, सहायक कार्मिक श्रीधकारी जो श्रम तथा कल्याण श्रीधकारी नियुक्त किए, गए हैं, के स्थान पर श्रस्थायी रूप में तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

श्रोमती के०पी० कल्याणीकुट्टी प्रणासन ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1984

मं० ए०-32013/1/83-ई०ड्ट्स्यू० :--राष्ट्रपति ने नागर विभागन विभाग के श्री एंन०मी० गुप्ता, सहायक निदेशक उपस्कर को दिनांक 11-5-84 में छ: मास की श्रवधि के लिए या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर उपनिक्ष्णक उपस्कर के ग्रेड में पदोन्नति पर नियुक्त किया है।

2. श्री एल०सी० गुप्ता को महानिदेणक नागर विमानन के कार्यालय, ग्रार०के० पुरम, नई दिल्ली में नैनाल किया गया है।

दिनांक 26 जून 1984

सं० ए०-32013/3/82 ई०एस० ---संघ लोक सेवा श्रायोग की सभिगंसा पर राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नाम के सामने दी गई तारीख में श्रीर श्रन्य श्रादेण होने तक रू० 1500-60-1800 के वेतनमान में उपनिदेशक/नियन्त्रक वैमानिक निरोक्षण के ग्रेड में नियमित श्राधार पर प्रदोन्नत किया है।

क्रम	नाम	नियमित नियुक्तिकी
सं०		तारीख
1.	श्री ए०एन० मुखर्जी	31-5-1984
2.	श्री एस० जी० गोस्वामी	31-5-1984
3.	श्री एस० ग्रार० दास	31-5-1984
4.	श्री सी० डी० कोल्हे	31-5-1984
5.	श्री ग्रार० एन० दोसाज	31-5-1984
G.	श्री के० हिम्मत सिंह	31-5-1984
7.	श्री वी० म्नार० म्नार०	ग्रारावा 31-5-1984
,8,	श्री टीं० के० मैत्रा	31-5-1984
9.	श्री एस० एल० श्रीवा	स्तव 1-6-1984
10.	श्री फिलप मैथ्यु	1-6-1984
11.	श्री एस० एस० दास	31-5-1984

त्रि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन

नई विल्ली दिनाक 22 जून, 1984

दिनांक 30 जून, 1984

स० ए०-32013/2/81-ई०सी० --इस विभाग की राजपत्न श्रीधसूचना सं०ए०-32013/2/81 -ई०सी०, दिनांक 25 जून 1983 श्रीर 21 अप्रैल 1984 के कम में राष्ट्रपति में नागर विमानन विभाग में श्री प्यारा सिंह, सहायक सकनीकी श्रीधकारी, बैमानिक सवार स्टेणन दिल्ली की सकनीकी श्रीधकारी के बतार की गई तदर्थ निपृतित को 30-6-83 के बाद 31-1-84 तक जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

ग्रो० पी० त्रप्रवाल सहायक निदेशक प्रणासन

विदेण सचार संबा अम्बई, दिनांक 19 जून 1984

मं० 1/532/84-स्था० — विदेण संचार सेवा के महा-निदेशक एनद्द्वारा मुख्य कार्यालय, वम्बई के स्थायी हिंदी प्रमुवादक, श्री स०ना० सिंह की (जिन्हों 20 जून, 1983 के पूर्वाह्म में तदर्थ श्राधार पर हिंदी श्रिधिकारी नियुक्त विद्या गया था, इस कार्यालय की दिनांक 16-8-83 की ग्रिधिसूचना गं० 1/532/83-र्या० देखिए) 20 श्रगस्त, 1983 के पूर्वाह्न से प्रायामी प्रादेशों तक नियमित प्राधार पर स्थाना-पत्र रूप से हिंदा प्रक्षिकारों नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1984

संव 1/270/84-स्था० — विदेश संवार सेवा के महा-निवंशक एतद्द्वारा वि०सं०से०, स्थिवन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री बी०बी० ननकानी को 18 मई, 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक उभी कार्यालय में स्थानायश्र रूप से सहायक अभियंता नियक्त करते हैं।

दिनांक 25 जून, 1984

सं० 1/38/84—स्था० — विदेश मंजार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री श्रार० के० सुदान को तदर्थ श्राधार पर श्रीर स्थानीय व्यवस्था के रूप मे श्रल्पकालिक रिक्त स्थान पर 25-11-83 में 7-1-84 (दौनों दिनों सहित) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रणा०) कृते-महानिदेशक

संगठन एवं प्रबंध सेवाएं निदेशालय, योगा एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1984

फार्॰ मं० 532/7/83-प्र०में०ति० --श्री गोनाल कृष्ण गोजिन, उन-कार्यानय अबीक्षक, स्तर 1 नार्कोटिक्स श्रायुक्त, ग्वानियर जो कि इस निदेणालय में तकनीकी सहायक पद पर कार्याग्त थे, उन्होंने निरोक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, मोमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में अपर-सहायक-निदेशक के पद का कार्यभाग दिनांक 12-11-82 (पूर्वात्र) से सभान निया है।

फाउ मं उ 532/7/83-मं उमे जिला — - त्री सुतीर बैन जों, सहावर, निरोक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केल्योय उत्पादन णुन्क जो कि इस निदेशालय में तकनाको सहायर पर पर कार्यरत थे, उन्होंने संगठन एवं प्रबंध सेवाएं निदेशालय, गीमा एवं केल्योय उत्पादन शुंहक में अपर सहायर निरंशक के पद का कार्यमार दिनोक 23-5-83 (पूर्वाह्म) में गंभाल लिया है।

के० जे० रामन निदेशक

निराक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा णुल्क एवं केंद्रीय उत्पादन णुल्क नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1984

पंज 8/84 — श्रो धार अपूजा ग्रम्रवाल ने, श्रो पहले प्राप्त विकास मैवालया, नई दिल्ली में लेखा प्रधिकारी के पद गर कार्यप्त थे, मुख्य लेखा नियंत्रक, केंद्रीय उत्पादन ण्लक तथा सीमा शृलंक बीर्ड, नई दिल्ली के दिनांक शून्य के कार्यालय श्रादेश मं० 71 के श्रंतर्गत जारी पत्न सं० (प्रणा०/1(1)10/84-85/738) के श्रनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शृल्क तथा केंद्रीय उत्पादन शहक, नई दिल्ली में तैनाती होने पर दिनांक 7-6-84 (पूर्वाह्न) को श्री नन्दलाल की मृत्यु होने पर उनको एवज में वेतन एवं लेखा श्रिधकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ए०सी० सल्डाना निरीक्षण निर्देशक वन प्रमुसंधान संस्थान एवं दहाविद्यालय

यन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 2 जुलाई 1984

मं० 16/171/69-स्थापना - 1 - सेवा निवृत्ति की भविध पूरी हो जाने पर श्री के०सी० भाटिया, श्रनुसंधान श्रिधकारी, वन श्रनुसंधान सस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, 30 जून 1984 के श्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

जी०एस० ग्रोव कुलसचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1984.

सं० ए०-19012/1012/82-स्था० पांच -- अध्यक्ष, केन्द्रोय जल श्रायोग श्री टी०के० बनर्जी पर्यवेक्षक को स्रति रिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में पूर्णतया श्रस्थायी तथा तदथ आधार पर 28 मई, 1983 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करने हैं।

मीनाक्षी श्ररोड़ा श्रवर सचिव

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, ग्रलीपुर कलकत्ता, दिनांक 4 जुलाई 1984

सं० जी-318/ए — महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकता श्री बी॰के॰बी॰ सिन्डे, प्रधान लिपिक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, उत्तरी क्षेत्र, गाजियाबाद को राष्ट्रीय परीक्षण गह, उत्तरी क्षेत्र, गाजियाबाद में सहायक निदेशक (प्रणासन) श्रेणी $-\mathbf{U}$ के रूप में तदर्थ नियुक्ति के खाधार पर नियुक्त करने हैं जो कि 9-4-84 (ध्रपराह्र) से कार्यकर होगा।

जी० सी० दास सहायक निदंशक (प्रशासन) कृते महानिदंशक, रा० प० गृ०, कलकसा विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मेवालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मैंचलेस जनरल फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 1228/53/560/1944 — कम्पने स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के श्रनुसार एलद्- द्वारा यह सूचना दी जातो है कि इस तारोख से तीन मास के श्रवसान पर मैचलेस जनरल फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्ट्रर से नाम काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधिटन कर दी जाएगी!

पटना-800001, दिनांक 30 जुन 1984

कम्पनी श्रक्षितियम, 1956 श्रीर बिहार जीवन प्रा०लि० के विषय में

पटना-800001, विनांक 30 जून 1984

सं० 1497/61/560/1947 — कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसार एतद्बारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिहार जीवन प्राईवट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजिस्ट्र से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वाम्पनी अधिनियम 1956 और बी० धार० रॉलर फ्लावर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 7 जुलाई 1984

संज 1610/560/52/2122 — कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसार एतक्डारा सूचना दी जाती है कि बीज्यारज रॉलर फ्लाबर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उवन कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० वहाब ग्रंसारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स ग्रेटीबन बेनीफिट एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जून 1984

सं० 1084/पी०एस०/सी०पी०/3622 — कम्पनी ग्रिधि नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनु सरण में एतदुद्वारा यह सूचना दी जाती है कि में० ग्रेटिबिंग् बेनीफिट एण्ड चिट फण्ड प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के मामले में एवं मेर सर जैरुपीर श्रीत्रास्तव एण्ड सन्स (भोषाल) प्रार्वालिक के विषय में

ग्वालियर-474009 दिनांक 30 जून 1984

मं० 567/पी जाम ०/सी ज्या ०/3623 — कम्पनी प्रधिन् नियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अ अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाणन के दिनांक से तीन माम की समाप्ति पर, मे० सर जें०पी० श्रीवास्तव एन्ड सन्स (भोपाल) प्रा० लि० का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्णाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

> (हु०) अपठनीय कम्पनी र्राजस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर

भायकर श्रायुक्त का कार्यालय तिरुवनंतपुरम-695033, दिनांक 6 ग्रप्रंच 1984

ग्रायकर

श्रादेश सं० 1/84-85 — श्रायकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (2) में मुझे प्रदक्ष श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए मैं तिरुवनंतपुरम श्रायकर श्रायुक्त निदेश देता हूं कि श्रायकर श्रायुक्त, केरल, एरनाकुलम के समय समय पर संशोधित श्रादेश सं० 1/73-74 [सी०सं०1(9)(बी)जी०एल०/73-74, दिनांक 12-7-73] की श्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन नुरंत किया जाएगा:

 पृष्ठ ७ में मद 11 (कोलम) के अंतर्गत स्तंभ 3
 में "आयकर श्रिधकारी, डी-वार्ड, कोल्लम" को मद (IV) के रूप में जोड़ दें।

धादेश सं० 2/8.1-85 — श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (2) में मुझे प्रदत्त श्रिधिकारों का प्रयोग करने हुए मैं तिस्वनंतपुरम धायकर श्रायुक्त निर्देश देता हूं कि श्रायकर श्रायुक्त, केरल, एरनाकुलम के समय-समय पर संशोधित श्रादेश सं० 2/73-74 दिनांक 12-7-73 [सी०सं० $1(9)^{9}$ (बी) $\sqrt{3}$ िएल०/73-74] में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा :——

- पष्ठ 4 में कोल्लम आयकर मंडल के श्रंतर्गत आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोल्लम के बाद "आयकर श्रधिकारी, डी-वार्ड, कोल्लम" को जोड़ दें।
- 2. कोल्लम भ्रायकर मंडल के सभी ग्रिधकारी उपर्युक्त श्रादेश सं० 2/73-74 की श्रनुसूची के स्तंभ 2 श्रीर 3 में मूचित कार्यों का निष्पादन करेंगे।
- 2. यह ब्रादेश तुरंत लागू होगा।

दिनांक 30 ग्रप्रैल 1984

श्रादेश सं० 1/84-85 — श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (43/1961) की 124वीं धारा की उपधारा (1) श्रीर (2) में मुझे प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए एवं उक्त धारा के श्रिधन समय-समय पर जारी पुरानी श्रिधसूचनाश्रों का श्रिधकमण करते हुए, निक्वनंतपुरम का श्रीयकर श्रीयुक्त, मैं निदेश करता हूं कि संलग्न श्रनुसूची के खाना 3 में बनाये श्रीयकर मंडली से संबद्ध श्रीयकर श्रीधकारी, 1 मई, 1984/11 वैशाख, 1906 के पूर्वाह्म से उनकी सीप मंडली पर समावर्ती श्रीधकारिता रखेंगे। श्रनुसूची के खाने 2 में सूचित मंडलों के संबंध में उनके कार्यक्षेच, व्यक्ति, श्रीय की श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी श्रीद पर, जो कि उक्त श्रानुसूची के चौथी खाने में दी गई है, श्रूलग श्रादेण जारी किया जायेगा:—

₹o Ťo	मंडल क नाम	ा ग्रायकर प्रश्लिकारी का पदनाम	ग्रधिकारिता क्षेत्र
ľ	2	3	4
8	कोट्ट थम	(i) आयकर प्रधिकारी, ए-वार्ड (ii) आयकर प्रधिकारी, बी-वार्ड (iii) प्रायकर प्रधिकारी, सी-वार्ड (iv) आयकर प्रधिकारी, डी-वार्ड (v) प्रायकर प्रधिकारी, इी-वार्ड	(1) आयकर श्रध- नियम 1961 की धारा 124, 126 व 127 के अश्रीन, निम्नलिखित मंडल के अन्तर्गत थम्प किसी आयकर श्रधिकारी के केन्न से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी
			(i) चड नाग्नेरी राजस्य तालुक को छोड़कर कोहुयम राजस जिला । ग्रीर
			(ii) ६डुवकी जिले के पीरमेंड, नेडुंकंडम ग्रीर उप्टंबनचोला राजस्ब तालुक

सभी मामले जिनके, विशेष उल्लेख किया गया हो ।

I. भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 124, 126 व 127 के प्रधीन निम्नलिखित मंदल के

(i) भायकर 9. **श्रालण्युवा** मधिकारी, ए⊸वार्ड ।

16962

 $\mathbf{2}$

(ii) भ्रायकर ऋधिकारी, बी-बाई।

(iii) स्नायकर ग्रधिकारी. मी-वार्ड । मामले ।

(ii) प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 2(22) (४) की प्रर्थव्याप्ति के प्रत्सर्गन ग्रानेवाले उपर्युक्त मण्डलों में स्थित गभी

क्रंपनियों के

		ir i . Timeel . Tie:	
1	2	3	4
			मारे प्रबन्ध
			ग्रभिकर्ता ग्रौर
			सारवान हिन
			रखनेवाले
			निदेशक जो
			कि केरल
			निवासी हैं। 🕴
		r i	ि आयकर
			श्रधिनियम,
			1961 की
			धारा 124,
			126 और
		•	127 के
			ग्रधीन मभी
			मामले जिनके,
		-	विशेष उल्लेख
			किया गया
			हो ।

एम० प्रार० मेनोन विष्वनंतनुरम आयकर प्रायुक्त

श्रादेश

विषय : रथापना-ग्रायकर ग्रधिकारी "ग्रप"-"ख" के रूप में पदोन्नति

कोचिन-682016, दिनांक 6 जुलाई 1984

सी०मं० 2/प्रणा०/कोण/84-85--श्री०सी० कार्तिकेयन नायर ग्राय कर निरीक्षक को ६० 650-1200 के वैसनमान में श्रायकर श्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद पर स्थानापक्ष रूपसे कार्य करने के लिए दिनांक 6-7-1984 प्रथवा उनके द्वारा कार्यभार संभाल लेने की तारीख से जो भी बाद हो, पदीव्रत किया जाता है।

- 2. वह दो वर्ष की भ्रत्रधि तक परिवीक्षाधीन होगा,।
- उपर्यक्त पदोन्नति धनिल्म तथा किमी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। यह पदोन्नति. पदोन्नल भ्रधिकारी की पदोश्रय ग्रेड में श्रपनी बरीयता या उस पद में जारी रखने का कोई प्रधिकार नहीं प्रदान करती है।

एम० जे० मालन कोचिन ग्रायकर ग्रायक्त आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 (घ) (2) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालग गहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण) धर्जन रंज-11, मद्राम-6

मद्राम, दिनांक 21 जुन 1984

मुचना दिनांक 24-3-84 की शृद्धि-पव

ध्यान देना---संपन्ति 'कलमण्डा' 106/2, 105, नुंगम-वाक्कम् है रोड, मद्रास-34 पत्र मं० 71/83---सिनम्बर 1983--रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीमंटलैंट्स--निदेश सं० 19080-ग्रंतरक के नाम के विरुद्ध---

> शिवभाग्यम्, जी० नीलांबिगै, श्रीमती सी० मक्तला, ठी शिवकुमार, टी० रविचंद्रन, 7, बहदाम्बाल स्ट्रीट, मद्रास-34।

> एन० चोक्कलिंगम् 33/5, गजपतिनायुषु स्ट्रीट, मद्राम-30 ।

के नाम के बदलें में निम्नुलिखित श्रन्तरक के नाम पहिये ।

- . (1) शिवभाग्यम्, जी० नीलांबिग श्रीमती मी० शक्तला. ठी० णियकुमार, टी० रविचंद्रन, 7, बहुवाम्बाल स्ट्रीट, मद्राम~34 ।
 - (2) श्री एन० चोक्कलिमम् 26, गजलक्ष्मी कालोनी, गजवती नायुड् स्ट्रीट, मद्रास-30 ।
 - (3) श्रीमती जै० पर्दामनो पत्नी एम० जगराज, नं 30/6, VI मेन रोड, राजा अण्णामलैपुरमः, मद्राम-28।
 - (4) श्री एस० गोपास, 21, कनाल बैंक रोट, राजा श्रण्णामलैपुरम्, मद्राम-28।

मूचना दिनांक 2-4-1984 की मुद्धिपत

ध्यान देना--सम्पत्ति कलमन्दा 107 न्यम्बाक्कम् हाई रोड, मद्रास-34 पत्र स० 64/83, सेप्टेम्बर 83 महीतों में--रिजम्हीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय थीमंडलैंट्म मद्राम-6

निवेश मं० 19078 ---ग्रंतरक के नाम के विरुद्ध :---

सेंचुरी फलोबर मिल्स्, इंडियन् चेंबर बिहिडंगस् ऐस्पलेनेड, मद्रास-7 के नाम के बदले में निम्त-लिखित अन्तरक के नाम पढिये।

- (1) मेंचुरी फले।बर मिलस्, इंडियन चेंबर बिल्डिंगस्. ऐस्पलेनेड, मद्रास-1, की मनैजिंग डायरेक्टर श्री पी० गोविदस्वामी ।
- (2) श्री एन० चोनकलिंगम, 26, गजलक्मी कालोनी: गणपति नायुषु स्ट्रीट, मद्रास-30 ।

- (3) श्रीमिति **जे**० पर्मिनि, पत्नी जयराज, नम्बर 30/6, छटा मेन रोड, राजा श्रण्णामलैपुरम्, मद्रास-28।
- (4) श्री एस० गीपाल, 21, कनाल बैंक रोड, राजा अण्णामलीपुरम, भद्रास-28।

मुचना दिनांक 24-3-84 की णुद्धिपत

ध्यान देना---सम्पत्ति 'कल्मण्डा', 106, नुंगम्बाक्कम् हाई रोड, मद्राम--34---पत्न सं० 65/83, सितम्बर महीने में रजिस्ट्रीकर्ता प्रश्लिकारी के कार्यालय थौसंडलेंट्स--

- (1) पी० गोविदस्वामी, 7, ब्रहदास्याल स्ट्रीट, भद्राम-34।
- (2) श्री एन० चोक्कलिंगम्, 26, गजनध्यी कालोगी. गजपती नायुडु स्ट्रीट, मद्रास-30।
- (3) श्रीमती जे० पदमनी, पत्नी जथराज, नं० 30/6, छटा मैन रोड, राजा श्रण्णामलैपुरम्, मद्रास-28।
- (4) श्री एस० गोपाल, 21, कनाल बांक रोड, राजा सण्णामलैपुरम, मद्रास-28।

सूचना दिनांक 2-4-1984 की गुद्धिपव 🗸

ध्यान देना---संपत्ति 'कलमण्ड', 108, नुंगम्बाक्कम् है रोड, मद्रास-34--पत्न सं० 69/83, सितम्बर महीने में---रिजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय धौसंडलैट्स --- निदेश सं > 19082--- ग्रंतरक के नाम के विरुद्ध--

बीठ नल्लेद्रंमपिल्लै, 10, ठांक मन्दरोड, मद्रास-12 -के नाम के बंदले में निम्नलिखित अन्तरक के नाम पिठिये ।

- (1) बीठ नल्लेंद्रम् पिल्ले, 10, ठांक बन्द रोड, सद्राम-12।
- (2) श्री एन० चोक्कलिंगम्, 26, गजलक्ष्मी कार्लीनी गजपती, नायुष्टु स्ट्रीट, मद्रास-30।
- (3) श्रीभनी जे० पर्मिनी-पत्नी एम० जथराज, 30/6, छटा मैन रोड, राजा श्रण्णामलैपुरम्, मद्रास-28।
- (4) श्री एस० गोपाल, 21, कनाल बैंक रोड, राजा ग्रण्णामल्लैपुरम्, मद्रास-28।

सूचना दिनांक 15-3-84 की मुद्धिपत्

ध्यान देना--सम्पत्ति 104 में 106 तक, नुंगम्बाक्कम् हाई रोड, मद्रास-34--पत्र मं० 70/83--सिनम्बर 83 महीना--रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय थौगंडलैट्स ---

निदेश सं० 19010---श्रंतरक के नाम के विरुद्ध:----श्री देवम्मा के नाम के बदले में निम्नलिखित श्रन्तरक के नाम पढ़िये:---

- (1) श्री देवम्मा, 3/17, नृगम्बाक्कम् हाई रोड, मद्राम-34।
- (2) पी० गोविवस्त्रामी, 7. ब्रह्दाम्बाल स्ट्रीट, मद्रास-34 ।
- (3) श्री एन० चोक्कलिंगम्, 26, गजलक्ष्मी कालोनी, गजपित नायुडु स्ट्रीट, मद्रास-30।
- (4) श्रीमती जे॰ पद्मिनी, पत्नीः एम० । जयराज. 30/6, छटा मैन रोड, राजा अण्णामलैपुरम्, मद्रास-28।
- (5) श्री एस० गोपाल, 21, कनाल बैंक रोड, राजा ग्रण्णामलैपुरम, मद्रास-28।

एस० सुबमणियन महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-ाा, (i/c) मद्रास−6

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश मं० श्रार्ड० ए० मो०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/ 61--श्रन: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 10, रोड़ नं० 9 है तथा जो पंजाबी बाग, एक्स०, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायत अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्राजन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर ग्रीधिनयम-1961, के ग्रीधन तारोख ग्राक्त्वर 1983

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्मक रश्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त औं भ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/आ
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वे तिए:

भतः वस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3 —166GI[84

 श्री मदन लाल चोगड़ा, 3302, रणजात नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती माधुरी होक्षित, 2536, धरमपुरा, दिल्ली-61

(भ्रम्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के .पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्राध्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त गध्दी और पदी का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसुची

मकान नं 10, रोड़ नं 9 पंजाबी बाग एक्सर्टेंशन, नई दिल्ली, एरिया—199, 42 वर्गगज ।

> म्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारो महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-2 दिल्लो. नई दिल्लो-110002

तारोख: 18-6-1984

प्ररूप **आर्ड**. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुन 1984

निर्देश सं० स्नाई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/65---श्रतः मुझे, स्नार० पो० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- 75. से अधिक है

ष्प्रौर जिसको सं० टी०-374 है तथा जो बाराहिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (ग्रॉर इससे अपाबक श्रनुसूची में ग्रॉर पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रिधिकारों के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारताय ग्रायकर श्रिधिनयम-1961 के अधीन, तारोख ग्रवट्वर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तर्क (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- रेंक) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधने में भृष्यिया के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में मृथिधा के लिए;

श्रांगती राम कॅल।
 पत्नी श्री विणन दास,
 निवासी—टी—374,
 सहाता किदारा,
 बारा हिन्दू राव,
 दिल्ली

(भ्रन्तरक)

श्री चन्दर मोहन
सुपुत्र श्री गंगा विशन
निवासी--5520-21,
बस्ता हरफूल सिंह,
दिल्ली।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) उस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति भें हिसस्व्थ किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

प्रो० २० टी०-374, भ्रहाता किदारा, बाराहिन्दू राव. दिल्ली, तादावी--69 वर्गगण !

> ग्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जग रेंज-2 विल्लो, नई विल्ली-110002

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधीत हैं—

तारीख : 18-6-1984

प्रकप आहें.टी.एन.एस : -----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

शारत् सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर वाग्वत (निर्दाक्तक) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984 निर्देश सं० श्रार्ड० ए० सी०/एनयू०/2/37ईई-10/83/ 84--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धाए 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जो कैबेलरी लाइन, माल रोड़, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजंन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961, के ग्रधीन तारोख, श्रक्तुग्रर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखिस में बास्तिक क्य से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी वायुकी, बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उचक बुकने में सुविवा के सिए; और या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए हा, छिपाने में तृतिभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्रीमती प्रिमला बच्छी,
 निवासी—161, सुखदेव बिहार;
 नई दिल्ली।
 (2) श्रीमती बीना भल्ला,
 निवासी—4:कवेलरी लाइन,
 माल रोड़,
 विल्ली।

(3) श्री चन्द्र मोहन कालिया, निवासी—एस-51, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली। (4) श्री ग्रानिल कालिया, निवासी—-161, सुखदेव विहार, नई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजेक्वर नाथ गुप्ता, रघवेन्द्र नाथ गुप्ता, श्री रविन्दर नाथ गुप्ता, सभी निवासी— 1624, राजकुंज मदरसा रोड़, काक्सीरी गेट, दिल्ली।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त रूपित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त, शब्दों श्रौर पर्यों का, जो उक्त विधिनियम, के ब्रुध्याय 20-क में प्रिशाचिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

मन्सूची

1/2 भाग भूमि तादादी 1570.25 वर्ग मीटर. 4-कंबेलरो लाइन, माल रोड़, दिल्लो।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 18-6-1984

माह्य :

प्रकण्ड बार्ष्ट्र टी., एन्ड एसंड्रू------

भायकर मिथिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984 निर्देश सं० श्रार्ड० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/86—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्मीर जिसकी सं० 4 है तथा जो कैवेलरी लाइन, माल रोड़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन र्ज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्तिबक कप में किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स जिथानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अत: अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 (1) श्रीमती प्रोमिला बक्णी, निवासी—161, सुखदेव विहार, नई दिल्ली।
 (2) श्रीमती वीना भल्ला, निवासी=4. कैंवेलरी लाइन, माल रोड़, दिल्ली। (3) श्री चन्द्रा मोहन कालिया, निवासी—एस-51, ग्रेटर कैलाण—1, नई दिल्ली।
(1) श्री ग्रानिल कालिया, निवासी—161, मुखदेव विहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 (1) श्री अशोक जैन, सुपुत्र श्री एम० एम० जैन (1/3 भाग)

> (2) श्रीमती शीलावन्ती, पत्नी श्री एम० एम० जैन, (1/3 भाग),

(1/3 भाग), (3) श्रीमती प्रभा जैन, पत्नी श्री अशोक जैन, (1/3 भाग) सभी निवासी–88–गडोडीया मार्केट, खारी बावली, दिल्ली।

(अन्तंरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां सूर्य करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के अजपज में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित- बद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/2 भाग प्रो० नं० 4-- कैंबेलरी लाइन्य, माल रोड़, दिस्ति, तादादी-1570.25 वर्ग मीटर

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 विल्ली, नई दिल्पी-110002

तारीख: 18-6-1984

क्ष बाह. टी. ध्नु, **ए**स.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक मायकर नामुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेजि. 2, नई दिल्ली

नहै दिल्ली, दिनांक 18 जुन 1984

निर्देश मे० आई० ए० मी०/ए यू०/2/37ईई/10-83/87—अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. सं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 0-2/3 है तथा जो लुसा टावर, नैनीवाला बाग, द्विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन, तारीख अक्तुबर 1983

्रानयम-1961, क अधान, ताराख अक्तुबर 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उणित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हुए से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कभी अरने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० लुसा बिल्डर्स प्रा० लि०,
 ए-73, बजीरपुर इण्डस्ट्रीयल एरिया,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती केवा देवी गुप्ता,
 22-ए, राणा रोड़,
 आदर्श नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कांई भी नाक्षंप :----

- (कं) अन्तरण से हुई िक सी आय की बायत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किस व्यक्ति स्वारों में में किसी व्यक्ति स्वारों,
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

जन**सर्ची**

प्रो० नं० ए-2/3, लुसा टावर, नैनीवाला बाग, आजाद-पुर, दिल्ली, तादादी 68 वर्गफीट।

> आर० पी० रार्जेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख: 18-6-1984

त्रस्य काइ⁴. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/102--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

23,000/ र त. स जान्या हु

श्रीर जिसकी सं० जी—10, है तथा जो शक्ती नगर चौक,

रूप नगर. नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलम. अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भातीय
आयकर अधिनियम—1961 के अधीन, तारीख अक्तुबर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और
बन्तरिती (अन्तरित्यों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय
वासा गया प्रतिफल निम्निलीवत उद्देवय से उक्त अंतरण
किवित में वास्तविक रूप से काँच गृहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जान की बानत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सविधा के सिए;

कतः नन्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ बधीन, निम्नुतिवित व्यक्तियों, अधितु :--- मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री पवन गुप्ता,

सुपुत्र श्री एम० एल० गप्ता

निवासी—संजय हाउस,

सपरून सलन, (एच० प(०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित क्ष्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरण: ---इसमें प्रयुक्त श्रव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हरेगर जो उस अध्याय में दिया भूबा है।

मन्सची

सोप नं० जी-10, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ती नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्गफिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 18-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ[‡]. टी. एन्. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर बायूक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज-2, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/10-83/ 103--असः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसने इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० जी-7, है तथा जो गक्ती नगर चौक, दिल्ली (रूप नगर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम,—1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में शम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से धुर्द किसी आय की वायत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (म) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, डिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधित :—

 मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, अविनाथ श्री-हाउस, अपोजिट---सुपर बाजार, कर्नाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री प्रकाण चन्द अग्रवाल, निवासी—बी/27 पंचवटी, आजादपुर, दिल्ली-33।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्रो० नं० जी-7, ग्राउन्ड फ्लोर, जथना क्लाथ मार्केट, शन्सि नगर, दिल्ली, मादादी 65 वर्गफिट।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मारीख: 18-6-1984

मोहर

प्रकप नाइर, टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देण मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/104--अत० मुझे. आर० पी० राजेण.

आयकरे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् (जिसे) कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है:

और जिसकी सं० बी-22. है तथा जो शक्ती नगर, दिस्ली में स्थित है (और इसरे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिस्ली, भारतीय आयहर अधिनियम-1961, के अशीत, तारीय अक्तूबर, 1983

को प्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिशियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियिक रूप से किंपित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम को जभीन कर बेने के अन्तरक को बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थ/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धम या अन्य आस्तियां का, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा चे सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थातः मैं० टी० एम० अपाईमेंट प्रा० ति०, आदिनाथ भी हाउप, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री रमन कपूर
 और श्री राकेश कपूर,
 निवासी -- 117,
 ओल्ड गुण्या कालोनी,
 विल्लो-9।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विन्तयों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति ध्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकते।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-22, (बेसमेंट) जैना क्ताथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, सादादी 65 वर्गफिट।

> आर० पाँ० राजेश ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 18-6-1984 मोहर प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83106--अनः मुझे, और० पो० राजेण,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं यु०-जी०-16, है तथा जो शक्ति नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वास्य से उचित अन्तरण विखित में वास्तिविक कृप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वालनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम करि धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
4—166GI/84

 मैं० टी० एम० अवार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अयो० सुपर बाजार, कनाट सर्कंस. नई दिल्लो।

(अन्तरक),

2 श्री अनिल कुमार जैन, मार्फत पी० सी० जैन, 90 वीर नगर, जैन कालोती, दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के प्राचपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसुची

प्रो० नं व्यु-जी०--16, जैना क्लोथ मार्केट, पक्ति नगर, दिल्ली, तादाधी--65 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 18-6-1984

वस्य नार्वं, डी. एन्. एन्.--------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) से सभीन सूचना भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/105—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यू-जी०-21 है तथा जो मिक्त नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथितियम के अभीन कर देने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे जजने से सुविधा के जिए; कॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री स्थाम सुन्दर वर्मा और मोहिन्दर कुमार, निवासी—127—बी, एल० आई० जी० फ्लैट, अशोक विहार-2, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पृथ्येंक्त संपृत्ति के नर्चन के सिए कार्यमाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी काओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्विक्तयों में से किसी न्युक्ति ब्रुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्ध स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाकरणः -इतमे प्रयुक्त शब्दों शौड प्रां का, जो अक्त जिल्लाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

नग्तुची

प्राक्तः नं यु-जीः – 21, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, एरिया 65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

मोहर १

प्रकप नार्षः, टी. एत. एस .-----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कायलिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/107—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ०-एफ०-107, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आधकर अधि-नियम-1961 के अधीन, तारीख अक्सूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफाल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम बामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेषम से उकत अन्तरण जिला में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जलारण ते हुई किसी बाय की बाबत, अवस जिथितियम के जंबीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे सचने में बुविधा के बिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जवा, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् हिल्ल मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, अपो० सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री मित्र कुम।र गोयल,
 डी० सी० एम० रिटेल सीप 17-बी,
 खान मार्केट,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

जनत सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई आक्षेप है--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रत सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत उपूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समसर्वी

एफ०-एफ०-107, पहली मंजिल, जना क्लाध मार्केट, गक्ति नगर, दिल्ली, एरिया-65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 18-6-1984

भोहर 🖫

प्रकृष बाई. टी. एन . एस , ------

जायकर ज्भिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत हरकाड -

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
ं नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्वेश सं० आई० ए० मो०/एन्स्०/2/37ईई/10~83/ 108—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव बी-31, है तथा जी शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण एप से, विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली ,भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का त्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क योच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के खधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री खचक मल, निवासी----25/156-बी, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के [लए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकांगे।

स्वच्छीकरणः--इसमें प्रमुक्त शब्दों आरि पदों का, भी सम्बद्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ क्षोगा, को उस अध्याय में दिया स्या ही।

नन्स्ची

प्रो० नं० बी→31, (बेसमेंट) जैना क्लाथ मार्केट, गिक्त नगर, दिल्ली—~तावादी 65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

प्रकृष् कार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/10-83109---अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० 111, है तथा जो शिक्त नगर, दिल्ली: में स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ना अधिकारी के जार्यालय, अर्जन रोज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का ज़ंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अभिनियम के भूभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 मैं० टो० एम० अभार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्रो हाउस, अयो० सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मै० जना एजेन्साज, ए~294, डेपाबाल नगर, दिल्ली~33।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पृत्रां क्स संपह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>सूची

मोप नं० 111, पहली मंजिल, जैन क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली---तादादी 65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 18-6-1984

प्रकृप बाइं . टी . बुन् . एवं .: -----

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सष्टायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/ 115--अत: मुझे, आर० पो० राजेण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव बी-11, है तथा जो मिक्त नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुमूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वे विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वे कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी बाव की वावत, उनस् विचित्रक को वभीन कर देने के अन्तरक को वासिस्त में कभी करने वा उन्नसे वचने में सुविधा के जिए; वार/वा
- (क) ध्रेसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जाहिए था जियाने में स्विभा के हैं कप;

कतः अन, डक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कों, भीं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ण को उपभारा (1) दे अभीन, निम्नसिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---- मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अशोक गोयल और शारदा गोयल, निवासी——सी—3ए/ 75—बी, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्मितित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात ति खित में किए जा सकों गे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्स्पी

प्रो० नं० बी-11, (बेसमेंट), जैना क्लाथ मार्केट, मक्ति नगर, दिल्ली, तादादी--65 वर्गफीट।

> आर्० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

मोहुर 🛭

289∞व(1) के **प्रधीन तृष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984 निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/ 116--अत: मझे, आर० पी० राजेश,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपरित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक है

और जिसकी सं० एफ०-एफ०-103 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि-नियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: बौर/या
- क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अस्य बास्तियों करें, जिल्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर ब्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया बाना बाहिए था, क्रियाने में ब्रीबिया के निए;

अलः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस. अपा० मुपर वाजार, कनांट सर्कस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री एस० रिवन्दर सिंह और
 सास्टर मनविद्धर सिंह (माइनर),
 निवासी---बी-2/118,
 जनकपुरी,
 नई दिल्ली।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधीहत्वाकरी के पाद निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

ननसूची

प्रो० नं० एफ-एफ-103, पहली मंजिल, जैना क्लाध मार्केट, णक्ति नगर, दिल्ली, नादादी-65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/117—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स० बी-12-ए०, है तथा जो गक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, रिम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः

 मैं० टी० एम० श्रपार्टमेंट प्रा० लि०, श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपो०, सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती विद्यादेवीं पत्नी श्री श्रार० एल० ढींगरा, निवासी——जे— 5/101—एम, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए न कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजएक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी स्पित व्यास्त,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्ची

प्रो० नं० सोप न० बी-12-ए, जैना क्लाथ मार्केट, णक्ति नगर, दिल्ली, नादादी 35 वर्गफीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18−6−1984

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-=----

जायकार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रॅंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/118—श्रन: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्वात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ह के अधीन राक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जी-39 है तथा जो दिरया गंज, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1983

का पृथा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिनिक में बास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्सरण से क्षूद्र किसी आध की आधत उकत अभि-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य लारितयों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर लिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धार 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के पधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात्:—— 5-166GI/84 मैं० जैना प्रापर्टीज प्रा० लि०, ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपोजिट सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री एम० एस० र हेला, निवासी—एफ-13, मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली-15

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत क्यिकतयों में से किसी अयिकत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्कांगे।

म्थष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

मन्स्पी

प्रो० न० जी-39, जैना इलेक्ट० गार्केट (ए० मी०) दरिया गंज, नई दिल्ली, नादार्वी--19 वर्गफीट।

> श्रार० पी० राजेण नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

मोहर ३

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - - --

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी । एन्यू । 2 | 37ईई | 10-83 | 119--- ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश, षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25.000/- एत. से अधिक **है**

ग्रीर जिसकी सं० बी-16, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण इप मे वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हार्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अन्तूबर 1983

को धर्मेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंहरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा ने लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 १९२२ र १।) या उपन अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रणोबनार्थ अलोरनी दयारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

शन: यन , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अतमरण में. में, क्न अधिनियम की धारा 269-ध की उपशास (1) । अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मै० टी० एम० प्रपार्टमेंट प्रा० लि०. म्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपो० सुपर बाजार. कनाँट सर्कम, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती उशा वासी, निवासी--2082, रानी बाग. दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीवत मर्म्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रो० नं० बी-16, (बेसमेंट) जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

मोहर 🎉

प्रकृष् मार्थः दी . एन् . एस् , ----------

बायकर गणियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं अग्नर्ह ए० सी ० / एन्यू ० / 2 / 37ईई / 10-83 / 121-- मतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी संब बी-10, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख श्रक्तुबर 1983

को पूर्वों बत सम्परित के उचित बाबार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके क्ष्यमान प्रकेतफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजिस उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से क्षियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से सुद्र किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन करु देने के अन्तरक के वायित्व में कमी कर्दने या उससे स्वाने में तुर्गुवभा के लिए; ब्रोह/या
- (ण) एसी किसी जाय वा किसी थन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बव, उथन विधिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण बों, मीं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० टी० एम० ध्रपार्टमेंट प्रा० लि०, भ्रपोजिट सुपर बाजार, कर्नोट सर्कस, नई दिस्ली।

(मन्तरक)

2. श्री जे० एस० म्रह्नुवालिया, 2746, रणजीत नगर, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप उन्न

- (क) इस भूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ज) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगें।

स्पक्षोकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया जया है।

नम्सूची

प्रो० नं० बी-10, (बेसमेंट) जैना क्लॉथ मार्केट, ुँशक्ति नगर, दिल्ली, तावादी--65 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

मोहर .

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 18 जुन 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10~83/ 125— अत: मुझे श्राउ० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ता, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ-121, है तथा जो शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल निम्नलिक्तित उन्दृश्य से उक्त सम्तरण निमित्त में वास्तिवस स्प से कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अंतरण स हुई किसी नाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः शब, अबस अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- मै० टी० एम० प्रपार्टमेंट प्रा० लि०, श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपो० सुपर बाजार, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रनिल खन्ना, निवासी—डी-93, कमला नगर, विल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता धूं।

जनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की जवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंश- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहम्ताक्ष में के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्सूची

प्रो० मं० एफ-121, पहली मंजिल, जैना क्लॉय पुमार्केट. मक्ति नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्गफीट।

> भ्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

मुक्त बार्ड , टी., एम्., एक्.,-----

जामकर लिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-म (1) के स्थीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/ 127--- ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्राँग जिसकी सं० यु० जी०-6 है तथा जो जैना क्लाथ मार्केट, शिक्त नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्राँग इससे उपाबछ न्ध्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ,भारतीय ग्रायकर मिधिनियम. 1961 के ग्रधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाटा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण से हुई किसी लाय की बायत उक्त लिश-नियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के बायित्य में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मुनिधा के लिए;

अतः गव, उपन अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की सप्धारा (1) के अधीर, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, गर्धात् :--- मैं० टी० एम० म्रपार्टमेंट प्रा० लि०, श्राविनाथ श्री हाउस, ग्रपो० सुपर वाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कृशन लाल श्रीर श्री रोशन लाल, निवासी—4577/52 रेहगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूना कत स्म्वत्ति के वर्षन् के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

चन्द्र सम्मारत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ध्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सकिंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कई होगा जो उस अध्याय में दिया नका है।

बन्स्ची

प्री० नं० यु०-जी०-6, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी-65 वर्गफिट।

> श्रार० पी० राजेश सक्तम श्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-28 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-6-1984

मोहर 🖫

प्रस्प बार्ड .टी .एन .एस .,------

बाब्क्ट विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-इ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर वायुक्त (मिन्नीक्षण)

ग्रार्जन रेंज 2, नई यिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/128--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-क के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुए से अधिक है

मौर जिसकी सं० थी-32 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दरवमान प्रतिफल से एसे दरवमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षा से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्श निम्नितियों देव के बिल् तय पामा गया प्रतिक्श निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्श निम्नितियों देव के बिल् तय पामा गया प्रतिक्श निम्नितियों के बीच ग्री किया गया है :---

- िक) जमारण वे शुक्ष कियों बाद की वाधस उदस अधि -भिवय के विकास कह की के बन्तरक के दायित में कभी कहने वा उससे वजने वे सुन्तिभा के सिए; और∕वा
- (क) ऐसी किसी अब या किसी घर था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीव आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कड़ अधिनियम, या धर-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के जिए:

नतः, जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1): के अधीत, निम्निणिसित व्यक्षित्यों, अधीत् :--- टी० एम० भ्रपार्टमेंट प्रा० लि० श्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपो० सुपर बाजार, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 विमला रानी एण्ड जी० एस० सागर, निवासी-914, डॉ० मुखर्जी नगर, नियर बल्ला सिनेमा, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के प्यामित संपत्ति के वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्बद्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 विन की वविध, जो भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विश-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा सकोंने।

स्वस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त अध्यों और पर्दों का, को जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस सम्यास में विका गया है।

वन्त्र्ची

प्रोठ नंठ यो-32, जैना क्लॉय मार्केट, पक्ति नगर, नई दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 18 जून, 1084 फोहर

प्र**यम नार**्य हो , एस , एस , हर - - - ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायमार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निदेश सं ० श्राई० ए० सी ० /एनयू-2/37ईई/10-83/130----भतः मुझे, भार० पी० राजेश,

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अथीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं व्यू जी-25 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्लरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध , श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन विनाम श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपाल का जिल्ल काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के दीय एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नोलियित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण सिविद्व को वास्तिविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कावल उस्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269 र के अवन्त्रक वी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269 मा को उपधारत (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीक है---- टी० एम० ग्रपार्टमेंट प्रा० लि० एम ब्लाक, कनाट सर्कम, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

 श्री गुणील जैन.
 एन-327, सैक्टर 8, ग्रायर कें पुरम, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह स्वारा जारी करके पूर्वीक्ष संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

यू-जी-25. जैंना क्वाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादाक्षी

श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 18-6-1984

मोहर :

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस. -----

भामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा . 269-भ (1) के अधीन नृभना

बारत बरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आगूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/131---श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिमका उचित कालार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी-28 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 के ग्राधीन दिनांक ग्रन्सुबर, 1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत र क्त विधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: बब, उन्स्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उन्स्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- टी० एम० श्रपार्टमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, अभी० सुपर बाजार, कनाट सर्कम, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 अनिता, गुप्ता, निवासी 25/116-ए, शक्ति नगर, दिल्लो-7 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए और सकेंगे।

स्थब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय् 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

प्रो० नं० बी-28, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट

> आर०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरोधण) ग्रर्जन रोंज 2, नई दिल्लो

तारीख 18-6-1984 मोह्यु व प्रस्प आर्थ.टी.एन.एस. -------आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निदेश मं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/37ईई/10-83/ 132—म्ब्रत: मुझे, ग्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-1 (ए/सी) है, तथा जो शक्ति नगर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विण्ति है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनौंक श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उचस अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त लिधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~. 6 --166आ/34 टी० एम० भ्रपार्टमेंट प्रा० लि०,
 भ्रादिनाथ श्री हाउस, भ्रपो० सुपर बाजार,
 कनाट सर्कम, नई दिल्ली।

(ध्रन्तरक)

2. श्रोमती सार्वित्री देवी पत्नी श्रो बदरो प्रसाद गुता, निवामी बो-44, मी० सो० कालोनी, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यास्त्रियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविधन भें किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भगा है।

अन्स्यी

प्रो० नं० जी-1, ग्राउण्ड फ्लोर, जैना क्लॉथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्लो-तादादी 65 वर्ग फोट ।

> स्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 18-6-1984

मोहर:

प्रकार, बाहु, डी, एन, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृष्यना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 18 जुन 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एवयू-2/37ईई/10-83/ 133--- भ्रतः भन्ने, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-13-ए है, तथा जो जी-13-ए, णक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, मई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिश्रिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

की पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निसिंस उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण संधूद्ध किसी बाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य मों कामी कारने या असमें बचने मों सुविधा के सिन्; जरि/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों सबिभा के लिए;

कतः जब उक्त जिथिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मै० टी० एम० घपार्टमेंट, प्रा० लि० प्रादिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सकंस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती रमेण भूमारी पत्नी श्री के० एन० सेहगल, निवासी बी-12, श्रार० पी० बाग, दिल्लो।

(भ्रन्तरियी)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के बंबीन के संबंध में कोड़ों भी बाक्षीप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्थितत्यों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी बन्म व्यक्ति ध्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

प्रो० नं० जी-13-ए, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, विल्ली, एरिया—-37 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-6-1984

मोहर:

प्ररूप बाद्दी ही एन एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागूक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० गी०/एक्यू०-2/37ईई/10-83/ 134--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उश्वित बाजार मूल्य, 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसको सं० एफ-111-ए है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय श्रर्जन रेज-2, नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के अधोन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्षत सम्पत्त क उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिखित उददश्य में उक्त अंतरण जिखिल में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरंथ से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनसम के अधीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी साथ वा किसी धन वा बन्य जारितवां को जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मैं० टी० एम० ग्रपार्टमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरक)

श्री जननलाल दगा,
 निवासी~डी-3/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।
 (अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिय कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मभूम्की

प्री० नं ० एफ-111-ए, पहली मंजिल, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, नई दिल्ली, एरिया--65 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 18-6-1984

माहर:

प्रकृष आर्ड्, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक भायकार मायुक्त (निर्नेक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 18जून 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/ 135--- अतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्जार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० एफ-102 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज~2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक श्रवतूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से मुधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नितिखत उद्विध्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक कम के स्वार्थ सिखत में बास्तिक कम की स्वार्थ से कार्य के साम की स्वार्थ से कार्य की स्वार्थ से कार्य से

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आम की वासत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर ऑधानियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपान में स्विभा के निए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---

- मै० टी० एम० श्रपार्टमेंट प्रा० लि०,
 श्रादिनाथ श्री हाउम, श्रपोजिट सुपर बाजार,
 कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ईश्वर दास अग्रवाल, मार्फत मैं० एन० सी० श्रग्रवाल, एण्ड सन्स, 1718, पीली कोठी, दिल्ली-6।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिम की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा।
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

प्रो० नं ० 102, पहली मंजिल, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी 65-वर्ग फोट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारीः सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक **\$ 18**-6-1984 मोहर : प्र**रूप नार्ड** .टी . एन . एस . ------

नायक द नांधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एनयू-2/37ईई/10-83/ 136—म्ब्रतः मुझे, स्नार० पी० राजेश,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी-27 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूपरेंसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिराँक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नि सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिकतान, अधीतः— मैं० टी० एम० अपार्टमेंट आ० लि० आदिनाथ श्रीं हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो।

(भन्तरक)

.2. श्री राकेण कत्याल, निवासी-21-श्वन्त नगर, ईस्ट भाफ कैलाण, नई दिल्ली।

(यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या संस्थम्बन्धी व्यक्तियों पर.
 मूचना की नामीन में 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णपत
 व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:-- क्समें प्रयुक्त रॉब्टों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ दोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

समसरी

प्रो० नं० बी-27, जैना क्लाथ मार्केट, पाक्ति नगर, दिल्ली, एरिया-65 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजेंन रेंज-2, नई दिल्लो

दिनांक : 18-6-1984

मोहर:

प्रस्प ्र आहोत् ही. एस. एस. -----

न्यकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याजय, सहाधक जायकर जायूक्त (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/10-83/ 138--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी-28 है, तथा जो जैना क्लाथ मार्केट, शिक्त नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन दिनांक श्रक्तूवर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहां किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; जौर/या
- (क) श्रेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्ण;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अं अधीन, निरुवितिक्ति व्यक्तियों, नर्भात् ६── मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
 श्रादि नाथ श्री होउस, प्रयोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

2. श्रनिता गुप्ता निभासी 25/116-ए, शक्ति नगर, विल्लो-७ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्या क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, सो भी अविध साद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य स्थावत ब्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

प्रो० नं० धी-28, जैना क्लाथ मार्केंट, शक्ति नगर, दिल्लो एरिया—-65 वर्ग फीट ।

> म्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 18-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च .टी.एन,एस.-----

भायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 18 जून 1984

निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/ 139--श्रतः, मुझे श्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी-23-ए हैं, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक श्रक्तेबर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में सास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि अन्तरण के अभीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में मुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— मैं० टी० एम० भ्रषाटेंमेंट प्रा० खि० श्रादि नाथ श्री हाउस, भ्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कम, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चंचल कला श्रीर श्री एस० पी० कला, निवामो—न्त्री-1/93, ग्रणोक बिहार, भाग-2, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबङ्ग किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृता, ओ उस अध्यास में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-23-ए, (बेसमेंट), जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी — 35 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 18-6-1984

मोहर :

प्रका नाहाँ. टॉ. एन. एस.----

सायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीत सुचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक कायकर भागृक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1984

मिदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/ 140--- ग्रतः, मुझे, आर० पी० राजेश

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यू० जी०-17 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) र्जिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली, मेंभारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीधन दिनांक अक्तबर, 1983

को प्रॉवत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वैश्वह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- मैं० टी० एस० क्रपार्टमेंट प्रा० लि० श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपोजिट सुपर कृबाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- 2. श्री धर्म पाल खन्ना, निवासी ए-62, गुजरनवाला टाउन, दिल्लो। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरि।

स्पब्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्यों का, जो उक्त अधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अन्स्**ची**

प्रो० नं 17 यू०, जी० ग्रनर ग्राउन्ड फ्लोर) जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादान 65 वर्ग फोट ।

> श्रार० पो० राजेश सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

कतः वयः, उक्त विधिनयमः, की भारा 269-ग के अनुसरण वे, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) वै व्योनः, गिम्निसिष्तु व्यक्तियों, वर्षात् :---

तारीख : 18-6-1984

मोहर :

प्रक्ष नार्षः टी. एम्. एस. - - - ----

नायकर म्पिनियम, ~1961 (1961 का 43) की भार 269-म् (1) के म्पीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिका) श्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18जून 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/ 141:—- अतः, मुझे श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यू-जी-18 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज,-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन विनौक श्रक्तंबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखत व्हें कास्तिक क्य से किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों का जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म को जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिविक्त व्यक्तिमों, नर्भात् र---- मै० टी० एम० ग्रपार्टमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस ग्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री शाम सुन्दर खन्ना, निवासी ए,62, गुजरनवाला टाउन, भाग 1, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क)। इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियाँ पूर स्वना की तामीस से 30 दिन की सब्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकी

स्पव्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

नगुत्त्वी

प्रो॰ नं॰ यू-जी-8 (भ्रपर ग्राउन्ड फ्लोर), जैना क्लाथ मार्केट, णक्ति, नगर, दिल्ली, एरिया—-65 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेंज-2, नप दिल्ली

तारीख : 18-6-1984

मोहर ःः

प्रकृष मार्च ुटी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18जून 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/ 142—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जी 20-ए है, तथा जो मिक्त नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धर्जव रेंज-2, नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधोन श्रक्त्यूबर, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार भृन्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब को बाबस, उक्त जिथिनियम के अभीत कर देने के जन्तरक को वर्गियत्व में कमी करने या उससे वचने में तृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैं० टो० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्रो हाउस, ग्रापोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)
- श्री नैनी श्रौर श्रीमती सोनी मीरचन्दानी, निवासी 9/1, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता ह[े]।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्थित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्रो० नं० जी-20 ए, जैन क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, एरिया—-37 वर्ग फोट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 18-6-1984

मोहर :

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत तुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/ 143—म्ब्रतः मुझे, म्रार० पी० राजेश,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसको सं० एफ-101 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के श्रधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रें बास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण ते हुई किसी शाय की वावत उत्तर श्रीध-नियम के श्रीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्यारे में सुविधा के निए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में क्रिया की सिछ;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-गु के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्धात :-- मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि० प्रावि नाथ श्री हाउस, प्रानेजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रेम पी० श्रग्रवाल, मार्फत श्री एन० सी० श्रग्रवाल, निवासी पीली कोठी, एस० पी० मुखर्जी नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन् के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा,
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी खे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया हैं।

वगस्यी

प्रो॰ नं॰ एफ 101, पहली मंजिल, जैन क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, एरिया—65 वर्ग फीट ।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, मई विल्ली

तारीख: 18-6-1984 मोहर प्रकृप बाइं.टी.एस.एस.-----

नायकाऱ् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजीम रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनोक 18 जून 1984

निर्वेश स० माई० ए० सी०/एकेयू-2/37ईई/10-83/ 144--मतः मुझे मार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जी-13/बी है, तथा जो जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर श्रिधिनयम 1961 के भ्रधीन प्रक्तूबर, 1943

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल का एसे ध्रयमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ने हुइ किसी नाव की नामत, उन्ह अधिनियम की नंधीन कुद्ध दोने की जन्तदुक औ दायित्व में कभी कहने ना उत्तर्च न्यून में सुविधा के सिद्ध; बांड/ना
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बारितयाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उन्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्मलिखित स्थितियों, मुख्ति हु--- मै० टी० एम० भ्रपार्टमेंट प्रा० लि० भ्रादिनाय श्री हाउस, भ्रपोजिट सुपर बाजार, कमाट सर्कस, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. श्रीमती शान्ता श्रसीजा, निवासी 7736, फसीह बिल्डिंग (घंटाघर), सङ्जी मंडी, विल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरुण: ---- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्पर्ध

शो० जी-13/बी, जैमा क्लाथ मार्केंद्र, शक्ति नगर, विल्ली, तावादी 28 वर्ग फीट।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 18-6-1984

मोहर 🦆

प्ररूप बार्च, टी., एन., एस.,------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू-2/37ईई/10-83/ 145—ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संयत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० बी-15 है, तथा जो शिवत नगर, दिल्ली (रूप नगर) में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध धनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्रदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अवः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)ः के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् ः—

 मै० टी० एम० ग्रपार्टमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती रीता नाधवां, निवासी 2082, रानी बाग, दिल्ली-34।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्थी

प्रो० नं० बी-15 (बेसमेंट), जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, (रूप नगर); दिल्ली, तावाबी 65 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राकर ग्रायपुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

सारीख: 18-6-1984

मोहर:

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एन्यू-2/37ईई/10-83/ 146—म्रतः मुझे, म्रार०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ-एफ-116 है, तथा जो पहली मंजिल, शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 के अधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वाकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल. निम्निलिखित उच्चेष्ट्रय से उचत अन्तरण निश्चित में वास्तिविक रूप से किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उत्तससे बणने में सृतिधा के लिए; व्यार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना साहिए था, छिनाने में सुविधा औ लिए;

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, भ्रादिनाथ श्री हाउस, भ्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राकेण कुमार ग्रग्नवाल, निवासी, पीली कोठी, एस० पी० मुखर्जी नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगी।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ एफ-एफ-116, पहली मंजिल, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली

विनोक: 18-6-1984

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

क्षायकर मिधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव्वी-26 है, तथा जो जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रधीन श्रक्तुवर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के टिश्वत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसर के में मुजिधा के लिए; और/ए।
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया स्विका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्लिसिस व्यक्तियों. अर्थातः— मै० टी० एम० श्रपार्टमेंट प्रा० लि०,
 श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपोजिट सुपर बाजार,
 कनाट सर्कस, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री बंसी लाल जैन, निवासी 88 वीर नगर, जैन कालोनी, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय. 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं ं सोप नं ० वी-26 (बेममेंट), जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

नारीखा: 18-6-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई विल्ली दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए यू/2/37ईई/10-83/ 152--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- दरः से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जी-21 ए है तथा जो दिरया गंज नई विल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरणाते हुई किसी आय की बाबत, उक्त जभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वक्ते में स्विधा केलिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिशी के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर. में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:---

- 1. मैं ० जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस अपो० सुपर बाजार कनाट सकँस नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमति रेनु खन्ना, निवासी के-85 सुकातो पार्क धौला कुआं नई दिल्ली-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए या सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्रो० नं० जी-21 ए जैना इलेक्ट० मार्केट, दरिया गंज, नई दिल्ली, 2-नेताजी सुभाष मार्ग, नई विल्ली तादादी 21.5 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरॅज-2 नई दिल्ली

तारीख: 18-6-1984

मोहर 😘

प्ररूप बाहै, टी. एत. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/ 153---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या एक 167 है तथा जो दिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बार्क्सियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बक्कत, उक्त अधिनियंक के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- 8—166GI/84

- गै० जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि०,
 आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
 कनाट सर्कस, नई दिल्ली।
 - (अन्सरक)
- श्री परवीन कुमार गुप्ता, निाबासी जी 5/7, मालबीय नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्युची

प्रो० नं० एफ 167; जैन ए० मी० मार्केट, दरिया गंज, नई बिल्ली नावादी 16 वर्ग फिट

> आर० पी०राजेण, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॅज,-2 मई दिल्लो

तारीख: 18-6-1984

मोहर:

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) क अधीन मुचना

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/37ईई/10-83/ 161, अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 116-ए है तथा जो 2-नेताजी सुभाष मार्ग दिरया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाव द्व अनुसूची में पूर्व रूप से विणिक्ष है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अन्द्रबर 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक है पर से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिलित व्यक्तियों, अधीन :—

गृ मै० जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एन० चौधरी, मार्फीत आर० एस० इन्टर-प्राइजेज, 4350 भवन स्ट्रीट, नई सड़क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषींक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतण उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पास निश्चित्त में किस जा सकींगी।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रो० नं० 116-ए, जैना ई० मार्केट, 2-नेताजी सुभाष मार्ग, वरिया गंज, नई दिल्ली, ताक्षादी 32 वर्गफिट ।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

दिनांक 18 जून 1984 मो**ह**र ; अरूप आह^{*}.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 18 जुन, 1984

निर्देश संख्या आई० ए० जिं। \(\) एक्यू \(\) \(\) | (क्यू \(\) \(\) | (क्यू \(\) \(\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\) | (\)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 116, है तथा जो जैना ए० सी० मार्केट दिएमा गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उापावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन अक्टूबर-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922. (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्यरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- मै० जैना प्रोपर्टीं प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कम, नई दिल्ली ।

(अन्सरक)

2. श्री बी० कें चाँधरी मार्फत आ२० एस० इंटर-प्राईजेज, 4350 भैंख स्ट्रीट, नई सड़क, विरुली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई आक्षेप :---

- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिस्यों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निष्यत में किये जा सकरी।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रो० नं० 116 पहली मंजिल, जैना ए० सी० मार्केट, दरियागंज, नई दिल्ली तादादी 32 वर्गफिट।

> आर० पी० राजेण, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 नई दिल्पी,

दिनांक 18-6-1984 मोहर: प्रक्ष माइ . टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के नधीन सूचना

पारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सि॰/ए यू०/2/37 ईई/10-83---164--अतः मुझे आर० पं॰ राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंग्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाआर मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसको संख्या एफ० एस० 105 है, तथा जो जैना क्लाथ मार्केट, मान्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 के ग्रधीन दिनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीका से जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; जीर/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयर द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्व अखिरियम, विकास प्रवाचनार्व अखिरात विकास प्रवाचना वाहिए वा, विकास प्रवाचना वाहिए वा, विकास विका

शतः शया, उप्तत विधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण भी, मी. उक्ता अधिनियम की धारा 269-अ उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः--- मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एस० सुरजीत सिंह श्रीर एस० हरजीत सिंह सुपुत श्री सुवेत सिंह निवासी ए 199 गुजरनवाला टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उसत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास निवित में सिक्ष जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूं, वहीं अर्थ डोगा. जा उस अध्याय में दिया गया है।

गग्त्या

प्रो० नं० एफ एफ 105, पहली मंजिल, जैना क्लाध मार्केट, शास्ति नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिस्ली

विनोकः 18 जून 1984

मोहर 🛭

प्रस्थ बाह्र , की , एन , एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० /सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/ 168--अतः मृझे आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या बी-2, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वों क्स संपरित के उपित बाजार मूच्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूच्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तहर वे हुई जिल्ली नाम की काबत, उक्त वर्डिशीनमध्ये वधीन कर को के अन्तरक के वावित्व में कर्नी करने मा उन्नचे क्यने में तृतिया के जिए; बॉर/मा
- (च) एसी किसी जाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, ख़िपाने थे स्थिमा के बिद्ध;

धतः अभ, उनत जिभिनियम की भारा 269-ग के जन्दरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् क्रिक्त

- मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो० मुपरवाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।
 (अन्सरक)
- 2. श्री कमलजीत, निवासी-डी-13, सी० सी० कालोनी, अपो० राणाप्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सृचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्थन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील है, 45 दिन की वर्वाभ या तत्सम्बन्धी स्मित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जुविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य ध्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष क्षेगा को उस अध्याय में दिस्स भवा हूँ।

भन्स्ची

पो० नं० बी-2 (बेसमेंट) जैन क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली-सावादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश: सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तिनांक : 18 जून 1984 मोहर 2 प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिका) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/10-83/ 169--अत: मुझे आर० पी० राजेश,

कारक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जी-6 है तथा जो शक्ति नगर चौक, रूप-नगर, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन दिनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संस्पास्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षम के सिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पाति का उचित बंस्वार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्ननिवित्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जलारण से हुद्दं किसी जान की बावत्, उस्त विधिनियम के जभीप कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्म जास्तियों की, जिनहें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिभा के लिए;

सतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
 आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस,
 नई क्लिन।

(अन्तरक)

2.मै० देश राज एण्ड सस्स (प्रोप०) सुभाष चन्द जैन, ई-2/92, शास्त्री नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यक्रिकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जनक भी

प्रो० नं० जी-6, जैना क्लोथ मार्केट, एक्सि नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली, सादाधी-65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 18-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एव.. एव:.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-83/ 170--अतः मुझे आर० पी०राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या एक 109 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर 1963

को पूर्वोक्त संपर्शिका उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वन्स प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरका में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० टी० एम० अपार्टमेंट, प्रा० लि०,
 आदिनाथ श्री हाउस अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री परश राम शर्मा, निवासी-सी-3/37, अशोक विहार, भाग-2 दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरी।

स्वच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का जो उक्त अधिद्वियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में विया गया है।

जग सची

प्रो० नं० एफ-एफ-109, पहली मंजिल, जैन क्लोथ भाकेंट, शक्ति नगर, दिल्ली, ताथादी-65 वर्गर्फाट ।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, विख्ली, मई विख्ली,

विनांक: 18-6-1984

मोहर 🛭

प्रभव आई टी एन.एस. ------

आयकार अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-घ (1) के कथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **जायकार आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 18 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10~83/ 171—अतः मुझे आर० पी०राजेश

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी संख्या एफ 122, है तथा जो गिक्स नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध कारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2 नई दिस्ली भारतीय आयर अग्निनियम 1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर 1983

को प्रविश्व संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मभाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावत, अक्त अभिनियम के बजीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उसके वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ण) ऐसी किसी जाब या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा दी किया जानी आहिए था छिपाने में सुत्रिया के नियः

अतः अवः. उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ण को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :---

 मैं० टी० एम० अपार्टमें प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कंस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. उपकार फेक्नीकेटर्स एण्ड इंजीनियर्स प्रा० लि०, 41-42 पंजाब एक्सचेंज बिल्डिंग कटरा बेरीयन, फेतेहपुरी, दिल्ली-7।

(ग्रन्तरिती)

को गृह सूचना चारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के गुर्धन के एकए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस से अना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: ——इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चवा है।

प्रमुखकी

प्रो॰ नं॰ एफ-122 पहली मंजिल, जैना क्लाय मार्केट शक्ति नगर, दिल्ली-7 तादादी-65 वर्गफीट है।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 18-6-1984

मोहर∶

प्रकृष आहें.टी.एन.एस.-----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 10-83/590—असः मुझे नरेंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सी 1/2 है तथा जो राजौरी गाइन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर् रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस निम्नलिकित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त प्रीथिनियन के जभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय मा किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नामकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में महिथा के सिए;

बत: अस, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मीं उक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्धात :--- मैं० नाईस इस्टेट्स प्रा० लि०, द्वारा बाइरेक्टर एस० शेर सिंह, चाबला सुपुत्र सेठ तिनोफ सिंह चाबला, निवासी 1/6 बी, पूसा रोड, सई दिल्ली

(अन्तरकः)

2. मै० नाइस बिल्डर्स प्रा० लि० द्वारा डाईरेक्टर श्रीमित गुरदीप कौर सोखी पत्नि श्री दलजीत सिंह सोखी, निवासी सी 1/2 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिनी)

को मह स्थना भारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

लाक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा को उन अध्याय में विया गुवा है।

वगृत्की

प्रो॰ नं॰ सी-1/2 तावादी 50 वर्गगज, स्थापित राजोरी गार्डन, एरिया ग्राम वसईदारापुर, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक 11-6-1984

मोहर :

प्रस्प बाह् .टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/10-83/591—-श्रतः सुक्षे, नरेंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है:

ग्रीर जिसकी संख्या 73/ए हैं तथा जो खारीबावली, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिननयम 1098 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कसी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधः के लिए।

णतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- श्री घुनु मल खेडीया सुपुत्र श्री मदन लाल खेडीया, निवासी वो-4/80 श्रशोक विहार भाग-2, दिल्ली।

(श्रन्सरक)

2. श्रीमित सुदेश मितल पत्नि श्री धरमपाल मितल, निवासी 11/5, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों. पर
 सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति. में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वगसनी

पहली मंजिल, प्रा० नं० 73/ए, ब्राउट श्राफ एम० नं० 6550 व 6622 श्रौर 6648 से 6653 बाजार खारीबावली दिल्ली, तादाबी 261.46 वर्ग फीट।

नरेंद्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली,

दिनांक 11-6-1984

मोहर :

प्रस्व आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 11 जून 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-1/ 10-83/604-अतः मुझे नरेंद्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसी संख्या डी/15, है तथा जो किर्तीनगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्नौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्टूबर 73

को पृथ्मिक्त संपित्स के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- शो मनोहर लाल चढा सुपुत्र श्रो फकोर चन्त चढा, ग्रस्थायो निवासी सफैतसरो एवेन्यू, केंटन, हैरो, मिडलेस ए2 (इंगलैंड) ग्रोर निवासी एम-44, ग्रेटर कैलाण, 1, नई दिल्ली द्वारा ग्रटानी श्रोमति फूला रानी चढा, पत्नी श्रो मनोहर लाल चढा, निवासी एम 44 ग्रेटर कैलाणा 1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भूषण भ्ररोड़ा, सुपुद्र श्री भगवान दास, निवासी 1-120 किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सरमधी

प्लाट नं ॰ डी/15, तादादी 388.8/9 वर्ग गज, एरिया, किर्ती नगर, नजफ गढ रोड, बसई दारापुर, दिस्ली।

नरेंद्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहा्यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजीन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 11-6-1984 मोहर : 🕆 प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.------

आयकार अभिनियंगः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

स्थानक, सहावक बावकार आवृक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंग 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निर्वेश सं० माई०ए० सी०/एक्यू०/2/एस० मार० 1/ 10-83/607--अतः मुझे नरेंब्र सिंह

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसक संख्या 4/क्लाक ई 36, है, तथा जो राजोरी गार्डन, असईदारापुर दिस्लो, में स्थित ह (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के ग्रधीम दिनांक श्रक्टूबर 1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापुनेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का जन्तर मान प्रतिफल का जन्तर प्रतिचत से अधिक है और जंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निकासिचित उच्चेक्स से जक्त बंतरण सिचित्र में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) संतरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यमे में सुविधा के निष्; और/वा
- . (ब) एसी किसी भाग या किसी धन या अस्य आस्तियों कते, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकार अधिनियस, या धनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था जिपाने में तिया की तिए;

भतः शव, उत्तर मीधीनवम की धारा 269-ए के मन्तरण मी, भी, उत्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) है अधीन, निम्मीसीयत न्यवित्वां, मुर्मात्:---

- श्री मनोहर सिंह सुपुत्र श्री सोभा सिंह,
 निवासी ई-36/4, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री साहिब जन्द ग्राहुजा, सुपुंत श्री नारायण सिंह ग्राहुजा, निवासी 3/22, सुभाष नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्त्रची

प्रो॰ नं॰ मकान नं॰ 4, ब्लाक नं॰ई/36, तादादी 200 वर्ग गज राजोरी गार्डन, एरिया, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 11-6-1984 मोहर क्र प्रस्प नाइ .टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मासय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) भर्जन रेंज 2 नई स्थि

नई दिल्ली दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/10-83/609--अत: मुझे नरेंद्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269~ ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 196 ए, है तथा जो कटरा नवाब साहब, चांदनी जौक, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली रिज्स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्ट्रीस 83

को पृथेक्ति सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितवा) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसिश्तित उष्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्रीमति विद्यावती जैन पत्नि भी कुन्दन लाल जैन, निवासी ए-114, विवेक विहार, विल्ली।

(भ्रन्तरिक)

2. श्रीमित सुषमा देवी पित श्री नरेश चन्द, निवासी 3/103, मोहल्ला गंगा राम, शाहदरा, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्ति सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नन्त्रची

एक वुकास ग्राउन्ड फ्लोर लगभग 24 वर्ग गज प्रो० नं । 196--ए, कटरा नवाब साहब, चांदनी बीक, दिल्ली।

नरेंद्र सिंह,
मक्षम ग्रधिकारी,
संहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
ग्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली।

विनांक 11-6-1984 मोहर: प्रेंक्प बार्ड. टी. एव. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

सायस्य, बहायक वायुकर वायुक्त (निरीक्ष्ण)

श्चर्चन रेंज-2, ई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 जून 1984

निर्वेश सं० माई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस० मार० - 1/ 10-83/615--म्रतः मुझे नरेंद्र सिंह,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको संख्या 5/2 माल रोड है, तथा जो माल रोड, विल्लो, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक श्रक्ट्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयं ना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवयंस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयंभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्सरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के क्थीन, निम्नीलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- श्रीमति श्रम्त वींधरी, निवासी 45 सुन्र नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- श्री गोबिन्व सिंह (एच० यू० एफ०), श्रीमित शीला सिंह,
 श्री संजीव सिंह, निवासी 1/1 रूप नगर, दिल्ली।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में, परिभाषित ही, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया ही।

-

प्रों॰ नं॰ 54/2 माल रोड, दिल्लो 54 एरिया 690.64 वर्ग मीटर ।

> नरेंद्र सिंह, संक्षम धर्धिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक 11-6-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चनह

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०/1/ 10-83/619---म्रतः मुझे, नरेंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारी 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसजकी संख्या एच 69 ए, है तथा जो किर्ती नगर, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्ट्वर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिक्त उद्विष्म से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य और/या
- (व) एसी किसी जाय का किसी भन या अन्य असित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रो मदन प्रकाण (एम ० पी० पीलानी), श्री बाल कृषण सुपुत्र श्री गोपाल दास, निवासी एच-69-ए, किर्ती नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरफ)

2. श्री राम प्रकाश ऐंड श्रीमति राज कुमारी, निवासी एच-69-ए, किर्ती नगर नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्ति में किए वा सकेंगे।

स्यब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

प्रो० नं० एच-69-ए किसी नगर, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्स गज ।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली /

दिनांक 11~6-84

मोहर 🖫

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 11 जून 1984

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 7117 है तथा जो बेरीवाला बाग गली मदरसा वाली, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिज़स्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिज़स्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक श्रक्ट्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बज़ने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया चाना चाहिए भा, कियाने में सृविधा के लिए;

भिनयम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- डा० सुभाष चन्द सुपुत श्री दिवान् चन्द निवासी डी-2/11, किदवई नगर, नई दिस्सी,
- केंबल किशान सुपृत्र श्री किशान चन्द्र, निवासी-4596 गली संगत्नाशन शिश महल, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्मित्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया। में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में कियो जा सकारी।

स्थाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बहुत्ची

मकान नं० 7117, बेरीवाला बाग, गली मदरसा वाली, दिल्ली, एरिया 106 वर्गगज।

> सक्षम घ्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 11-6-1984

सोहर 🟅

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्रश्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार० 1/ 10-83/624-- श्रतः मुझे, नरेंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 11, है सूथा जो सेवा फूंज रघुनाथ नगरी, राज पूरा रोड, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारो के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रक्टूबर 83

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुक्द खेकम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहंप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधितिसभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अर्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की विषय

अतः अधः, उक्तः अधिनियमं को भारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, नियालिखित ध्यक्तियों, अधीत :---

1. श्री जय किशन दास विजय सुपूत्र स्व० श्री मदन लाल, निवासी सी-22 विवेक विहार, शाहदरा, दिल्लो (भ्रन्तरक)

2. श्रोमित राज कुमारी पतिन श्री तारा चन्द, निवासी 16/23, बस्ती पंजाबी याग, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त मिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

बनुसूची

प्रो० नं. 11, तादादो 311 वर्ग गज, प्रार्डवेट नं० 14, मेबा कूंज रघनाथ नगरो, राजपुरा रोड, दिल्ली।

> नरेंद्र सिंह. सक्षम प्रशिकारा, सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रंग-2, नई शिल्ली

दिनांक: 11-6-84 [°]

मोहर:

10--166GI/84

प्ररूप आहें. टी. एव. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जद रेंज 2 नई दिल्ली

नई विल्ली दिनांक 11 जून 1984

निर्देण सं० धाईसंए०सी०/पुम्यू०/2/एस० धार०-1/ धार 1/10-83/629--श्रतः मुझे नरेंद्र सिंह,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 39, है तथा जो जी० टी० करनाल रो,ड विस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिमांक शक्टबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित वाकार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उष्यक्तिय से उक्त अन्तरण मिकित में शास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) लगी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

 मै० फेंसी प्लास्टिस माल्डसंद्वारा भामीवार श्री किशन लाल मिलल श्रौर बृज मोहन मितल, निवासी सी-किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मैं० विल्ली प्लास्टिक माल्डर्स प्रा० लि० ढारा,
 डाईरेक्टर श्री किशन लाल मितल श्रीर ब्रज मोहन मितल,
 सी, 20 किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशनं की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अभूस्ची

इंन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 39, स्माल स्केल की-प्रापरेटिय इंड-स्ट्रियल इस्टेट, जी० टो० करनास रोड, दिल्ली, तादावी 2288.89 वर्ग गज।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उच्त औधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनोक: 11-6-84 ।

मोहर :

प्ररूप बाइं. टी. एव. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यान्य, सहायक भायकर भायक (निरक्षिण) ग्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भार०-I/ 10-83/636--भतः मुझे नरेंद्र सिह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह") की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक ह"

स्रोर जिसकी संख्या 826, है तथा जो कटरा बाणिर गंज, दिल्ली, में स्थित है स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सक्टबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है देन-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कृमी कृरने या उससे बुचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हाजो मोहम्मद प्रतीक सुपुत हाजी प्रताउल्लाह, निवासी 1300 हवेली हिसामुदीम हैदर बालीमारन विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद इस्माइल सुपुत्र मोहम्मद स्नायुत्र, मोहम्मद इशाक सुपुत्र मोहम्मद इस्माइल, मोहम्मद युसुफ सुपुत्र मोहम्मद इस्मायल, मोहम्मद इस्माइल, निवासी 2,35-46 गली मिर चन्दरी मोहला रोडगरन दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ख सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्यव्हिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्ज्जी

प्रो॰ नं॰ एम॰ नं॰सी॰ 826, कटरा बाशिर गंज, बालीमारन, विल्ली।

नरेंद्र सिंह, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-2; नई विल्ली

विनांक: 11-6-74

नोहर 🛭

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भार०-1/ 10-83/640--- ग्रतः मुझे, नरेंद्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 4 है, तथा जो नजफगढ़ रोड, ग्राम बसई-रापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्टबर 1983

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गड़े हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयाजनार्थ अंतरिकी द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के जिए;

ग. मैं० दिल्ली श्राइनर ऐंड स्टील स्टौकिटस एसोसिएशन प्रा० लि० द्वारा डाइरेक्टर श्री महेंद्र कुमार गुप्ता, 4634, श्रजमेरी गेट, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री भगवान दास पहवा सुपुत्र श्री देवी दत्ता मल पहवा, निवासी मीना बाजार लुधियाना (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारी इस 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (**वं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन** की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्व्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्यी

प्रो॰ नं॰ 43, तादादी 1091.5 वर्स मीटर, नजफगढ़ रोड, एरिया ग्राम बसईदारा पुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात्:——

दिनांक: 11-6-1984

मोहर 🕄

प्रकथ बार्ड, टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 जून 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सीः। $\sqrt{\alpha q}$ 0/2/द्रस० ग्रार०-।/ 10-83/642—श्रतः मुझे नरेंद्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन राक्ष्य प्राधिकारी की यह विश्वाम कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

स्रीर जिसकी सख्या 26/73 बी. है तथा जो पजाबी बाग, नई दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्टबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उच्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भें अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीत ः—

- 1. श्री पी० एल० धवन सुपुत्र स्व० श्री लाल चन्द धवन, निवासी 26/73 पजाबी बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित कुलवन्त कोर साहनी पितन एस० श्रोंकार सिंह साहनी एस० हरचरनजीत सिंह साहनी श्रौर एस० गुरिवन्दर सिंह माहनी, सुपुत्र एस० श्रोंकार सिंह साहनी निवासी बी 5, पेयर्ल क्वीन बिल्डिंग, नार्थ एवेन्यु रोड, सन्ता कुज (वेस्ट) बम्बई 5।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मृतिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विकताों में से किसी स्वित त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शृक्यों और पयों का, जो उक्त विभिन्निया, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया हैं।

नम्सूची

प्रो॰ न॰ 26, रोड न॰ 73, न्लास बी, नाादादी वि 1090.83 वर्ग गज, पजाबी बाग, एरिया बाग, एरिया सई दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> नरेंद्र सिंह' सक्षम मधिकारी, सहायक ग्रायकर मायुक्त निरीक्षण, ग्रजन रेंज 2 नई दिल्ली

दिनांक: 11 जून 1984

मोहर:

प्रकप् भाइ. टां. एन. एस. ----

नायकर मुधिनियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-फ़ (1) के नुभीन सूचना

भारत सब्कार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2 नई, दिल्ली

नई विल्ली विनांक 11 जून 1984

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० ग्रार०-।/ 10-83/653—श्रतः मुझे नरेंद्र सिंह

अगयकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात (जनत किंधिनियम) कहा गया है). की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से विधिक ही

श्रौर जिसकी सख्या सी 563 है तथा जो मजलिस पार्क ग्राम बरौला दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व हिंप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्टबर 73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देशों से उस्त अन्तरण लिखित के बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से शुर्द किसी जान की वान्त, उनत विश्वित्यम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के निए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आस्तियों का जिस्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लाय प्रकट नृही किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

1. श्रीमिति धन देवी पहिन श्री सोहन सिंह सयाल : निवासी सी० 563 गली नं० 12 मजलिस पार्क, दिल्ली 33। (श्रन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह कोहली सुपुत्र श्री जगदेव सिंह कोहली, निवासी सी 1/15, राणा प्रताप बाग, दिल्ली 91

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवाय अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पर्शितित्त् ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्त्री

प्रो० न० सी 563,गली न० 2, एरिया 111 वर्जगज, कालोनी मजलिस पार्क, ग्राम बरौला, खसरा न० 1262/258/ 217/4 ।

> नरेंद्र सिंह, , सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रिजंम रेंज 2 नई विल्ली

जतः। जन् उक्त जीपतित्यम की भारा 269-म को अनुसारण में , मैं , उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन , निम्निसिस व्यक्तियों, कुर्णात् हिन्स

दिनाक: 11-6-1984

मोहरः

श्रुक्य बाहुं टी. एन. एस.

नाम्कर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्वना भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक कायकर काय्क्स (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 जून 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-।/ 10-83/656---श्रतः मुझे नरेंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मून्य 25 000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 22 है तथा जो गांति नगर, त्री नगर विस्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रन्मूची में पूर्व, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के कार्यालय के ग्रधीन दिनांक श्रक्ट्बर 83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मुल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक मिन्निवित उद्योग्य से उसते अन्तरण निवित्त में बालाविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत , जबल जीविणवन के अनींग कर दीने की बन्दरक की वाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किसू औद/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य अपिनयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंडारा प्रकट नहीं किया गवा या वा किया जाना बाहिए था, व्यिपाने में संविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निजिसित व्यक्तियों अर्थात्—ः श्री हजारा राम मुपुत श्री उजागर राम, निवासी 249/ 1785, शांतिनगर नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री फूल चन्द जैन सुपुत्र स्व० श्री बसन्त लाल जैन, निवासी ग्राम ग्रीर बो० खटकर, जिला जिन्द, हरिणाणा (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारों करके प्वींबत संपत्ति के बर्धन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के ग्रवपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की अविध्या तत्संबंधी स्वितयों पर स्वान की तामीस से 30 विन की अविध्यों भी वक्षि के स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अथे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्रो० नं० 022 खसरा नं० 109, प्राम चौकड़ी मुबा-रिकाबाद, दिल्ली म्युनिसिपल नं० 249/1785 प्रवादी शांति नगर, त्री नगर, दिल्ली एरीया 100 वर्गगज ।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज ।।, नई दिल्ली

विनांक: 11-6-1984

मोहर :

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश स० धाई० ए० सी०/एसयू०/2/एस० ध्रार-।/
10-83/662--- प्रत, मुझे नरेंद्र सिंह
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उनत अधिनियम' यता गया हो, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 2118, है तथा जो गली मुंशी गौरी सहाय,
मस्जिद खजूर दिल्ली में स्थिन है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्टूबर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण जिनिवन में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस अभिनिद्भ के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री गिरआरी जाल सुपुत श्री मुंशी गौरी सहाय, निवासी 2118, गली मुंशी गौरी सहाय, मस्जिद खजूर, दिल्ली-61

(श्रन्तरक)

2. श्री चेदी लाल सुपुल श्री जय राम, श्रीमित पन्ना देवी पित श्री चेदी लाल, श्री लक्षमी नारायण, श्रीम प्रकाण, विनोद कुमार सुपुत्र श्री चेदी लाल, निवामी 2119 गली मुंशी गौरी सहाय, मस्जिद खजूर, दिल्ली-7।
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया भया है।

भनुसुघो

प्रो० नं० 2118, तादादी 95 वर्ग गज, गली मूंशी गौरी सहाय, मस्जिद खजूर, वार्ड न० 5, दिल्ली 6।

> नरेंद्र सिंह गक्षम श्रधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

दिनांक: 11-6-1084

माहर:

प्ररूप जाइ .टी.एन्.एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज- 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए०सी०/एक्यू०/2/ए,स० श्रार०-।/ 10-83/663—श्रतः मुझे नरेंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 24, है तथा जो पंजीकरण बाग. नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रवट्बर 1984

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्मलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निकत में बास्तिक अप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य झास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया चना चा किया चना का किया के सिए;

बत: अन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अधीत्:——
11—166GI/84

- श्री जोगिन्दर सिंह मृपुत श्री जवाला सिंह, निवासी
 24 ईस्ट एथेन्यु रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- श्री मौजी राम सुपुत्र श्री मनोहर लाल, निवासी 24 इस्ट एवेन्यु रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारो करके पृत्राचित सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राजन्ड फ्लोर प्रो० नं० 24, तादादी 279.55 वर्ग गज, पंजाबी बाग. ईस्ट एवेन्यु रोड, एरीया ग्राम बसई बारापुर दिल्ली ।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 11-6-1984

मोहर 🛭

प्रकथ आहां, टी. एन. एक . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सुचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण)

अजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० रा० 5/37 ईई/84-85/643---श्रतः मुझे शशिकांत कृतकर्णी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं र 4, 1264/3 डेक्कन जिमखाना है तथा जो पूना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय र सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रवट्वर 1983

को प्रांकत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा नित संपत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए उप पामा गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से स्वत्त अन्तरण निचित में वास्तिवक क्ष्य से काथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण् संहुदं किसी आव की वायत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तरे देवने में स्विधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्

कतः जस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हु— विश्वास गृह निर्माण सहकारी संस्था लिल, 126/3, णिवाजीनगर, पूना ।

(ग्रन्तरक)

 कुमारी श्राणा पी० दोणी, 1264/3, शिवाजीनगर, पूना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रकासत स्थितायों में से किसी स्थापत हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्थव्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यम्स्यी

प्लैंट नं० 4, विश्वास गृह निर्माण सहकारी संस्था $\left(\frac{1264}{1}, \right)$ शिवाजी नगर, पूना क्षेत्र 568 स्क्बे० फीट ।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नंबर 37-ईई/2452/पूना/ 83-84। श्रक्ट्वर 1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी-क्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> गशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-6-1984

मोहर:

प्ररूप. बार्ष. टी. एन. एस, - - - -

आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० ऐ० ूँ 5/37ईई/84-85/644---श्रतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्षि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जमीन हिस्सा नं० 1 सर्वे नं० 729, 720/1, (भाग) 720/2 (भाग)—हिस्सा नं० 5+6 सर्वे नं० 17 बी तलेगांव राभाडे ता० मावल जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (198 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक श्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) जनस्य सं हुई किसी जाय की वात्रत्, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के जनस्यक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीड/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए;

कतः समा, उचल मिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसल अधिनियम की भारा 269-थ को उपधारा (1) के मधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, मुर्थात् क्ष्र-- श्री सुधीर विष्णु काणे, तलेगांव राभाडे ता० मावल, जिला पूना ।

(ग्रन्तरक)

2 मैससं ऐ० वी० भट श्रीर कम्पनी 1347, सर्वाणिव पेठ, पूना 30 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी औं पास निस्तित में किए, जा सकरो।

स्पध्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नम्स्यी

जमीत हिस्सा न० 1 सर्वे न० 729, 720/1 (भाग) 720/2 (भाग) हिस्सा नं० 5—6/टी सर्वे 17 बी तलेगांव दाभाडे ता० मावल जिला पूना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 37ईई/1884 जो विनांक अक्टूबर 1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, पूना,

दिनांक: 7-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप भार्षः, टी ु एन , एस . - - - ----

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० भ्रो० 5/37ईई/84-85/645---- स्रतः

मुझे शशिकांत कुलकर्णी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इससे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा संअधिक है

ग्रार जिसकी संख्या फ्लैंट न० 7 बिल्डिंग न० 1 कागलवाला ग्रापार्टमेंट एंफ० पी० नं० 364/12 भवनी पेठ पूना—2 है तथा जो पूना में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्राधीन दिनांक ग्रावत्वर 1983

कों पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) जन्तरम से हुई फिली जाव की शक्ता, अक्ड अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए अरि/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मुधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- मैसर्स वर्णना बिल्डर्स, 813/14 भवनी पेठ पूना 2। (अन्तरक)
- 2. श्रीमित हसरौज वेनसीमल किशानी कमल महल प्लैट न० 3 पदमजी रोड पूना 2 । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्थल्दीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पर्लंट नं० 7 बिल्डिंग न० 1 कागलवाला अपार्टमेंट एफ० पी० न० 364/12 भवानी पेठ 2 ।

(जैसे जी रिजस्ट्रींकर्ता न० 37ईई,1958/पूना जो दिनोक 29 अक्टूबर 1983 को सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरी-क्षण) स्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राघिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7 जून 1984 मोहर: प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ----

बायुकर व्यापिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 7 जून 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है"

भीर जिसकी संख्या बिल्डिंग न० 2 जे० एम० पी० मार्केट सी० टी० एस० न० 1862 पोलन पेठ जलगवांव है तथा जो जलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबधक जलगांव में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रक्टूबर 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके एरयमान प्रतिफल से एसे एरयमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरकार) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतारण से हुन्द किसी बाव की बाजव सकत जिला नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया होता चाहिए था, ख्याने में सृविधा के जिए;

भतः जव, उपत भीशीनयम की भारा 269-त के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मैसर्स जे० एम० पी० कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन नवीं पेठ जलगांव ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स जं ० एम ० मार्केंट पोलन पेठ जलगांव (श्रन्सारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-स्थ्य किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कार्य।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्सूची

बिल्डिंग नं० 2 डे० एम० पी० मार्केंट सी० टी० एस० नं० 1862 पोलन मेठ जलगांव ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 3001 जो दिनांक श्रक्टूबर 1983 को दुय्यम निबंधक जलगांव के दफ्तर में ॄिलिखा है।)

> शणिकात कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-6-1984 मोहर : प्ररूप बाह², टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरुक्तिण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए०/5/1130/37 जी/84-85—म्रत: मुझे शिशकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या सर्वे नं ० 623/3 एरिया 3800 चौ० मीटर नासिक है नथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक नासिक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तुवर 1983

की पूर्णिकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एँसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री श्रोम प्रकाश दिवान चन्द्र मेहता, कृष्ण कटीर तिलकवाडी, नासिक ।

(ग्रन्तरक)

 श्री चेयरमैन श्री स्नेटवर्धीनी सहकारी ग्रहनिर्माण संस्था मर्यादित नासिक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सर्वे नं० 623/3 एरिया 3800 चौरस मीटर नासिक । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3981 जो दिनांक ग्रक्टूबर 1983 जो दुय्यन निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा हैं।)

> ग्रशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज पूना,

दिनांक 7-6-1984 मोहर:

धक्य बाइ . टी . एन् . एस , ------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 42) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/1131/37 जी/84---85---श्रत: मुझे शशिकांत कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कीनोदणीट नं० गट नं० 108 कीनोद जिला जलगांव है तथा जो रगीनोद जलगांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्टूबर 1983

को प्वांक्स संपरित के उचित काजार मृस्य से कम के क्याबान प्रितिफल के लिए अन्सरिस की गई है और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित आजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीथ ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी शाय की बायत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1792? का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुतिश्वा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्री शामसुंदर सिताराम भदादे, भेशारलाल सिताराम भदादे राहाणार किनोद जिला जलगांव । (ग्रन्तरक)
- श्री गणेण चन्द्र नाथुराम भदादे, राह्गार किनोद जिला जलगांय ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

रम संची

कीनोद शतगट नं० 108 किनोर जिला जलगांव । (औसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2607 जो दिनांक ग्रम्टूबर 1983 दुय्यम निबंधक जलगांव के द्रपैतर में लिखा है।)

> शणिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-6-1984 मोहर प प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ते (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० ऐ 5/37जी/1132/84-85---ग्रतः मुझे णणिकांत कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जमीन सर्वे नं० 26ए/4 प्लाट नं० 4 नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक नासिक में रिजस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्ट्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पत्पह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (४४) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण भ', मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- श्रीमित गंगुभाई टी० काथे, भागूर दरवाजा नासिक
 श्री एम० एस० जाममीरे नाभिक सेवाली नासिक।

(अन्तरक)

2. श्री श्रंबादास जे० लोणारी मानेकशा नगर नासिक (भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटसब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसुची

जमीन सर्वे नं० 426 ए/4 प्लाट नं० 4 नासिक (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3633 जो तारिख अक्टूबर 1983 को दुस्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> शिषाकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-6-1984

मोहर:

इक्ष आहें ही, एम. एवं.-----

भाष्काः जीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचनः

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए०/37जी/1133/84-85--- प्रतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, श्रीकांत कुलकर्णी, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वता अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित अजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या खेत जमीन सं० नं० 186 है तथा जो मौजे बरेराइ ता० शिरोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यात्रय दृथ्यम निबंधक शिरोल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19-10-83

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1622 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखिण व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—166 Gt/84

- · 1. श्री रहिमान बागलाल कोठावडे 1004, नवीन ,भवामी पेठ, ए० डी० कैंप चौक पूना 2।
 - (श्रन्तरक)
- श्री हाजी मोहम्मद गौस राजेखान नडाक झौर झन्य मकान नं० 1026 डी वार्ड कोल्हापुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी, करके पूर्वोंक्त सम्पोत्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः ज

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खेत जमीन सं० नं० 186, मौजे वरेराइ, ता० शिरोल, जिला कोल्हापुर (क्षेत्र 1 हे० 60 श्रार०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 176/1983 की बुय्यम निबंधिक जिरोल के दफ्तर में लिखा है।)

शिकांत कुलकर्णी. सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रैंज, पूना

दिनांक 7 जून 1984

मोहर:

त्रक्त नार्षे <u>व</u> दीतु एन् दुवत्र-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

नार्त सरकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 7 जून 1984 निर्वेश सं० सी० ए० 5/37जी/1134/84-85---यतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से जिथक है

है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक कल्याण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन क्षार दोने के सन्तरक के खियत्य में कमी कड़ने या उससे बचने में सजिया के निए; खरि/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विक्या काना चाहिए था खिपाने में सुविभा के सिए:

- मैसर्स जैन बिल्डर्स, शिवाजी पथ, कल्याण, जिला थाना ।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमित मरीबाई मणिलाल गांधी कैयर श्राफ पायर ऑफ ग्रटार्नी, होल्डर श्री चंदुलाल मणिलाल गांधी, 'श्रीम' जयलक्षमी, सद्दन, बंबई—22।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूच्या बारी करके पुनर्रेक्स सम्पृत्ति के न्यान के सिप कार्यवाहियां करता हा।

बक्त कृम्पति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित हों किए जा सकरेंगे

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था है।

अनुसूची

सि० सं० नं० 1820 का रि० सं० नं० 270, हिस्सा नं० 2 प्लाट नं०3 का स्थान जि०थाना/क्षेत्र 560 स्के० फीट। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 2121 ता० 1/10/1983 को दुव्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।.) शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी,

> सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रैंज, पूना

जत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण की., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की जधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों क्रिक्स अल्ले

दिनांक 7-6-1984

मोहर ः

दिनांक 7-11-1983

प्रस्य बार्ष . टी . एन् . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रार्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं०सी० ए० 5/37 जी/1135-/84-85-यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण

कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संख्या जमीन गट नं० 326 लसलगांव है तथा जो लसलगांव जिला थाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता) श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक निफाड, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उज्यसे बचने में सुविधा के लिए; आर्-या
- (का) एसी किसी आय था किसी वन था जन्य आस्त्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री खंडेराव गंगाधर पाटिल लसलगांव, ता० निफाड जिला नासिक।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुमतीलाल ज्वहेरी लाल श्राव्हाड चेयरमैन सुमती को श्राप० हार्जसंग सोसायटी लि०, लसलगांव, ता० निफाड, जिला नासिक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क रे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय जे विया गया है।

नन्स्ची

जमीन गट नं० 326, लसलगांव, ता० निफाड, जिला नासिक (क्षेत्र 55 मार)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 1786 ता॰ 1-11-83 को बुय्यम निबंधक निफाड के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निस्निसिक स्पृतिकारों, अभिति ३──

विनांक 7-6-1984 भोहर 🖫 प्ररूप वार्षे टी एन एस -------बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वेमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

अगयक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी संख्या सि० स० नं० 872/17 है तथा जो शोलापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण म्य से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिविकारों के कार्यालय दुय्यम निबंधक शोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्रक्ट्यर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के धरयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिकास के एसे धरयमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी नाग की वानता, उचत अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उच्छे बचने में दुविधा के के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग में अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (∫1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थातः :---- 1. श्री मिर्जा महामूद बेग ग्रमिनबेग मोगल श्रीर श्रन्य 443, कसना पेठ, शोलापुर ।

(अन्तरक)

 श्री निवरप्पाकोंडिबा होनपारखे 443, कसबा पेठ, शोलापुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता कूं।

उनता संपृत्ति के भूजन के संबंध में कोई भी आक्षंप ह

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी का सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त प् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पर्धाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिश्वनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्यों

मकान सि॰ सं॰ नं॰ 872/17, शोलापुर । (क्षेत्र 148 स्क्वे॰ मीटर्स ।)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नंबर 3030, प्रक्टूबर 1983 को बुख्यम निबंधक गोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : जून 1984

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आगुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए०/1137/37 जी/84-85-अतः मुझे, गणिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जमीन श्रार० एस० नं० 50 हिस्सा नं० 2 सर्वे नं० 53 नागर गांव तालुका मावल जिला पूना है तथा जो नागर गांव पूणे में स्थित है (श्रौर इससे उपावक्ष श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूपसे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुस्यम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्ट्वर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत् ः—

- 1. (1) लीलावती रामदास शाह 210, रिववार पेठ, पूना-2।
 - (2) श्रीमित कुमुदिनी रामदास शाह 024, शिवाजी नगर पूना ।

(अन्तरक)

- 2. (1) दगडुवास गणपत दास मेहता
 - (2) मुकुंद गणपत दास मेहता
 - (3) सौ० सविता श्ररविंद मेहता हाउस नं० 17 ए भंगार वाडी लोणयवला जिला पूना (ग्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्तुची

जमीन ग्रार० एस० नं० 50, हिस्सा नं० 2 सर्वे नं० 53 नागर गांव तालुका मायल जिला पुणे

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1793 जो दिनांक ग्रक्टूबर 1983 को दुय्यम निबंधक मायल के दफ्तर में लिखा है)

> ग्रशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 6—8—19**84**

मोहर 🖫

प्रकृष् नार्षः दीः, पृत्, एत्,------

भायकर मिभ्मियुम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मजीन स्मृता

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जून 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3643/83-84:--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

भायकर भृषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है"), की भारा 269-क है जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फलैट नं० 203, 2 री मंजिल, "बी" विग, गोरजिना गोली राजन रोड, गोली विलेज, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17-10-83 को पूर्वें के संपत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्णल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का भारण है कि प्रभापवेंकत संपत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित)ं) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है रू-

- (क) ज़लारण में हुई किसी बाय की वाबल, उसल अधितियुत्र के जुधीन कर दोने के ज़लारक के दाकित्व में कड़ी करने दा उससे वचने में जुनिया के सिए; ब्रौडिं/बा
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, खिपाने में सविभा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा-269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त न्यन्तियों, अर्थात्:— 1. मैसर्स रेशमा कन्स्ट्रक्शन्स।

(मन्तरक)

2. श्री अर्रविन्द एन० पाठारे।

(श्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री अर्रविद एन० पाठारे
 - (2) श्रीमती सुनीता ए० पाठारे,
 - (3) कुमारी रेशमा एन० पाठारे, और
 - (4) कुमारी काश्मिरा ए० पाठारे

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त, संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निक्षित में किए जा सकरेंगे!

स्थव्यक्तिस्यः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विसा गया है।

मन्स्ची

पलट न० 203, 2री मंजिल, "बी" विग, गोरजिना मोली याजन रोड, मोली विलेज, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37ईई/3643/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 17→10→83 को रजिस्टर्ड किया। गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; बम्बई

तरीख: 21-6-1984

मोहरध

प्ररूप आहाँ दी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 3 जैन रेंज -2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं ० अई-3/37ईई/3412/83-84:--अत: मुन्ने; ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रेलेट नं 307, 3री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, तारीख 3-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्वदेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (১) के अधीन, निम्नतिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्रो देशमुख जिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।
 (अन्तरक)
- श्री रत्नाकर राजू सुवर्णा और श्रीमतीः शशिकला आर० सुवर्णा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) r

4. श्री एल० आर० नार्वेकर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अधिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकांगे।

स्यब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

पर्लंट नं० 307, 3री मंजिल; अजित पार्क,सोमवार बजार रोड, मालाड े (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई 3/37ईई/1506/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजज-3 बस्बर्ड

दिनांकः : 15--6--198**4**

मोहर :

प्ररूप बाह्र हो एक एस ------

भायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, धिनांना 15 जून 1984

निर्देश सं० अई-3-37ईई/3708/83-84:--अतः मुझे, ए० लक्षिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपद्धित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस तं 104, के के के गुन्ता, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 26 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम तरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान, चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधित छ → श्री भोजराज पी० बोधवानी, और अगोक बी० बोधवानी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रेसिणयन मणीनरी एण्ड स्पेयर्स । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स्रो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस नं० 104, के० के० गुण्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मुर्लुड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37/ईई/1465/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड दिया गया।

> ए० लहिरीः, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक 15~6~1984 भोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बर्ह, दिनांकः 14 जून 1984

निर्देश सं० अई--3--37 ईई/3777/83--84:---अतः मुझे, ए० लहिरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग नं० ए०, ग्राउण्ड फ्लोर, माला नं० 21, नन्द ज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सफेद पूल के बाजू में, कुर्ला-अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निग्; और/या
- (म) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्धात् :--

1. श्री भार्त/लाल बी०, हिंदीचा।

(अन्तरक)

2. श्री क्वासेर इलेक्ट्रानिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तयों पर स्वान की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई 3/37/ईई/1525/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बिल्डिंग नं० ए०, ग्राउण्ड फ्लोर, माला नं० 21, नन्द ज्योति इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सफोद पूल के बाजु में, कुर्ला-अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-3,बम्बई

विनांक 14-6-1984 मोहर ■ प्रकाप लाहाँ, दी, गुन, एक, न्यान्य प्रकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड,

अम्बद्दी, दिनांक 10 जून 1984

निर्देश आई-3/37ईई/3406/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसेकी सं फ्लैंट नं० 106, पहली मंजील, अजित पार्क , सोमधार बजार रोड, माजाङ (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप 🐉 से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 26 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83! को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उपत बन्तरण लिखित में बास्तविक भप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को अधट, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचरे में सविधा के लिए: और/या
- (क्र) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) देशमुख बिल्डर्स प्रायेवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री शिवाजो आत्माराम सावंत और श्रा नितिन शिवाजी सावंत । (अन्तरितीः)
- (3) अन्तरक (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) श्री एल० आर० नार्वेकर । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पृथींबस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसर्गे सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकेंगे।

स्पव्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

फ्लैंट नं० 106, पहली मंजील, अजित पार्क, सोमवार बाजर रोड, मालाड़ (पश्चिम), बम्बई-69 में स्थित है। अनुसूर्च। जैसा कि ऋ० सं० आई 3/37ईई/1501/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई,

विनांक :- 15-8-1984 मोहर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० आई--8/37 ईई/3413/83-84---अतः मुझे ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं 1084 1 ली, मंजील, अजित पार्क सोमवार बजार रोड़, माला (पिष्णम), बम्बई-64 में स्थित हैं) (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है तारीख 3-10-83 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्शय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्थिभ के लिए;

अतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) देशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री प्रदिप जे० कुडेंकर । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) श्री एल० आर० नार्वेकर । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितब**ड** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृष्टों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा जो उस किथाय में दिया गया है।

अनुसुची

पसैट सं० 108, पहली मंझील, अजित पार्क, सोमवार बजार रोड, माला (पश्चिम), बम्बई 64 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कै० सं०-337 ईई,1507,83-84 और जो साम (प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक- 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-111, बम्बई,

दिनांक :- 14-6-1984 मोहर : प्रकृष् आहें, टी. एन. इस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीन स्चना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्वेश अं० ऋई०-3/37ईई/3411/83-84:--- ऋतः मुझे, ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० फ्लैंट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रजित सोम बार बजार रोड, मालाा (पिष्जम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम 1961 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 3-10-83

को प्योंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्स नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण सं क्षुष्टं किसी बाय की बायत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्यिभा के निए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--- श्री देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी ए० रफायेल।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)।

4. श्री एल० ग्रार० नार्वेकर।

(वह ध्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयद्व है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्य :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आहि पवरें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रजित पार्क, सोमबार बजार रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई 111/37ईई/1505/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज III, बस्बाई

दिनांक 15-6-1984 मोहरः प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

स० ग्रार० ए० सी० नं ० 80/84-85:--- ग्रत : मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो होलगुण्डो ग्रालुरू तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रालूरू में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीन आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रतिन्त्र अधिन एष, 1957 (1957 वा 27) हो प्रयोजनार्थ अंतिरिकी कृतरा प्रस्ट रहीं जिल्हा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---

श्री पी० शंकर रेड्डी
पिता श्री पी० चेन्ना रेड्डी,
कोगीलीथोटा, ग्रालूरू
तालूक करनूल जिला।

(ग्रन्तरक)

 श्रो के० जी० के० केशव मुर्ती पिता श्री के० गोविन्दय्या, वैषा बैंक मेनेजर, होलगुडी, श्रालुक तालुक, जिला करनुल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि विस्त्तीर्ण 27 एकड़ या होलागुँडी म्रालूरु तालुक, जिला करनूल; रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 1030/83, रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी म्रालूरू।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 21-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, दिराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून, 1984

स० ग्रार० ए सी० न० 81/84-85:--यतः मुझे, एस० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० भूमि है जो गामक विलेज कृष्णा जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मसूला में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रवनुबर 1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

 श्रीमती विनाकोटा हुशनम्मापित राघउलू, पामरू विलोज पोस्ट, कृष्णा जिला।

(भ्रन्तरक)

 श्री जफर श्राली और श्रन्य, श्रहमदनगर, नियर मासाब टूक, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

का यह भूषना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पिश्त के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहर्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

घर, पामरू विलेज, कृष्णा जिला, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं॰ 3522/83, और 3480/83, रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी पामरू।

> एम० जगन मोहन, ृिसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायव आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

रदराबाद, दिनांक 12 जन 1984

सं० म्रार० ए० सी० नं० 82/84-85:--यतः मुझे एम० जगनमोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० घर है जो वाइरा रोड खम्माम स्थित में है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खम्माम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वेवत सम्पर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गणा अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करते था। एसडे क्यते के मुक्ति के किए और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिन्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ल्वधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों के अधीन हिन्स

 श्रीमती के० कनकम्मा पति जेंद्रस्या मीला गृंडम, वरहनपुरस पोस्ट, खम्माम टाऊन।

(ग्रन्तरक)

 श्री पोला मनोहर राव स्रौर श्रन्य, 8-3-203/2, वाइरा रोड, लम्माम।

(अन्तरिती

स्त्री यह स्वता कारों करके पृत्तों कर सम्पत्ति की अर्थन का निष् अर्थकाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासंपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंग था तन्त्रकार्ण व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिक्ति में किए ना मर्केंगे :

स्पष्टिकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

घर संमिति नं० 8-3-203/2, निजाममेट वाइरा रोड, रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 3434/83, श्रीर 3435/83, रिजस्ट्रो कर्त्ता श्रिधकारी खम्माम ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-6-1984

मोहरः

प्ररूप् बार्ड .टी .एन् .एस . -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

आरत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून, 1984

सं० श्रार० ए० सी० नं० 83/84-85:—श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्टास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है जो भीभावरम स्थित है (ग्रीर इससे - उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री- कर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय, भीमावरम में भारतीय रजिस्ट्री- करण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, ग्रन्तुवर 1983

को पूर्वीक्त सम्पिट्त के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिट्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दीन के अम्लरक की दायित्व मी कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री पेनूचा लक्ष्मीपति राजू श्रीर श्रन्य, शिवराव पे० टा० भीमावरम, वेस्ट गोदावरी जिला।

(भ्रन्तरक)

 श्री इन्दूक्ष्, रामकृष्णा गांधी, शिवराव पेटा, भीमावरम, वेस्ट गोदावरी जिला।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर भूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित स्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हा
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास

स्थव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

मम्स्षी

घर संपतजो, भीमावरम, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3510, 3511, 3512, श्रौर 3513/83, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारो, भीमावरम।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) द्यर्जन रेंज, रदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहर:

प्रथम बाह्र टी. एन. एस. - - -

भागकार अधितिसम, 1961 (1961 का 43) की भाग १९६५ **का (1)** के अधान भूखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजंत रेंज. हैदराबाद

हैस्रावाद, दिलांक 12 जून, 1981

सं० श्रार० ए० मी० नं० 84/84-85:---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,006/- रव. से अधिक है

ग्रौर जिसको मं० घर है जो विजयवाड़ा, स्थित है (ग्रांर, इससे उताबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रोक्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम. 1808 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्तुबर 1983

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रति-पन्ति निम्निलिखित उच्च रेय से उच्क श्रेतरण लिखित में वास्त्रिक स्पूर्ण ने किथित नहीं किया गया है:--

- (क्र) अन्तरण में हुए किमी आग की बाबत, एकत अधिनियम को जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे अचने में मुख्यिश के किए: कौर/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रभोकनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

लत: अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, इन्क्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के इन्होंने, निम्नीदिखित व्यक्तियों, अधित क्रिन्। 14—166GI[84 श्री वो ० मुक्रामनेस्वरा राव भ्रौर भ्रन्य, विजयकाडा--1 ।

(ग्रनरक)

 श्री बी० जानकोराम सुन्दरो पति माधवराम,
 डी० नं० 11-50-14, रामल्वारी विधी विजयवाडा-1।

(ग्रन्मरिती)

काँ यह स्वना वारी करके पर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक रण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पतों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया हैं।

अन्सन

बरसंपतर्जी, डी० नं० 11-50-44. रामलाबारी विधी. श्रोहड टाऊन, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6473, 6474 ग्रीर 6475/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी विजयवाड़ा।

> एम० जेगन मोहन, सजन प्राधिकारो, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) सर्वेग रोज, हैदराबाद

नरीख: 12-6-1984

भोहर: .

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. -----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन सचना

भारत सरकार

शायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, हैदरावाद

हैवराबाद, विनांक 12 जून, 1984

सं अार ए मी नं 85/84-85: **-** श्रत: मझे, एम० जेगनमोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ति स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मल्य 25,000/-हर. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है जो खम्मम स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दी कर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय खम्मम में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रक्तुबर,

को पूर्वीकित सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को इद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर संपरित की उचित आजार मुल्य, उसकी दश्यकान प्रतिफल गे, एमे दश्यकान प्रतिफल का पन्द्रह प्रमिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पति-फस निम्नलिखित उददोष्य से उनत अल्लरण निवित में वास्तविक 🏧 स कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और /या
- (क) ऐसी किसी अग्य या किसी भन ग्रा अन्य आस्तिकों द्यो, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकटे महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

करा: प्रज. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की कन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री ए० कृष्णा मिन, 2-1-179 और 284, पोटी श्रीरामलरोड, खम्मम ।
 - (ग्रन्तरक)
 - श्रीमती ए० ग्राह्मणा श्रीर श्रोमती विजय लक्ष्मी. घर नं० 5-1-176, चर्च कम्पाउण्ड खम्मम्।

(ग्रन्तरिती)

को यह सम्बना रारी करके पर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बार में समान्त होती हा, के भीतर पृष्ठिक व्यक्तिस्यों मी से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दकारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अञ्याय 20-क में परिभाषित री, बही अर्थ होरा को उस अध्याय में दिया नया है।

नमसची

सम्पत्ति चर्च कम्पाइण्ड. यहपम, नं० 5-1-176, रजिस्दी कृत विलेखा नं० 3388/83 रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी खम्मम ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम ऋधिकारो महायक आयकर आधुका (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहर ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाजक कायकर कामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 जून, 1984

सं० श्रार० ए० मी० नं० 86/84-85:--यतः सुक्षे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहणात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसके। सं० घर है जो गूड़ वाला में स्थित है (भौर इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रो-कर्ता भिधकारी के कार्यालय गूड़ी वाला में भारतीय र्राजस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्क से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक इस्प में कथित उष्टी किया गया है:--

- (क) मन्तरण स हुई किसी नाम की नाबत उक्त मधि-नियम में अधीन कर दीन के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् ः— अभिनती श्रोटी बाई पित लेट फूल चन्द, 4थ वार्ड, गूडीवाडा, हैदराबाद, कृष्णा जिला।

(ग्रन्तरक)

 श्री ए० लक्ष्मीनारायणा, 18वीं वार्ड, गूंडूवाडा, कृष्णा जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्त्र्या

धर संपत्ति न० 4/289, 290, 291 ग्रौर 291 ए० गूडीवाडा, रजिस्ट्रोकृत विलेख सं० 4127/83, रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारो गूडीवाडा।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज हैदराबाद।

तारोख: 12-6-1984

मोहर 🛮

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशोलय, त्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

सं० श्रार० ए० सो० नं० 87/84-85:--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात (उक्त जिपिनियम) कहा गया है), की धारा 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित कलार मूल्य 25,000 करने से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० घर है जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर हससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिप्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्टीन ग्रक्तूबर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंगरक (अंतरको) और अंतर्रिसो (अंतरितियाँ) क गीच एसं संतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निप्नलिमिल उद्देश्य से उक्त अनुरण जिसिस में बारतोशक एयं सं कथित नहीं किया गया है देन

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्थिभा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय था किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अबँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् हें---- श्री एस० राजेन्द्रा राव ग्रीर 25 श्रन्य, राजगोपालाचारी मौकेंट स्ट्रीट, गांधीनगरम, त्रिजयवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० त्रॅकटाबाला सरस्वति पित पी० एस० मुब्बाय्या, जी० तं० 11-29-25/1, आऊलावरी बीधी, गंगनम्मा टैम्पल स्ट्रीट, विजयवाडा-1।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ों भी अक्षी :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविकाशों पर मूचना की सामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमी प्रयुक्त शब्दी और पद्मा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्दा, बहरी मधं द्वांगा आ उस सम्माय मा विद्या गया है।

सश्तृत्त्री

घर सपति गांधीनगर डो० नं० 26-26-2, विजयबाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6516/83, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारो विजयवाडाः।

एम० जंगन मोहन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🤋

प्ररूपः बाह्रः टी. एन. एस्. - - - -

गायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

श्चर्जन रेज, हेदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

सं० श्रार० ए० सी० 88/84-85:--यतः मुक्के, एस० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसको सं घर है, जो मनदला, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, अक्टूबर 1983।

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके अयमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शायत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में स्विधा के तिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एक जनार्थ अर्लारती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री के० लिलता
 पति सत्यनारायणा,
 टेकनिकल नगर,
 लिब्बपेटा, विजयवाङ्गा।

(भन्तरक)

2. श्रीमती मूप्पाला मनोपति पति गंगाधर राव, सेवा निकेतन रोड, पाटामाटालंका, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) १स यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निर्मासत में किए आ सकेंगे।

स्थव्होकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनसूची

घर संपति डो० नं० 27-101-5, मूनदलार, विजय-वाड़ा, रिजस्टीकृत विलेख नं० 6540/83 रिजस्ट्रोकर्ला-ग्रिधकारो विजयवाड़ा।

> एम० जेगम मोहन. सक्षम ऋधिकारी. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाव

नारीख: 12-6-1984

मोहर 🖪

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

भायकर प्रक्षिनियम, 1981 (1981 का 43) की

भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुन 1984

सं० ग्रार० ए० मी० नं० 89/84-85:--यतः मुझे, एस० जोगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. सं अधिक हैं

शौर की सं ० घर है जो गव्हरनरपेटा विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिक में अम्सिक स्प से किया गया है ' क्रिया गया

- (क) अन्तरण सं हुई किटी नाय की वावत, उन्तर, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कनी कक्ते वा उन्नसे वचने में सूर्विणा के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी काम या किसी पन या बन्ध बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में तिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री के० गोबिन्दा जनारधन राव पिता शोभन्ना, चलपतिराव, कोवाला, कृष्णा जिला।

(भ्रन्तरक)

श्री एम० हनूमन्त, रेड्डो, पिता काडला राव, चौधरी पेटा, कृष्णा लंका, विजयवाडा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिंग् कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त समीति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाझेंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सक्षे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसनी

घर संपति क्षे० नं० 27-16-109, गव्हरमरपेटा, विजयवाज्ञा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6188/83 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी विजयवाज्ञा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

ता**रीख**: 12-6-1984

प्ररूप बाइ .. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांफ 12 जन 1984

सं॰ ग्रार॰ ए० सी० नं॰ 90/84-85:--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पद्यान 'उनन अधिनियम' ऋष्टा गया है।, की भाग 269-स के अधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित राजार मन्य 25,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं०.घर है जो नरसारावपेटा में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नरमारायपेटा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रन्तुबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के स्वयमान शितिफल को लिए अन्तरित की गई है और सभो यह बिक्वास फरने का कारण है कि मधापूर्विक्त संपत्ति का उचित जाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया **प्रतिफल, निम्हलियित इददोश्यासं उक्त अ**न्तरणा रिलियन कें बास्तविक रूप से कीधत नहीं किया गण है :----

- (क) अन्तर्ण से **ष्टार्ण किसी** अपय की धायत. उसन अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक की स्पाधित्व भौ कामी करत का अनग बचन भा भाजधा के निर्मात और भा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1,957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वान प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः जवं, उक्त अधिनियम की धारा 260 न के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन : निम्तीलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. श्रीमती जे० मारे पिता जै० कोट्या उर्फ राजाराव ग्रारूणदलपेटा, नरसारावपेदा. ।

(श्रन्सरकः)

2 श्री एन० सत्यनारायण पिता अभनेयेल, मैनबाजार, नरसागदपेटा, ग्ट्र जिला।

(भ्रन्तरिती)

का यह सचना जारी करके पर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस से** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियां पर मचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवोंक्ल व्यक्तियाँ में स किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सुखना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में विया गया है।

नगत्नी

घर मंपति नरसारावपेटा, गुंटूर, जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5733/83, रजिस्टाकर्ला प्रधिकारी नग्सारावयेटा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी महासक ग्रायकर य युक्त (निर्ोक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीखा: 12-6-1984

प्रकल भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-% (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

सं० भार० ए० मी० नं० 91/84-85:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० घर है जो विजयवाड़ा में स्थित है (शौर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से इंक्डिं किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री मोहम्मद ग्रब्युल रहमानः, ग्रौर ग्रन्यः, इस्लामपेट विजयवाडा-1।

विजयवाडा-- 1।

साऊथ इंडिया कारपोरेशन (एजेंन्सोज) लि०',
 डोर नं० 12-11-26 श्रीर 27,
 राजारंगाय्याप्पान स्ट्रीट,

(भ्रन्तरिती)

(अन्तरक)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ब्विध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधिहम्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा मकींगे।

स्पटीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन संघीं

घर मंपत्ति डी० नं० 12-11-27, राजा रंगाय्याप्यान स्ट्रीट, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6543/83, रिजस्ट्रीकृत कर्त्ती श्रिधकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन, मक्षम अधिकारी . सहायक श्रायकर अध्युयन (निरोधाण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहर 😗

प्ररूप आर्ष: टी एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

सं० न्नार० ए० मी० नं० 92/84-85:---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका रुपित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं विषय है जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्याखय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितालत, निम्नीलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (वा) एसी किसी जाय या धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका लिधिनियम, या धनका लिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, धिपाने जै गृहिस्थ के निए.

 श्री के० डो० प्रनाद राव और अन्य विजयवाड़ा-1, डाऊन।

(भ्रन्तरक)

 श्री टॉ० जगरा प्रसाद पिताबापनय्या, मकालावारी विधी, विजयवाडा-1 टाऊन ।

(भ्रन्तरिती)

भी यह श्या बारी करके पृत्रांक्त अस्पत्ति के अर्बत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्वयद्यीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उपव जिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वृत्रा हैं।

भन्स्ची

.बर संमति मेकालाबारो विश्वो, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8559/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो विजयवाड़ा ।

> ण्म० जेगन मोहत, सक्षम श्रधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🖺

रक्ष आह¹.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

सं० न्नार० ऐ० सी० नं० 93/84-85:--यतः मुझे एम. जोगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है जो गुंटूर में स्थित है (भौर इसमें उपाधक अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन शक्तूयर 1983.

की पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रिसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उका अन्तरण निकित व गास्तिक स्प से कथित नहीं स्थिया गया है :--

- (का) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा ने सिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण अर्त, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रोमित सीयभ, श्रम्नपूरना थौर श्री सीयच राधाकृष्णामूर्ति, लालापेट, क्लाथ बाजार, गुंटूर।

(म्रन्तरक)

 श्री मंचालाल पिता श्री कुन्दनलाल, लालपेट, गुंट्र।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पुर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थाक्तयों में से किसी व्यक्ति स्थाप्त
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्साक्षरी को पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क लें परिभाषिष्ट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् ्रायं में विका गया है।

नन्सूची

घर संपति, डी० नं० 22-2-73, लालपेटा, गंदूर, क्लाथ बाजार, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8411/83 रजिस्ट्री कर्सा श्रिधकारो गुंटूर।

> एम० जेगन मोह्न, सक्षम स्रधिकारो सहायक ग्रायकर स्रायक्त (निरोक्षण) . स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-9-1984

प्रकृष बाइ . टी. एनं. एस . -----

भाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

सं० भार० ए० सी० नं० 94/84-85:---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित भाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है जो दुर्गापुरम विजयवाष्ट्रा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च, में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आप या किसी भने या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अक. नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भू के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभितु:— श्रीमती सीयच, सूकन्या ग्रौर प्रमीला देवी, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती ऊरमीला तलवार पति बालिकणन तलवार, डो० न० 29-10-21, विजयवाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके. पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध दाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तार्चि डूं. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विका गया है।

गग्राची

घर डी० नं० 29-10-21, दुर्गापुरम, विजयबाड़ा, रिजम्ट्रीकृत विलेख नं० 6435/83, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयबाड़ा।

> एम• जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-6-1984

मोह्नर :

प्ररूप गाइँ, टी., एन., एसं ु-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून, 1984 सं० म्रार० ए० सी० नं० 95/84-85:--यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं घर है जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विभा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री बि० श्रीरामुलु श्रीर श्रन्य, पार्टनरस पन सेनिटरी सिन्डीकेट, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

श्री के० वेंकटा कृष्णा राव
पिता साम्बय्या,
 डी० नं० 27-13-7/1,
 गव्हरनपेटा डी० टी० राव स्ट्रीट,
 विजयवाडा-1 टाउन।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहो शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 किन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सर्कोंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

घर संपति डी० नं० 27-13-7/1, गव्हरनपेटा, डी० टर राव विधी, विजयवाड़ा टाउन, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6378/83 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम जेगन मोहन, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहरः

प्रकृप नाइ. टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 जून, 1984

सं० भार० ए० सी० नं० 96/84/85:—यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उधतः अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० घर है जो विजयवाड़ा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है 'और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित व बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के विधित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

 श्रोमती ग्रार० पद्मावती पति रामकृष्णा, सूं दरम्मा विष्सारीर, विजयवाङ्गा—3।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जी० शारदा श्रीर श्रन्य, सून्दर रामशाही,
 डी० नं० 26-13-14, सूदरममा विधी, गांधीनगर, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पुर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गासंग :---

- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की नविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अगताची

षर संपति गांधीनगर, विजयावाड़ा डी०नं० 26-13-14, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6290/72 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-णं के अन्मरण ^५, मैं, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) अ<mark>धीन</mark> निम्नलि**खित व्यक्तियों, अर्थात्**;—

तारीख: 12-6-1984

माहर:

प्रकृतः आर्थः, द्वाः एत्ः, एतः, -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मधीन सुभूना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) र्युप्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून, 1984

सं० भ्रर० ए० सी० नं० 97/84-85---यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, ग्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजना अति जी द्वारा प्रकट नहीं किया परि था या किया जाना चालिए था, दिलान में प्राणिया के लिए;

नतः नगः, उन्त निधीनयम की भारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखिठ व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती के० सरदम्बा श्रौर भ्रन्य विजयावडा टाउन।

(श्रन्तरक)

2. श्री बी० वेंकटेश्वर रावें, घर नं० 11-56-11, मारवाडीगुडी, विधी, विजयवाड़ा-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भे वर्षन भे तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्भत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

घर संमति, डी नं० 11-56-11, मारवाड़ी गुडी, विधी, विजयवाड़ा-1, टाउन, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6590/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी विजयवाड़ा।

एम० जेंगन मोहन, सक्षम श्रिधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

प्ररूप शार्ष, दी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

सं० स्नार० ए० सी० नं० 98/84-85:---यत: मुझे, एम० जोगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार जिसे कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है, जो गुंटूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ती ग्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्तूवर 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एक प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उदत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथिल नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी लाय की बाबत उच्क अधि-नियम के बधील कर दोन के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उगसे बचने में स्विधा के लिए; बीड्/वा
- (ब) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

 श्रो जो० ग्रशोक लक्ष्मीपुरम, गुंटूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री यू० कृष्णा तुलसी पति वेंकटा सूर्या बाला कृष्णा, लक्ष्मीपुरम, गुंटूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्लक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

and the

घर संगति डो० नं० 5-87-23, ब्रोडीपेटा, गुंदूर, रिजस्ट्रोकत विलेख नं० 8542/83, रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी गुंट्र।

एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारो स हायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

तारीख: 12-6-1984

प्रकल बाह् ुटी. एवं , एसं , ---------

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984 निदेश सं० श्रार०ये०सी०नं० 99/84-85—श्रत: मुझे, एन० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के कभीन सकाम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पद्धि, जिल्हा विज्ञित वाचार मृत्व 25,000/-रा. से अधिक है

सं० घर है, जो गृंटर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रांर पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ग्रक्टूबर, 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्य में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के नित्तः, और/या
- (ह) एंगी किसी शय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, शु (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बनारा प्रकार नहीं। किया स्वा था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिचित व्यक्तियों अर्थात् ६——

(1) श्री के० मालाकोंडय्या, श्रीर श्रन्य, सेंकड लाइन, लक्ष्मीपूरम, गूंटूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें० सम्बसीवराव पिता कोटेस्वरा राव, श्रार० ग्राग्रहारम, गुंटूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

थर संपती, गूंदूर डी०नं० 5–87–25, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 8729/83, रजीस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी गूंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12—6-1984

मोहुदु 🗈

प्रकण बाह<u>ै.</u> टी. एन. एक. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (ग) (1) के अधीन सूचना

श्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० ग्रार०ये०सी०नं० 100/84-85---श्रतः मुझे, एम० जेगनमोहन,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- उः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भूमि है, जो गृंदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्याक्षय, गुंदूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को., जिम्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री टी॰ सुबस्या श्रीर श्रन्य, गुंदूर ।

(भन्तरक)

(2) दि गुंटूर बूलियन ज्वलरी श्रौर पाऊन बोकरस्, मरबंट्स को-श्रौंपरेटीव्ह हाऊस बिल्डीग सोसाइटी लि०, बाह श्री यन० साम्बणिवराव, प्रेसीडेंट, गुंटुर।

(ग्रम्तरिसी)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की कविंध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जें भी वविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्मा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्वी

भूमि, गूंट्रर. रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 8814/83, रजीस्ट्री-कर्ता श्रविकारी, गुंट्रर

> एम० जेगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराग्राद

तारीख: 12-6-1984

मोहर 😘

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० भार०ये०सी०नं० 101/84-85-भाराः सुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- के से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्री-कर्ता भिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निष्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखितों में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द, प्रवोजनार्थ अन्तरिती वृंबारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बि० साम्बिशवराव धौर ग्रन्य, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा, क्रीष्णा जिला।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स भानू बिल्डर्स, विजयवाड़ा बाइ श्री के० दुर्गाप्रसाद, काँग्रेस श्राँफिस रोड, गव्हरनरपेटा, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की जनभिया तत्सक्त्रक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्यि, और भी अन्यि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के हाजपूत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावेंद्र सम्पत्ति में दिन-बद्ध किसी कन्य स्थावित द्वारा, नभोहस्ताक्री के पास निविध में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तुची

भूमि, मोगलराजपुरम, विजयवाङ्गा, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 6190/83, रजीस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी, विजयवाङ्गाः।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

प्रक्य भाष्य टी. एन्. एस.,-----

जायकर न्भिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सुभान

सारत करकार

कार्यास्य, सहायक कायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० ग्रार०ये०सी० नं० 102/84-85---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निधनिनम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात उक्त निधनियम कहा गया है) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्परित, जिसका उचित् वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो भीमावरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, भीमावरम में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन श्रक्तूबर, 1983

कों पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिथात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उत्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तर्क तं हुदं किसी आयुकी शावत, उक्त अधिनियम् के मुधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया चा वा किया चाना चाहिए था, डिपान में त्रीक्धा के लिए;

ब्रतः वर्तः स्वतः जीभीनयम् की भाषा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमित के० पार्वेती पित चीनातीमीराजू,
 विय वार्ड, भीमावरम,
 वेस्ट गोदावरी जिला।

(भन्तरक)

(2) श्रीमित बि० वेंकटा विजयानगामानी पति नागा वेंकटानरसीम्हा राजा कुमार, 13य वार्ड, भीमावरम ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चाडी कड़के पूर्वोक्त संपरित के गुर्वन के बिहु कार्यवाहियां कारता हूं ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध को कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पर्वा का, को उक्त अधिनयम्, के अध्याय 20-कं में पुरिभाषित् हैं, यही वर्ष हाँगा, जो उस अभ्यास में दिया गुवा है।

अनुसूची

घर संपत्ति, भीमावरम, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3525/83, रजीस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी, भीमावरम।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहार 🏋

प्रकल , बाह्री, दी, यन्, एस्, - - -

भावकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) के मुधीन सूचना

RIGH ABOUT

कार्यालय, सहायक भागकर जागुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाव, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० भार०ये०सी० नं० 103/84-85-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो येलूरु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, येलूरु में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन श्रवसूखर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिज्ञ बाजार मूल्य से कम के उर्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्ध्यमान प्रतिफल सं, एसे उर्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए फिली बाव की बन्तर, उपक विभिन्न के ज्योग कर दोने के बन्तरक के वादित्य में कमी करने वा उपने बन्तर में बुविधा की सिन्द; स्ट्रिंग
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

श्रदः सब उपल जिथिनियम की भारा 269-न के बन्दरण में, मैं,, उनल जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) श्री क्षणीय, निस्त्रसिवित व्यक्तियों, अनित ह—— (1) श्री पी० वेंकटेस्वर राव भौर भ्रन्य 11, येलूर, वेस्ट गोवावरी जिला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बि० हार्षा वरधनद् ग्रीर ग्रन्य 4, येलूर, वैस्ट गोवावरी जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई ।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतार;
- (त) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकतेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्रज्ञ

दि संपत्ति, भूमि, यलूरु, विस्तीर्ण 879 चौ० गज, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5750/83, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, येलूरु।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

प्ररूप बाइ टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृपना मारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० श्रार०ये०सी० नं० 104/84-85-श्रतः मुझ, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भूमि, शेंड, ग्रीर मिल है, जो तोंडगी, वेस्ट गोदावरी जिला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का. 16) के ग्रिधीन ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की धावत , उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बारू/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, जर्थात् ः—

- (1) श्री के० सुड्बा राजू पिक्षा सूर्येनाराणा, तोंडगी, टूं तालूक, ईस्ट गोदावरी जिला।
 - (भन्तरक)
- (2) श्री एम० श्रप्पा राव पिता वेंकटा रतनम, तोंडगी, तूंनी तालूक, ईस्ट गोदावरी जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त बच्चों और वर्षों का, को कक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया हैं।

अमृसूची

भूमि, विस्तीर्ण 0.50 एकर, कन्सीस्टींग ग्रॉफ मील, ग्रेड श्रौर मसीनरी, तोंडगी, तूनी तालूक, ईस्ट गोदावरी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9078/83 रजीस्ट्रीकृती ग्रिधकारी; काकीनाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोह्रु 🛭

प्ररूप, बार्च, दी, एक, एस, :----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 जून 1984

निर्वेश सं० न्नार०ये०सी० नं० 105/84-85--- प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा थया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो पोनूगोंडा, वेस्ट गोदाबरी जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोनूगोंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेलिखत में वास्त्रिक रूप से किशत नहीं किया वया हैं !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कर्जी करने या उससे बचने में बुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री टी॰ पद्मा रेड्डी ग्रीर ग्रन्य, पेनृगोंडा, वेस्ट गोवावरी जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० सोमीरेड्डी,
मैनेजिंग पार्टनर ऑफ उड बि० कंट्रस्क्टेड,
वेंकटा मुरली राइस मील,
ग्रारविली,
तनूकू तोलूक,
जिला वेस्ट गोदावरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज़न के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५ र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजुपन में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वीनयम, कृष्टे वश्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा ही।

वन्स्यी

भूमी विस्तीर्ण 2 एकर, 75 सेंट्स, पेनूगोंडा विलेज, बेस्ट गोदावरी रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 2078, 2079 स्रीर 2080/83, रजीस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी पेनगोंडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🖫

इक्ष नार्**ं है है**ं पुत्र प्रमुख्य सम्बद्ध

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकद्ध आयुक्त (तिद्धीकण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० ग्रार०ये० सी० नं० 106/84-85---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भावकर मौंपनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से सिधक हैं

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो सोमपेटा, श्रीकाकूलम जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोमपेटा, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तुवर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्समान प्रतिफल के सिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके बश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल कब निम्निजियों स्वाप्तिक से विश्व किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बीता विरमद्रा राव पिता क्रीच्या मूर्ती
 सना सत्यनारायणा पति कोटेस्वरा राव भौर न्य, सोमपेटा।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री सानावेंक्षटेरत्नम पिता पद्टाभीरामय्या, सोमपेटा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्विक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सुम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासप 💵

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्तमों में से किसी स्वित्त व्यक्ति व्यक्ति
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ित में दित-व्यूष किसी बन्य व्यक्ति युवारा अथोहस्ताक्षरी के कास सिवित में किए वा स्कोंने।

स्याबहैकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों नीर पदी का, श्री अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्य होगा शो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्याँ

वर संपत्ति, सोमपेटा---रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1632/ 83, रजिस्ट्ररकर्ता भ्रधिकारी, सोमपेटा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाध

तारीख: 12-6-1984

मोहरू 🛭

प्रकृतार्', दी . एन् . एस . --------

आयमार निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) को अभीन सुचना

शारक बडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं०, 271/84-85--- श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो पानमगुडा विलेज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, सोलूरपेट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रन्तुबर, 1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है है—

- (क) जम्मारण से हुई जिसीं जाव की जावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाह्मिस्त में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के शिक्ष; कोर/बा

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनूसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यनिकामी अर्थाल :---- (1) श्री के॰ श्रापाराव पिता सत्यनारायणा सवन हाऊस रोड नं॰ 226, मदास-112।

(भन्तरक)

(2) श्री एम० व्ही० जयरामन,
मैनेजिंग डायरेक्टर,
मेसर्स जयरामन धाइन भौर डीस्टीलरीज प्रा०लि०,
तीहवेंगडम स्ट्रीट,
ग्रार०ए० पूरम,
महास-28।

(अन्तरिती)

को गृह प्रमा भारी कार्य पृत्रा कत सम्मित्त के नर्जन के निष कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :.--

- (क) इस स्वया के राजपण में प्रकासन की तारीय से 45 विन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

भूमि विस्तीर्ण 17 एकर, पन्नागुडू विलेज, सूलूरुपेट तालूक, नेलौर जिला, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं०869/83 ग्रौर 870/83, रजीस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी सूलूरपेट।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

प्रकप जाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैयराबाद

हैयराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० श्रार०ये०सी० नं० 236/84-85---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धीरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विवसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कम्पित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाव की वाबत, उस्त विधिनियम के वधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 17—166GI/84 (1) मेसर्स सूनल कन्स्ट्रक्शन्स् प्रमोटस् बाइ श्री बि० यस० कीडणा रेड्डी, 10-2-289/25, शांसीनगर कालोनी, हैदराबाद।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सोधा बेंगम, श्रमील श्राली श्रीर श्रन्य, पलैंट नं० 101, सरीता श्रपार्टमेंट्स, रोड नं० 4, बंजारा हिल्स्, हैदराबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी अविकासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधीप्रताक्षरी वे पात्र निचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विधा गुंधा है।

फ्लैट नं० 101, सरीता आपर्टमेंट्स, रोड नं० 4, नंजारा हिल्स, हैदरानाद, विस्तीर्ण 1790 चौ० फुट, रजीस्ट्री-कृत विलेख नं० 2771/83, रजीस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी, खैरता-माद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 1--6-1984

प्ररूप आह".टी.एन.एस. -----

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनं रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्वेश सं० ग्रार०ये०सी० नं० 237/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन;

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पीत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० घर है, जो हमायुननगर हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्विक कर से काबत नहीं किया गया है :---

- (क) अपनरण से धूर्ड किसी आप की वाबस अपन अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के खिद्दा;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमित सयीदा हाफीजा श्रानवर, जीपीय श्री सूवेद हामीव हुशन, 21-6-342, घांसी बाजार, हैदराबाद।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमित रहमतूनिखा बेगम, 10-3-68/ए/2, हूमांयुननगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स न्यांवसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर संपत्ती, नं० 10-3-68|v|/2, हमायुननगर, मेहधीपटनम, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 55-53/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-6-1984

माहर:

प्रकप आहें ्टी. एम: एस.,~~-----

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्धाल्य, सहायक जायकर जायकत (निर्दोक्तण) श्रर्भन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 1 जुन 1984

निर्वेश सं० श्रार०ये०सी० नं० 238/84-85--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया पया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; औड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमः, कौ धारा 269-व कौ अनुसरणः में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कुमारी श्यामला श्रीर भ्रन्य,
 6-3-907/5,
 सोमाजीगुडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री भाषील श्रलवि,
 प्लैट नं० 3,
 एम० नं० 6-3-1216/99 से 101,
 मेथडीस्ट कॉलनी,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मुधोहस्ताक्षरी के बाब, सिवित में किए चा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गमा हो।

नगसर्थ

फ्लैंट नं० 3, शरन श्रपार्टमेंट्स, मेथडीस्ट कॉलनी, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 710 चौ०फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3048/83, रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, वल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-6-1984

मोहर ::

त्र**क्ष्य वार्ष**ः दी_ः एम*् एस*्------

नायकर निधनियस, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के नधीन सूचना

शाहत बहुकार

कार्यासय, सङ्घयक वायकर वायुक्त (निर्दोक्तण) ग्राजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० म्रार०ये०सी० नं० 239/84-85---म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट से निधक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो मासाबटैंक, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमाने प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल हो, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तर्भ से हुइ किसी बाद की बावत, उसत प्रक्रितियम के प्रजीत कर देने के घन्तरक के वाजित्य में कभी करने वा उससे व्यन में सुविधा के विद्यु: करि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा कियाने के सुनिधा के सिए।

अंत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स केसट टॉवर्स बाइ श्रीमित वाजीतूनीसा बेगम, 10-1-1128/1, मासाब टॅक, हैदराबाद।

(भन्तरक)

(2) व्ही • फन्कलिन, 10-1-128/1/ए/20, मासाब टॅंक, हैवराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी य पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यक्ष किरणः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषिर हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिय गया है।

वरस्यी

पलैंट नं ० १, 405, केसेंट टॉवर्स, मासाब टॅक, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1250 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 5551/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैवराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० श्रार०ए०सी० नं० 241/84—85——श्रत:, मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ते से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो मलेपल्ली, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद, में भारतीय र्गजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त बन्तरण निसित के बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-निवय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा वस्त्रों बुझने में बुदिया के निए; आर्/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना वाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित बेदमाहा बेगम,
 11-3-877,
 नेट मलेपल्ली,
 हैसराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सयद ग्रमीर हूशन रेगरी ग्रौर ग्रन्य, घर नं० 44, गांतीनगर, हैदराबाद।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पुरित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पृत्रक्त स्थलितयों में से किसी स्थलित हुनारा;
- (ब) इत सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तार्रींच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपद्धित में हिटा-स्वूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया मवा है।

नग्तुकी

घर नं० 11-3-880, नेट मलेपल्ली, हैवराबाद, विस्तीणं 1552 चौ०फुट, प्लीघ एरीया और भूमि विस्तीणं 486 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3054/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी; चौरताबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैवराबाव

तारीख: 1-6-1984

मोहरू 🛭

इस्प बार्ड, टी. एन्. एस., - = ====

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म् (1) के अभीन स्मना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० श्रार०ए०सी० नं० 245/84-85—श्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो तोलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पृत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयस, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, की, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री ए० मोहन रेड्डी पिता ए० शंकर रेड्डी, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० श्रीनिवासा आयंगार, सी०ए० 4-1-938/ग्रार 14 श्रीर 15, तिलक चीड, कृष्णा काम्ग्लेक्स्, सेंकंड फ्लोर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारी छ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

फ्लेट नं० ग्रार-15, प्रिमिसेस नं० 4-1-938, दूसरा मजला, तिलक रोड, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5421/83, रिजस्ट्रीकृत्ती ग्रिधकारी, हैदराबाद $\frac{1}{2}$

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-6-1984

मोहर 🕫

प्रकृष्य आहे. टी. एन. एस. ***

भायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-थ (1) को अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० ग्रार०ए०सी० नं० 246/84-85--श्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास रूरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, तथा जो नामपत्वी, स्टेशन रोड, हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्तृवर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दैश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गवा प्रतिफल, भिम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में शास्तिक रूप से किसा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी आग की बाबरा, उक्त अभिनियम के अभीत कर दीने की अन्तरक के बायित्व में कभी करते या उससे जलने में श्रुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मृतिया के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपध्पर (1) के अधीन, निम्निलिखिठ व्यक्तियों अर्थाठ :— (1) श्री सुनील कुमार एस० चुदी श्रलीया चुंगी, कृष्ण राव 6-1-105/ए, पद्माराव नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शामकुमार पिता लेट घासालाल, 11-5-128, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिरीसत में किए जा सकरें।

स्पस्टिकरणः -- इसमें प्रयूष्ण शब्दों सौर पदों का, सो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगर, जो उस अध्याय में विया गया

जगत्त्वी

घर संपती, नं० 5-8-4, नामपल्ली, स्टेशन रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5529/83, रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-6-1984

मोहार 🌣

प्रकथ बाद् टी एवं एस ,-----

आथकर मिशियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुमान

भारत सरकार

कार्वाजय, बहायक मायकर जायक्य (हिन्दीक्रण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० भार०ए०सी० नं० 247/84-85---श्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो दोमलगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वों क्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्तह प्रसिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरम् ते हुइ किसी मान की नामक, क्यत् विमृतिश्व को नभीन कर दोने के अन्तरक की कामिरन में कमी करने मा वसते अनने में सुविधा की किय; क्षीर/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर श्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने ये स्विभा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत ः— (1) श्री हारीराम बि० दयाल,
 1-2-8/2,
 दोमलगुडा,
 हैदराश्राद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केनवाल राम,
 1-2-8/2,
 दोमलगुड़ा,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्मृतिस् के वर्णन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की सबिध या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 - किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए वा सकोंचे।

वनुसूची

प्रथम तल, प्रिमिसेस 1-2-8/2, बोमलगुडा, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख मं० 5416/83, रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-6-1984

माहरु 🖫

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) अं अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, **तहायक भायकर भायक्य (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाय, विनांक 11 जुन 1983

निदेश सं० श्रार०ए०सी० नं० 255/84-85-श्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियमध कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट है, जो हीमायतनगर. हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्रकडणल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तुबर, 1983

की पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसि स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण तं हुई किसी अाय की बाबता, उपल अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शयत्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

(1) श्रीमित जहीनाव खटून पति
छफ्तेखार मेहदी खान,
थू जी०पी०ए० श्री श्रली खाजा एम०शी० आफ बंजारा कस्स्ट्रवणन स् रोड नं० 12, ''बंजारा हिल्स, हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० रघुनाय पिता
एस० टी० राजन,
घर नं० 35/4,
ग्रार०टी० एल०ग्राई ०जी० एघ०, बरकतपुरा,
हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सक्ती।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एवा है।

अनुस्ची

पलैट नं० 207, दूसरा मजला, 3-6-782, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 795 भौ० फुट, रिजस्ट्री- कृत विलेख नं० 735/83, रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी, चीक्कड-पल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-6-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश मं० श्रार्० ए० सी० नं० 256/84-85--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- गर. से अधिक है

भ्रोंग जिसकी सं० फ्लेट हैं, तथा जो ही भायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, चीक्क अप्रति में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रवतूवर, 1983

काँ पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुइ किसी आयुकी भावस्, उथत अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्र/ना
- (स) एसी किसी भाय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, तम्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, गभीत :---

(1) श्रीमित जहानाय खटून पति इफ्तेखार भेहदी खान, ध्रूजी०पी०ए० श्री आली खाजा. बजारा कत्स्ट्रमण्नम् लि०, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित लीला विनोदीनी,
 3-4-484/4,
 लिंगमपल्ली,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में दिये जा सकरो।

स्पष्टीकरण .---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिना प्रा है।

नगुजुनी

पलट नं० 307, तीसरा मजला, 3-6-782/ हीमायत-मगर, हैदराश्राद, विस्तीर्ण 795 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 734/83, रजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी चीक्कडपरूर्णी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-6-1984

मोहुदु 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1984

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 257/84-85 -- अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपर्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उपल विभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे वचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के नियु;

(1) मातृश्री इंजीिनयर्स श्रीर बिल्डर्स प्रा० लि०, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्सरक)

 (2) श्रीमित ए० सरस्वती रमना राव पित ए० रमनाराय,
 6-3-628/13,
 रिवंबनगर, खैरताबाद,
 हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां कारता हो।

उन्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कार्य भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हिती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के पास सिश्चित में किए जा सकती।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रभूकत कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया इ।

वन्स्पी

पर्लंट न० 603, इन ए ब्लॉक, हैचरगुडा, हैचराबाद, विस्तीर्ण 1150 नौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 737/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपस्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हि——

4.0

तारीख: 11-6-1984

प्रकप नाइ . टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैसराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० आर्०ए०सी० नं० 258/84-85---अतः मुझे, एम० जेगनः मोहन

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट है, जो जे०एन० रोंड, हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण तिचित में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के मिए; और/या
- (म) एमी विज्ञती आय या किसी भन या कत्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स बिना बिल्डर्स बाइ पार्टनर्स श्री के०एन० वेंकटचलम श्रीर अन्य, 4-1-826, जे०एन० रोड, हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हैदराबाद इलेक्ट्रीक सिंडीकेट, वाँद श्री सी० रामकृष्णाराव श्रीर अन्य, 4-1-314, द्रुपयाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रनाक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकी।

स्थळीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त रिधिनियम, के क्षेष्याय हिं∩-क में परिधाषित कृँ, वहीं कर्ष होंगा का उस कथ्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

टेनेमेंट नं 3, ग्राउड फ्लोर, विक्टोरिया चेम्बरस्, 4-1-826, जें०एन० रोड, हैवराबाव, विस्तीर्ण 647 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5256/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी हैदराबाव।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

त्र1रीख: 11-6-1984 मोहर ध प्ररूप आई. टी. एन. एस ,------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक सायकार आयुक्त (निरीकण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हेदराबाद, विनांक 12 जून 1984

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 259/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमी है, तथा जो पंजीगुट्टा, हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में नामनिक हम से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संसूर्ण किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !-- (1) श्री के० सत्यनारायणा राव ग्रीर अन्य,
 घर नं० 1-9-312/5/2सी,
 विद्यानगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स महालक्ष्मीमोटर्स, प्रा० लि०,
4, भीमनगर,
एल०आइ०जी० कालोनी,
अपोजिट: इंदिरा पार्क, सिकंदराबाद,
बाढ श्री आर० विजया कृमार राव,
एम०डी० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनीध या तत्यं ने व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपथ में प्रकाणन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

. अनुसूची

खुर्ली जमीन, पंजागुट्टा, एम० न० 6-3-788/33, 35, 32, 36 ग्रीर 37 विस्तीणं 900 चौ० गज, 800 चौ० गज० ग्रीर 800 चौ० गज० 1000 चौ० गज 750 चौ०गज० ग्रीर 750 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5514, 5516, 5515, 5517, 5584 ग्रीर 5513/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 12—6—1984

मोहर 🗉

प्राक्ष्य आईं . टी. एन . एस . -------

भाषिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 जून 1984

निवेश सं० आरः प्राप्ति नं० 260/84-85---अक्षः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लेट है, जो चिराग आली लेन. हैदराबाद : स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार बुल्य, असके दश्यमान प्रतिफल तो, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियारें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तंद्रण सं हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्व में कमी करने मा उससे अपने में सुविधा बी किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-शं की उपधारा (1) के अधीन गिम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री हैदरआली खजानी.
 5-8-505,
 चीरागआली लेन,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति बेगमपित अब्दुल रसीद 23-2-418, मोघलपुरा, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृतित के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी बाधीए ५---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सी
 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकर्षः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्षेषुका

फ्लेट नं० 104, चीराग आली लेन, हैदराबाद, विस्तीणे 1170 चौ०फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5404/83, रिजस्ट्री-कर्सा अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मीहर्न सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबार

नारीख 11-6-1984 मोहर ∵ प्रकृष कार्ड. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च 11) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यांतय महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) 'अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 261/84-85--अन, मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एक से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है, तथा जो चिराग आली लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूधी में और पूर्ण रूप में , व्याणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

की पूर्वी कि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नीलिखत उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या अससे बचने में सविधा के जिलः बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, रिज्यान में सविशो के लिए।

्र अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स फिरोज बिल्डर्स करीमा बाद एच० कालोनी, चीराग आली लेन, हैदशबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री याऊद आली करीमावाद कालोनी. चीराग आली लेन. हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंयं वी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

मन्त्री

फ्लेट 5-8-492 और 593, चीराग आर्ला लेन. हैदराबाद, विस्तीर्ण 398 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5330/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, हैदशयाद

तारीख 11-6-1984 **मौकु** ■ प्रकर कोईं, टी. एन्. एसं,--------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 262/84-85--अन: मुझे. एम० जोगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पनेट हैं. जो गांधीनगर, हैवराबाद में स्थि है (और इसने उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणि है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के जार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गई है और मूझे यह विश्वास कारने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुइ किसीं भाय की शबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर क्षेत्र के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मेसर्स कामत बिरुडर्स बाई एस०आर० कीमत, श्री-3, बिंदू भाषिंग मेंटर्स. जोम्बे।

(अत्तरकः)

(2) श्री शंभर नारायणाः
 1-8-522/38ः
 चिक्काडपरुलीः
 हैदराबादः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्थीक्तयों में में किसी व्यक्ति ब्राग;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्यस्कीकरणः — भूसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० मी \sim 2, घर नं० 1-1-524ए और ए 1 गांधीनगर, हैदराबाद, त्रिस्तीर्ण 960 चौं०फुट, रजिस्ट्रीहृत बिलेख नं० 5442/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, हिस्राबाद

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, वर्धात् रे—

नारीख · 11-6-1984

प्रकल् आहें , दी , एन , एवं ,=======

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के म्थीन स्थना

भारत स्रकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयृक्त (निटीक्न) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश मं० आर०ए०सी०नं० 263/84-85--अतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट है, तथा जो बसीरवाग हैदराधाद में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कलारण से झुड़ी किसी जान की बाबत जनत वीधिनियम के कधीन कर दोने के जन्तरक के प्रियरण में कभी करने या उससे वचने में सुविधा हे लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पड र नहीं किया एका भा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेरोडीयन कन्स्ट्रक्शन को॰,
 5~8~612,
 अबिद रोड,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रमनीकलाल टूना और जे०आर० टूना,
 3-4-376/6/5,
 लिगमपल्ली,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

जन्स्यर

पलेट नं० 303, तीसरा मजला, 5-9--24, लेक हील रोड, वसीरवाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ०फुट, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 5473/83, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद। एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11~6~1984

प्रस्प वार्ष. टी. एन: एव. -----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

ायां तय, सहायक जामकर जाम्बत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं॰ ग्रीर॰ए॰सी॰नं॰ 264/84-85--अतः मुझे, एम॰ जेगन मोहन,

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'एक्स मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस को जभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० पनेट है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अनुवार, 1983

को पृत्रोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नश्यापन वे हुई किसी बाद की बाबत, समस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्राधित्व में कभी अपने या उससे नमने में मुणिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय आय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या धनकर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रकारनार्थ जन्मिरी बनारी प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृतिश के निष्ट:

बतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के बनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, विक्रमिण्डिक व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जे० प्रभाकर और अन्य, केर आफ प्रभू येलेक्ट्री निकस, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र गुप्ता, दोमलगूषा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वों कर संपरित के अर्जन के सिए कार्यवादियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेत्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लेट विस्तीर्ण 900 चौ॰फूट, रजीस्ट्रीइत विलेख नं॰ 5346/83, रजीस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:11-6-1984

श्रुक्य बाद्य दी , एन_ः एत_ः - _{व व}---

भायकरु वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्चना

गारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, तारीख 11 जुन 1984

निदेश सं० आर॰ए०सी०नं० 265/84-85-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन संभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित् बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लेट है, जो हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

का पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसं रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्द्रण से हुइ किसी आय की वावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के ब्युयित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के जिए; ब्युट्र/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बेशिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री जे० प्रभाकर राव और अन्य. केर ऑफ प्रभू येलेक्ट्रानिकस्, नामपल्लो, हैवराखाद।

(अन्सरकः)

(2) श्रोमित यन० सावित्री राष. नल्लाकूंट. हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वामत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्यवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लेट विस्तीर्ण 900 जौ॰फूट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5347/83, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैयराबाद ।

एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-6-1984

प्रारंत बार्ड, टी. एन ् एस.------

भायकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैषराबाद, विनांक 12 जून 1984

निवेश सं आर० ए० सी० नं० 266/84~85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो अत्मक्र विलेज करनूल जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, अत्मक्र्र, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अवतुबर 1983

को पूर्विक्त संगत्ति का उचित बाजार मृल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्यंत विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एन० वेंकट नारायणा धौर अन्य, अत्मकुर विलेज, अत्मकुर तालूक, करनूल जिला।

(अन्तरक)

2. श्री वेंकटरमना इस्टेंट ट्रेडर्स बाइ श्री एम० शिव प्रसाद, अत्मकुर विलेज, करनूल जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यशाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्ठीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 7 एकर. 11 सेंट्स, अत्मक्र विलेज-करनूल जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख स० 2784, 2788, 2789, 2790, 2791 और 2792/83, रजिस्ट्रीकृती अधि-कारी अत्मक्र।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज, हैवराबाद-

सारीख: 12-6-1984

प्रकष् आर्च्य, ट्रिन्टि, एन्., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैक्साबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निवेश सं आर० ए० सी० नं० 267/84-85---यतः मुझे, एम० ज़ेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ब्राम्हणा काका आग्र-हारम कावाली, में स्थित है .(झौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कावाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कि भित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण से हुए किसी जान की बाबत, सक्त जिम्मीनयम के जभीन कर दोने के जनसरक के दामित्व में कभी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अधीत्हल्ल- श्री एन० सुब्बटमा भौर अन्य, मारेलागूंटपालम, प्रकाशम जिला।

ं (अन्तरक)

 मेससं कोलीपारा राजेण्वर राव एन्ड को० बाई श्री के० राजेस्वरा राव, आमरावती रोड, गृंदूर।

(अन्सरितीं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त श्रीमियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

मनहाँ प

भूमि, विस्तीर्ण 72-69 एकर, श्रम्हाणाक्राका अग्रहारम रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1523, 1524, 1522, 1520, 1519, 1518, 1514, 1512, 1513 और 1494/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी., एत. एस्.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

आर० ए० सी० नं० 268/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है, जो ब्रह्मणाकाका आग्रहारम कावाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कावाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अवः, उस्त विभिनियमं की भारा 269-ग कं अनुसरण वै, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, विनम्ननिविद्य व्यक्तियों, अर्थात् ह—— श्रो एस० शिवशंत्रर रेड्डी भ्रोर अन्य, ब्रह्मणाश्राका अग्रहारम, कावाली, नेलौर जिला।

(अन्सरक)

भिष ।।।-

 मेसर्स कोलीपारा राजेस्वरा राव ग्रीर को० बाई० श्री के० राजेस्वरा राव, अमरावती रोड, गृंदुर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि (नयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया, है।

भूमि, विस्तीर्ण 49 एकर, 25 सट्स, ब्रह्माणाकाका अग्रहाराम, कावाली तालुक, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1528, 1529, 1530, 1531, 1533, 1534 श्रीर 1536/83, रजिस्ट्रेनेकर्ता अधिकारी कावाली 1

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 12-1 3-1984

प्रक्ष भाई. टी. एन. एस. -----

बाबफर बीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व् (1) वो अधीन सूचना

नारक चरकाउ

कार्यानय , सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैंदराश्राद

हैदराबाद दिनांक 12 जून 84

भार० ए० सी० नं० 269/84-85---श्रतः मुझे, एम० जोगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृस्य 25,000/-रुट में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो निशामाबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपबाद प्रनुसुधी में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, निशामाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्तुबर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नीसिक उद्देश्य से उनत बन्तरण किश्वित में शस्तिसक कम ने कीयत नहीं किया नवा है देन

- (वा) बस्तरण से हुए किसी बाब की बाबत उक्त निध-नियम के निधीन कर दोने के अन्तरक से वायित्य में क्यी करने वा उससे बचने में मुख्या के लिए; बीर/श
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाबकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गूजा येरम्मा श्रीर ग्रन्य, विनायक नगर, निशामाबाद.

(भ्रन्सरक)

(2) नवजीवन को-श्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, निकामाबाद.

(ग्रन्तरिती)

ना यह सूचना चारी करके प्याँक्त सम्परित के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाडा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किश्र का सकती।

वन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़, 11गूंठे, फूलांग, निक्षामाबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4556, 4557, 4594, 4596, 46/84, श्रीर 3/84, रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी निक्षामाबाद।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंबराबाद

तारीख: 12-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्योजय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 जून 1984

ग्रार० ए० सी० नं० 270/84-85---ग्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-भक्त निम्निलिखित उच्चेच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) श्रीमतो एन० मधूलिका पति ए०नंदा रेबङ्का, 3-6-467/1, हीमायत नगर, हैदराबाद.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ई० नरसिम्हा रेड्डी पिता ई० राजा रेड्डी, 5-75-4, गोशामहल, । हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति वृतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये पा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असल ची

धर नं० 1-1-380/30/1, गगन महेल, दोमलगुडा, हैंदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5404/83. रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी हैंदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-6-1984.

प्ररूप आइ. टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 जून 1984

ग्रार० ए० मी० नं० 64/81–85----ग्रत : मुझे, एम० जेगन मोहन,

आवकर अधिरिक्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो तेनाली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ना अधिकारों के कार्यालय, तेनालों, में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, श्रक्तूबर, 1983

का पृतिकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विववास करने का कारण है कि सथाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) अलरण म हुद्दू किसी आम की बाबत, उजत जिंधितियम के अधीन कर दोने के अल्लरक के दायित्व में कभी बारा या एसमे वचने हा सृविधा के लिए, और/मा
- (न) एंभी किसी आय या किसी धन या तस्य आरितायों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिएकों ही सर्विधा के तिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 20---166GI|84

(1) श्री के० ऊपेंद्रा गुप्ता श्रीर स्रुन्य, श्रीफ बाजार, तेनाली.

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो दादा साहेब मोहाहानाध दीवाकर और भ्रन्य, श्रोफ बाजार, तेमाली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिहुए कार्यकरिक्षा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

घर मंपत्ति, तीसरा वार्ड, तेनाली, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3941/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी तेनाली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराक्षाब

नारोख: 12-6-1984.

मोहर ३

प्र≖प आहाँ० टी० एस० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-न (1) के सभीन स्थना

शारत व्यक्ता

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निष्येण सं० म्रार० ए० सी० नं० 65/84-85--म्रतः सुझे, एम० जगन मोहन,

शायकार विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी मं० घर है, तथा जो तेनाली में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान. अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यममाम बित्रफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बित्रफल, निम्निजित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में श्रस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आम या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निमिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) भो ए० राजेंद्रा प्रसाद, श्रीर अन्य, गंगम्मापेटा, तेनाली,

(घन्तरक)

(2) श्रो वाई० नटराज माइनर बाइ गार्डीयन, श्रो हारहारनाथ, मेन रोइ, तेनाली.

(भ्रन्सरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ष्य :---

- (क) इस सुभाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुभाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

घर संपत्ति, तेनाली रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 3972/83 भीर 3998/83, रजिस्ट्रोकर्ता भ्रिकारो तेनाली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरोक्षण) ध्रजैन रेज, हैवराबाद

तारीख: 12-6-1984.

प्ररूप नार्षं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज. हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निवेश मं अप्रारंग एवं मार्च नव 66/84-85--- प्रतः मुझे, एमव जोगन मोहन,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है, तथा जो यैद्याग में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, वैज्ञाग में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त निध-नियम के नधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मूथ्यम सत्यनगरायणा, 49-48-1, प्राब्बय्या पालम, विशाखापटनम-16.

(मन्सरक)

(2) श्रो श्रो० मुब्बोरामी रेड्डी, नीयर पाथा गजूबाका, नीयर पाथहलूगारी मेडा, विणाखापटनम-26.

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्जीक्स संपरित के अर्थन के सिए कार्यत्राहियां शुरू करता हूं।

उन्त तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ने 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

·स्पष्ठीकरणः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ननस्त्री

घर नं० 47-11-25, ग्रालोपूरम, वार्ड द्वारका नगर, डायमंड पार्क, वैक्षाग, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11563/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी वैक्षाग।

एम० जेगन माहि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाब

नारीख: 12-6-1984

प्रक्रपः बाह्रः टी. एन. एसः ------

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निवेश स० आर० ए० सी० नं० 67/84-85--अतः मुझे, ए.न० जेगन मोहन,

प्राचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो आजीपूरम, वैकाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप में वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के नगर्यालय, वैकाग में रिजस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. अक्तूबर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक कम से कियत नहीं किया गया है:——

- (वा) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर शोधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जनसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा. (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० श्रोहारा राव और अन्य, मूत्राली मौला, दक्षितीनाडा,

(अन्तरक)

(2) मैसर्म सूधा कीरत हॉटेलस् प्रा० लिं०, 24-11-23, भीमावरम, जिला वेस्ट गोदावरी,

(अन्भारती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

घर सम्पत्ति नं० 47-11-15, आलीपूरम, रजिस्ट्रीक्तॉ कृत विलेख नं० 12287 और 12288/83, रजिस्ट्री किं अधिकारी विशाखापटनम।

> एम० जेगन मोहन नाजम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त अस्तुन्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 12-6-1984.

माहरु ३

प्ररूप आ**र्ड**. टी. एन. **ए**स. -----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

आर० ए० ना० न० 68/84-85--अत: मुझे, एम० जोगन मोहन,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,060/-रु. में अधिक हैं

और जिसकी में घर है, तथा जो बैझाग में स्थित है (और इसमें उपावद्ध जनुसूचों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधि गरी के कार्यालय, बैझाग में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीन अस्तूबर 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड ही आर मूफे यह विश्वाम करने का कारण ही कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बाल्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (भ) एसी किमी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग पाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए?

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269 व की उपधार (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैससं पैरामा उट कल्स्ट्रवशन्स बाह श्रीमती बि० लक्ष्मी श्रणांत, दामपल्ली, होलस् विशाखापटनम

(अन्तरक)

(2) श्री पी० जीनादी पिना नीलादी राव. 14-37-38, इंडणा गार्डनस्, वैझाग

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क्र) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामोल से 30 दिन की अविध, जो भो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्खी

डी का 16-1-16/सी ०-4, विशाखापटनम, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं 11968/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंवराबाद

तारीचा: 12-6-84 ∙

प्रक्षुः, गाइं, टी. एन्. एस., -----

नावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बधीन स्नता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

आर० ए० सी० नं० 69/84-85--अत: मुझे, एस० जेगन मोहन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु-से अधिक है

और जिसकी सं व घर है, सथा जो बैझाग में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री किता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 83

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत बिफक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर द्रोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उँक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए:

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपशास (1) ■ अधीम, निम्मिकित व्यक्तियों, अधित् ह—— (1) मैसर्स पैरामाउंट कन्स्ट्रक्शन्स बाइ श्रीमती बी० लक्ष्मी प्रशांत, दासपल्ली, हीलस् विशाखापटनम

(अन्सरक)

(2) श्री सी० विजय कुमार पिता सी० वेंकरण्या, सी० बी० एम० कंपाउंड एरिया, विशाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकरी।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मग्रुची

षर नं 16-1-16/सो०-3, माहा राणीपेटा वार्ड विभाखापटनम, रजिस्ट्री इन बिनेख नं 11970/83, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वैद्याग ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्स अायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोख: 12-6-1984.

मोहरः

अ**र्क्स बाह्री, टी**. एन. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदर।बाद

हैदराबाद, दिनांकं 12 जून 1984

आ7० ए० मी० नं० 70/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है" कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० घर है, तथा जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिपस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में भारताय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अन्तूचर 1983

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिकित स्थितियों, स्थान ह

(1) मैंसर्स पैरामाऊंट कन्स्ट्रैयंशन, बाह श्रामतो बो० लक्ष्मी मैनेजिंग पार्टनर, प्रशांत, दायाल्लो, होलस् विणाखापटनम,

(अन्तरक)

(2) श्रा बी० के० गुप्ता पिता **जगन्नाथरा**घ, पालकोंडा, श्रो पाक्तम जिला

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पास के अजन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख बें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध यों भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंक्छ ज्योजतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवृष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को नभ्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हो।

अनुसूची

घर नं० 16-1-16/बी०-1, माहरानीपेट वार्ड, विशाखापटनम रजिस्ट्रो∌त विलेख नं० 11964/83, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारो विशाखापटनम।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

तारोख: 12-6-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रिंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 जून 1984

आर० ए० सं(० तं० 71/84 85 --अन: मुझी, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही,, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी संव घर है, जो वैझाग में स्थित है (और इससे उपावक अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गिर्द हैं और मभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शवत, उचत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अपतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं पर्य पैरामाऊंट एम्मट्रक्शन्य बाह, श्रीमती या० लक्ष्मी, भैनेतिम पार्टंबर, प्रज्ञास, दायाल्या, हीलम्, विकाध्यापटनम्,

(अन्तरक)्

(2) बासिब जूट ट्वाइन मीलम् (शा०) लि०, बाउ श्री जा० मलाकार्जनराय, एम० डी० राजम, विजयानगरम जिला,

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वत्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

त्रर संपत्ति डी० नं० 16-1-16/डी-2, माहराणीपेट वार्ड, विणाखापटनम, र्राजस्ट्रां∌न विलेख नं० 11967/83, रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी विणाखापटनम् ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयबर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोख: 12~6~1984

प्ररूप . आइ. एन . एस . ----

आयफर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीप स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

आर० ए० सो० नं० 72/84-85--अत मुझी, एम० जोगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जमकी मं० भूमि है तथा जो ताटीपाथी विलेज में स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विषाखापटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को प्वेक्सि सम्पत्ति के उत्कित बाजार मृख्य से कम के . स्वयमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन अर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उपसे अपने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स्) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हां भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए?

कतः अन्, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---- 21 ---166GI84

(1) श्री ए० आपालकोडा पिता जोगुलू और अन्य, लक्ष्मीदेवी पेटा, अनकापल्ली।

(अन्नरका)

(2) मैनमं विख्वनाथ अग्नी फारमसं प्रा० लि०, बाइ श्रीः बूधाराजूपूलाम राजू. एम० आई० जी० आई० ए०/5, मूउलावानीपालम, वैझाग-17 ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि, विस्तोर्ण 100 एकड़, ताटीपाथि विलेज, मदूगूला नालूक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 12086/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी विणाखापटनम् ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायद्य आयार आयुक्त (निरीक्षणी) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 12~6~1984.

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद हैदरावाद, दिनांछ 12 जूद 1984

आर० ए० सं१० नं० 73/84-85--अन**ः** मुझे. एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृल्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

और जितको सं० घा है, तथा जो तेनालो स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचः में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रानशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- ष) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तिहों को, जिन्हें भारतीय आयक र विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती, द्वारा प्रकट यही किया गया था या किया जाना चाहिए या जिल्हों के मनिवास के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(१) में ऋग० वैंकडेल्दरलू गंगानस्थांडा, पोस्ट, वेजाला

(अलरक)

(2) मैसर्म विजयभाष्याम आयरन को० वाह श्राह्म के केंग्रहा सूक्याराथ, पालीपेटा, पोस्ट, तेनार्ल जिला गूंट्र ।

(जन्तरिती)

मां यह पुचना जारी कारके पृथीक्त सम्पृत्ति व्याजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त सम्पत्ति जं अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति त्यक्तियों में में दिन्मी व्यक्ति इताराः
- (क) इस स्वना क राजपत्र में अकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर दक्त स्थायर सम्पत्ति में हिट-प्रदेश विजयी अना व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के भारति कि: खत से किए जा सकेगे।

स्पर्कादारफान द्राणी प्रयुक्ता गब्दो आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय मी दिया स्था ही।

अनसची

घर पंपत्ति डो० नं० 7-33-66, तेशाली, रिजस्ट्रीकृत तिलेख नं 3819/8 प्रजिस्ट्रीकर्ता अस्तिकारी तैशाली।

> एम० जेगन प्रोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक चायकर सायुक्त (निरीक्षण) चर्जन रेंग, हैदर!बाद

नारोख: 12-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

आए० ए० सी० नं० 74/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह क्रियम दारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

अगेर जिगकी संवधर है, तथा जो ते गर्ला में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के आयिलिय, तेनालें: में भारतीय रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार भूत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवन संपत्ति का अविह बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिस्त रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयाकी वाबत, उक्त अधिनियम के अधिन का बने के अन्तर के द्वित अ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी अन वर्ग किसी पर का उत्तर का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विजय प्रथा पा विषया जाना चाहिए था, छिपारे ही स्विधा क निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, गाँ, इवत अधिनियम की धारा 269 प की एपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री पी० केणवा नारायणा और श्रीमती आई० सत्यवती, मारोसपेट, नेनाली

(अन्तरकः)

(2) श्री बार वेंकटरामय्या और श्रीमती बीर कत्यानी, ऊपू बाजार, तेनाली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु--

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

घर सम्पत्ति, तैनाली रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4013/83 ऑर 4012/83 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो, तेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

নাকীছা: ১৫ -6 -1984

महिंहा :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

अधाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सारकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून, 1984

निवेश सं० आर०ए० सी० नं० 75/84-85---अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

ग्रीह जिसकी सं० शेयर इन थेटर है, तथा जो तेनाली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें उत्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, दा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अधीत् :--- 1. श्री जे० भावनानारायण तेनाली,

(अन्तरक)

 श्री जे० वेंकटेश्वर राव कैंगर आफ: अलंकार टाकीज, नियर रेलवे स्टेशन, तेनाली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में <mark>कोई भी आक्षोप :--</mark>-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पावकीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्तवी

0.05 पैसे शेर अलंकार थियेटर में, तेनाली रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3868/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-6-1984

प्रकप आइं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कायलियः सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निदेश स० आर० ए० सी० 76/84-35---अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 को 43) (जिस इसमें इसके परचास् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० णेयर इन थियेटर है, तथा जो तेनाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेनाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिश्वत बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पापा गरा प्रतिकान, निम्नितिस्थित उप्देश्य से उकत अन्तरण कि सिल में बास्तिथक रूप से किथार नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृदिश के निए: और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के निए;

जिल: जब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुभारण मो, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्युनितयों, अर्थात् हे—

 श्री जे० वेंक्ष्टेश्वर राव मोपारूपोस्ट, तेनाली तालुक, जिला गंटूर ।

(अन्तरक)

 श्री जे किशार कुमार कैयर आफ अलंकार टाकीज, नियर रेलवे स्टेशन, तैनाली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्णक्त सम्पत्ति के नर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्क्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों ए. सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् निकित में किये का सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमे प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित । कै, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

यगुलुकी

0.06 पैसे शेयर इन अखंकार टाकीज, तेनाली, र्राजस्टीकृत विलेख नं० 3867/83, रजिस्ट्रीकृती तेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

लागीख: 12-6-1984

प्ररूप बाई .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, १961 (1961 का 43) की धारा 266- ख (1) के अधीन स्वना

भारत भरकार'

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून 1984

निदेश सं० और० ए० सी० 77/84-85—अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित धाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं घर है जो तेनाली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के क्ष्ययार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह रिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके हक्ष्यक प्रतिफल के एक दिश्यमान जीएकत का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंगोरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के रिए तय पारा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क यायित्य में कमी करने या उससे पचन में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधित्यम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 घ १८) के प्रयोजनार्थ अस्ति रती द्वारा प्रकृत नहीं । किया या या किया बाना चाहिए था, छिपार्व मा सविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-च को अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) की अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :— श्री गाली विजया प्रकाश राव पिता वेंकटेश्वरा राव,
 कंचेरलापालेम पोस्ट, तेनाली तालुक,
 जिला गंटूर।

(अन्तर्क)

 श्री के० विठल कुंटूंबा राव, श्रोफ बाजार, तेनाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबंध मा काइ। भो आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन मो एकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्त्रवंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो स्थापत होती हो, के भीतर पूर्वाक्त ज्योजनमों मो से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितनपूर किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याद 20-क में परिभाष्ट ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय मी दिया एका ही

अनुसूची

घर सम्पत्ति $1\overline{0}$ थ वार्ड, तेनाली, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4051/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी तेनाली ।

एम० जेगन मोहन सम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 10-6-1974

प्ररूप आहूर. दरे. एन . एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० आग्र ए० सी० नं० 78/84-85—अत: मुझे। एम० जेगन मोहन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर गंपति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसका संव घर है, तथा जो राज मूंड्री में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची क्रमें श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजर्म्हाकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमूंड्री में रिजर्म्हाकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पुर्वेकित संपत्ति के जितित वाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के योच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिया अप सं कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- ्स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) ता उचन अधिनियम, या घर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचनार्थ नानीरती स्ताना प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श को, अनुमरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- श्रीमती के० साविक्षी श्रीर के० कृष्ण मोहन राव, ऊलीथोटा विधी, राजमूड़ी ।
- 2. श्रीमर्ता मोहप्यत हार्वाबूनिसा बेगम पति आयूब, धनावाईपेट, राजमूंईा ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस निस्ति में किए जा सकति।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, क्ष्मी प्रधीकोंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है

नगस्पी

घर सम्पत्ति डी० सं० 4/92, सी० एस० पूर्नं० 7-7-1, ऊली शोटा विर्धाः, ४थ वार्डः, राजमङ्गी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6558 ग्रीर 6560/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधमुंड्री राजमङ्गी।

> ्म० जेगन मोहन संक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-6-1984

प्ररूप. आर्फ. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के **अधी**न सुचना

भारत सरकार

कार्मालयः, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० 79/84-85--- यतः मझे. एम० जेगन मोहन,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से **अधिक है**

भ्रौर जिसकी संव घर है, तथा जो लालापेट, गुंटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनसूची ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंदूर में भारतीय राजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तुबर, 1983

को प्रवेक्ति सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभी, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमार प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से **हर्ष किसी आय** की **आयत**, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और∕या
- (क) एसी किसी आर्य या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविशा केलिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 🖷 ्रजी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलि**स्थित व्यक्तियों, अर्थात्** :——

1. श्रीमनी पी० कोटम्गा श्रीर अन्य लालापेट, गुंटुर ।

(अन्सर्क)

2. श्री मी० एच० बेंकटस्वामी श्रीर अन्य आर० आग्रहारम, गुंटुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इ.स. स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीचे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्भ होगा हो इस अध्याय में दिया गया 🐬 ।

नन्स्ची

घर सम्पत्ति लालापेटा, गूटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8452/83, श्रीर 8458/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गंटर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-6-1984

प्ररूप आह". टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वाँ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, वलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 7 जून 1984

निवेश सं० . 1488/एक्यू० आर-III/कल०/84-85---अतः मुझे, एस०के० चौधुरीः

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 25/3/मिंहै, तथा जो गरपार रोड, कलकता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषिल बाजार मूल्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-धर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 22--166GI/84

ा. श्री गत्येन्द्रनाथ वास श्रीर अनात्य ।

(अन्तरक)

· 2. रेखा बसाक ।

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रमुख्त शब्दों और चेदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हो, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्र्या

जमीन जो 25/3/मी गरपार रोड पर अवस्थित है, दिनांक 12-10-83 को रिजस्ट्री हुआ आई०-10715 डीड के अनुसार ।

्म० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

दिनांक : 7-6-1984

त्ररूप वार्डः टी. एतः एसः ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ांग, कलकमा

कलकत्ता, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० 1489/एक्य् /रेंज-III/कल०/84-85—-अतः मृझे. एस० के० चौध्री,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 32/2 है, तथा जो गोविन्द बोम लेन. कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्वा में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-10-83

को पृवानित मंपत्ति के खिलित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उच्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्यों से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिखी थान की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी भने या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निजित व्यक्तियों, गर्थात् ह---- 1. अमिलाभ राय और अजन्य।

(अन्सर्क)

 गायती मुखर्जी ग्रौर द्वीजेन्द्र लाल मुखर्जी, । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं दें दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

भन्सची

मकान दो मंजिला, सह जमीन जो 32/2 गोबिन्द बोस लेन में अवस्थित है दिनांक 10-10-1983 में 1/10553 छीड़ के अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

्रास् के वौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

दिनांक: 13-6-1984

प्ररूप काइ रै. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांकः 15 जून 1984

निदेश सं ० 1490/एक्य्-रेंज-III/क्ल ०/84-85--- भृतः मुझे. एस० के ० चीधुरी,

गायकर गिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिसकी सं० 28/3-बी है, तथा जो टैगोर केसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान तिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का सम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निम्नतिचित खुद्देग से खक्त अंतरण निक्तित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 259-च क्री उपधारा (1) है अभीग, निस्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन् 1. श्रीमती रम्भा बाई रथी ।

(अन्तरक)

2. दूध नाथ गुप्ता, !

(अन्तरिती)

3. श्रीमती तारक देवी,।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप 🦫

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार विक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्रिकरण: ---इसमें प्रमुक्त घट्यों और पर्यों का, भी उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया त्या हूँ।

जनसंची

1/4 भाग जमीन जो 28/3-बी, टैगोर केसेल रोड, कलकत्ता में, अवस्थित, डीड नं० I-10857 के अनुसार 27-10-83 तारीख में कलकत्ता में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० कें० चीधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आतकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक : 15-6-1984

मोहर ह

प्रकप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत संहकार

कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकता

कलकत्ता, विनांक 15 जून 1984

निदंश सं० $1491/\eta$ क्यू-आर-JII/कलक०/84-85—अतः मसे, एस० के० चौधुरी,

प्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर समाति, जिसका उचित वाजार मृष्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1 बी है, तथा जो कुष्ठिया रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्युत् बाजार बुक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रशिश्य से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिधियों) के बीच एसे अंतरण के किए स्य पाया गया प्रति-फल, फिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भा या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के अधीर क्रिक्निसिखिल व्यक्तियों, नर्धात् क्रिक्न

1. श्री लक्ष्मी बाला राय।

(अन्सरक)

2. श्री बिकम सिंह।

(अन्तरिर्तः)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्प्रात्त के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स प्रधिनियम के प्रध्याय 2.0-कर्से परिभाषित हैं। बही प्रथी होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

, अनुसूची

जमीन जो I-बी कुष्ठिया रोड पर अवस्थित डीड नं० I-10777के अनुमार 24-10-83 की तारीखपर कलकत्तामें रिजिस्ट्री हुआ।

एस० कं० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 15-6-1984

मोहार 🖫

प्ररूप आइ'. टी. एन्. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-िंगि, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० 1492/एक्यू/आर III/कल०/84-85—अतः मुझे, एग्रा०के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1-श्री हैं, तथा जो कुष्ठिया रोड, कलकत्ता में रिस्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-10-1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायिस्व नों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के सिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तितमों, जर्थात् ६—— 1. श्री सामलन दे, श्रीर सुकुमीर दे,

(अन्तरक)

2. श्रीमती किशोरी देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्यों कत सम्मत्ति को अर्थन को सिए कार्यमाहियां कारता हुं।

ब क्ल सम्पत्ति के कर्वन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की व्यविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबण्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मम्स्वी

जमीन जो 1-वी कुष्ठिया रोड पर अवस्थित है। बीड नं -1-10778 के अनुसार 24-10-83 की दिनांक में कलकसा में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौक्षुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-गा, कलकत्ता

दिनांक 15-6-1984 मोहर: शक्य आई. टी. एव. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

यलकत्ता, दिनांबा 25 जून, 1984

निर्देश सं० 1493/एक्यु-आर-III/84-85--अतः मुझे, एरा० के० चीध्र्रः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, तथा जो फकीर धन्द मिन्न स्ट्रीट कलकात्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनूमूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 7-13-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मूम्से यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त जिभिनियम की धारा 269-ण के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिशित व्यक्तियों, जर्भात् ह—

1. श्री दिलीप कुमार शाहा,

(अन्तरकः)

2. श्री नव मुमार णाहा,

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप .--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

27, फकीर चन्द मिन्न स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 2 काठा, 6 छटांक, 80 वर्ग फिट जमीन जो रजिस्ट्रार अब एसुरेन्स के दफतर में डीड नं 1 20352 के अनुसार 7-10-1983 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

ए० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-[1], कलकत्ता

चिनांकः 20-6#1984 मोहर छ प्ररूप आई. टी. एन. एस.,------

प्ररूप आहे. टा. एन. एस.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-III, कलक**रा**।

कलकत्ता, दिनांक 26 जून 1984

निर्देश सं० 1494/एत्रयु०/आर-III/कल०/84-85--- वतः मुझे, एस०के० चौधूरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसर्भः सं० 3 है, तथा जो गोलोक दत्त लेन, नलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सरगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मूं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- ा अभिया दे

(अन्तरक)

2 .र्थाः जयदेव बमाक एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबयुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स ची

3; गोलोक दत लेन, कलकत्ता में अवस्थित 2 काठा, 22 छटाक, 9 वर्ग फिट, जमीन जो रजिस्ट्रार अब एस्पूरेन्स के दफ्तर में डींड नंज 1-20797 के अनुसार 26-10-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चीधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 26-6-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश मं० टें।०आए० 313/83-84/एस०एल०876 /आई० ए०सी ०/ एक्यु० आर-1/ कल०--एस० के० चौधुरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसेकी सं० 50 है, तथा जो अखिल मिस्त्री लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रे(कर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलक्ता में रिजर्स्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-10-83

को पृष्टीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मल्य. उसको दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिसी (अन्तरिक्षियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अंतरिती द्वापा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री रनजीत कुमार राय चौथुरी, और
 - (2) श्री असित कुमार राय चौत्ररी,

(अन्तरका)

2. श्रं सुर्ग (ल कुम।र बहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकरी।

स्पष्टोक रणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आरे उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

50 अखिल मिस्त्री लेन, कलकत्ता में अवस्थित, सम्पत्ति जो डे। इ नं० [-10134 के अन्मार 3-10-83 रजिस्दार आफ एस्य्रेन्स के दफत्र में रजिस्दा हुआ।

> एस० के० चौब्र'। सक्षम प्राधिकारी। सहायक आयक्त अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-,कलकसा

दिनांक 10-6-1984 मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

1. श्रीः समारेन्द्र नाथ, केसरी,

(अन्तरक)

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना 2. श्री तान जौ फु०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज. रेज । कलकत्ता

क्लकत्ता, विनांक 7 जुन, 1984

निर्देश सं० टील्आर० 316/84-85/क्र० 87क/आई० ए० सी०/एक्यु०/अपर-प/कल०---अतः मुझे एस० के० चौधुरी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया ही), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसके। सं० 33 तथा 34 है, तथा जो बनाक वार्ण लेन कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावदा अनुमूर्च में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय आर० ए० कनकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-10-83

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितंत्त्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 23—166GI84

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति भी हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

33 तथा 34, ब्लाक वार्ण, लेन कलकत्ता में अवस्थित सम्मत्ति जो 12-10-1983 तारीख में डी० नं I-10675 के अनुमार आर० ए० कलक्षूता, के दफतर में रजिस्ट्री हुआ है।

> एस० के **चौधु**री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, कलकक्ता

दिनांक 7-6-1984 मोहर: त्रक्य मार्चः टी. एम. एस्. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जून, 1983

निर्वेण सं० टी॰आर॰ 319/84-85/एस० एल॰ 878/आई॰ ए॰ सी॰/एक्यु॰/आर॰-पिश्वल॰--अतः मूझे एस० के॰ चोधुरी सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वनत मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एं से अधिक हैं

और जिसकी सं० 75 सि० है तथा जो पर्क स्ट्रीट, कल०-16 में स्थित है और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के नार्यालय आर० ए० कलक्षमा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 4-13-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे बह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रतित का उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल् से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बंदरक (बंदरकाँ) और बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक क्स निम्नीमित सद्देश्य से उच्त बंदरण सिवित में बास्तविक क्य हो कांभत नहीं किया गया है :----

- (क) अभारण से हुई किसी आव की वावत अवत विभि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी जिस्सी बाव वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, विनहीं भारतीय आककर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या ना या किया जाना चाहिए ना, जिनाने में सुविधा से तिहर;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. रूबि पार्क, प्रपाटिज लि०

(अन्तरक)

2. दिमला देवी जईन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी स्पित्यों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की सुविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

75 सि० पार्क, स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, प्लाट नं० 3 (10वी मंजिल), में अवस्थित सम्पत्ति जो दिनांक 4-10-83 में डीड नं० मंजिल 13070 के अनुसार आर० ए० कलकत्ता में के वफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

एस ० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख : 11-6 € 1984

प्रकृष् वार्षः, टी., एन्, एस्,,------

मायकर निभानियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन ह्या

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेंज !.

कलकत्ता, दिनांक 14 जून, 1984

निदेश सं० टी०आर० 326/83-84/एस०एल० 879/आई० ए० सी०/एक्यू०/आर-I/कल०~-अतः मृझे एस०के० चौध्री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिस्का उचित बाजार मृत्यु 25,000/-रा. से **अधिक ह**ै

और जिसकी मं० 15 है, तथा जो गंगाधर बाबु लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलशक्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 8-10-1984

को पर्धोक्त संपत्ति के उपित बाबार भस्य से कम के व्यवसान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूनोंकत सम्मित्त को उचित वाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरका) मीर अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए;
- (वा) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्ये नास्सियोँ कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर किंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला पाहिए था क्याने में स्विना के सिए;

अतः अस्य उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह:--

श्री रमेश कुमार गरोगी।

(अन्तरक)

गौरी शंशर गृप्ता

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी अयक्तियाँ पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, वो वी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वी 45 विन के भीतर उक्त स्थावंश सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकें के

स्वध्योकपुरम्:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अभिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मुर्भ होगा जो उस अध्याय में विया भ्या है।

भन्स्ची

15 गंगाधर बाबू लेन, जलाजता में अवस्थित सम्पित का आधा हिस्सा जो 8-10-83 तारीख में डीड नं० I-10481 के अनुसार रजिस्द्री हुआ।

> एम० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, I कलकत्ता

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🖺

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

1. श्री रमेश कुमार सरोगी

(अन्तर्क)

2. श्रीमती चन्द्र जनत देवी

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I,

कलकत्ता, दिनांक 14जून, 1984

निदेश सं ० टी ० आए० 327/83-84/एस०एल० 880/आई० ए० सा०/एक्यू०/आएी-/कल०——अतः मुझे एस० के० चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिपनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो गंगाधर बाबू लोन, इलियत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबढ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री इति अधिकारी के कार्यालय एस०आर इए०, कलकत्ता में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 8-10-84

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बाँगित्य में अभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिख; सीह/वा
- (क) ऐसी किसी अथ वा किसी भन वा कर्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

को यह स्थाना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक एण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

15 गंगाधर बाबु लेन व्लकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति जो डीड नं 1-10482 के अनुसार दिनांक 8-10-83 को एस० आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, कलकक्ता

जतः जा, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक: 14-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

क्लकत्ता, दिनांक 14जून 1984

निदेश सं० टो०आर० 328/83-84/एसएल० 881/आई० ए०सी०/एउयू०/आर-1/उन० - प्रतः मुझे, एस० के० चौधुरो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक हैं

और जिसकी मं० 14 है, तथा जो आसगर मिस्त्री लेन, जलकता -46 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण- रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय एस आर ए० क्लकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हुए से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पूर्विधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री रवीन्द्र नाथ दत्त

(अन्तरका)

2. श्रीमती आभारानी दुयारी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध भे कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक रण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त े अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

> एस० के चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख 14-6-1984 मोहर : प्ररूप आर्द्द: टी. पृन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज [,

क्लक्ता, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं दौ जार 33/84-85/एस ० एल 882/ आई० ए० सी० एक्यू०, आर-। कलकता: अतः मुझे एस० के० चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्तु अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं 111 है, तथा जो लोधन सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और, पूर्णेख्य से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० एस० आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण **ये हुई किसी आय् की यायत,** उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विशा के लिए; कीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमक्कि वारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री समर घोष एण्ड आदर्स,

(अन्तरक)

2. श्री रगजित हाजरा एंड अजित हाजरा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी है पास लिखिन में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

111 लाअर सर्कुलर रोड, कलकहाा (अब आचार्य जगदीम चन्त्र बोस रोड, कलकत्ता) कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति जो डीड न० I-10083 के अनुसार कलकत्ता में दिनांक 1-10-83 में एस० आर० ए० कलकत्ता में दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रोज, कलकक्ता

तारीख 11-6-1984 मोहर: प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सुकाई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० सी ०ए० 62/84-85/एस०एल० 883,आई०ए० सीं एक्यू० आर-ा/कल०—अतः मुझे, एस० के० चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रह. से अ**धिक है** और जिसकी सं० 67 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रिजर्स्ट्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकेश के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया . प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्व भे कमी कैरने या उससे यकने भें सृष्टिया के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आग गा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिकियम 1957 (1957 का ा) ा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। दिखाने में मुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं., उथल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—

- 1. (1) श्री मूलराज शिक्सा,
 - (2) एन० के० सिक्का,
 - (3) मदन शिक्का

(अन्तरका)

2. श्रीमती राधा भारद्वाज,

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के तिए ार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मां कोई भी आक्षोग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोल्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिले-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी कें धास लिखिस में किए जा सकोंगे !

स्यक्ष्टीकरण हिन्स्य इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो जे अस विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष छोगा जो उस अध्याय में दिगा नवा हैं।

अनुस्ची

67, पार्क स्ट्रीट, कानकात्ता में अवस्थित अफसरा एपार्टमेंट में प्लाट नं० ए-3, जो सी० ए० अर्जन रोंज-1, कानकत्ता के सपतर में सि: नं० 62 के अनुसार दिनांक 15-10-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, कलकक्ता

तारीख 12-6-1984 मोहर: प्ररूप आहे. दी. एव. एस.,-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-!, बलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं कि ए क – 63/84–85/एसएल 884 प्राई क्ए क्सी क् एसीक्यू प्रार-I/कलक – अतः मुझे, एसक के व वौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उका अधिनियम' कहा गण हैं), की जा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधिन बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० 25 बी है तथा जो कयमाक स्ट्रीट, कल० में स्थित है (ग्राँग इसमें उपाबद ग्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सी० ए० श्रजन रेंज 1 कल० में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 21-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रातिफाल के लिए अन्तरित को गई है और भुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नेहीं किया गया है. ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य से कभी कारने या उसमें बचने भी श्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य दास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या यन-कार अधिनियम, या यन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्रेटियम के निला।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में पें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गांधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :—

1. डा० मिस डी० चिताराम

(अन्तरक)

- 2. (1) पी० डी० भाग्नीया फपमिलि ट्रस्ट
 - (2) श्री प्रभुदयाल भारतीया
 - (3) विमला देवी भारतीया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
 क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-की में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

25 बी० कलमाक, स्ट्रीट, कल०-16 में श्रवस्थित ''कलमाक कोर्ट'' का (8वां फलोर) प्लाट नं० 8 बीं जो सीं० ए० श्रर्जन रेंज 1 दफ्तर में सीं० नं० 63 के श्रनुसार 21-10-83 तारीख में रजिस्ट्री हुश्रा ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक: 12-6-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर निधित्यन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के न्धीन स्मृता

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्तः (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1984

निर्देण मं० पी ब्रारनी ए 32/84-85/ए सएल 885/ ब्राई०ए०सी० एमीक्यू ब्रार-I/कल०--ध्रतः मुझे. एस० के० चौधुरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रुक, से अधिक हैं

धौर जिसकी सं ० 4 बी है तथा जो बुड स्ट्रीट, कल० में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्णारूप से विवत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सी० ए० भ्रजीन रेंज-1 कल० में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के इत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में जुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः, अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24—1660184

ा. हाडांसम् एस्ट्रेट प्राव नित् ।

(श्रन्तरक)

इन्जीनियरिंग कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन लि० । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थाबत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्वाच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का. को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्सूची

्यवी बुष्ड स्ट्रीट कल० में ग्रय स्थित प्लाट नं० 12 जो 1051 बर्ग फिट है ग्रीर सि० नं० 32 अनुसार सी० ए० अर्जन रेंज-I बफतर में 10-10-33 तारीख में रजिस्टर हुआ।

> एस० के० वीब्री, नजग प्राधिकारी. महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज=1 कलकका

दिनांक: 15~6-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के शधीत सूचता

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए० 33/84-85/क्रमांक 886/आई० ए० सी० क्यू श्रार-I/कल०—श्रत: मुझे, एस० के० चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. सं अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 4 बी है तथा जो वुड स्ट्रीट कल०-16 स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सी० ए० ग्रर्जन रेंज-कल० में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 10-10-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफलं के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में सम्मिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन यर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यविश्यों, अर्थात :--> 1. हाउसिंग एस्टेट प्रा० लि०

(अन्तरक)

2 इन्जीनियरिंग कन्स्ट्रवशन कारपीरेणन प्रा० लि० । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उपल स्वाबर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

4 **बी युड** स्ट्रीट कल० मे श्रव स्थित प्लाट नं० 9 जो 1051 वर्ग फिट है श्रीर 10-10-83 तारीख में सी० ए० ग्रजन रेंज 1 कल० दण्तर में सी० नं० 33 श्रनुसार रिजस्ट्री हुआ।

> ायु केंट नीधुरी, ाक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1 कलकत्ता

दिनांक: 15-6-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेंन रैंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 जून 1984

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 23ए/142 है तथा जो डायमंड हारबार रोड कलकत्ता 53 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रलिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रिलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीनः तारीख 5-10-1983 को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बहस्यमान श्रिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योग्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे अचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ु--

- 1. (1) श्री हेमन्त कुमार चतुर्भुज
 - (2) श्रीमती विजया गौरि चतुर्भुज
 - (3) दीपक कुमार कान्तिलाल
 - (4) किरन कुमार कांतिलाल
 - (5) प्रकाश कुमार कांतिलाल।

(अन्सरक)

2. सुलोचना श्रागरवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना **जारी करके पूर्वोक्त संप**ित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्स्ची

जमीन-118.51 वर्ग मीटर प्लाट

पता—प्लाट नं० 2, 23ए/142 डाइमंड हारबार रोड, ब्लाक जी, न्यू प्रलिपुर कलकत्ता—53

दलिल संख्या —एस० म्नार० म्नलिपुर का 1983 का 4948।

एस० के० बैनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, कलकत्ता

दिनांष: 12-6-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय सहाय शायकर आयुक्त (निरिक्षण)

श्चर्जन रेंज II, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 12 जून 1984 निर्देश सं० ए सी 50/एसौंक्यू ग्रार०-II/कृल०/1984-85--ग्रतः मुक्षे, एस० के० बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु, से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 23ए/142 है तथा जो ब्लाक जी न्यू श्रितिन पुर कलकता में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्णास्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० श्रितिपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 5-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का जिल्हा बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुइ किसी साय की बाबस, उक्त अधिन्त्रियम के अधीन कर धने के अन्तरक के याधित्व में कमी करने या जससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की अधीन. जिस्तिकिन स्वित्यों, अर्थात् रू—

- 1. (1) श्री हेमन्त कुमार चर्तभुज
 - (2) श्रीमति विजया ग़ीरि चर्त्भुज
 - (3) दीपक कुमार कान्तिलाल
 - (4) किरन कुमार कान्तिलाल
 - (5) प्रकाश कुमार कान्तिलाल

(भ्रन्तरक)

2. प्रमोद नारायत डेउलगनकर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त घट्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

वन्स्ची

जमीन—127. 673 वर्ग मीटर प्लाट पता—प्लाट नं० 4, 23ए/142 ब्लाक जी न्यू ग्रलिपुर. कलकत्ता 53।

डीड संख्या एस० ग्रार० श्रलिपुर, 24 परगना का 1983 का 4949 ।

> एस० के० धनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II, कलकत्ता ।

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🤢

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० एसी:-51/एसीक्यू श्रार-II/कल०/84-85--भ्रतः मुझे, एस० के० वैनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 104 है तथा जो ब्लाक ए, बांगुर श्रिभिनिउ में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय भ्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16, के श्रिधीन दिनांक 3 श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वाद्य से उक्त अन्तरण मिसित में वास्तियक अप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाम की नावत, जन्त मधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे ज्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा की लिए;

अतः मबः, उसतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भां, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्निगिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री श्यामल कुमार मल्लिक (2) विलिप कुमार मल्लिक। (श्रम्तरक)
- 2. श्री भ्रमिल कुमार दे।

(ब्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपति के मर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पाक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंचीं

जमीन → 5 कठा 2 छटांक 20 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान का श्राधा भाग

पता——प्लाट नं० 104. ब्लाक-ए, बांगुर एवेन्यु, मौजा—कृष्नपुर

दलील संख्या --- प्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का आइ 10147

> एस० के० बैनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II कलकत्ता

विमांक: 12-6-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर स्चना

भारत सरकार

भाषांलिय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, कलकना

कलकत्ता, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० ए० सी० 52/एवक्षी० रेज---II/कल०/84-85- श्रत: मुझे, एस० के० बैनर्जी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः. से अधिक है

भौर जिसकी मं 104 है तथा जो ब्लाक ए, बांगुर एवेन्यु में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिथत बाजार मूल्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एरा दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के लभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता, कियाने में मुनियम के लिए।

अतः अब, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिस्ति स्पिनतयों अधीत् —

- 1. (1) श्यामल कुमार मल्लिक (2) विलिप कुमार मल्लिक। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रानिल कुमार दे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायंगाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मं सं किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों मं सं किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति मो हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्भव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हुँ, बही अर्थ हुँ। जो उस अध्याय मी विकास गया है।

ननसर्वी

जमीन--- 5 कठा 2 छटाक 20 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान का श्राधा भाग ।

पता—प्लाट नं० 104 ब्लाक ए, बांगुर एवेन्यु, मोजा—कृश्नपूर

दलील संख्या— ग्रार० ए० कलकत्ताका 1983 का ग्राई 101496

> एस० के० **बैनर्जी**, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II क्लकरना

दिनांक: 12-6-1984

प्ररूप बाह्रे. टी. एन. एस. ----

आयकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-। अलकसा

कलकत्ता, विनांक 18 जून 1984

निर्देश संख्या सीए 60/एवशी रेज-1/कल०/84-85/कमांक 887------ ग्रतः मुझे, एस० के० चौधुरी क्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकं परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000∕-रुट. से अधिक **ह**ै म्रौर जिसकी संख्या 5/1ए, है तथा जो हाङ्गर फोड़ स्ट्रीट कल-17 स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सी०ए० कल० भ्रर्जन रेंज- में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 10-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसि-फल निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने भें सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पितस्कें, अर्थास 🚁 শ্বেদল সাধ্রীপ্রসাত লিত

(अन्तरक)

थ भारतीय बचत लि०

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

नन्स्वी

5/1ए हाङ्कार फोड़ स्ट्रीट कल० में ग्रवस्थित मकान का 3रा पलोर में दफ्तर स्पेम नं० 4 बी जो 10-10-83 तारीख में कल० श्रर्जन रेंज I दफ्तर में मि० नं० 60 ग्रनुसार रिजस्ट्री हुग्रा ।

एस० के० चं ध्री. सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंभ-| कलकत्ता

दिनांक 18-6-1984 मोहर:

प्रकथ बाह् .टी. एन . एस

भायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समना

भारत सहकार

काथितय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 18 जून 1984

निर्देश सं० ए० सी 53/एक्बी० रेंज 🍱/कल०/84-85---यतः मुझे, एस० के० बैनर्जी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 9 है तथा जो हाजरा बागान लेन, कलकत्ता 16 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारो के कार्यालय एस० भार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 11-10-1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कि निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में तस्तिविक एस से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुन्दै कि सी आम की बाबत, उच्च जिथ-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के निए; जौर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य क्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरू— 1. भीमति उपा रानि देवि श्रीर ग्रन्थ

(ग्रन्तरक)

2. श्री मैंलेन्द्र नाथ श्रोप

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत सम्परित के कर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के बें 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन को भीतर उक्त स्थायर सम्पर्शित में हिस-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथाहरूराक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्सीकारण:-- इसमा धयुक्त राख्यों और पर्यों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मां ज़िया गया है।

मन्त्रची

ग्रनुसूची जमीन--2.55 कटा जमीन का साथ मकान पता--9 हाजा बागान लेन, कलकत्ता--15 दिलल संख्या --एस० भ्रार० ए० कलकत्ता का 1983 का भ्राई 10564

> ्रम० के० बैनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-II: कसकता

विनांक: 18-6-1984

मोहर

प्ररूप बाइ , टार्ड , एव , एस्, ------

अग्यकर लिभीतयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुच्या

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० श्रमृतसर/84-85/40--श्रतः, मुझे. एस० सी० कपिस, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मुलतान विष्ठ ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर अक्तूबर 1983 में राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और बन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्विषय से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की वावत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; नीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बलजीत सिंह, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, पिंड — सुलतान विंड, प्रमृतसर।

(भ्रम्सरक)

- श्रीमती पुष्पा पोदार पत्नि श्री क्रिज मोहन पोदार नं० 2, प्रकाश चन्द रोड ग्रमृतसर।
- 3. श्रीर कोई । (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह स्वना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्यों का, थे। उन्हरं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा हा।

वन्त्र्याः

एक प्लाट जो सुलतानिवड ग्रमृतसर 8613 तिथि 19-10-83 में रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में वर्ज है।

> एस० सी० कपिल, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण). धर्जन रेंजा ग्रमतसर

दिनांक: 11-6-1984

प्रकार बाह्रौत दीः एत्_र एस्_र -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

धमृतसर, दिनांक 11 जून 1984

निर्वेश सं० अमृतसर/84-85/39---श्रतः मुझे, एस० सी० कपिल, आई०आर० एस०,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन अन्त्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जैसत बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से ऐसे इदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीस ऐसे अन्तरण के लिए ल्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में तुबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

नंतः स्वतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निखिखित स्वितियों, सर्धात् १---

 श्री सुरजीत चन्द पुत्र श्री कृष्ण चन्द, वासी, तहसील पुरा श्रीर श्रीमित नीलम कांता परिन श्री विजय कुमार, वासी सरीफपुरा, श्रमतसर ।

(भ्रन्सरक)

 श्री परिमन्दर सिंह पुत्र श्री गुरिबन्दर सिंह, श्री ग्रमरवीर सिंह पुत्र श्री भान सिंह, गांव सीड़ा, जिला गुरदासपुर।

(भ्रन्तरिती)

 ग्रीर कोई। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तित्रण् ः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो जकत् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-आधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिया गया हैं।

अनुसूची

एक भूमि प्लाट मंजीठा रोड 8531 तिथि 17-10-83 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, ध्रमृतसर में दर्ज है।

एस० सी० कपिल सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक 11~6-1984 मोहर 🖫

त्रस्य बाह्यं थीं , एवं , एवं ,------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत बुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 जून 1984

निर्वेश सं० श्रमृतसर/84-85/38—श्रतः, मुझे, एस० सी० कपिल, श्राई० श्रार० एस०

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्में इसके प्रचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के मधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित् वाकार मृख्य 25,000/- रा. से मधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक भूमि का ज्लाट है तथा जो मजीठा रोड में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भ्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उब्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किंग्नित नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की यावत उक्त शीध-रिन्नम के ज्यीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में क्रामी करने या उन्से वचने में सुविधा के सिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जण्य आस्सियों करो, जिन्हें भारतीय सामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः ज़ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ः—

- श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री कृष्ण चन्द, वासी— तहसीलपुरा श्रमृतसर श्रीर श्रीमित नीलम कांता पत्नि श्री विजय कुमार, वासी—सरीफपुरा, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्री धमरीक सिंह पुत्र गुरदीप सिंह, गांव हरणा छीना, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

3. घौर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना भारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यमाहियां करता हुं।

. उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्य---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्विभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में सुमाप्ता होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विस्तयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्ति स्णः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनसची

एक भूमि का प्लाट सकंल मं० 110, मजीठी रोड मं० 8529 तिथि 17-10-83 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी: प्रमृतसर में दर्ज है।

> एस० सी० कपिल सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमतसर

दिनकि 11-6-984

(भ्रन्तरिती)

हरूप् नाह^र्टी . ध्न . एस , ------

मायकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

uite etell

कार्यासयः, सहायक वाय्कर वाय्क्स (निरीक्षण्)

श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर भ्रमृतसर, दिनांक 16 जून 1984 निर्देश सं० ए०एस०मार०/84-85/42--म्रतः, मुझे, एस० सी० कपिल, ब्राई० ब्रार० एस०,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/रत. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो चूड़ीयां, तहसील-बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन भ्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एंसे मन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कान, निम्नीनिश्वत उद्वारेय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक क्प से कथिल नहीं किया नवा है ह—-

- (क) बनारण के हुए किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के शन्तरक के अद्योबत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा - के सिए; और∕या
- (च) ए'सी किसी नाव या किसी धन वा जन्म वाहिस्तकों; को, जिल्ही भारतीय जायकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, बा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुनिधा के लिए;

नतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरन में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री झोम प्रकाश पुत्र श्री सरन दास; वासी—फतेगढ़ **बूड़ीयां, तहसील—बटा**ला, जिला—गुरदासपूर । (भ्रन्तरक)
 - 2. मैसर्स कृष्णा राईस मिल्स संगतपुरा रोड, फतेगढ़ चंडीयां, राही श्री हरी कृष्ण पार्टनर बसील, बटाला, जिला-गुरदासपूर ।
 - जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 श्रोर किराएदार यदि कोई हो। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - भ्रोर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

का यह स्थना जारी करके व्यॉक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नत सम्पृतित के वर्षन के सम्मन्य में कोई भी वालेप:---

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी मामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्त **ब्बाबतयों में से किसी व्यक्ति ब्**वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिचित में किए पासकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्पी

एक प्रापर्टी 8 कनाल 19 मरले, फरोगढ़ चूडीयां तहसील, बटला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3417 दिनांक 7-10-83 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, बटाला के कार्यालय में वर्ज है।

> एस० सी० कपिल ग्राई०ग्रार०एस० सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ध्रमूतसर

दिनोक 1 -6-1984 मोहर:

प्रकृप जाद्र .टी .एम् . एस ,----------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 16 जून 1984

निर्देश सं० ए०एस०आर०/84-85/41-अतः, मुझे, एस० सी० कपिल, आई० आर० एस०,

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें सिक परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का जरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव—साहिबपुर, तहसील— बटाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 1983

को पूर्वो कत संप्रित के उचित बाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियन, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वयं, उक्त विश्वित्यमं की थारा 269-ए के बनुबर्ण में, में उक्त अधिनियमं को धारा 269-ए की उपधारा (1) े अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री हरिन्दर सिंह पुत्र श्री जसबीर सिंह, बासी गांव साहिबपुर, तहसील—बटाला, जिला—गुरदास पुर। (श्रन्तरक)
- मैसर्स हिन्द फीरो कास्टिंगज, जी० टी० रोड, बटाला राही श्री रमेश चन्द्र पार्टनर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उपर नं० 2 और किराएदार यदि कोई हो।
 (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)।
- 4. भौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विनृक्ती व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विनृक्ती व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विनृक्ती व्यक्तियां थो भी व्यक्तियां में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी क्यवित व्यारा;
- (क) इस्तु सूचना के राजपन में प्रकाशन की वार्डी हैं के 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी सून्य व्यक्ति द्वारा नृशोहस्ताक्षरी के पाल सिमाय में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उकत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिका नवा है।

नग्स्ची

भूमि 6 कनाल 8 मरले, गांव साहिबपुर, तहसील बटाला में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, बटाला के सेल डीड नं॰ 3494 दिनांक 17-10-83 में दर्ज है।

> एस० सी० कपिल सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक 16-6-1984 मोहर: 'त्रस्य बाह्य'_ा टी_ं एत्. एस_{्न}------

भायकर मिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5444—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो रामा मन्डी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तलवंडी साबो में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की बढ़ है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त बन्तरण सिबिद्य में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) जुलाडक वे हुई हैं जाती बाव की वाबत, सबस जहिंदित्व के ज्योग अन्दु दोने के अन्दु के वे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; जॉड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपाने में सुविधा के चिए,

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, गिम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्र---

- श्री बूबमल, धनराज सुपुत्र बुलीचन्य मारफत मैसरज धनराज रीवा लाल, रामा मन्डी, जिला भटिन्डा (धन्तरक)
- 2. श्री सुखन राज, महिन्द्र कुमार सुपुत श्री चनवन मल मारफत मैसर्ज झनराज रीवा लाल रामा मन्डी, जिला भटिन्डा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त संपरित के क्वन संबंध में कोई भी काक्षोप (:---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशम की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किश्री जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकनी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया

वगत्त्रची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2008 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्तकारी सलवंडी साबो में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालस्थर

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🕄

प्रकप नार्ड <u>दी एन एस -----</u>-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर् आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं०5445--- प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्पों इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी साबो में स्थित है (और इससे उपीबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवंडी साबो में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके एरयमान प्रतिफल के पत्ति प्रतिकात अधिक है और संतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पद्मा प्रतिफल निम्नसिश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से अधिक महीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्थ ते हुई किबी नाम की गानतः, उनतः विधिनयन के नधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) में अधीन, निस्तिसिंखत व्यक्तियों, वर्षात् हु---

 श्री गुरतेज सिंह पुत्र हरनेक सिंह बासी फतेगढ़ ननू भाबाद ।

(ग्रन्सरक)

2. जसवंत सिंह पुत्र सुखदेव सिंह वासी तलवंडी साथो ! (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यहाहियां करता हुं।

बक्त संपरित के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बक्ध किसी. बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त निधनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गना है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसां कि विलेख नं० 2013 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी तलवन्डी साबो में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक: 14-6-1984

मोहद्ध 🛊

प्रकृष आही. टी. एन. एस्.-----

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीत सुमना

भारत सरकाड

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी नं० 5446—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो रामा मन्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तलवन्डी साबो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिन्दुक नवम्बर 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित प्री बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत उक्स अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिये; अदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुस ... में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री नोरंग राये, राजा नन्द, बाबू राम सुपुत्र बनवारी लाल वासी मदरास द्वारा मुख्तयारे श्राम श्री राम कृष्ण महेश्यरी सुपुत्र जगन नाथ, रामा मन्डी, जिला भटिन्डा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलविन्दर कुमार, केवल कृष्ण, श्रलोक कुमार श्रीर किदार नाथ सुपुत्र हंस राज मारफत हरी चन्द हंस राज, रामा मन्डी, जिला भटिन्डा, जिवन रानी परिन पवन कुमार, सोदा देवी परिन मदन लाल मारफत मदन लाल श्राटा चक्की, रामा मन्डी, जिला भटिन्डा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी खंध के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिशा गवा है।

नम्स्चि

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2100 दिनांक नवम्बर, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी तलबंडी साबो में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **बायकर आयुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 4553——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ?5,0€0 - से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो कप्रथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर 'पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कप्रथला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्टूबर 1983

को पुर्वोक्त सम्पत्ति हो उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह िश्श्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरण के दावित्य माँ कमी करने या उससे बचने माँ सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया धा था जिला आना चाहिए था, जिला में मृतिधा के लिए।

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अथात् :-- 26—166GI84

1. श्री ग्ररिवन्द सूरी पुत्र चमन लाल डब्ल्यू० जी० 595, नकोदर रोड, जालन्धर

(ग्रन्तरक)

 श्री चरनजीत लाल मुत्र रामजी लाल 3, माल रोड, कप्रथला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंद के लिए कार्यशिहिमां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचरा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हि उक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1957 दिनांक ग्रक्ट्बर 1983 को रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी कपुरथला ने किलखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 15-6-1984

प्र**रूप आंद**े.टी.एवं एस

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का, 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आधकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर. दिनांक 15 जून 1984

निदेश मं० ऐ० पी० नं० 4554—श्रत: मुझे, जे० एल० गिर्धर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात जिसे अधिनियम काहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिक्काम करने तो कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य ?5,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रमुस्थि में लिखा है तथा जो कपूर-थला में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रमुस्थि में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कपूर-थला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अक्ट्रार 1983

का पूर्वोक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के जिए अन्तित की गई है और मुर्भ वह जिल्लाम करने या कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक ब्रांजार मूल्य, इसके द्रयमान पितफाल में, एसे द्रयमान पितफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्ति-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) पंतरण सं तुई िकसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दासित्व में अभी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ल) एंनी किसी ताय या किसी धन ए जाए प्रक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्यांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था रिप्लिंग की क्षिधा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्हीलिथित व्यक्तियों, अर्थान :— श्री ६१४किय सुरी पुत चमन लाल ख्यलू० जी० 595 नकोदर रोड, जालन्थर ।

(ग्रन्तरक).

 श्री निरिन्द्र कुमार पुत्र रामजी लाल, 3 माल रोड, कपूरथला ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहित्यां कारक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर सम्पांत मो हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए उप मकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उद्यक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण हो।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1878, दिनांक प्रकटूबर, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

जे व एल र िरः सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-6-1984

शक्ष लाहा . दी . एव . गुस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 4555—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन गक्षम प्राधिकारों को यह निष्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, ज़िसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

सौर जिसकी संख्या जैसा कि स्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक स्रवट्टबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए बर्न्तारत की नहीं हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्त्रींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तव पारा म्या प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तंष्य से उक्त अंतरण निचित्त में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) विराप्त वं हुई किसी वाम की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; वरि/या
- (ख) ऐसी किसी काय थे किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय त्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त ऑधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, कर्थात् ..— श्री श्ररिवन्द सूरी पुत्र चमन लाल डब्ल्यू० जी० 595, नकोदर रोड, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुमन रानी पत्नी नरिन्द्र कुमार, 3 माल रोड, कपूरथला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन की सब्धिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृक्षांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदी बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंचे।

स्पब्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया मना हैं।

वन्स्ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1887, दिनांक प्रकटूबर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 15-6-1984

मोहर 🔞

्रह्म क्षा**ह**े, **टी** . स्व . एवं . ---------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

धारत सरकार

नव्यक्षित्र, **सञ्चयक मायकार आयृब्द (निरीक्षण)** श्र**र्जन रेंज, जालन्धर**

जालन्धर, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं ों० पी० नं० 4556—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इसे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्या में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक, श्रक्टूबर 1983

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/मा
- (क) एमी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय नाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियानें में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन ग्रीनम्बलिखित व्यक्तियों, वर्षात है—

- श्री श्ररिविन्य सूरी पुत्र चमन लाल डक्ट्यू० जी०
 595 नकोदर रोड, जालन्धर।
 - (भ्रन्तरक)
- श्रीमति उषा रानी पन्नी चरनजीत लाल, 3 माल रोड, कपूरथला।

(भ्रन्तरिती)

न्त्री यह भूषणा जारी करके पूर्वों कर सम्मित के शर्वन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उन्त मम्पाल के अजन के सम्बन्ध में काद्यों भी आक्षप :---

- (क) इस सुचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासा;
- (ख) इस सूचना की राजपण मो प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित मों हित-बद्ध किसी अन्य काजित त्यारा, अशंहस्ताक्षरी के पास निवित मों किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आँधन निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1999. दिनांक भक्टूबर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, कपूरथला में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी. सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरोक्षण). स्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 15~6-1984

प्ररूप मार्ड. टी. एनं. एसं. -----

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निदेण सं० 5413—स्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राणिकारी को, यह विस्त्रास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनांक श्रकट्सर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थयमाम प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि गथान् गिंग्न सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्या, उन्नके उत्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का ग्रेह प्रतिशत से विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निरुतिपियत उद्देश्य से स्वत जम्मरण विवित्त में बास्तविक है से से क्षेत्र नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निय; बाँद/वा
- (श) एली किसी बाय या किसी भन या अन्य शास्तियों कर जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- ग्रेनैन निर्देश नाथ पुत्र बनारसी दास जैन वासी 23 डिर्फेस कालोनी जालन्धर मारेफत हैड क्याटरस पूर्व कासड, कलकमा ।
 - (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती महिन्दर कौर पित्नी हरवजन सिंह त्रामी बैज जिला होशियारपुर श्रौर गिश्रान कौर पित्न रछपाल सिंह वासी भुरे, जिला होशियारपुर ।

(श्रन्तरिती)

- गैसा की उपर नम्बर 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)।
- जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति ृजिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध हैं)।

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुखना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थध्दिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4396, दिनांक श्रक्टूबर 83 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० ए ल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 1-6-1984

प्रकृप आई. ही. एर. एस. ----

आधकर सिधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायांक्य , सहायक जायकर जायका (निर्देशण) श्रुजीन रेंज, जालन्वर

जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निदेश मं० ऐ० पी० नं० 5414—अप्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है). रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अन्द्बर 1983

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ते यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुवं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियरण में कमी कटने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) डे अथीन निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थातः ः— श्री पूर्ण सिंह पुत्र नाम सिंह वासी पिड़ गड़ा, तहसील जालन्धर।

(श्रन्तरक)

2. श्री लखबीर सिंह पुत्र श्रीतम सिंह वासी तिलश्रोवाल, तहसील दसुहा, जिला होशियारपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उत्तर सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ध) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-, बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण —--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

वर्ष सर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4637, दिनांक ग्रक्टूबर 83 में रजिस्ट्रीकरर्सा ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षप प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 1-6-1984

मोह्यरः

प्रस्त आहूर. टी एन. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय. महायक आयकार वाय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर धिनांक 1 जून 1984 सं० गे० पी० नं० 5415——प्रतः मझें,जे०

निदेश सं० ए० पी० नं० 5415—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात जिस्त अधिनियम कहा गमा है), की भारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करों का कारण है कि स्थावर समानि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिमकी से ० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित है (श्रीर इससें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक श्रक्ट्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त वीधनियम् के बजीन कर देने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के िएए, बॉर/या
- (क) यूरो किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियां का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उबत अधिनियम की धारा १६९-ए है अनुमन्ध में, में: उक्त अधिनियम की धारा १६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— श्री पूर्ण सिंह पुत्र लाभ सिंह वासी-िष्ट गड़ा तहसील-जालन्धर ।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री मुरिन्दर कुमार पुत्र हरबंस लाल वासी-ग्रजीत नगर पिंड-गड़ा तहसील, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन की अविधि गा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमी प्रयुक्त शनको और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थाश्रीण जो उप अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4636 दिनांक श्रक्टूबर 83 में रजिस्ट्री कर्ता श्रिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जानन्धर

दिनांक : 1-6-1983

माहर अ

प्ररूप माई.टी.एन.एस. ~-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालस्धर

जालन्धर दिनांक 1 जून 1984 निदेश मं०ऐ०पी० नं० 5416—म्प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर मिधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. ये अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 10) के श्रधीन दिनांक ग्रक्टूबर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वर्यों के उक्त अन्तरण किवित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या फिसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शो जै प्रकाण पुत्र बाबा दोन वासी इंडस्ट्री ऐरिया जालन्धर मुख्तियारी खास गुरजीत सिंह पुत्र श्रमर जीत सिंह खुद श्रीर मुख्त्यार श्राम गरिवर कौर पत्ति प्रताप सिंह ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमति सन्तोष भन्डारी पत्ति के०के० भन्डारी वासी-मोती सिंह तगर जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

कार्य सम्भाना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के अर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिश या तत्मवंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अथिश, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धां कारण: --- इसनं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

सम्पति तथा त्र्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4280 दिनांक श्रक्टूबर 83 रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज, जालन्यर

दिनांक: 1-6-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पो०नं० 5417—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1098 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक श्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है औन अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षन, निम्नितिवित उद्योग से उच्त अन्तरण निवित के वास्त-विक कप से कथित नहीं कि बा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में ध्रविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चर्म्झए था कियाने में स्विधा के तिए;

 श्री जय प्रकाण पुत बाधा दीन वासी-इम्डस्ट्रियल ऐरिया जालन्धर मुख्यत्यार खास खुव गुरजीत सिंह पुत्र ग्रमरजीत सिंह मुख्यत्यार ग्राम श्रीमति नरिंवर कौर पत्नि प्रताप सिंह ।

(भ्रन्तरक)

 श्री किज मोहन दवान पुत्र नरायणा सिंह वासी-ईके 187, फगवाड़ा गेट, जालन्धर ।

(ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासने ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिम की अविधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्थानत दुवारा;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ जिस्ति में किए जा सकेंगे।

अगृत्यीं

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4279 दिनांक अक्टूबर 83 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरघर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण),
श्रजीन रेंज, जालन्धर,

दिनांक: 1-6-1984

मोहर अ

प्रकप बाह् .टी .एन् .एन् .,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 1 जून 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5418—श्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

. ग्रौर जिसकी सं० जैमा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्ट्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिपाल से, एसे रश्यमान प्रतिपाल का पंप्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन आह निम्नलिखित उद्देशिय में अन्तर अञ्चरण लिखित में वास्तावक व्याप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से इन्हें किसी बाब भी बाबत, उपक विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक क दाजित्य में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; बॉर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर-अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में स्विभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों अर्थात् :— श्री जगजीत सिंह पुत्र रला सिंह-वासी पिंड ख्रला तहसील-जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री स्वर्णं दास पुत्र ईशर राम वासी-रामपुत शाकलाना लबड़ा तहसील, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थाना आरी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, स्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुशारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भात र उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों जौर पर्धों का, जो उक्त विभिन्नियम, से अध्याय 20 क में परिशाधित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्तुची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4527 दिनांक प्रक्टूबर 83 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने सिखा है।

जे॰ एल॰ गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 1-6-1983

मोहरः 🎖

प्रकृष नाइं.बी.स्न.एस. ------

जानकर अभिनियस 1961 (1961 का 43) की पार्री 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय ,ः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5419—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुमूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अक्टूबर 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके उस्मान प्रतिफाल में, एमें एश्यमान प्रतिफाल का प्रकृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- र्केक) बन्तरक से हुन्दें किसी आय की वागता, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक कें बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

 श्री हरीपाल सिंह उजागर सिंह कोलड़ स्टोरेज पिक किगरा तहसील, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमित सुरजीत कौर पित्न बलबीर कौर वासी-सुजानपुर तहसील, फलोर, जिला जालन्धर। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना चारी करके पृथोंका स्थ्यौत के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उच्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो औं अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4506 दिनांक श्रक्टूबर 83 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रजनरेंज, जालन्धर

हत:, अबं, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ए के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीनः, निम्नतिष्टिस व्यक्तियों, अर्थात्

दिनोक : 1-6-1984

शक्य कार्यंत्र द्वीत् व्यत्त पुरातुः------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक कायकार कायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्धर, विनांक 1 जून 1983

निवेश सं० ए० पी० नं० 5420 — ग्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

नायकर निर्मित्रमं, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इसने परचात् 'उक्त निर्मित्रमं' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है .

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित को उणित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उज्ज जीवनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दानित्य में कभी करने या उसके ब्यने में समिता के जिस; और मा
- (च) एसी किसी बाय वर किसी वन या बन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

1. श्री हरीपाल सिंह पुत्र ज्ञागर सिंह वासी-पिंड किंगरा तहसील, जालन्धर (कोल्ड स्टोरेज)।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमित हरभजन कौर पितन ग्रमरीक सिंह वासी-पिड किगरा, तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वाभित सम्मत्ति के वर्जन के जिल्ला भार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारींच वे 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, भो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्राह्मी।

नगत्त्रची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4167 विनोक प्रकटूबर 83 में रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, ग्रालम्बर

मतः बन, उनते विधिनियमं की धारी 269-म की बन्सरने में, में, उनत अधिनियमं की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

दिनांक: 1-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर मिपिनयम, 1961 (1961 जा 43) की भाष 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5421---श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा 'जो किगरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक प्रकट्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रध्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्ता के कार्यालय बेंगलूर में भारा 269-ए.बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृष्ट्य/ के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मूक्ते यह विश्वास पूर्वोक्त सम्पित्त का अचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया श्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित के वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण ये हुई किसी बाय को बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/वा
- (व) एसी किसी साय या किसी धन सन्त्र सास्त्रसों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्लारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्री हरीपाल सिंह पुत्र , उजागर सिंह कोल्ड स्टोरेज पिंड किंगरा तहसील, जालन्धर।

(प्रग्तरक)

 श्रीमती तरसेम कौर पत्नि हर्राजदर सिंह वासो-पिड गौरी जिला जालन्धर।

(भन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4166 विनांक प्रकटूबर 83 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, जालन्धर

विनाम : 1-6-1984

मोहर 🗯

प्रक्रम बाह्य हो , एन , एस ,-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जासन्धर - जिल्ला

जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5422—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या जैसा कि भ्रानुसूची में लिखा है तथा जो खरला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीह पूर्ण रूप में बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याल मुजालन्धर में र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन दिनांक श्रव्युवर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कश्यित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निल्खित स्पक्तियों, अर्थात् क्र---- श्रीमति यशवन्त कौर परिन स्वर्ण सिंह वासी-जब्लू० पीठ 83 बस्ती शेख, जालन्धर।

(भ्रम्तरक)

 श्री भाण सिंह पुत्र प्यारा सिंह वासी-पनड़ोरी नीजार तहसील; जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पाका करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

भ्रनुसूची ।

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4186 विनांक अक्टूबर 83 में रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालक्षर

दिनांक: 1-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड दी . एत् . एत . =-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के कभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक, 1 जून 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5423—श्वतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियंग, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्तरण से हुई ... किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर बाँधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, सक्त विधिनियम की भारा 269-ग के लम्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थाति :--- श्री दलीप सिंह पुत्र नरायणा सिंह, वासी 70 गुरू नानक, जालन्धर ।

(श्रम्तरक)

 मेजर धीरज सिंह ढिलों पुत्र नगीना सिंह, डाक खाना पिंड में मनको तहसील, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

जो व्यक्ति सम्पति में घिच रखता है
 (वह व्यक्ति जिनके, बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना वारी करके पृथेक्ति संपर्गत के सर्वन के सिथ् कार्यशाहियां करता हूं।

स क्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाध्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सक्त्ये।

सम्बद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दीं और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सका है।

वम्स्वी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4414 विनोक भ्रम्तूबर 83, में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक 1~6-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एनं एस. - -

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 1 जून 1984 निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5424 ग्रीर 5425—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तुवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भीधिनयम के अधीन कर दोने के मन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1⊕22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (।) को अधीन, निस्तिशिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्री सोहन सिंह पुत्र भुला सिंह वासी, पिंड किंगरा तहसील, जालन्धर द्वारा मुख्त्यारे-श्राम राम भवतार। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मती चरण कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह ढिलां, वासी रुड़का रोड़, गोराया, जिला जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रश्लोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया घरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4599 दिनांक ग्रक्तूबर 83 में रजिस्ट्रीकेर्ता ग्रधिकारण जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जालन्धर

दिनांक 1-6-1984 **शोहर** ॥

प्ररूप वार् .टी .पन् .एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २८५ व (1) के भ्राप्तीत मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5426—श्रत० : मुझे, जे० एस० गिरधर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् !जकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सलम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ठ० मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कुम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रत्तिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरण के लिए तय पाया मया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उसन प्रन्तरण के लिए तय पाया मया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उसन प्रन्तरण विश्वित में नास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण सं हुई जिसी आप की बाबत, उसत श्रीधिलेयक उस्तीन कर देने के धन्तरक के वासित्व में कभी करने ा उसम बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन कर भिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के पयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपान में पिछा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन: निम्निविश्वत व्यक्तियों, अभीत :-- 28—166GI[84

 श्री प्रेम मिल पुत्र ग्रम्र नाथ, वासी बसती पीर वाद खां, जालन्धर मुख्त्यारे-ग्राम पूर्ण सिंह पुत लाभ सिंह।

(मन्तरक)

 ओम कुमारी पत्नी सुबाग चन्द ग्रीर प्रनिल कुमार वासी चौक कादे शाह, जालन्धर।

(ब्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह स्थक्ति जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति जिनके बारेमें स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह स्थाना जारी करके पृत्रों क्ल सम्पत्ति के नर्जन के तिर कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अप्रीध या तत्यं संधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

क्ष्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्दों और पदों का, वो उसके अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

शन्सची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4342 दिनांक ग्रक्तूबर 83 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक 1-6-1984 मोहर:

प्रकृत बार्ड . टी . एन . एस , ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक .1 जून 1984

निदेण सं० ऐ० पी० नं० 5427—ग्रतः मुझे, जे० एस० गिरथर,

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्म 25,000/-ए. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1998 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक भ्रवतूबर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफन, निम्निसित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण सिवित अं बाग्तविक कप से कवित नहीं किया गया ही :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन फर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्र अधिनियम, या धन-क्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्रत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं न्यू फाईनांम्स इएण करेखिट कारपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी जालन्धर क्षारा श्री राम कुमार भरतवाज कम्पनी पंडित संतपाल एण्ड कम्पनी मिलास चौक, जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती सुनीता चूरा पानी नरिंदर कुमार वासी, डाल, जिला कपूरथला ।

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा किर्फपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पति में घचि रखता है।)
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया बना है।

मन्स्वी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4296 दिनांक अक्टूबर 83 में रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी (सहायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); धर्जन र्रेज, जालत्धर

दिनांक 1-6-10° मोहर प्ररूप काइँ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन स्भान

भारत सुरुवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) धर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० ऐ० थी० नं० 5428—श्रतः मुझीः जे० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुकसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुकसर में रजिस्ट्री- करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 10) के श्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्केंदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपान में सुविधा के सिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसर्भ भें, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्पितित्यों:---- 1. श्री गुरनाम सिंह पुल हरनाम सिंह वासी मकान, नं ० 2978 मुकसर ६

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री उरूम सिंह, सरुप सिंह, इन्दर सिंह; कृष्ण सिंह, पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी पिंड तामकोट; तहसील मुकसर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिससे घधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु:।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कार्द भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभाना के राजपत्रं में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों आर पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 2109 विनाक अक्तूबर 83 में रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मुकसर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यापुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, जालन्त्रर

दिनांक: 1-6-1984

मोहर ह

प्रक्रम बाहै. टी. एन. एस. - - -

बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धार्प धारा 269-घ (1) के वधीन मुखना

भाउत स्रकात

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्मर जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984 निदेशसं० ऐ० पी० नं० 5429—म्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में लिखा है तथा जो चड़ेवान में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुकसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनांक श्रक्तुवर 1983

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास वज्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुद्दं िकसी आय की वाबत, उक्त वृधिनियम के बंधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कमी करने मा जससे जनने में सुविचा के सिन्द; बर्दि/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री श्रासा सिंह पुत्र प्यारा सिंह, वासी पिंड चड़ेबान तहसील मुकसर।

(ध्रन्तरक)

 श्री मोहन सिंह पुत्र मोहिन्दर सिंह, बासी पिंड उदयकरण तहसील मुक्सर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

जो व्यक्ति, सम्पति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है
 कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1964 दिनांक मक्टूबर 83 में रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी मुकसर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज जालन्बर

दिनांक 1-6-1984 मो**हरें** ब प्ररूप बाइं. टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 207-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5430--- ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो चेड़ेवान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रुप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुकसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 1983

को पूर्विकत संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखत वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई कि सी आय की सायत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; वर्षः/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाँधनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कृत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बा बा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के बिदः;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अधीन हु---

1. श्री मासा सिंह पुत्र प्यारा सिंह, वासी पिंड चेड़ेबान तहसील मुकसर

(प्रन्तरक)

2. श्री कुलदीप सिंह तरसेम सिंह पुत्र पूर्ण सिंह पिंड उदय-करण, तसील मुकसर

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेष ्—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सुची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2040 दिनांक ग्रक्तूबर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ताग्रधिकारी मकसर ने लिखा है?

> जे एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज जालन्धर

दिनांक 1-6-1984 मो**हर** ७ प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अधीन स्थना

भारत सःरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांकु 1 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी नं० 5431—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√-रुठ से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षक दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुर्षं किसी आय की बाबत, उकत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; औट्ट/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को लिए।

अत: अभ ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के लाक्त्र, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ः— श्री पंजाब सिंह, गुरबख्श सिंह पुत्र बचन सिंह, वासी पित सादा, जैतो ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरवेव सिंह पुत्र जरनैल सिंह, मुरिन्दर पाल सिंह, सिंतन्दर सिंह पुत्र धना सिंह ग्रौर जगरूप कौर पुत्नी बलविन्दर सिंह, वासी जैतो मंडी जिला फरीदकोट। (ग्रन्तरिती)

3. जैसाकि उपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबब है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 1193 दिनांक प्रक्तूबर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जैतो ने लिखा है

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक: 1-6-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5432——श्रत: मुझे,जे० म्ल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रधात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

घोर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रोर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारो के कार्यालय जैतो रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तुबर 1983

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अबने में सुविधा क निरुष्ट और/शा
- (क्ष) एसी किसी जाय या किसी भन या झत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। नया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के जिक्स:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री गुरदियाल सिंह पुत्र पाला सिंह बासी पती कैदो, जैतो।

(प्रन्तरक)

2. श्री धनी राम पुत्र संघुराम वासी-जैतो मंडी जिला फरीदकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हिल- अप्थ किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ता।

स्पव्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 1177 दिनांक अक्टूबर 1983 रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी जैतो ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधण, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 1-6-1984 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनोक 11 जून 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5433 ग्रीर 5434---ग्रतः मक्षे, जे० एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजैस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन दिनांक प्रक्तूबर 1983
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम ने कम
वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
जसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत
से प्रधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित
उद्देश्य से सकत प्रस्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कवित नहीं
किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; आर्-/या
- (क) एसे फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुधीन; निम्नलिकित व्यक्ति में, अर्थात :---

- 1. श्री रिवन्बर कालीया, कैलाण कालीया पुत्र किणन चन्द्र कालिया व दुर्गेण नन्दनी मार्गा पित्न के० जे० गर्मा वासी केई 100 मिवराज गढ़, जालन्धर हिस्सेदार कालीया इन्डस्ट्रीज द्वारा शाम कुमार
- 2. मैसर्ज टी० एम० ट्रेडरज बी 19 इंडस्ट्रियल ईस्टेट जालन्धर द्वारा मनमोहन सिंह हिस्सेदार फर्म (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

मन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4294 व 4659 विनाम प्रक्तूबर 1983 में रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जें० एन० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आगकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-6-1984

प्रकार आहर्षः दी ुएतु . एव . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वन।

तारव वर्ष्यस

कार्यालय, सहायक जायकर आंग्रुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 मई 1984

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5407—श्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उसत अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचिन बाज़ार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी साबो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजि ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय तलन्डी साबो में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रमत्वर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया एया है:--

- (क) जन्सरण से हुर्इ कि.बी आय की बाबत, उक्त अभिनियक के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे अचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय खाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, खिणाने में मृतिभा के सिए;

नतः अव, उनत जिमिनयम की भारा 269-म के जनुमरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, नियमलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 29—166GI|84

- श्रो बुद्ध सिह पुत्र धना सिंह, वासी तलबंडी साबो। (श्रन्सरक)
- 2. श्री बिकर सिंह, मुखिवन्दर सिंह सुपुत्र जोरा सिंह वासी तसवंडी साबो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति को अर्थन को सभ्यन्ध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहेस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

अनसर्वी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1982 दिनांक धक्तूबर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तल ही साबों में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 28-5-1984 मो**ह**ु ७ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अवलन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5408——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो राम पुरा फूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिनांक नवस्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छ्य में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कभी करने था उससे बचने में मित्रिधा की लिए? और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अन्ति नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् रू—- 1. श्री नाहर गिंह, लाभ सिंह, हरनेक सिंह सुपुत करनैल सिंह श्रीर कौर सिंह, गुरदेव सिंह सुपुत बचन सिंह बासी रामपुरा फूल ।

(भ्रन्तरक)

- यमरजोत कौर विधवा जूनिस्यर वारट श्राफिसर, गुर-चरन सिंह पुत्र विशन सिंह वासी भगता जिला भटिंडा (श्रन्तरिंसी)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता - ' है कि वह सम्पति में हितवब है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरिस में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तां।

त्वक्करोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए। गया हैं।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखनं 2565 दिनांक नवस्वर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी रामपुरा फूल में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रोज, जालन्धर

दिनांक: 28-5-1984

महिर :

प्ररूप आहें, टी. एन , एस . ------

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुणना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्ध्रर

जालन्धर, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 4309---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित पाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूक्षी में लिखा है तथा जो मुहल्ला हर गोबिन्द नगर फगवाड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल किम्निलिखित उद्देश्य मे उन्तर अंतरण लिखित मे वास्तिवक्त क्यां को का किम्निलिखित उद्देश्य मे उन्तर अंतरण लिखित में वास्तिवक्त क्यां को का किम्निलिखित उद्देश्य में उन्तर अंतरण लिखित में वास्तिवक्त क्यां को का

- (क) जनसरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्ति जानी वजारा प्रकार शहर किया से सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिबित व्यक्तियों, अर्थान :--- श्री कमलेश कुमारी परिन सुरिन्द्र नाथ मुहल्ला नागा-हन महली गेट, फकवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमति सुमन चडा पहिन सुखचेन लाल चडा, जी० टी० रोड, फगवाडा।

(ग्रन्तर्रता)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पति रूचि रखता है (बह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कारके पुत्रीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस सचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त भ्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयक्त शब्दों और पदा का, जो जक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलख नं 1600 दिनांक प्रक्टूबर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-5-1984

प्रकल कार्य , टी., एन., एच /-------

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालक, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मई 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5410—-श्रतः मुझे, जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रुपये वे अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्वर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित भाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः बनः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 श्रीमित संतोष कुमारी पत्नि केशव लाल गुप्ता, वासी 2085 ए/विरला मिल कालोनी भटिंडा । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम चन्द पुत्र तिलक राम, वासी 2085, ए-विरला मिल कलोनी, भटिंडा

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं।
 (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाये।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3511 दिनांक नथम्बर 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो भटिंडा में लिखा है।

> ्जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घ्रायुक्त, (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, ृजालम्धर

दिनांक : 17-5-1984

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस .-----

भायकर सभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मई 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5411—-श्रत: मुझे,जे०एल० प्रभर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोवस संपरिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी श्राय की नातत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; जरि/वा
- (स) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में स्रीवभा के लिए।

अतः अबं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी त, निम्निलिखत व्यित्रित्यों, अर्थात :----

श्रीमित संतोप कुमारी पत्ति केसव लाख गुप्ता, वासी
 2085-ए विरला मिल कालोनी, भटिंडा।

(अन्तरक)

2. श्री गियान चन्द पुत्र तिलकराम, वासी 2085-ए, बिरला मिल कालोनी, भटिंडा

(भ्रन्तरिर्ता)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्नाक्षरी जानत है कि वह सम्पति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्**जी**

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं०-3571 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिंडा में लिखा ^गहै।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-5-1984

प्ररूप नाइं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 24 मई 1984

निदेश सं०ऐ०पी०नं० 5412--अतः, मुझे, जे०एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काण्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्निसिवित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुन् किसी नाम की नावत उक्त आंध-नियम के व्यीप कर दोने के जन्महरू के शवित्य में कनी करने ना अवसी वचने में सुनिधा के चित्रे; जौर था/
- (भी) एमी किसी बाय या किसी भन या अला लाम्नियं की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधिनियस, या भन्कर अधिनियस, या भन्कर अधिनियस, या भन्कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री प्रीप्तम सिंह पुत्र किरपाल सिंह कोठी अमरपुरा, जोगा नन्द रोड, भटिन्डा।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती निरमल कुमारी भंडारी पत्नी अग्रावनी भंडारी मारफत भंडारी सपुन्न, नजवीक पुराना बस स्टैन्ड जी०एन०ए० रोड, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को बहु श्रुवना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्बन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कौई भी गांशीप :---

- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शस्त्रों और पदों का, जो स्वतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूत्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3092 दिनांक अक्तूबर, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 24-5-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1984

निदेश संब्धेव्यीवनंव 5435—अतः, मुझे, जेव्यूलव गिरधर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रुक से अधिक है

25,000/- उ. से अधिक हैं

शीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो बस्ती
वानशवादा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्धरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्धरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्धरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अंतरकों) कोर अंतरिती

- (क) अन्तरण से हुई किया भाग की बाबत जन्छ छि-निवस के खबीन कर देने के अन्तरण के वावित्व में कभी करने या जससे बचने में सुविधा के खिए। धीर/भा
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों सुविधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, जर्भात १—— (1) श्री महिन्दर गाल पुत्त दौलत राम, बासी बस्ती शेख जालन्धर मुखतीआरे खाम रिव कॉन्त पुत्र सोहन लाल मुखसीआरे आम गुरबच्चन सिंह पुत्र करतार सिंह श्रीर जसबीर कौर पत्नी कमलजीत सिंह, बासी, बी-34/1376, बस्ती वानशबादर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलजीत सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, बासी—पक्का बाग, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही-अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसी कि विलेख नं० 4689, दिनांक अक्तूबर 1983 में रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 13-6-1984

मोहर ः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

अभयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1984

निदेश संब्धेल्पीबनंब 5436—अतः, मुझे, जैब्युलब गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थादर संपित्स, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती दानणवादी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983 को एवा बत सम्मत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के खरमान प्रतिक्त के लिए बन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूस्य से कम के खरमान प्रतिक्त के लिए बन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिक्तत से एसे खरमान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निक्तित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बाम्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में क्षत्री करने या उनसे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (4) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 19) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखत व्यक्तियों, अधीन, निम्मलिखत व्यक्तियों, अधीन,

(1) थी दिनेण कूभार पुत्त राजेन्दर पाल, वासी-एन०डी०-160, मुहत्ला विक्रमपुरा, जालन्धर, मुखतीयारेखास पाखर सिंह पुत्र करतार सिंह मुखतीयारे आम, सबीर कौर पत्नी कमलजीत सिंह और गुरबच्चन सिंह पुत्र करतार सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता रानी पत्नी दिनेश कुमार. नासी नं०-160, विक्रम पुरा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेंक्ति संपक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शम्बा अहि पवा का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

सरत की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4688 दिनांक अक्टूबर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः: 13 जून 1984

महिए ह

269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1984

निवेश सं०ऐ०पीं०नं० 5437---अतः, मुझे, जे०एल० गिरधर.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यत्म करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है
तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजरट्रोकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रिजरट्रोकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के
बन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा को लिए, बाँड/बा
- (स) ऐसी किसी आय या निस्ती धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० साईगान पुत्र वेद प्रकाण, वासी-14-सत्त नगर, मुहल्ला चन्दन नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द्र पुत्र बनारसीदास, वासी-149 इन्डस्ट्री ऐरीया, जालन्धर।

(अन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंदु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सू से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नम्बर 4526 विनांक अक्तूबर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीखा: 13−6-1984

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.-----

आसमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 13 जून 1984

निवेश संवर्णे, व्यावनंव 5438—अतः, मुझे, जेवण्लव गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित शाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

शीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है
तथा जो मकमूदपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983
को पूर्वोक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
शीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास
करने का कारण है कि मधापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय
प्राया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अर्थ जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना का किया जाना के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती परोमिला सहगल परनी, मुनीत कुमार, वासी 14-सत्त नगर, मुहरूला चन्दन नगर, जीलन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निशन्त्रीन्त सोंदी पूनी नरेण सोंदी, वासी 625, माडल टाउन, जानन्धर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उसते स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उथल विश्वित्यम् के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस वश्याय में दिया गया है।

अमृसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4579 दिनांक अक्तूबर 1983 में रजिस्ट्रीकक्ती अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे०एस**० गिरधर** मक्षम प्राधिकरी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-6-1984

प्रकप वार्षः टी. एन., ५स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन गुवना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 जुन 1984

निवंश सं०/ऐ०पी०नं० 5439—अतः, मुझे, जे०एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत 'उवस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983 को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्निलिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विजित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण संहुर्व किसी आथ की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ब, ८०) है। विकाय प्रक्रिक कर अधिनयम अग्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपति अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिशियों अञ्चल प्रकेश सहित किया गया भा सा किया जाना चाहिए जा, किया स्थित के लिए,

कतः जन उक्त अधिनियम की भाग 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहिन्दर सिंह पुत उजागर, वासी—बस्ती शेख, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी कुलदीप सिंह, वासी—गली नम्बर-1, सामने सिविल होस्पिटल, कपूरथला।

(अन्सरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृशींक्त सम्परित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की वविष या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र
 स्थाना की तामील से 30 दिन को वविष, जो भी
 वविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त्व व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पत्ति में हितयव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदों का, को समह अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्रेंग हैं।

वृत्रस्त्री

सम्पैत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4218 दिनांक अक्तूबर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जै०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-6-1984

प्रूच्य नाहाँ. टी. एन. एस्.-----

जायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेंज, जालन्धर

आलन्धर, दिनांक 13 जून 1984

निदेश संब्लेब्सिवनंव 5440—अतः, मुझे, जेब्स्लब् गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (कंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी नाय की बाबत उब्बल, क्रिंशियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिवाँ को जिन्हें भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री चंनचल सिंह पुत्र भान सिंह, वासी—-पीली कोठी, गड़ा रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जगदीण कौर पत्नी मोहिन्दर सिंह, वासी——िपड़ पासला, जिला——जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्थना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच वं 45 जिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही पर्ध होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया स्यादी।

मनुस्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4597 दिनांक अक्तूबर 1983 में रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-6-1984

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस्,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 13 जून 1984

निदेश संवनंबर्वेष्पावनंब-5441--अतः, मुझे, जेब्युलब् गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारिख अस्तूबर, 1983 को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान

का प्यावत सम्पत्ति के जीचत बाजान मूल्य स कम क रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कररे का कारण है कि सभापृत्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त इन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आयकी बाबत, डक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्रुवने में भूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा हो लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सत्तवन्त कौर पत्नी जसवन्त सिंह बासी—सकान नं० एन०के०—16, कीतवाली बाजार, जानन्धर।

(अन्सरक)

(2) श्रामती प्रवीन जैन परनी सतीण कुमार जैन, बासी—मकान नम्बर एन०क०-16, कीतवाली बाजार, जालन्धर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स विकाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्**चीं**

सम्मत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नम्बर 4537 दिनांक अक्तूबर 1983 में रिजिस्ट्रीकर्ता ्अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-6-1984

मोहर अ

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रोक्षण) अजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1984

निदेण सं०/ऐ,०५१०नं० 5442--अन:, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिरुधास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो करतारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, करतारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1983 को पूर्वोक्त सम्भत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया ममा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) असरण हे हुई किसी नाय की बाबत, उपस मधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससं बचने में सृविधा क्रांसिट्, और/या
- (ध) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। कियाने यो स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती चम्पा रानी पत्नी सिरी राम, वासी—फरनीचर बाजार, करतार पुर।

(अन्तरक)

(2) श्री तरलोचन सिंह पुत जगतराम, वासी----गुजरात पैलस फरनीचर बाजार, करतारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उनता सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्यान में दिया गया हैं।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 618, दिनांक अक्तूबर 1983 में रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी करतार-पुर में लिखा है।

> जें०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13 - 6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं०/९०पी०नं० 5443--अतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैना अनुभूषी में लिखा है तथा जो करतारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपागद्ध अनुसची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करतारपुर से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1983 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान षितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उका अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्त्रिधा के लिए;

भतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिकित न्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती राजकुमारी पत्नी मुखिद्याल कोऽी नम्बर 2812, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़न

(भ्रन्तरक)

(2) तरलोचन सिंह पुत्र जगतराम, गुजरात पैलस, करनीत्तर वाजार, करतारपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्यवाहियां करता हो।

उवत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध याँ कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वला की तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि तद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास विवित में किए का सकी गं

स्पष्टीकरण:--- त्समें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया हैं।

अमुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति नैसा कि विलेख नम्बर 643 दिनांक श्रक्तूबर 1983 में रॉजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी करत्तारपुर में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 13-6-1984

प्रकार आहे. टी. एस एस. -----

भायकर अधिगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1984

निदेश मंं ं एि विश्वा 5447—प्रतः मुझे, जेवएलव गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रमुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिशकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकर्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रम्तूवर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (श्रंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के लिए तय नाया गमा प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिक स्प में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्मियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कर्णाया लाल पुत्र हीरालाल वासी मकान नम्बर 9, गुलोब कालोनी, इन्डस्ट्री एरीया, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्री हंस राज पुत्न अत्तर राम वासी मकान नम्बर NG 334, राम नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके प्रविक्त संपत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो खक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

समाति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4163, दिनांक भ्रक्तूबर 1983 में रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारोख: 14-6-1984

प्ररूप बाहाँ. टी. एन ुएस. -----

भावकार भ्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भ्रषीत त्या

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक ग्रायकर भायुक्त (निरीजण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 जून 1984

निदेश सं०/ऐ०पी०नं० 5449—श्रतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर 1983 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्ता निम्मसिवत उद्वेदय से उन्तर अन्तरण सिवित में बास्तरिक क्य से सिथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुड् ैिकिसी आय की बाबत उन्तर अधि-विश्व के अधीय कर दीने के उस्तरक के दावित्त में सकी करने दा उसके दचने के स्थित के निए; अदि/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उसते विधिवयम, बा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्री महित्द्र सिंह पृथ नथा सिंह वामी 27-श्रार न्यू कालोनो, कूल रोड सामने मोता सिंह नगर गालन्धर हारा श्री लाभ सिंह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरमिन्दर सिंह पुत मेहर सिंह वासी पिड़ सित्तरा तहसील नकीदर, जिला जालन्धर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित्न बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

रुपक्र किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4264, विनोक प्रक्तूबर 1983 में रजिस्ट्ररोकर्ता ग्रधिकारी जालन्छर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजैन रेंज, जासन्धर

तारीख: 14-6-1984

मोहर ६

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1984

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-छ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं े जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अन्तूबर, 1983 को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रो महिन्द्र सिंह पुतृ नथा सिंह वासी 27-श्रार न्यू कलोनी, कूल रोड सामने मोता सिंह नगर, जालन्धर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री गुरदोप सिंह, श्रवतार सिंह पुत्र मेहर सिंह वासो पित्र लितरा सहसील नकोदर, जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामीस से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पद्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिय गया है।

बद्धांची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4295 विनांक अक्तूबर 1983 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर े लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-6-1984

प्रकृष आहें.टी.एन.एस. ------

नायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं०/ए०पो०नं० 5451—प्रतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

जायकर शिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रह. से अधिक है

मौर जिसको सं जैसा कि म्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में मौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उधित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पावा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलात निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भँ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्निसिन्ति स्वित्यों, अर्थात् ध— श्री महिन्द्र सिंह पुत्र नदा सिंह,
 वासी 27-आर-न्यु कालोनी कूल रोड के सामने,
 मोता सिंह नगर,
 जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रो सुखबेव सिंह पुन मेहरसिंह वासी पिड़ लितरा, तहसील नकीषर, जिला जालन्धर

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षप ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 धिन के नीतर उक्त स्थाधर सम्पर्क्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविध में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्छ अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4308, दिनांक अक्तूबर 1983 में र्राजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी: जालम्बर ने लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख: 14-6-1984**

मोहर 🛭

प्रकृष आहैं, टी. एन. एक. - क्र न खन नायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के सभीन सुकृता

भारत सरकार

कामलिय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांकः 14 जून 1984

निवेश सं० ऐ०पी० नं० 5452---अतः मृह्मे, जे० एल० गिरधर,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के विधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/-रा. से विधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में किखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजर्ट्र भर्ता अधिक री के कार्यालय, जालन्धर में रिजर्ट्र अप्ताय अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वों कत सम्परित को जिल्ल बाजार मून्य से कम् के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पर्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निशिक्षत जब्दों से उसत अन्तरण सिचित में बास्त्रीबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अप की वाबत, उक्त मृथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे नचने में त्रिक्ष के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अवे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के चधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री महिन्द्र सिंह पुत्र नथा सिंह, बासी 27-आर न्यु कलोनी, कूल रोड सामने, मोता सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह, निरिपेन्द्र सिंह पुत्र मेहर सिंह , बासी पिड़ सितरा, तहसील नकोदर, जिला जालन्धर।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिक्षण डि—इसमाँ प्रयुक्त स्थां और प्रवां का, जां चक्तु अधिनियम् के अध्याय 20 क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमृस्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4333 विनांक, अक्तूबर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 14~6-1984

मोहर 🛭

प्रक्य नाहं. दी. एव. **एव.----**-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 जून 1984

निदेश रं० ऐ०पी० नं० 5457---अतः मुझे, जे**०ए**स्० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको संव जैसा कि अनूसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिनांक अक्सूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचित सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से श्रृष्ट किसी आय की नायत, उत्तक अधिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अवने में सुविधा के जिल्हा बाँड/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्ता अधिनियम या धन-हार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छियाने में बिन्या के निस्तर ही स्मार

अतः अब, उकत अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरक मों, मीं उक्त जीविनियम की भारा 269-ते की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तिगों, अर्थान् :-- (1) श्रीमती पुष्पा देवो पत्नीः श्री विनोद जुमार भारद्वाज मैसर्स मोहन लाल सूरज भान, टाडा रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स राष्ट्रीया मेटल स्टील इन्डाट्रीज, बी II-344-बी/190, गलोब कलोनीः, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित. हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रची

स्प्यत्ति तथा व्यक्ति जैसा नि विलेख नम्बर 5487 विनोज अक्तूबर, 1983 को रजिस्ट्रीक्त्र्सी अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे०एल० गि**र**धर |सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-6-1984

मोहरू 🕻

प्रारुप बाइ. टी. एन. एस.-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 10 जून 1984

निदेण सं० णिमला/11ऐ/83-84--अतः मृह्मे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव डेजी बैंक की पहली मंजिल में सेट नंव एवं जो कि स्टरेशन वार्ड, बड़ा शिमला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनस्भी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टुबर, 1983

को पूर्वेक्ति संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ईश्वर दत्त शर्मा पुत्र सुन्दर जाल शर्मा वार्सः सुन्दर निवास चम्बा। वर्तमान में उप अरणायपाल, टालेन्ड, शिमला।

(अन्तरक)

श्रीमिति विश्वा वती परिन ं श्री तरलोक धन्द एवं श्रीमिती धुदेश बाला परिन श्री सुरेन्द्र मोहन वासी मन्तान नं० 78, गली नं० 15, दी माल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दाँ और पदों का जो उन्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अन्स्ची

डेजी बैंस की पहली मंजिल में से सेट नं० ए, जो कि स्टरेंशन बार्ड, बड़ा शिमला में स्थित है। (अर्थात वह जायदाद जो िंग रिज़स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी शिमला कि विलेख संख्या 641 माह अक्टूबर 1983 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-6-1984

मचन् बाइ. टी. एन. ५स.-----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमता

THE REALS

कार्यालय, सहायक बायकर जागृक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना . लुधियाना, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० चन्डं । ०/80/83-84---- अतः मुझे, जोगिन्द्र सिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के स्थीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका सं ० प्याट नं ० 1691 है तथा जो सैक्टर-33 की, नन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकार। के कार्यालय में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का •16) के अधीन, विन कि अक्टूबर, 1983

को प्रवेक्ति संपरित को उपित बाजार मृत्य से कम के द्रयमाद बितंपस के स्थि अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एस द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रसिश्चत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण सिचित में अस्तिवक कम से कियान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कार्स करने या उगसे अपने में मुस्सि। में लिए; और/पा
- (क) एमी किसी आब या किसी अन या अन्य आस्तियों करों, जिस्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्सरिती हवारा प्रकट रही किया गया था सा किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के विष्:

बतः बव, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की वयुक्तस्य में, में, उक्त अधिनियस की आरा 260-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निविल्त व्यक्तियों, अधीत :---

(1) ब्रैं० कर्नल भ्रमरजीत सिंह बाल पुत्र मेजर जनरल तारा सिंह बाल वासी सी-140 डिफेंस कलोनी, ग्यू क्षेहली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमर दीप सिंह सामरा नाबालिंग पुत श्री श्रमरजीत सिंह सामरा, वासी 182, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर गहर।

(ध्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पृत्रावेल संप्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वांन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेरी।

भ्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वहाँ मुर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया इ⁴।

नन्सची

प्लाट नं० 1691 जो सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(भ्रयीत् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 329 माह श्रक्टूबर-1983 के सहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लारीख: 13-6-1984

ब्रह्म बार्धु टी. एन., एस_.------

शस्यकर श्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) श्रजेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० चन्डी०, /85/83-84--श्रतः सुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3034 है. तथा जो सैक्टर-21 डी॰ वन्छीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख, ग्रक्ट्बर 1983

को पूर्वोंकत संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) बलारण से हुई किसी बाब की बावत्, उपल बिधिनियुत्त के बधीन कर दाने के बलारक के दिखिल्थ में कभी करने या उससे धवने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अधीत है— (1) श्री नरिन्द्र देव सिंह पुत्र श्री रतन सिंह मकान नं० 5/8 बोरला को० श्रप्रेटिय हाऊस सोमाईटी नजदीक त्रमन्त्र सिनेभा, जैस्बुर, त्रम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री नरिन्दर कुमार जैन पुत्र श्री विपन चन्द जैन ।

2. श्रीमती मन्जू जैन पत्नि श्री नरिन्द्र कुमार जैन दोनों वासी मकान नं० 1545, सैक्टर-18 डी॰ जन्डीगढ़। वर्तमान में रिहाईस मकान नं० 3034, सैक्टर 21-डी०, चन्डीगढ़।

(ग्रंतरिती)

(3) 1. श्री सुरिन्द्र सिंह
 2. श्री दयाल चन्द,
 दोनो वासी मकान न० 3034,
 सैक्टर 21—डी०,
 चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति है)

को यह स्वना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीय सं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यक्क 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्राची

मधान नं 3034 जोकि भैक्टर 21-डी० वल्डीगढ में स्थित है।

(ग्रथीत् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चम्डीगढ़ के विलेख संख्या 777 माह श्रक्टूबर-1983 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधियाना

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🗄

प्रस्य बाह्र ही . एन . एस . -----

थायक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) मी धारा 769-च (1) के भंधीत सुर्ये ॥

भारत मरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जून 1984

निदेश मं० चाडीगढ़/97/83-84--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंहः

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इअमें इसके पष्टचात् 'उनत अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अन्नीत सलम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि' स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से **मधिक है** ग्रीर जिसकी मं० एस०सी०एफ० 250 है तथा जो मोटर मार्केट, मनीमाजरा, चन्डीगढ़ में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम (1908 का 16) के धधीन, दिनांक भ्रक्टूबर, 1983 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुखे कह विश्वास हरते का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित गामार मुख्य, उसने दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिसल का पन्त्रह प्रतिशत से भिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकां) मीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त चन्त्रश्य निष्ठित में बास्तविक क्रय से किबत ज**ही** सियः य**या है।**----

- (क) अन्तरण से हुक किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय याय-कर श्रिष्ठानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चादिए था, छिपाने में सुविद्या है लिए।

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रूरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) रीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री खजान सिंह पुत्र श्री हजूरा सिंह नासी मकान नं० 2368, सैक्टर 19-सी. चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमसी नीलम रामपाल पत्ति श्री जगदीश रामपाल, मार्फत रामनाथ रामपाल, बासी 120 सैक्टर 15-ए, चन्द्रीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में उक्त शत की तारी के 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मर्बाब, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाकीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, यही अर्थ होया, जो उम श्रध्याय में किया गया है।

अम्सूची

ऐस०सी०ऐफ० नं० 250 जो कि मोटर मार्केट मनी-माजरा, चन्डीगढ़, यू०टी० में स्थित है।

(भ्रथीत् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख मंख्या 816 माह ग्रवटूबर-1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13 जून 1984

प्ररूप वार्दं. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० चन्डीगङ्/101/83-84----ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमत जिल्ला अधिनियम कहा गया है), यह धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० 3305 है तथा जो मैक्टर-35 डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्सची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रवटूबर-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझ यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्कत अधिनयम की अभीन कर दोने के अन्तरक हैं बासिएक में कसी करने या उससे सचने में मुखिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, रिजन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में ब्रीया जे सिद्ध;

अत: अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धाय (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री हरीकिशन सिंह पृत्न श्री साधू सिंह वासी 1030, रेलवे रोड, श्रादमपुर, जालन्धर। मार्फत श्राम मुख्तार श्री कीमतराडो पुत्न श्री कृतवन्त राडो वासी मकान नं० 17 सैक्टर 10-ऐ,

(ध्रन्तरक)

(2) श्री दलबीर सिंह कालड़ा पुत्र श्री केसर सिंह तथा श्रीमती भूपिन्द्र कीर पति श्री दलबीर सिंह कालड़ा, वासी मकान मंथ 1275, सैनटर-15 बी, चन्डीगढ़।

(सन्तरिनी)

को ग्रह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन को जिए कार्यवादियों बुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ' सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हिटबर किसी सन्य व्यक्ति इवारा सभोहस्ताक्षरों के निस्त में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रगुक्त शब्दों और दिंग का, जो विश्वास के अध्याय 20 क में परिभा है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3305 जो कि सैक्टर 15-डी, चर्न में स्थित है।

(ग्रधात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधि चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 827 माह श्रक्टूबर-198 तहत दर्ज है) :

> जॉगिन्दर सक्षम प्राि सहायक आयक्षर आ**युक्त (**निर्र भ्रजन रेज, लु

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 जून 1984

निदेण सं० चन्डीगढ़/81/83-84---ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणें हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० सी० श्रो० नं० 111-112-113 है तथा जो सैक्टर-17-बी, चन्डीगढ़ का 15 प्रतिशत भाग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवट्बर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यू, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अगरिती (अन्तरितियाँ) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) शानरण से हुइं किसी बाय की नाइत, सबल अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री दीपक गुप्ता पुत श्री राजकुमार गुप्ता एवं श्री शाम सुन्दर गुप्ता एच०यू०एफ० पुत्र श्री देव राज अग्रवाल वासी मकान नं० 26, सैक्टर 8-ए चन्डीगढ़, मार्फत श्राम मुख्तार श्री बलराज सिंह पुत श्री दर्शन सिंह वासी 332, सैक्टर 9-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)
- श्री हरतार सिंह संघा पुत
 श्री विकराम जीत सिंह संथा,
 वासी शो रूम नं० 58,
 सैक्टर 26, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

- 3. (1) हरयाणा टूरिज्म कार्पोरेशन
 - (2) स्टेट वैंक ग्रांफ इन्डिया
 - (3) डिप्टोकोलैक्टर ग्राफ कस्टम, एन्ड सैन्ट्रल ऐक्साईज।
 - (4) सोर वासी एस॰सी॰ग्रो॰ नं॰ 111-112-113, सैक्टर 17-बी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस०सी०ग्रो०नं० 111-112-113 का 15% भाग जो कि सैक्टर 17-बी, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 742 माह ग्रक्टूबर 1983 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकेर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-6-1984

शस्य आध". टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना निधियाना, दिनांक 13 जुन 1984

निर्देश सं० चन्डी०/87/83-84--श्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव एसवसीवग्रोवनंव 419-420 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, श्रक्तुवर 1983

को पृथींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और मृक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृवींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत । उत्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किशा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के तिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम०के० भल्ला,
 वासी मकान नं० 1606,
 सैक्टर-34,
 चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती करनैल कौर एवं
 श्री इन्द्रजीत सिंह ढिल्लों
 श्री राजश्री,
 वासी 6-हैस्टींग्स रोड,

कलकता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप : --

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हिल-सब्ध किसी जन्म व्यक्ति स्थाय, अधोहस्ताक्षणी के पास निस्ति में किए जा स्कीणी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्षत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

एस०सी०म्रो० नं० 419-420, सैक्टर 35-सी, चन्छीगढ़ भ्रथांत् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 781 माह ग्रदत्बर. 1983 के तहत दर्ज है:

जोगिन्दर सिह मक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप मार्ड, टी., एन. एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

ङःर्यालयः, सहस्यक आयकर आयुक्त (निरोक्षण्) स्रजेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जून, 1984

निर्देण सं० चण्डी/82/83-81---- प्रतः मुझे, जोगिनद्र सिह, अायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

र्यो जिसकी सं० मकान नं० 1250 है, तथा जो सैक्टर 33 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण घप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल, से एसे दूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निश्वित में वास्तिविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्स जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मंन, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— श्री बी० के० कीणल, पुत्र श्री नराता राम बामी मकान नं० 340 सैंक्टर 35 ए०, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री निरन्त्र पाल सिंह, पुत्र श्री भगत सिंह बासी मकान नं० 1720 फेस 7 मोहाली। बर्तमान पता मकान नं० 1250 सैक्टर 33 सी चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्सि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित में फिए जा सकरेंगे।

स्पष्टांकरण ---इसमा प्रयुक्त शब्द और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसम्बी

मकान नं 1250 जो कि संकटर 33 सी खण्डीगढ़ में स्थित है।

(ग्रर्थात् बहं जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के बिलेख संख्या 758 माह श्रक्तूबर 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिह. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-6-1984

प्रकृष् बार्द हो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँ र 14 जून 1984

निदेश सं० चण्डीगढ़/92/83-84:—श्रनः मुझे, जोगिन्त निह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट तं० 2184 है तथा जो मैंदटर 35 सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर दशसे उपायण श्रुप्ति में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती ग्रिंधिशारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिंधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तूदर 1983

को पूर्वीवत संपत्ति के उचिन नाजार मून्य से नाज ते गायमार प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह है कौर माने यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वीवत सम्पत्ति का दिखत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (बन्तरक्षों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (बन्तरक्षों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गृहा प्रतिक कल निम्नलिन्ति उद्देश में प्रतास अन्यक विविध्त को अवस्थित रूप से कथिय नहीं किया स्था है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धंने के उत्तरक के बायित्व में कमी करने या उससं बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयदार शीर्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों ६वार प्रयोजनार्थ अन्तरितां ६वार प्रयोजनार्थ अन्तरितां भाषा विद्या ज्ञान साहिए था विद्या स्थान स्थान स्थान साहिए था विद्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

अतः अव उत्ता अधिनियम की धारा १६९ को उपस्था मी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधान (1) के अधीर, मिम्निसित व्योक्तियों, अर्थात् :—

श्री महर चन्द मित्तल
पुत श्री ठाकुर मल
एवं श्रीमती सुदेश मित्तल
पनी श्री मेहर चन्द मित्तल
वासी मकान नं० 158 सैक्टर 20 ए०,
चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० के० कौशल एवं श्रीमती राज कौशल वासी मकान नं० 340 सैक्टर 35 ए०, चण्डीगढ।

(ग्रन्तरिती)

को यह गृचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए चर्ना के अर्जन हों।

इन्त सन्दास के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस एचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वर्णाध्याः -- उससे प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

्लाट तुं० 2184 जो कि सैक्टर 35-पी० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अण्डीगड़ के विलेख अंख्या 796 माह अक्तूवर 1983 के तहत दर्ज है)!

> जोगिन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-6-1984

t in administration for the control of the control

(ग्रन्तरक)

प्रस्प बाही, टो. हा, एस, ००० ०००

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीर सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुन 1984

निर्बोज सं० पाँटा साहिब / 1/83-84:— ग्रतः गुझे, जोगिन्दर सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) (जिसे उपने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15 बीघा 6 विस्वा है तथा जमीन जो गांव कुन्जाह, तहसील पांवटा, साहिव में स्थित है (ग्रोर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण एप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पांवटा साहिव भें, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रक्तूबर 1933

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे रह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का धदह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उन्त अंतरण निक्ति के शस्तिविक हुए से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उत्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उसके बच्चे में मृतिका के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा स्था अन्य किसी स्था अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ों प्रयोजनार्थ अन्य रिक्रं एन रूप किया जाना चाहिए था, निष्पान को सुविधा के लिए;

अत. इ.च. उवत अधिनियम की धार 269-म के अन्तरण मो, मी उक्त अधिनियम की धार 160-म भी गरेगार (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीवर्ती सान और बेजा श्री महबूब सिंह, श्री हरजीत सिंह, भूपिन्द्र कौर, रिद्भि कौर, श्रमरजीत कौर एवं निरिन्द्र कौर पुत्र तथा पुत्रियां श्री महबूब सिंह नासी पाँवटा साहिब वर्तमान में मार्फत मैनसन मोटर, कश्मीरी गेट, देहली।
- 2. मैसर्स आदम पेपर त्रोडक्ट, ई-222 ईस्ट आफ कैनाश, न्यु देहली वर्तपान में देवी नगर पाँटा साहिव जिना पिरसौर (हिसाचल प्रदेण)।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुरुग जाएं। चरके पर्योक्त कर्णात के अर्घन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

नक्त र व्यक्ति वां अलेन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसु सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की नागील में 30 दिन की अविध, जो भी अपिथ एउ को समाधा होती हो, के भीतर पूर्वीक्त एपीयरागे हों से किसी व्यक्ति दुवाना;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीदर उदल स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध जिसी त्रन्य व्यक्ति इंदाना अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रबाक्टीकरणः --इसमें प्रवृत्त बब्दों और पदा का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ि।

अनुस्थी

15 बीवा 6 विस्त्रा जमीन जो कि गांव कुन्जाह तहसील पांवटा साहिय में स्थित है।

सर्घात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, पांवटा साहित्र के विलेख संख्या 527 माह स्रक्तूबर 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

त्रारीज: 15-6-1984

गोहर :

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 15 जुन 1984

25, (100/- रत. से अधिक है

निवंश सं० लुधियाना/126/83-84:---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शक्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य

भौर जिसकी सं प्रकान/जमीन जिसका है तथा जिसका रकवा 1010 वर्ग गज है तथा जो गांव बाड़ेबावा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्री- करण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रक्तबर, 1983

को पूर्वीकत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ज़ाब की बाबत, उसत अधिनियम के ज़भीन कर दोने के जन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; आंद्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--

श्री करतार सिंह,
 पृत्न श्री चानन सिंह
 वासी गाँव यरीके तहसील, लुधियाता।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स दादू इण्डस्ट्रीज फिरोजपुर रोड, लुधियाना मार्फन मैसर्ग दादू होजरी फैक्टरी जावल बाजार, लुधियाना।

(श्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संभ्यात के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुसी

मकान/जमीन जिसका रक्या 1010 वर्ग गज है तथा जो गांव बाड़ेघाल में स्थित है।

(ग्रथीत् यह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 8702 माह श्रक्तूबर 1983 में तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक**ः ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, **लुधियाना**

तारीख: 15-6-1984

प्ररूप बाई .टी. एन .एस . -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

भारत सर्वत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 ज्न 1984

निदेश सं० चण्डी/86/83-84.—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की भार 269-इस के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित वाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक है

भीर जिसकी सं० ष्लाट नं० 252 है तथा जो सैक्टर 33 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1983

(1908 का 16) क ग्रधान, ताराख ग्रक्तूबर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इध्यमान प्रतिफल तो, एसे इदयमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अन्यक्तों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की गांवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससं क्यने में सुविभा के सिए; बार/बा
- (ण) ऐसी किसी बाग या किसी भन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत जिल्लामा, या जनक कर अधिनियम, 1957 (1057 का 27) से प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वास सम्बंध मही किया गा। या शास्ति जाना चारिया था, किया के निए,

जनः सक, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में सकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कधीन निम्निलिमित स्थितियों, अधित् :--

33-166GI|84

 लैं० कर्नल के० एस० कावेशर पुत्र श्री एग० एस० कावेशर मार्फत इलैक्ट्रोक डाटा प्रोसेसिंग टीम, सिगनल रिकार्ड, पोस्ट बैंग नं० 5, जबलपूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री खटैती लाल भाटीया, श्रीमती श्रनिता भाटीया एवं मास्टर मन् भाटिया त्रासी मकान नं० 1054, सैक्टर 21 बी, चण्डीगढा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पति के अजद के लिए कार्य-वाहियां करता हुएं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन को तारीस है 45 दिन की अधिक या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविक, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रयक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विशिष्ठत में किए जा सकरें।

स्पर्ध्वीकरणः--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर्स अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में 'विया गमा है।

अनुसूची

्लाट नं० 252 जो कि **मै**क्टर 33 $^{\mathrm{pt}}$ **चण्डीग**ढ़ सें स्थित है।

(ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 778 माह ग्रक्तूबर 1983 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 14~6-1984

मोहर 🗈

प्रकप् आहे. टी. एन्. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुनना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकंर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 जुन, 1989

सं० चण्डी 0,91,83-84:—अतः मुझे, जोगिनद्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत जाजार मृन्य 25,000/- रहे से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1293 है था जो सैक्टर 34 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मू अे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिकात से अधिक है और संतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ।——

- (क) जुलारण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त जीभीनवृत्त अधीन कर दोने के अस्तरक के शायरण में कमी करने या उससे ज्याने में सुविधा से जिए; जाड़ि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अशः अश्व, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेजर एस० के० भसीन पुल श्री जी० एल० भसीन, 121 इनफैन्टरी बटालियन (टी० ए०) शाहपुर कैम्प न्यु अलीपुर, कालकक्षा।

(अन्तरक)

2. श्री केवल कुष्ण पुत स्वर्गीय इन्द्र मल वासी मकान नं० 2160 सैक्टर 21-सी, वण्डीगढ़।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कारिकता में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बध्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकारण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस कश्याय में विधा गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं॰ 1293 सैक्टर 34 सी जो कि **चण्डीगढ़** में स्थित है।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 795 माह अक्तूबर 1983 के तहत दर्ज है)।

जो**गिन्द्र** सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🖫

त्ररूप चार्चः, टी. एन. एव.----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के मुधीन सुचना

बारुत् ५र्डकाह

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निहासिक)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 18 जून 1984 सं० 71/अन्तूबर 1983:-अतः मुझे, एम० सुम्रमणियन,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त निर्मिनयम' कहा ग्या है), की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 16/4, 68, 11 अग्रहरम कार रोड है, जो सोलम टीन लेख सं 2164/83 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम जें० एम० आर० I, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के अवस्तान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाबार मून्य उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपूर्ववेषों से उक्त अभ्यारण सिचित में वास्तिक क्ष्य से काँचत नहीं किया गवा है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीत कड़ बने के अन्तरक के बाबित्स में कमी करने गंश उसरों सभने में सृत्रिश्र के सिए; ब्रीट्∕मा
- (व) ऐसे किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूविधा के बिन;

अतः अवः, अवत सीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, सकत सीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नतिसित व्यक्तियों, सर्धात् ह्यान 1. श्री के० भूत्रमणियम्,

(अन्सरक)

2. श्री के० आर० संभुगासुन्दरम।

(अन्स रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्मृति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां कर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-शर्थ किसी व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसंबंधि

भूमि और मकान 18/468, 11, अग्रहरम कार रोड झेलम टौन, (लेख सं० 2164/83)।

> एम० सृबमणियन्, स्वसम्प्रीजिकारी सहामक आमकर आमुन्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, मदास

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🖫

स्त्रमणियम,

प्ररूपः बार्दः, टी. एनः एस्. - -

न्यक्तर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांकः 13 जून 1984 सं० 77/अक्तूबर/83:---यतः मुझे, एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अप्पु चेट्टी, स्ट्रीट, शेवपैटी 11 वार्ड, झेलम टौन लेख नं० 1230/83 है, जो झेलम टौन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीयाची अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० $I_{
m I}$ झेलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983।

का पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण तिम्निलिखत से वास्तिविक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मं कमी करने या उससे बचने मं सूविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रं। एम० एन० गोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री एम० तिरूप्तानम और दूसरा।

(अन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों. पर शुपता को तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त • अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भुमि और मकान अष्पु चेट्टी स्ट्रीट, शेवाप्टे, शेलम (लेख सं० 1230/83)।

> एक्ष० सु**ब्रमणियन**, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रोज, मद्रास-1**

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🙃

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश)

मद्रास, दिनांक 13 जून 1984

मं० 78|अक्तूबर 1983:— यतः मृझे, एस० सुन्नमणियन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसेकी सं० हैं, जो पल्लपट्टि ग्राम झेलम तालूक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजम्ट्रीवर्सी अधिकारी के कार्यालय, झेलम लेख सं० 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133,83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 83

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियों उद्दर्भय में उक्त बन्तरण निकृत में बास्तिवक रूप में कश्य गढ़ी किया थया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई सिसी बाग की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती कृष्ण वेणि अम्माल।

(अन्सरक)

2. श्रीमती बी० सुजाता।

(अन्तरिती)

कां यह राजना धारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के दिव् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध पाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अधिनतारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तांरीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्व में विश्व जा सकेंचे।

स्पब्सिकरणः ---- इसमें प्रपुत्तं शत्यों और पदों का, जो उक्स निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

मन्स्यी

भूमि और मकान:-पल्ल पट्टि ग्राम, झेलम टीन (लेख सं० 1127,83 से 1133/88 तक)।

> एस० सुज्ञमणियम, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-1, मद्रास

नारीख: 13-6-1984

मोहर 🖫

श्रुक्य बांध्री, टीं, एने, एस. ड - - ----

भागकर गिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के गंभीन सुभग

भारत सरकार

कायलिय, सहायक कायकर आयुक्त (निरंक्षिण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० 86/अन्तूबर/83 — यत: मुझे एस० सुब्रमणियन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है, तथा जो अन्नदान पट्टी ग्राम शेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय तड़ाग पट्टि लेख सं० 3232/83 में भारतीय रिजर्स्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से शुरू जिल्ली जाय की वायत, अन्त अधिनियम के अभील कर दोनें के अन्तरक के वायित्व में कमी करणे या उससे वजने में सुविधा के लिए अहर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था स्थिपन में स्विधा के लिए;

नत: नय, उन्त निधिनयम की धारा 269-ग के नवसरण भों, भीं, स्वत निधिनयम की धर्रा 269-थ की उपधारा (1) को नवीन निध्नतिचित व्यक्तियों, नवीत् ड— 1. श्री के शोखर

(अन्तरक)

2. श्री के० गोपालकृष्णन्

(अन्तरिता)

को बह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यास अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण --- इसमें प्रमुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में निया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण अन्नदान पट्टी, गांव, श्रोलम नेख सं० 3232/83।

> एस० सुद्रमणियन्, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांक : 13-6-1984

प्रकार पार्दा, टी., एन., एस., ५००००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-भ (1) के अधीन स्**व**ना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनां र 13 जून, 1984

निदेश सं० 121/अन्त्वर/83 — यत: मुझे, एस० सुन्नमणियन्। नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिन बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं 146. डिडिंगल रोड, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित हैं (और इसमें जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे एस आर-1, मदुरै लेख सं 5395/83, 5420/83 और 5421/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकर्प अधिकिस्म 1908 (1908 क 16) के अधीन दिनौंक अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उव्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाव की वासत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भागतिय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित् :--- 1. श्रीमती राजात्ति दुरै राजन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती देवणि

(अन्नरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध सद्ध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थान्तर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वाय अधोहस्ताक्षरों की पास निवित में किए जा सर्कोंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घरसं० 146, डिडिंगल रोड, मध्रै, लेखासं० 5395/83 5420/83 और 5421/83।

> एम० सुब्रमणियन् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 13-6-1984

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृजना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जून, 1984

निर्देश सं० 129/अक्तूबर/83 — यत: मुझे, एम० सुब्रमणियन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-क की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लाट सं० 26, बेसंठ रोड है, तथा जो चोकिकुलाम् मथुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालक
तल्लाकुलम् लेख सं० 4783/83 में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक
अक्तुबर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक दृष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मण्डरण चे हुई किसी नाय की बावत उक्त विधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; शौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अल्य लास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्यारा उन्ति किया गर्म भा विका जाना चाहिए था, जिपाने में मिविधा के लिए;

अतः संब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की लब्धारा (1)

को अभीन , निम्नलिक्टित व्यक्तियों , अर्थात :----

 श्रोमनी टो० आर० अञ्चलक्ष्मी अम्माल श्रीमती आर० सुन्दराबाल।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती आए० जललक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जिमील से 30 दिन की अविधि. जी भी अविधि और में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस त्यान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं!

वनस्वी

भूमि और घर 26, बेसंठ रोड, चेक्कि कुलम्, मधुरा, लेख सं० 4783/83।

> एम० सुब्रमणियन्' सक्षम प्राधिकारी पहायकअ भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 13-6-1984

त्रक्त भाष' . टी . एन . एक . ------

भायकार भश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राभ

मद्रास, दिनांक 13 जून, 1984

निर्देश मं० 134/अक्तूबर 83 - यतः सुझे, एम० सुझमणियम,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 43, ट्रावेलेर है तथा जो मंगलो रोड, मधुरै, लेख सं० 2579/73 है जो अक्तूबर 83 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप हुंसे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पृषुमंडपम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक अक्तूबर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण से हुई किती बाय की वावतः, उपद वृधिनियम् के वधीन कर देने के वन्तरक के शांवित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; आहे/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34-166G184

श्रीमती सभी श्रीनिवासन्।

(अन्सरक)

2. श्रीमती एस० पोन्नमाल।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के वर्णन के जिल् कार्यवाहियों शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बवेधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अनुसूची

भूमि और मकान 43, ट्रावेवर्स, मंगलो रोड, मधुर (लेख सं० 2579/83)

एस० सुम्रमणियन्, सक्षम प्राधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 13-6-19**8**4

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 जून 1984

निर्देण सं ० 150/अक्तूबर/83—यतः मुझे, एस० सुन्नमणियन् शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्जित बाजार मूल्य 25,000/-रह से अधिक है

और जिनको सं बी-3, I, स्ट्रोट, विषमवरनगर, है, तथा जो मोल बिट्टन, तूर्ताकोरान में स्थित है (और उसमे उपाबड़ • अनुसूची में और पूर्णस्प में बिणत है), रिजिस्ट्रोलिन अधिलार के कायिलिय मेलूर तूर्तीकोरान लेख सं 598 में भारतीय रिजिस्ट्रोलिस अधिनियाम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनांक अस्तुबर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बोजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक इप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्रा, जिन्हों भागतीय आयहर अंगितियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का १८००) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के लिए;

1. श्रीमती राजेश्वरो अम्माल श्रीर दूसरे।

अन्तरक)

2. श्रो ए० के० म्त्राज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि जे जा सकारी।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसची

भूमि और भकान बी-3, I स्ट्रीट, चिघम्बुरम नगर मील- विट्टन मेलूर त्तीकोरिन (लेख मं \circ 598/83)।

एस० सुत्रमणियनः सुत्रम प्राधिकारीः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, महास

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

नारीख: 13-6-1984

मोहर: .

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज मदास

मद्रास, दिनांक 13 जून, 1984

निर्देश सं 0 151/अवतूबर/83—अतः मुझे, एस० सुझर्माणयन्, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ से अधिक है

ग्राँर जिसकी संर् शात्तूर ठौन है, जो शात्तुर ठौन लेख संरु 2018/83, 2019/83, 2041/83, 2043/83, 2049/83 में स्थित है (ग्रीर क्ष्ममे उपावढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय शान्तुर ठौन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रक्तूबर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि गणावर्षिण सम्पत्ति का उस्तित जाजार मूल्य, इसके बृद्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर मणतिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण अजिए तय पाम गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिल्ला स्वास्त्रिक क्ष्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (को जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उम्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री कनगसभापति
 पी० एस० एल० नारायण राव

(भन्तरक)

2. श्री ग्रार० पलनिचामि नाडार।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनस भी

भूमि णात्त्र गांव श्रीर णहर: लेख सं० 2018/83, 2019/83, 2041/83 श्रीर 2043/84, 2049/83।

> ्म० सूक्रमणियन्, मक्षम प्राप्तिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन् रेंज-1, मद्रास

तारीख: 13~6-1984

प्रकृप नाई. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

া. श्री टी० के० थाण्डव कुल्णम्।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी॰ पद्मनाभ चेट्टियार एन॰ एस॰ कृष्णन चेट्टि

(ग्रन्तरितीः)

ंकार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 ज्न 1984

निद्दण सं ० 153/प्रक्तूबर/83—यत मुझे, एस० सुक्रमणियन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है, जो 13, भंडर स्ट्रोट, मद्रास-9 लेख मं० 249/83 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मद्राम (सेंट्रल) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्तुवर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित नाजार भृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुजिधा के सिय:

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसर्ची

भूमि ग्रौर मकान । 13, बण्डर स्ट्रीट, शास्त्र ठौन, मन्नास लेख नं० 249/83।

एस० सुक्रमणियन् सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 13-6-84

मोहर ः

इक्य बार्ड . टर्रे . एवं . ------

1. श्री मुलुस्वामी।

(भ्रन्तरक)

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) भी अभीन सुभान

भारत **गरकाह** कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (नि**रीक्षण**)

भर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास; दिनांक 13 जून 1984

निर्देक सं 0 165/अक्तूबर/83---यत मुझे, एस ० सुक्षमणियन्, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि कस्बा नामक्कल गांव, झेलम है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नामक्कल लेख सं० 1621/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, श्रक्तूबर 1983

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके रूप्यमान प्रतिफल सं, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ने हुए किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, श्रेन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिया के बिए;

2. डा० के० मनो**हर**न, एम० एस०।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सभ्वन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 कि की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरिस में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

भूमि कस्बा नामक्कल (सं० 1621/63)।

एस० सुक्रमणियन् सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् मूल

तारीख: 13-6-1984

प्ररूप आई.दी.एन,एस -----

श्री एस० बालसुब्रमणियम ।

(भ्रन्तरक)

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सुवना

2 श्री इकबाल रहमान।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० 17/ग्रक्तूबर/83—यतः मुझे, एस० मुब्रमणियन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रींग जिसकी सं कोयंबेडु गांव है, जो में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबंड अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रक्षानगर (लेख मं 3510/83) में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के धामित्व के कभी करने या उससे दचने में सुविधा के बिए; बीड्/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 द्विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

मन्स्ची

भूमि कोयम्बेडु गांव (लेख सं० 3510/83)

एस० सुक्रमणियन् मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में . में ., उच्चत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात :-—

तारीख: 13-6-1984

मोहर ः

प्रकृप बाह्र . टी. एन. एस्.-----

ा. श्रीमती एस० सुलोचना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० भगवतिराज।

(ग्रन्तिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनाक 13 जून 1984

निर्देश सं० 173/ग्रक्तूबर/83--ग्रनः मुझे. श्रीः एस० सुग्रमणियन्,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की ध्रूरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० पुरम, सुब्रमणियन् रोड, कोयम्बत् ठौत है, जो कोयम्बट्र (लेख सं० 4337/83) में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्मालय कोयम्बटर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रक्त्वर 1983

को पूर्वियस मंपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्तिस के वर्जन के लिए कार्यप्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ हक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिनाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

अमुसुची

भूमि श्रौर मकान: श्रार० एस० पुरम सुक्रमणियन् रोष्ठ, कोयम्बद्द ठौन (लेख सं० 4337/83) .

एस० सुक्रमणियन् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-H, मद्रास

दिनांक 13-6-1984 मोहर १ प्रकृप , कार्ड्, टी. एन्, एक , -----

1. श्री बी॰ एस॰ डण्डपाणि

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ঘ (1) के अभीन सुमना

2. श्री नामगिरि तायार धौर दूसरा

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेश सं० 136/प्रार :— ग्रतः मुझे, एस० सुक्रमणियन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० लेख सं० 2176/83, 32, ध्यक्ति विनाय-गरकोइल स्ट्रीट, महालिंगपुरम है, जो पोस्लाची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पोस्लाची में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रयतुवर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दूरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरममान प्रतिफल से, एसे दूरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और्ं/या
- (हा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर लिधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के सिंद;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पिक्तियों, जर्मात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की ताजीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निक्कृती अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जाँ उक्त विभिनियम के जध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं जर्थ होना जो उस जध्याय में दिया गया है।

अग्रुची

भूमि ग्रीर मकान:--32, शक्ति विनायगर कोइले स्ट्रीट, गोस्लाची, लेख सं०.2176/83।

> एस० सुक्रमणियन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-6-1984

वक्य बाइ'.टी.यन्.एड.------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के सभीन सूचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मन्नास

मद्रास, विनांक 14 जुन 1984

निर्देश सं० 59/श्राप०— ग्रिनः मुझे, श्री एस० मुक्रमणियन्, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० लेख न० 2854/83 (प्लाट नं० 22 (हिस्सा) ले श्रीर नं० 166/72 है, जो टी० एस० नं० 2 (हिस्सा) ब्लाक 14 में स्थित है (श्रीर इतसे उपावस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रुडियार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रवत्वर 1983 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिल में बान्स-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा की निष्ध बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम," 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री केंद्र त्यांग् भी केंद्र पापा।

अस्तरक)

2. श्री एम० बी० कोतण्डपाणि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की बन्धि, को भी वर्षक बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में निहत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित्त में किए जा सकींगे।

स्वक्योंकरम :---इसमो प्रमुक्त सन्यों और पदों का, जो उन्नत विधिनयम के वध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उन्न वध्याय में दिसा भवा है।

-अनुसूची

भूमि :-- लेख नं० 2854/83 क्लामी नं० 14 लाट नं० 22 ले० भीर नं० 166/72 ।

> ्रस्० सुत्रमणियन् सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-113 महास

तारीक: 14-6-1984

प्र**क्षण** बार्ड . टी. एवं . एसं . -----

आवकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्थना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक जायकर शामुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रॅंज-1], मद्रास

मद्राम, दिनांक 14 जन 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त निभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/~रा. से अधिक **हाँ** ग्रीर जिसकी मं० लेख नं० 1168/83 है, जो ब्लाक 'डी' 22, पोन्निग्रग्मन कोडल स्ट्रीट कोट्टर मदास--85 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुधी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्राडीयार में भारतीय रिजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 कर 16) के अधीन, प्रक्तुवर 1483

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि सभापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाबार भूल्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रहप्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्नलि**सित उद्द**ेश्य से उन्तत मन्तरण सि**सित में** शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण सं हुई किसी भाव की बाबत , उमेर मिपिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे अवने में ब्रीवधा के किए: बहि/या
- (क) एंसी निसी नाम या निसी धन या नन्य बास्तिकों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त मिनियम, या भनकर **अधिनियम, 1**957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा ने सिए:

अतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, मै, उक्त मधिनियम की भाग 269-म की उपभारा (1) को अजीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

श्री पी० पलिस्वामि ।

(श्रन्तरक)

2. श्री श्रो० एल० क्षीसफ

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षीप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववुध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्टाक्षरी 🕏 पास लिखित में किए का सर्वेगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ द्वारेग की जस अध्यास में दिया गया 🗗 ।

वनस्या

भूमि क्रौर सकान :-- 1, ब्लाक 'डी' 22, पेल्थ्यम्सन कोइले स्ट्रीय, कोट्र्य सदास–85।

> **ः**स० सुक्षमणियन् मक्षम प्राधिकारी महायक भायकर ग्राः्यस (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मरास

नारीक: 14-6-1984

प्रकम बाहाँ, टी. एन. एस.------

जाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर काम्कत (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० 291/आर०—11——यत: मुझे, एस० सुत्रमणियन् जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं 3918/83 भीर 3840/83 है तथा जो करूप्पा गोंण्डर लेन, कीयम्बतूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, कीयम्बतूर में रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के बार्यालय, कीयम्बतूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि मधापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-रियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के द्वाबित्य में कमी करमें या उससे अजने में सृष्टिभा के सिए; और/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य जास्तिबी को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, बा धन-कार जोधीनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

जतः जन उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्धान्:— (1) श्री शंप्स्यम् ।

(अन्तरक)

(2) भी डोरैसामि । 👵

(अन्तर्रातः)

को वह त्याना आरो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्षन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध माँ कार्य भी जाअंच --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंत बद्ध किसी अन्य व्यक्ति युक्तरा अर्थहरूताक्षरी क पास लिखित में किए जा नकेंगे।

े विकासका :----इसमी प्रयानत शब्दों और पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम के जध्याय 20-क मी परिभाधिक ही, जहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

4444

भूमि ग्रौर मकान—लेख नं 3918/83 ग्रीर 3840/ 83।

. करूपण गौंडर स्ट्रीट, कोयम्बतूर।

एस० सुन्नमणियन् सक्षम प्राधिकारी बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्रक्षजन्, रेज-II, मदास

नारी**य**ः 14-6-1984

नीहर:

अक्ट कार्य है हो । एन है एन है है

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभा

भारत सरकार

कार्यासन्, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० एफ० मं० ७४/आर०—II—यतः, मुझे, एस० सुक्रमणियम्,

नायकर न्यानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के न्यानिय सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रहा से अधिक है

मीर जिसकी सं० 2551/83, टी० एस० सं० 77, है तथा जो न्यू ब्लाक, 4 'द्रिक्की'' में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैरैयूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्षानान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह किवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बम्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेगों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरन से झुद्दें किसी बाब की बाबत, सबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हैंसए; और/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंखनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए ए

वंतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-में की उपधारी (1) के नेभीन, निकासिकित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री आएं जी ह संसानम् :

(अन्तरक)

(2) श्री तोट्टिन्म अम्माल।

(अन्सरिती)

का यह स्वता कारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबहियां करता हूं।

उन्हें सुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्वेत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वैदा हैं।

अनुसूची

भूमि--द्रिष्मी टाऊन, ठी० एस० सं० 77 और 77 (पार्ट) हिस्सा ।

> एस० सुन्नमणियन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकंर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 14-6-1984 मोहर: शस्य बाह्र . टी . एन . एस, ------

जायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण)

अर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1984 ...

निर्देश सं० 134/ग्रार०-II-2--यतः मुझे, एस० मुझमणियन् वागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- हा. से अधिक है

भीर जिसकी मं० लेख नं० 2279/83 (भूमि भीर मकान) है तथा जो 53, इमामखान लेन 4, उद्युमले रोड, पोल्लाच्ची में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्णा रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोस्लाच्ची में रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, पोस्लाच्ची में रिजस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि सथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रविक्त है ग्रीर अन्तर्रक (पन्तरकों) ग्रीर बन्तरिता (प्रस्तरितियों) के बीज ऐसे धम्तरण के जिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धम्तरण कि बिलि में बास्तविक क्ष्य में किया नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण संदुई किसा भाग की बाबल, उक्त साधि-लियन के मधीन कर देते के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या अजले विकास में सुविधा के लिए। भीर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः जवत अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के शभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—— (1) श्री कुनारस्वामी गौंबर, मोदीपुरम्, मोदीपुरम्, मुलेश्वरनपेट्टी पोस्ट, पोल्लाच्ची तालुक।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री के० ए० फातिमा पत्नी श्री के० ए० मुहमद तायुव।
 - श्रीके० एम० मुस्ताख अली के पिता जी श्री मृहमद तायुव ।
 - श्रीके० एम० आंकर अली के पिताजी श्रीमृहमद तायुव ।
 - श्री के० एम० अब्बुल सलीम
 234/1, मादव कृष्णन स्ट्रीट,
 इरोद ।

(अस्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षि।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उससे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नगसची

पोल्लाच्ची टाऊन--टी० एस० नं० 782--871 स्के० फीट।

टी० एस० नं० 783---1938 स्के० फीट। टी० एस० नं० 790---30 स्के० फीट।

2839 स्के**़ फी**ट

जदमले रोड, नं० 53, इमामखान लेन नं० 4, लेख नं० 2279/83 ।

> ास० मुद्रमणियन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-11, मन्नास

तारी**ख** : 13-6-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ", बी. एन. एव.------

बाबकर मीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुवता

नारव बहुकाड

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मब्रास मब्रास, दिनांक 13 जून 1984

निवेश सं० 175/आर० U---अत: मुझे, एस० मुझामनियम नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार अनुस्ता 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4219/83 11/40-मी, रामनगर नेहरू लेन, हैं तथा जो अरुपुपालायाम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बट्ट्र में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अन्तवूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बंतरित की गर्व हैं और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार बृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तक वित्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) गाँर अन्तरियर (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय दावा नया प्रतिफन, निम्निचित उद्योक्य से उनत बन्तरण विवित्य में भारतिक कप से कथित नहीं किया नवा है क्ष्र

- (क) मन्तरण से हुई कियों बाय की बाबत, जेवस अधिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के समित्य में सभी करने ना उपये अपने में सुनिधा के सिए; जरि/ना
- (च) प्रेसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों करो, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिये था, जिनाने जे तृतिभा के लिए;

अतः अतः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, औ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एल्ल० सुक्षामणियम, सुपुत्र श्री ए० लक्ष्मी नरसिंहन सं० 40-सी, नेहरू स्ट्रीट, रामनगर,कोयम्बट्टर।

(अन्सरक)

(2) श्री नी० के० दोरयम, सुपुत्र श्री कृत्ना स्वामी नायडू मं 7/8, ए० टी० टी० कास्नोनी, कोयम्बट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वेक्ति उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त ं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूर्या

भूमि भ्रीर मकान :— सं० 40 सी, नेहरू स्ट्रीट, रामनगर,कोयम्बटर ।

> एस० सुकामणियम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन टेंड-11. महास

तारी**ख** : 13-6-1984

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.,------

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

काम्लिय, सङ्गामक मायकार भागुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1984

निवेश सं० 122/आर०-II—अतः मुझे, एस० मुझमणियम शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० डाक्सेट नं० 1746/83 'संविता पालेस" है तथा जो डोर नं० 354 पंडित जवाहर लाल नेहरू स्ट्रीट, बिल्- , पुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपावेद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिल्- पुरम में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्सूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मृल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरित (अंतरितयां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में , बाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से शुर्थ किसी बाय की वावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजिएक में कामी करने वा उससे वचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, जिन्माने में सुविधा की लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चै अधीन, निम्नीकिष्यत व्यक्तिओं. अधीत :--- (1) श्री सदाणिवम्,
एम० एम० शिव कुमार, एस० जिवप्रकाण
(माइनर) श्रीर
श्री एस० रिव कुमार (माइनर),
7A, लेसरमैन डी० एस० पादर स्ट्रीट,
पूर्व णणमुगापुरम कालोनी,
विल्पुरम ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० सेल्वानाथन आरमल, 51, रंगा पिल्लै स्ट्रीट, पांडिनेरी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यस्ति के वर्षन के सिए अध्यनीहर्या अस्ता हो।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविभ या तत्स्य स्थान स्थित यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकारत स्थानत यों में से किसी स्थानत इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों बार पदों का, वो उक्त विध-नियम के बन्याय 20-क में परिशायित है, बड़ी वर्ष होंगा, वो उस अभ्याय में दिया गया है।

बनसंची

भृमि श्रीरमकानः

थिएटर बिस्डिंग "सर्विता पलेस", नं० 354, पंडित जवाहर लाल नेहरू स्ट्रीट, विरुलुपुरम, नं० ग्रामानाथम् साईट नं० 402 ख 1746/823।

> ्स० सुन्नमणियम् सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 13--6--1984

मोहर 💈

प्ररूप आहाँ . दी . एत् . एक . ---------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं 163/आर०-111/-अतः मुक्षे, एस० सुन्नमणियम नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पंतित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/ रू. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० लेख सं० 3737/83, संगनूर ग्राम, एस० एफ० नं० 190 ग्रौर 191 टी० एम० नं० 11/260/3 12 सेंटम ग्रौर 247 स्का० फीट विल्डिंग के साथ है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिक्षण के लिए जन्तरित की गई है और मुक्तें यह विद्यास करनें का कारण है कि संपापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिक्ष्ल से एसे दूरमान प्रतिक्ष्ल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक्रल, निम्नितिश्चत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अबः उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों वर्षात् :--- (1) श्री के० आर० रंगानाथन, सपुत्र श्री एम० रंगागोपालाचारी 7, रामायन्द्रा ग्रेड, अनगर, मद्रास-17 ।

(अन्सरक)

(2) सन्तोष अरोरा पत्नी श्री वलदेषराज, 24, काक्स स्ट्रीट, कोषश्वटर - 9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त बन्मीत्त वें वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया सरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदिश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-धद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वस्थीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि स्नौर मकानः

संगनूर प्राम एस० एफ० नं० 190 श्रौर 191 । टी०्एस० नं० 11/260/3, 12 सेंट्स और 247 स्का० फीट (लेख सं० 3737/83)।

> ्स० सृत्रमणियम् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्नास

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🛭

प्रस्य नाहें . टी. एन. एस.-----

बायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रारा, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० — अतः मुझे, एस० सुब्रमणियम

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सुध्य प्रिक्ति के कि कि कि अधी के

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य

25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (लेख नं० 1112/83)है तथा जो ब्लाक सं० 117

टी० एस० सं० 5064/1 पार्ट आफ टी० नगर (2700 फीट)

में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर,

मद्रास में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अन्तूबर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, एसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिक्त उद्देश्य से एकत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण सहूई किसी आयुक्ती बावण, उसक् अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बावरूथ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/का
- (ह) ऐसी किसी अब या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अव, उनत लिधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम कि भारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन निमालिखित व्यक्तियां, अर्थात् ६—36—166GI84

(1) श्री एम० जगन्नाथन 16, सिगार मुदली लेन, मद्रास-609017।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी०एच० कमला, 12, एक्सेवियर सून, मद्रास- 6000061

(अन्तरिती)

्रको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्चौ

भूमि—ब्लाक सं० 117, टी० एस० सं० 5064/1; टी० नगर, ग्राम का हिस्सा । (लेखसं० 1112/83)।

> एस० सुत्रमणियम नक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-6-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अधीर मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांषः 13 जून 1984

निवेश सं० 15/आर-II-अत: मुझे, एस० सुन्नमनियम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० (डाक् मेंट सं० 138/83) (श्रील्ड डोर नं० 212 श्रीर 174) है तथा जो डा० नटेशन रोड, कृष्णामपे भद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, थाउजैड लाईट्स डा० सं० 138/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुफे यह रिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दोष्य से उवत अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण में हरू किसी आय की स्वत, उक्त किथिनियम के अधीन कर दोने के वैतरक के दायिल में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्यांजनार्थ अंतियम, 1957 (1957 को 27) की प्यांजनार्थ अंतियम स्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतियों के सिए;

गरा: बहा, उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत (1) श्री श्रिम आफ आरकाट एण्टोमेंट रिग्नेजेंटेड : ऐजेंट श्री मुहम्मद अली आफिन अमीर महल में, पैकाफैट्स रोड, मद्राम-14।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्ता अम्माल, सं० 3, मुसु ग्रामणी लेन, मैलापुर, मद्रास- 4।

(अन्तरिती)

को ग्रह स्वना जारी कारक पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्यो

भूमि—भूमि पुरामा सं० (212 श्रौर 174)। ' डा० नटेशन गली, कृष्णामपेठ, मद्रास । डाकूमेंट सं० 138/83 ।

> ्म० सुक्रमणियम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख : 13--6-1984 •

प्रकप् बार्च. टी. एत्. एस्.----

वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जुलीन तुल्ला

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रिज-ः, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जून 1984

निदेश सं० 26/आर०-2 —आतः मुझे, एस० सुमनिश्रयम

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमी प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० लेख नं० 2 (2821/83) टी० एस० नं० 47 है तथा जो ब्लाक नं० 52 (सी 85) अशोक नगर, स्कीम कोक्कम्बाक्कम ग्राम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्टुबर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किचित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विभा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के किए;

क्रतः तथ, उक्त विभिनियम की पास 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० बां० माधर्वा अम्मा. 24, पिडारियार कोईल लेत मद्रास--1।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एल० मुभाष 14-बी, कॉलगा दालोनी, के० के० नगर, मद्रास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यक मं प्रकाशन की तारीक में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्विक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्स्ची

भूमि और मकान —— टी० एस० नं० 47, ब्लाग सं० 52, कोडास्थाक्यम ग्राम अगोक नगर स्कीम लेखा सं० 2821/83।

> ए० नुब्रमणियम, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

त≀रीख : 13-**क-**−1984

माहर:

प्रकृष् नार्हे.टी.एन:एस.-----

बायकार अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्राप, दिनां र 13 जुन 1981-

निदेश सं० 177/रेज-II---अत: मुझे, एस० सुब्रमणियम

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उजित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव डाक्सेंट मंव 4199/83 है तथा जो डोर नंव 20/220. कीयम्बटूर टाऊन एनव एचव रोड़, कीयम्बटूर सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1909 (1908 का 16) के अबीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को प्वास्तित सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि सथापूर्वों स्व संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभारत से हुए किसी भागकी गायत, उन्ह अधिनियस, के अभीत कर योगे के अन्तरक के दाखिल्य में कमी करने वा उससे मधन में सुनिधा के लिए; और/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुनिधा के लिए:

जतः जन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 की की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनिधिन व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्राकादर मुहम्मद और श्रन्य पुत्र नेट श्रीचिम्नप्पा रोधेर ईस्ट लोकमान्य स्ट्रीट. आरुष्युष्ठ पुरम।

(अन्तर्क)

(2) श्री एत्व० के० उमर पुत श्री काटुबरपुदुर के० एस० रहीता, पत्नी श्री एस० के उमर, साबू थोटम, पोन्टरगेड. वेदपट्टी, कोयम्बट्टर।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदबुवारा कार्यवाहियां शुरू करता हुई

- (क) ६ स स्माना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि में भी मबिश मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सर्पात में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्बर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

मम्स्ची

LAND AND BUILDING: Door No. 20|220, Combatore Town N. H. Road, Combatore. (DOCUMENT No. 4199|83).

एस० सुक्रमणियम, क्षश्म प्राधिकारी, क्षहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्रस्मी, मद्रास

तारीख : 13-6-1984

मोहर

प्रारूप गाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

भद्राल, विचार 16 जुन 1984

निदेश मं. 16/अक्तूबर -83/आर०-11--अत: मुझे. एम० सम्बर्मणियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् के 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका स० लख स० 139 आर 140/83 दरवाजा स० 10(भाग). विभिन्न रोड, है तथा जो मद्रास-35 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण घ्यास विणित है), एजिस्ट्रीवर्ता अधिकारों के जार्यालय, मद्रास-35 में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख अक्तूबर, 1983

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके बच्चमान एतिकाल से, एम दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, विस्तीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किए। गया हैं :---

- (क) जनसरण स हुक् किसी आय की जानतः संबत्तः संबत्तः संबतः अधिनिसम के जमीन कर योने के जनतरक के दायित्व सं कमी करने सा उसस वचने सं सृधिधा के लिए: और/या
 - (स) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । छिपान में सुविधा के लिए।

(1) श्रोमती पो० लिलता ।पत्नि आके पी रामाकृष्णराय10, चैर्यस रोड, मद्रास-35

(अन्तरक)

(2) श्री बी० जया इत्प्णा । पिता और असली सुरक्षक डा. बी. आर. आर. योहन राय नं. 7 अशोक एस. टी. मद्रास 18

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लियू कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्वव्होकरण: इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु कि होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

भूमि और निर्माण (डोर सं० 10 का हिस्स, चैमियर्स रोड, मद्रास-35)।

> ए.स० सुक्षमितयन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः क्ष्य, एक्स अभिनियम को भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलियत व्यक्तितयों, अथित्ः--

-तारीखा : 16-6-19**8**4

पोहरः

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकार ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा्री, महास मद्राप्त.विनोक 16 जून 1984

निर्देण सं० 165ए०/अक्तूबर, 1983/आर०-- Π ---अत: म्हाँ, एस० मुत्रमिन्यम

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी वार्ड सं । 18, 29 थोरोड् स्ट्रांट, हारैकुडि, ंख सं । 1716/83 है तथा जो कार्डकुचि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचं। ये और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रायतीं अधिकारी के दार्यालय, ारे कुडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख अक्तूबर, 1983 की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उतके स्वयनान प्रतिफल से, एमें क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथिस नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण ग इष्ट्रे किसी अन्न को आवल, अवल लिधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मूबिशा के लिए; अर्रि/या
- (स): ध्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिणाने में सविधा की निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कं जनसरण भों., मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्ननिधित व्यक्तियों, अर्थात् ा— (1) श्री सा० सुन्दरम।

(अन्तर्ह)

(2) श्रामती ए० विसालक्ष्यी ।

(अन्तरिता)

को यह सृष्या अपरी करके पूर्वोक्त सम्पात के अर्जन के लिए कार्यताही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वाना क राजपत्र मं प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

स्यव्हीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्याँ

भूमि और मकान: ;—— वार्ड नं० •18, 29 थोरोडु वीधि,। (लेख सं० 1716/83)।

> ाम्म० सुन्नमिनयम सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16−6−1984

मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

The second of the second secon

New Delhi-110011, the 4th June 1984

No. A. 120251183-Admn. H.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Vijay, Kumar to the post of Programmer in the Office of Union Public Service Commission in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th May, 1984 until further orders,

The 16th June 1984

No. A. 32018/1/83-Admn. II.—In continuation of this office notification of even number dated the 15th March. 1984, the Chairman. Union Public Service Commission hereby appoints Shri I. K. Khanna, a permanent Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Manager (FDP) (Group 'A' Rs. 1500—60—1800) in the office of Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further region of three months w.e.f. 18-5-1984 to 17-8-1984 or until further orders whichever is earlier. This present term of appointment is also subject to the approval of the Union Public Service Commission.

2. The appointment of Shri Khanna as Manager (EDP) is purely on *ad hoc* basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Manager (EDP).

No. A, 32013|1|84-Admn. II.—In partial modication of this office Notification of even number dated 31st May, 1984, the appointment of Shri R. N. Khurana, Under Secretary of the C.S.S. Union Public Service Commission as Office on Special Duty (Ex-coder Group 'A') in the Commission's office is on deputation terms on ad noc basis for 6 months w.o.f.: 1-6-1984 or until further orders whichever is earlier.

The pay while on deputation will be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F 1(11),-E.HI(B)|75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) for Chairman

New Delhi-110011, the 13th June 1984

No. A. 32014|2|82-Admn. II.—In partial modification of this office notification of even number dated 27th December, 1982, Shri R. D. Kshatriva Besearch Investigator and officiating as Junior Research Officer (R&S) on results besigned. 14-12-1982 until further orders vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) on leave, is appointed as Junior Research Officer (R&S) on regular basis with effect from 15-10-1983 until further orders vice Smt. Raj Kumari Anand appointed as Research Officer with effect from the same date.

M. P. JAIN
Under Seev. (Admn.)
for Seev.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd May 1984

No. A. 32014/1/84-Admn. IVI.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the C. S.S. Cadre of U.P. S.C. to officiate as Section Officer in the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No.	Name						Period of promotion
I. Smt.	N. Meero						25-4-84 to
a Chai	K. L. Sud						8-6-84
2. S nri	K, E, Buu	•	•	•	•	•	25-4-84 to 8-6-84
3. Shri	Gurbay Rai	(S.C.)			•	•	14-5-84 to
							28-6-84

New Delhi-110011, the 24th May 1984

No. A. 32014/1/84-Admn. III. - The President is pleased appoint Shri N. P. S. Gujral, Section Officer of the C.S.S. cadre of U.P.S.C. to perform the duties of Desk Officer in the office of Unio: Pablic Service Commission on ad hochasis for the period from 25-4-1984 to 8-6-1984 or until further orders, whichever is earlier.

2. He shall draw a Special Pay @ Rs. 75]- per month in terms of D.O.F. & A.R. O.M. No. 12/1174-CS (I) dated 11-12-1975.

The 6th June 1934

No. A. 32011/1/83-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad how basis for a period of 45 days with effect from 28-5-84 to 11-7-84, or until further orders, whichever is earlier:—

- S. No., and Name of the officer
 - 1. Shri B. N. Arora
 - 2. Shri I, P. Tuli
 - 3. Shri K. L. Suri
 - 4. Shri B. D. Sharma.

The 14th June 1984

No. A. 32013|1|80-Adran, II(i)—In continuation of this office notification of even number dated 23rd March, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Sh. M. L. Rustogi, a permanent Programmer in the office of Union Public Service Commission to the post of Senior Programmer (Group 'A'-Rs, 1102—50—1600) in the office of Union Public Servee Commission on ad hoc basis for a further period of three months w.e.f. 18-5-1984 to 17-8-1984 or until further orders whichever is earlier. The present term of appointment is also subject to the approval of the Union Public Service Commission.

2. The appointment of Shri Rustogi as Senior Programmer is purely on ad hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Senior Programmer.

No. A. 32013|1|80-Admo II(ii). In continuation of this office notification of even number dated 23rd March, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri J. P. Aggarwal, a permanent Programmer in the office of Union Public Service Commission, to the post of Senior Programmer (Group 'A'-Rs. 1100-50-1600) in the Commission's office on an ad hoc basis for a further period of three months w.e.f. 1-6-1984 to 31-8-1984 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri I. P. Aggarwal as Senior Programmer is purely on ad hoc basis and will not confer upon him any title for regular oppointment or seniority to the post of Senior Programmer.

The 18th June 1984

No. A. 35014|2|80-Admn. II(i).—In continuation of this office notification of even number dated the 9th March. 1984, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Mathur, Jr. Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Accounts Officer in the Commission's office on ad hoc basis for a period w.s.f. 1_6-1984 to 15-7-1984 or till the regular appointment is made whichever is earlier

No. A. 35014|2|80-Admn. II(ii).—In centinuation of this office notification of even number dated the 9th March, 1984, the Secretary. Union Public Service Commission hereby appoints the following Officers to the ex-cadre posts of Accounts Officers in the office of Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further period w.e.f. 1-6-1984

to 15-7-1984 or till the regular appointments are made whichever is earlier.

- S. No., Name and Designation
 - 1. Shri Sudharshan Kumar, Section Officer (CSS cadie)
 - 2. Shri V. C. Kajla, Section Officer (CSS cadre)
 - 3. Shri A. K. Sharma, Section Officer (CSS cadre).
- 2. The above-mentioned officers will be on deputation to the ex-cadre posts of Accounts Officers and their pay will continue to be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F1(11)-F.III(B)|75 dated 7-11-1975 as amended from time to time

M. P. JAIN Under Scey. (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 30th June 1984

No. A.19014[3]81-Admn.I.—On the completion of his deputation term and release from the post of Deputy Director (Admn.) in the News Service Division, All India Radio, Shri Y. R. Gandhi, a Grade 1 Officer of the CSS has assumed charge of the post of Under Secretary, UPSC with effect from the afterness of 30th June, 1984.

S. BANERJEF, Under Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th July 1984

No. R-116|68-AD.V.—Shri R. Arora, relinquished the charge of Office Super ntendant|Central Bureau of Investigution, New Delhi with effect from the afternoon of 30th June, 1984, on superannuation.

No. 5-4|73-AD.V.—Shri Sudheshwar Singh, relinquished the charge of Hindi Officer|Central Bureau of Investigation. New Delhi with effect from the afternoon of 30th June. 1984, on superannuation.

No. A-19016[1]83-AD.V.—'The services of Shri K. S. Dhillon, NPS (MP: 1953) Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector[General of Police[Special Police Establishment are placed at the disposal of Govt. of Punjab with effect from the afternoon of 4th July, 1984.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 4th July 1984

No. P. VII-3/83-Estt. I. Vol. II.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Inspectors of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post in the units on the dates indicated against their names:—

SI. Name of officer No.		lo,	Jnit to which posted		e of ig ove <i>r</i> harge
1 2		3	4		5
S/Shri					
1. Suraj Singh	. 2	$e_{178} = \epsilon$	54 Bn.		14-2-84
2. C. B. Anand	. 2	172 4	0 Bn.	• :	30-1-84
3. Satch Singh	. 2	171 1	9 B n.		7-2-84

2		3	[‡]	5
4. Ram Chander Singh		2160	39 Bn.	31-1-84
5. Bakhtawac Singh		2181	72 tin.	23-3-91
6. S. P. Anandan		2180	32 Bn	27-2-8-1
7. Dhara Singh		2162	75 Bn.	30-1-84 (.4.N.)
8. Prabhu Dayat	,	2173	55 Bn.	25-1-84
	'	2.75	-3 200	(A.N.)
 N. K. Kanik 		2181	20 Bn.	21-2-84
10. B. C. Katoch		2170	68 B n.	11-2-84
11. Narender Dixit12. Gauri Shankar Singh		2158 2157	74 Bn. 03 Bn.	30-1-84 30-1-84
13. Dhani Ram		2176	37 Bn.	14-2-84
14. D. K. Sharma	Ċ	2163	61 Bn.	3-2-34
15. M. Venkata Ramudu		2156	GC (PPM)	9-2-84
16. S. K. Mishra .	-	2174	73 Bn.	11-2-84
17. S. S. Rawat		2186	47 Bn.	6-2-84
18. Gurdayal Singh .	•	2152	20 Bn.	22-1-84 (A.N.)
19. J. S. Zenda		2153	03 Bn.	23-1-84
•				(A.N.)
20. Kripal Singh		2166	16 Bn.	24-1-84
21. Sis Ram Yadav		2168	33 Bn.	26-1-84
. 22. Mohan Singh .		2183	07 Bn.	(A.N.) 10-3-84
23. Bhag Singh	•	2163	GC (GTY)	17-1-84
24. Girdhari Lal	,	2154	74 Bn.	25-1-84
Bhikaji Nikam .		2161	5 0 B n.	31-1-84
36 D 1 4 61 4				(A.N.)
26. Prakash Singh . 27. S. P. Badola	٠	2165	72 Bn. 73 Bn.	4-2-84
28. Manjit Singh	•	2167 2155	73 B Պ. 67 B n.	3-2-84 29-1-84
29. Govind Singh Rana		2159	25 Bn.	30-1-84
30. Ram Kishan Yaday		2164	72 Bn.	4-2-84
31. J. P. Lakhera .		2179	55 Bn.	15-2-84
12. Dam Nimm		3105	4 5	(F,N.)
32. Ram Niwas	٠	2185	46 Bn.	·17-3-84 (A.N .)
33. Suresh Pal Singh .	_	2187	73 Bn.	3-3-84
34. Harbans Singh		2203	75 Bn.	6-4-84
35. M.D. Bhatt		2199	51 Bn.	25-3-84
36. Lal Chand		2208	39 Bn.	9-4-84
37. A. S. Varma	٠	2195	31 Bn.	22-3-84
39. Gian Chand Sharma		2193 2190	65 Bn. 52 Bn.	28-4-84 2-3-84
40. Mohinder Singh		2192	50 Bn.	19-3-84
41. K. K. Mishra .		2189	74 Bn.	15-3-84
42. Manjit Singh Gill		2194	RTC-2	29-2-84
43. M. Karuna Karan .	•	2191	73 Bn.	3-3-94
44. Des Raj Yadav .	•	2214	33 Ba.	29 - 3-84 (A .N.)
45 Datton Cinal		3300	01.5	
45. Rattan Singh .	•	2205	23 Bn.	2-4-84 (A.N.)
46. Goverthan Singh .		2193	55 Bn.	5-3-84
47. Payar Chand .		2196	20 Bn	15-3-84
48. S. P. Sharma .		2188	18 Ba.	15-3-84
49. Jagmal Singh ,		2201	28 E	23-5-04
50. Subhash Singh .		2207	76 Ba.	5-4-84
51. Surender Kumar		2200	19 Bn.	23-3-84
52. A.S. Khan		2202	I.B.	28-4-84
53. Neel Kanth	-	2215	04 Bn.	17-4-84
54. S. P. Tewari		2212	27 Bn.	17-4-84
	•	1-	~ r 1301.	(A.N.)
55. P. Chander Shekharan		2216	GC (AVD)	12-4-84
56. Shri Ram Singh ,		2209	49 Bn.	7-4-84

S/Shri	 			
57. K.C.S. Negi .	 	2217	27 Bn.	30-4-84
58. P. V. Joy .		2210	75 Bn.	9-4-84
59. Kundan Singh		2213	66 Bn.	9-4-84

M. P. JAKHMOLA Asstt. Director (Estl.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 5th July, 1984

No. E-38013 (2)/2/80-Pers.—President is pleased to appoint the following officers substantively on transfer both to CISF as AIG/Commandant with effect from 24-1-84:

S. No. Name			Parent dep	artment
				·
1. Shri M. S. Rana ,		ı	Border Sec	urity Force
2. Shri S. S. Kirpekar			Border Sec	unity Force
3. Shri K. N. Saxena	•		Madhya Police	Pradesh

The 6th July 1984

No. F-16013(2)|23|84-Pers.—On appointment on deputation, Shri A. C. Sharma, IPS (PL: 72) assumed charge at CI- SF HQrs, New Delii in the forenoon of 30-5-1984 and was posted to CISF HQrs as AIG (Fire) temporarily where he assumed charge of the post of AIG (Fire) in the forenoon of 15-6-1984.

No. E-16013(2) [23|84-Pers —On appointment on deputation Shri Gurdial Singh. IPS (Punjab:69) assumed charge at ClSF HQIS New Delhi in the afternoon of 16th May 1984 and was posted to CISF Unit, VSSC (ISRO) Thumba where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit VSSC (ISRO) Thumba with effet from the afternoon of 4-6-1984.

The 7th July 1984

No. E-16013(2)|23|84-Pers.—On appointment on deputation, Shri G. S. Bhullar, IPS (Pb:66) assumed charge at CISF HOrs New Delhi in the forenoon of 21-5-1984 and was posted to CISF Unit DTPS Durgapur where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit DTPS Durgapur with effect from the forenon of 25-5-1984.

Sd|- ILLEGIBLE Director General[CISF

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 22nd June 1984

No. F. No. BNP|C|5|84.—In continuation of this office Notification number BNP|C|5|83 dated 27-12-1983 the ad-hoc appointment of Shri G. R. Thakoor as Technical Officer (Ink Factory) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of six months with effect from 22-6-84 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

M. V. CHAR GENERAL MANAGER

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 5th July 1984

No. Admin.I'O.O No. 127.—The Director of Audit, Central Revenue, hereby, appoints Shri T. R. Sawhney, permanent Section Officer (now Asst. Audit Officer) of this office, to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 27th June 1984 until further orders.

SdJ-ILLEGIBLE

Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500 463, the 7th July 1984

No. Admn. [I]8-1[84-85]224.—The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders.

Name & Date of assumption of Charge S|Shri

- 1. P. V. Ramana -18-6-1984 F.N.
- 2. R Ranganathan-II- 26-6-1984 F. N.

The promotions ordered are without projudice to the claims of their seniors if any and are also subject to the result of the Writ petitions pending in the Andhra Pradosh High Court Supreme Court.

V. VEDAKUMARI. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUTANT GENERAL (A&E) BIHAR

Ranchi, the 2nd July 1984 1984

O.O. No. Admn-PF-158.—The Accountant General Bihar. Ranchi has been pleased to promote Shri Nirpendra Sinha a substantive Section Officer to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 23-11-83 AN).

Sd|- ILLEGIBLE Sr. Deputy Accontant General, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT), BIHAR

Ranchi-2, the 6th July 1984

No. I.A. Admn.I-Estt.I-1959.—The Accountant General (Audit) (I) Bihar, Patna has been pleased to promote Shri D. K. Ghosh Asstt. Audit Officer of Local Audit Wing to officiate as an Audit Officer with effect from 23rd June 1984 (F.N.) until further orders.

D. MUKHERJEE,

Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE A. G. (AUDIT), M. P.

Gwalior-2, the 2nd July 1984

No. OEXXI/Gr. II-A/AAO/SO/1984-85/Proforma/1/560.— The Accountant General (Audit)-I, M.P., Gwalior has been pleased to accord proforma promotion under next below Rule to the table mationed Section Officers as Assit. Audit Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-R 40-1040, with effect from the dates noted against each:—

S.No. N	Vaime		Permanent No.	Date from which promoted as AAO
S/Shri 1. R.B.S 2. O.P.G			02/1535 02/1430	1-3-84 1-3-84

[Authority-Order of A. G. (Audit)-I Dt. 26-5-84 & 5-6-84]

Sd/- ILLEGIBLE Dy, Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 9th July 1984

No. AN|I|1172!1|Vol-III.—Reference this Department's notification No. AN|I|1172|1|Vol-1 dated 24-9-82 and 9-2-83 regarding appointment of officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation) to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2250-125|2-2500) of that Service, under 'Next Below Rule'.

2. The appointment of Shri B. G. JOSHI, IDAS (Sr. No. I of the notification datel 24-9-82) to officiate in I evel-II of the Senior Administrative Grade under 'Next Below Rule' initially for a period of six months from 20-7-82 to 19-1-83 was extended for a further period from 20-1-83 to 31-3-83 in this Department notification dated 9-2-83. The President is now pleased to extend the benefit of 'next Below Rule' to Shri B. G. Joshi for a further period from 1-4-83 to 31-10-83.

V. S. JAFA.
Additional Controller General of Defenie Acrounts

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDANCE FACTORIES SERVICE ORDANCE FACTORY BOARD

Calcitta-16, the 28th June 1984

No. 30|G|84.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri B. B. Mohindra, Offg. Jt. Director (Subst & Permt. Dy. Manager|DADG). OEF HQrs, Kanpur retired from service w.e.f. 21st August, 1983 (AN).

No. 31|G|84.—Shri R. P. Agarwal, Dy. Director (Permt. & Subst. Storeholder) retired voluntarily from service w.e.f. 31st January. 1984 (AN).

V. K. MEHTA, Director Fst*

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 25th June 1984

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6|424|56-ADMN(G)|5534.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Mehta, Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Grade II of Central Trade Service) to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Import and Export

Trade Control Organisation with effect from the forenoon of 1st February, 1984, until further orders.

The 7th July 1984

No. 1/9/82-ADMN(G)/5554.—The President is pleased to apoint Shri S. K. Kak, IRS (C&CE:68) Joint Chief Controller of Import and Export as Fxport Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the afternoon of the 30th June, 1984 until further orders.

P. C. JAIN.

Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 6th July 1984

No. 7|1297|79-(ADMN)(G)|5541.—On attaining the age of superannuation, Shri S. P. Anand, Controller of Imports and Exports (CSS) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1984.

M. L. JAYANT,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 11th June 1984

No. 58|225|80-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri G. K. Bhatnagar, Deputy Director (Cooperative) in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, retired from Government service w.e.f. the afternoon of 31st May, 1984.

SHIROMANI SHARMA Development Commissioner (Handicrafts)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISER)

New Delhi, the 4th June 1984

No. A-32015(1)|81-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Shri N. Natarajan, a Grade III Officer of the Indian Economic Service, as Assistant Economic Adviser, a Grade II post of that service, in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry with effect from the afternoon of 29th June, 1984.

MANMOHAN SINGH Additional Economic Adviser

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL, SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 25th June 1984

No. A19018(359)|78-Admn(G).—Consequent on his appointment to the post of Principal Director. Central Institute of Hand Tools, Jalandhar Dr. Manjit Singh, relinouished charge of the post of Director (Gr. I) (Met.) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 5-4-1984.

S. K. PURKAYASTHA Deputy Director (ADMN)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 13th June 1984

No. A-1/1(855).—Shri R. R. Dutta, permanent J. P. O. and Officiating Assistant Director (Supplies) (Grade II) in the office of the Director General of Supplies & Disposals, New Delhi expired on 6-6-1984.

The 29th June 1984

No. A-1/1(1237) —Shit P. Herenj, Superintendent (level II) in the office of Director of Inspection Calcutta, is appointed to officiate as Assistant Director (Administration) (Grade II) on purely ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 6th June, 1984 for a period of two months or till an empanelled officer is posted, whichever is earlier, vice Shit J. P. Das, AD(Admn) (Gr.II) in the office of D.L. Calcutta retired on 31-5-1984 (AN).

The 30th June 1984

No. A-1/1(1107).—Shri Jaishi Ram, Permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) in this Directorate General retired Government service with effect from 30-6-1984 (AN), on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH, Dy. Director (Admn.).

(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 28th June 1984

No: A-17011|116|79-A6.—The President is pleased to appoint Shri P. Madhavan, Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 8th June, 1984 for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Madhavan is also subject to final decision on the 3 L.P.A.s Nos. 67|83, 68|83 and 69|83 in Civil Writ Petition Nos. 1457|81, 1590|81 and 1973|81 pending in the High Court of Delhi.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Madhavan will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Madhavan relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) on the afternoon of 7th May, 1984 in the office of Director of Inspection, Bombay and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Engg) on the forenoon of 8th June, 1984 at Ahmedabad under Bombay Inspection Circle.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Administration).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 3rd July 1984

No. 4671B|A-19012(1-MRB)|83-19A.—Shri M. R. Dhutiyani, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- n₁ an officiating capacity with effect from the forenoon on the 14-5-84 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd July 1984

No. A.19011(55)|70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri V. M. Raghvan, Permanent Senior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Regional Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd May, 1984.

The 6th July 1984

No. A.19011(336)83-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shrt S. M. Dandekar has been appointed to the post of Senior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th May, 1984.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 6th July 1984

No. C-6095|718-A.—Shri N. R. Iyengar, Officiating Office Superintendent (Sr. Scale), C.S.T.&M.P. who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group B post) on ad hoc basis from 3-4-84 (A.N.) to 2-6-84 in the leave vacancy of Shri H. L. Jadav, Establishment and Accounts Officer vice this office Notification No. C-6070|718-A dated 19th May, 1984, is continued to officiate as such from 3-6-84 to 3-7-84 in the leave vacancy of Shri K. V. Krishnamurthy, Establishment and Accounts Officer.

G. C. AGARWAL, Major General Surveyor General of India.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 29th June 1984

No. 4(25)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kumari Hira Pandharinath Chodnekar as Programme Executive, at All India Radio, Panaji in a temporary capacity with effect from 31st May, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(60)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. Kanan Kumar Singh as Programme Executive, All India Radio, Kohima in a temporary capacity with effect from 7th June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 4th July 1984

No. 4(18)|84-SI.—The Director General, All India Radfo, hereby appoints Shri Fayyaz Sheharyar as a Programme Executive at Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the afternoon of 6th June, 84 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 9th July 1984

No. 4(19)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. K. Acharya, Programme Executive at All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from 15th June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-45-1200.

No. 4(35)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri H. K. G. Karmchandani as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity

with effect from 5th June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(46) 84-SL—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Zosangzuala as Programme Executive. All India Radio, Aizawl in a temporary capacity with effect from 5th June, 1984 and until turther orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(52)|84-St.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Surj S. B. Japase as Programme Executive at All India Radio, Sangli in a temporary capacity with effect from 8th June, 84 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(73) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. U. Beliakki, as Programme Executive All India Radio, Bangalore in a temporary capacity with effect from 11th June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 30th June 1984

No. A-12026 6 83-Est.—On attaining the age of superannuation Shri Dalip Singh, a permanent Assistant of the CSS Cadre of the Ministry of Information and Broadcasting and officiating as supervisor in this Directorate on deputation basis retires from Government Service with effect from the afternoon of 30th June, 1984.

G. P. BHAITI
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity.

LOGGING DEVELOPMENT INSTITUTE

Dehra Dun, the 28th June 1984

No. 6[69]76-LTCP(Pt.II).—Shri V. K. Walter, Foreman of this institute is appointed as Logging Inspector in the Cable ways Centre, Uttarkushi (U.P.) in a temporary capacity with effect from the 8th December 1983 forenoon until further orders.

R. P. SHARMA, Jt. Director.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabed, the 5th/July 1984

No. A.19025[51]81.A-III.—Consequent on his selection in Indian Forest Service and acceptance of his resignation, Shri D. N. Srivastava, Assistant Marketing Officer in this Directorate at Nagpur has been relieved of his duties with effect from the A.N. of 17-6-1984.

The 10th July 1984.

No. A-19025 6 79.A.III.—Consequent on his permanent absorption in the post of Assistant Director in the Indian Standard Institution, Calcutta, the resignation tendered by Shri A. P. Chandra Rao, Ex-Assistant Marketing Officer of this Directorate has been accepted with effect from 10-3-1982 (A.N.).

No. A.19025[75[81,A-III...-Consequent on his selection in the Indian Forest Service and acceptance of the resignation tendered by him, Sh. R. B. Singh, Assistant Marketing Officer

in this Directorate at Chandigath has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 14-6-1984.

ATUL SINHA
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION (RECRUITMENT SECTION)

Bombay-400 085, the 21st June 1984

No. Ref.PA[80(10)]82-R-III—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Subhas Chandra Ghosh, a permanent Asstt. Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of June 14, 1984 until further orders.

J. RAMAMURTHY Dy. Establishment Officer.

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY) DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 29th June 1984

No. DPS|41|8|83-Adm|15551.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri E. A. Rajan, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 26-4-1984 (FN) to 13-6-1984 (AN) in the same Directorate Vice Shri V. P. Tilloo, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS|41|13|83-Adm.|15816.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. I. Nagori a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 30-4-84 (FN) to 2-6-84 (AN) in the same Directorate vice Shri V. N. Dadluni, Asstt. Stores Officer granted leave.

The 7th July 1984

No. DPS | 41 | 1 | 83-Adm. | 15678.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoint Shri Ranganath Krishnan lyer a permanent Puchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 14-5-1984 (FN) to 22-6-1984 (AN) in the same Directorate vice Shri P. Balasubramanian, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS[41]3]83-Adm|15898.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Attur Pisharody Chenthamarakshan a pmt. U.D.C. and officiating as Assit. Accountant to officiate as an Assistant Account Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 7-5-84 (FN) to 8-6-84 (AN) in the same Directorate vice Shri A, Mascarenhas, Assistant Accounts Officer granted leave.

P. GOPALAN, Admn. Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 29th June 1984

No. CED|A|2(16)|4624.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy, is pleased to appoint Shri R. B. Pillai, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group, as Assistant Accountant Officer in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25-6-84 to 27-7-84 vice Shri K. M. Bashn, Assistant Accounts Officer granted leave.

B. V. THATTE, Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 3rd July 1984

No. 05012|R2|OP|2663.—Chief Executive. Heavy Water Projects, appoints Shri N. Gangadharan Nair, Assistant Personnel Office, Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Labour-Cum-Welfare-Officer in the same plant w.e.f. March 19, 1984 (FN) to April 21, 1984 (AN) vice Shri K. J. Mehta, Labour-Cum-Welfare-Officer, granted leave.

No. 05012]R2|OP|2664.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on ad-hoc basis, w.e.f. March 19, 1984 (FN) to April 21, 1984 (AN) vice Shri N. G. Nair, Assistant Personnel Officer, appointed as Labour-Cum-Welfare-Officer.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY. Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st June 1984

No. A. 32013/1/83-EW.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Assistant Director of Equipment on promotion to the grade of Deputy Director of Equipment in Civil Aviation Department for a period of six months with effect from 11-5-84, on ad-hoc basis, or till the the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

2. Shri L. C. Gupta is posted in the office of the Director General of Civil Asiation, R. K. Puram, New Delhi.

The 9th July 1984

No. A. 32013/3/82-E.S.— On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to promote the undermentioned efficers to the place of Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department in the pay scale of Rs. 1500-60-1800 on regular basis and untilfurther orders with effect from the date shown against each:—

S. No. Nam	e					Date of regular appoint- ment
S/Shri			_ ~			
1. A. N. Mukherjec				-		31-5-84
2. S. G. Goswamy						31-5-84
3. S. R. Das						31-5-84
4. C. D. Kolhe						31-5-84
5. R. N. Dosajh		,				31-5-84
6. K. Himmat Singh						31-5-84
7. V. R. R. Arava					,	31-5-84
8. T. K. Moitra						31-5-84
9. S. L. Srivastava						1-6-84
10. Phillip Mathew						1-6-84
11. S. S. Das .					•	31-5-84

B. BHAUMIK Asstt. Director of Acmn.

New Delhi, the 23rd June 1984

No. A. 32013|5|83-EI.—The President is pleased to appoint Shri F. C. Sharma, Senior Scientific Officer to the post of Dy. Director (Research & Development) on an ad-hoc basis for a period of six months from 12th June, 1984 (FN) or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 30th June 1984

No. A. 32013/2/81-EC.--In continuation of this Department's Gazette Notification No. A. 32013/2/81-EC dated the

25th June, 1983 and 21st April, 1984, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri Piara Singh, Assistant Technical Officer, Aero. Comm, Station, Delhi as Technical Officer in the Civil Aviation Department for the period beyond 30-6-1983 upto 31-1-1984.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

(株) A Third (Time (Table) A March (Table) The Arm (March) A March (Time) March (March)

Bombay, the 19th June 1984

No. 1-532|84E&T.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. N. Singh, Permanent Hiadi Translator (who was appointed as Hindi Officer on an addition basis with effect from the forencom of the 20th June .83 vide this effice Notification No. 1|532|83-Est. dt. 16-8-83) as Hindi Officer in an officiating capacity, on regular basis with effect from the forencom of the 20th August, 1983 and until further orders.

The 23rd June 1984

No. 1/270/84-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. B. Nankani, Technical Assistant, OCS, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same office with effect from the forenoon of the 18th May, 1984 and until further orders.

The 25th June 1984

No. 1/38/84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. K. Sudan, Supervisor, New Delhi Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 25-11-83 to 7-1-84 (both days inclusive), against short-term vacancy, on ad-hoc basis and local arrangement.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn). for Director General

DIRFCTORATE OF O&M SERVICES CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 3rd July 1984

F. No. 532/7/83-DOMS.—Shri G. K. Govil, D.O.S., Level I of the Office of Narcotics Commissioner, Gwalior and of late working as Technical Assistant in this Directorate has assumed charge of the post of Additional Assistant Director in the Directorate of O&M Services, Customs & Central Excise with effect from the Forenoon of 12-11-82.

F. No. 532|7|83-O&MS.—Shri Subir Banerjce, Assistant of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise and of late working as Technical Assistant in this Directorate has assumed the charge of the post of Additional Assistant Director in the Directorate of O&M Services, Customs & Central Excise with effect from the Forenoon of 23-5-1983.

K. J. RAMAN
Director of O&M Services
Customs and Central Excise

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi-110002, the 4th July 1984

No. 8/84.—Shri R. L. Aggarwal, lately posted as Accounts Officer in the Ministry of Rural Development, New Delhi. on his posting as Pay & Accounts Officer in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Chief Controller of Accounts, Central Board of Excise and Customs, New Delhi's Office Order No. 71 dated nil

issued under letter No. Admn/1(1)10/84-85/738, assumed charge on 7-6-1984 (Forenoon) vice Shri Nand Lal expired.

A. C. SALDANHA Director of Inspection

FOREST RESERCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra-Dun, the 2nd July 1984

No. 16|171|69-Ests.I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri K. C. Bhatia, Research Officer, Chemistry of Forest Products Branch, Forest Research Institute and Colleges, Dehradun retired from service with effect from the afternoon of 30th June, 1984.

G. S. GROVER
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

CENTRAL WAITER COMMISSION

New Delhi, the June 1984

No. A-19012|1012|82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri T. K. Banerjee, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director|Assistant Fugineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1800-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 28th May, 1983.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE ALIPUR

Calcutta, the 4th July 1984

No. G-318|A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri V. K. V. Shende, Head Clerk, National Test House, Northern Region, Ghaziabad as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the same office on an ad-hoc basis w.e.f. 9-4-84 (F|N).

G. C. DAS
Assistant Director (Admn.)
for Director General
National Test House, Calcutta

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANW LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Matchless General Finance Pvt. Limited

Patna, the 30th June 1984

No. 1228|53|560|1944.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Matchless General Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bihar Jeewan Private Limited

Patna, the 30th June 1984
No. 1497 | 61 | 560 | 1947.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Bihar Jeewan Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> A. W. HUSAIN Registrar of Companies Bihar, Patna.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of Ms. Greatwin Benefit and Chit Fund Private Limited, Bhopal

Gwalior-474 009, the 30th June 1984

No. 1084|PS|CP|3622.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) to Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|S. GREATWIN BENEFIT AND CHIT FUND PRIVATE LIMITED, BHOPAL, has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Sig. J. P. Srivastava & Sons. (Bhopal) Pvt. Ltd.

Gwalior-474 009, the 30th June 1984

No. 567|PS|CP|3623.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|S SIR J. P. SRIVASTAVA & 50NS (BHOPAL) PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said Company will be dissolved.

S. KARMARKAR Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ms. B. R. Roller Flour Mills Pvt. Ltd.

Patna, the 7th July 1984

No. 1610(560|52|2122.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/S. B. R. ROLLER FLOUR MILLS PRIVATE LIMITED, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Trivandrum, the 6th April 1984

INCOME-TAX

No. 1|84-85.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (2) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) I, Commissioner of Incometax, Trivandrum, hereby direct that the following amendments should be made to the Schedule appended to the Order No. from time to time, with immediate effect.

1. In column 3 under Item 11 (QUII.ON) Page 7 add "Income-tax Officer, D-Ward, Quilon" as item (iv).

The 30th April, 1984

No. 1/84-85—In exercise of powers conferred under subections (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) and in supersession of all the previous notifications under this Section issued in this behalf, from time to time I, Commissioner of Incom tax, Trivandrum direct that with effect from the forenoon of 1st May, 1984/the 11th Valsakhat 1906 the Income tax Officers specified in column 3 of the Schedule appended hereto shall have concurrent jurisdiction over the circles to which they are attached, to exercise the functions of an Incometax Officerto be specified in anorder issued separa tely, in respect of the areas, persons, classes of income, cases or classes of cases mentioned in Col. 4 of the said schedule, relating to the circles mentioned in col. 2 of the schedule.

SI. Name No. ci	e of reles	Designation of ITOs	Aren of Jurisdiction
(1)	(2)	(3)	(4)
8. Kotta	yam	(i) Incometar officer A-Ward (ii) Incometar Officer B-Ward (iii) Incometar officer C-Ward	I. All persons other than those assigned specifically to any other ITO u/ss 124 126 and 127 of the f. T. Act, 1961 within (i) the Rones we District of Kottayam excluding Changanacherry Revenue Taluk, AND
		officer D-Ward (v) Incometax officer E-Ward	(ii) the Revenue Taluks of Peermade, Nadumkandam and Udumbanchola in Idukki District. II. (i) All cases of companies having their Regd offices within the territorial jurisdiction of the IT Circles Kot-
			tayam and Tiruvalla. (ii) All Managing Agents and Directors, having substantial interest within the meaning of Section 2 (22) (e) of the Incometax Act, 1961 who are residents in Kerala, of all such companies within the area as mentioned above. III. All other cases
			specifically assig- ned under Sections 124, 126 and 127 of the Incometax Act, 1961.
9. Allepp	ey	(i) Incometax Officer A-Ward (ii) Incometax Officer B-Ward (iii) Incometax Officer C-Ward	I. All persons other than those assigned specifically to any other Incometax Officer u/sa 124, 126 and 127 of the IT Act 1961 within (i) The Revedue District of Allppey excluding Tiruvalla, Mavelikkara and Chengannur Revenue Taluks.

(ii) The

Revenue

Taluk of Karunagappallay ir

Quillon District

(1)	(2)	(3)	(4)
			il. (i) All cases of companies having their registered offices within the territorial jurisdiction of Incometax Circle Alleppey.
			(ii) All Managing Agents and Directors. having substantial interest within the meaning of Sec. 2 (22) (e) of the Incometax Act, 196° who are residents in Kerala of all such companies within the area as mentioned above.
			III. All other cases specifically assigned u/ss, 124, 126 and 127 of the Incometax

No. 2|84-85.—In exercise of the powers conferred on me under Section 124(2) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), I, Commissioner of Income-tax, Trivandrum hereby direct that the following amendments should be made to Order No. 2|73-74, dated 12-7-1973 (C. No. 1(9)(B)|GL|73-74) of the Commissioner of Income-tax, Kerala, Emakulam as amended from time to time.

- In page 4, under Income-tax Circle, Quilon, add "Income-tax Officer, D-Ward, Quilon" after Incometax Officer, C-Ward, Quilon.
- All the Officers, in the Income-tax Circle, Quilon will
 exercise the functions mentioned in columns 2 and
 3 of the Schedule to Order No. 2|73-74 referred to
 above.
- 2. This order should come into force with immediate effect.

M. R. MENON Commissioner of Income-tax Trivandrum

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Cochin-682 016, the 6th July 1984 ORDER

Sub: Estt. Promotion to the grade of Income-tax Officer Group 'B'.

- C. No. 2 Estt | Con | 84-85.—Shri C. Karthikeyan Nair, Inspector of Income-tax is promoted to officiate as an Incometax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650—1200 with effect from 6-7-1984 or the date on which he joins duty, whichever is later.
 - 2. He will be on probation for a period of two years.
- 3. The above promotion is made on a provisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not confer on the promoted official any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

M. J. MATHAN
Commissioner of Income-tax,
Cochin

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-6

M 13rta = 600 006, the 21st June 1984

Corrigendum to notice Dt. 24-3-84

Regarding:—Property 'Kalmanda' 106/2, 105, Numgambakkam High Road, Madras-34 registered as Doc. No. 71 83 in September, 1983 in sub-Registrar's office, Thousandlights.

Ref. No. 19080 .- Read the following names against Transferor:

- Sivabagyam, G. Neelambigai, Mrs. C. Sakuntala, T. Sivakumar, T. Ravichandran, 7, Brahadambal St., Madras-34.
- 2. Sri N. Chockalingam, 26, Gajalakshmi Colony, Gajapathy Naidu St., Madras-30.
- 3. Smt. J. Padmini wlo M. Jayaraj, No. 30|6, 6th Main Road, Raja Annamalaipurani, Madras-28.
- 4. Sri S. Gopal, 21, Canal Bank Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Instead Of

Sivabagyam, G. Neelambigai, Mrs. C. Sakuntala, T. Sivakumar, T. Ravichandran, 7, Brahadambal St., Madras-34.

N. Chockalingam, 33/5, Gajapathy Naidu St., Madras-30.

Corrigendum to Notice Dt. 2-4-1984

Regarding:—Property 'Kalmanda' 107, Nungambakkam High Road, Madras-34, registered as Doc. No. 64|83, in September, '83, in the Sub-registrar's Office, Thousandlights, Madras-6.

Ref. No. 19078.—Read the following names against Transferor: --

- 1. M/s. Century Flour Mills, Indian Chamber Buildings, Esplanade, Madras-1, represented by its Managing Director, Shri P. Govindaswamy.
- 2. Shri N. Chockalingam, 26, Gajalakshmi Colony, Gajapathy Naidu Street, Madras-30.
- 3. Smt. J. Padmini wo M. Jayaraj, No. 30/6, 6th Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.
- 4. Shri S. Gopal, No. 21, Canal Bank Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Instead of

M|s. Century Flour Mills, Indian Chamber Buildings. Esplanade, Madras-1.

Corrigendum to notice Dt. 24-3-84

Regarding:—Property 'Kalmanda', 106, Nungambakkam High Road, Madras-34, registered as Doc. No. 5/83, in September, 83 in Sub-Registrar's 65|83, in September, office. Thousandlights.

Ref. No. 19079.—Read the following names Transferor :-

- 1. P. Govindaswamy, 7. Brahadambal St., Madras-34.
- 2. Sri N. Chockalingam, 26. Gajalakshmi Colony, . Gajapathi Naidu St., Madras-30.
- 3. Smt. J. Padmini wo M. Jayaraj, No. 306, 6th Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.
- 4. Sri S. Gopal, 21, Canal Bank Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Instead of

P. Govindaswamy, 7, Brahadambal St., Madras-34.

Corrigendum to Notice Dt. 2-4-1984

Regarding:—Property 'Kalmanda', 108, Nungambakkam High Road, Madras-34, registered as Doc. No. 69|83, in September, 1983 in Sub-Registrar's Office, Thousandlights.

Ref. No. 19082.—Read the following names against Transferor :-

- 1. V. Nallendram Pillai, 10, Tank Bund Road, Madras-12.
- 2. Sri N. Chockalingam, 26, Gajalakshmi Colony, Gajapathy Naidu St., Madras-30.
- 3. Smt. J. Padmini woo M. Jayaraj, No. 306 6th Main
- Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

 4. Sri S. Gopal, 21, Canal Bank Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Instead .of

V. Nallendram Pillai, 10, Tank Bund Road, Madras-12.

Corrigendum to Notice Dt. 15-3-84

Regarding: - Property 104 to 106, Nungambakkam High Road, Madras-34, registered as Doc. No. 70/83 in September, 83, in Sub-registrar's Office Thousandlights.

Ref. No. 19010 -Read the following names against Transferor: -

- 1. Sridevamma. 3|17, Nungambakkam High Road, Madras-34. P. Govindaswamy, 7, Brahadambal St., Madras-34.
- 2. Sri N. Chockalingam, 26, Gajalakshmi Colony, Gajapathi Naidu St., Madras-30.
- Smt. J. Padmini w|o M. Jayaraj, No. 30|6, 6th Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.
- 4. Sri S. Gopal, 21, Canal Bank Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Sridevamma. P. Govindaswamy, 7, Brahadambal St., Madras-34.

> S. SUBRAMANIAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|61.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. House Property-10 Rd. No. 9 situated at Punjabi Bagh Ext. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering Officer at IAC(Acq.) M.H. on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temperate of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937); (1) Shri Madan Lal Chopra 3382 Ranjit Nagar, New Delhi.

(Transferof)

(2) Smt. Madhuri Dixit 2536 Dharampura, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Dazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18 Road No. 9 Punjabl Bagh Ext. New Delhi Area 199.42 sq.yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-6-84

Seal

PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|65,—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. T-374 Ahata Kidara Bara Hindu Rao situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC(Acq.)R.II on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Kali Wo Sh. Bishan Dass T-374 Ahata Kidara, Bara Hindu Rao Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Chander Mohan S|o Sh. Ganga Bishan 5520-21 Basti Harphool Singh Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. T-374 Ahata Kidara Bara Hindu Rao, Delhi is constructed on 69 sq. yds. of land beenging to DDA. It is unauthorised construction. The land was occupied by the transferor without authority.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 18-6-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|85.—Whereas I, R. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property', having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4 Cavalary Lines Mall Road situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at IAC(Acq.) R.H. on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mfs. Premila Bakshi R|o 161 Sukhdev Vihar N. Delhi. 2, Mrs. Veena Bhalla R|o 4 Cavalary Lines Mall Road, Delhi. 3. Mr. Chandra Mohan Kalia R|o S-51, Greater Kailash-I, New Delhi.
 4. Mr. Anil Kalia R|o 161 Sukhdev Vihar New Delhi. (Transferors)
- (2) Mr. Rajeshwar Nath Gupta Mr. Raghwendra Nath Gupta Mr. Ravinder Nath Gupta all R|o 1624 Rajkunj Madarsa Road Kashmiri Gate, Delhi. (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period or 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period explass later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 Share in Land & Super structures (1570.25 sq. mt.) or 4 Cavalary Lines Mall Road, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 18-6-84

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC[Acq.1I]37[E]10.83 $[86.—Whereas, I_1]$ R. P. RAIESH

being the Competent Authority under Section 269B of the mome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 Cavalary Lines Mall Road situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at IAC(Acq.) R.II on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mrs. Promila Bakshi R/o 161 Sukhdev Vihar N. Delhi. 2. Mrs. Veena Bhalla R/o 4 Cavalary Lines Mall Road, N. Delhi. 3. Mr. Chandra Mohan Kalia S-51 Greater Kailash-I N. Delhi 4. Mr. Anil Kalia 161 Sukhdev Vihar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Jain 1|3rd Sh. Smt. Sheelawati 1|3rd Sh. Mrs. Prabha Jain 1|3rd Sh. R|o 88, Gadodia Market Khari Baoli, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in land & super structures (1570.25) sq. mt.) of 4 Cavalary Lines Mall Road, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 18-6-84

FORM IINS-

(1) M|s Lusa Builders (P) Ltd.
A-73 Wazirpur Industrial Area, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kowa Devi Gupta 22-A Rama Road, Adarash Nagar, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4144A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|87.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-2|3 Lusa Tower Lower Ground situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at IAC(Acq.)R.II on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any lacome or any monbys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-213 "Lusa Tower" Lower Ground, Delhi 68 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|182.--Whereas J. R. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Shop No. G-19 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the registering officer at IAC(Acq.)R.II on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) T. M. Apartments (P) Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar Connaught Circus New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Gupta Slo Shri M. L. Gupta Saniay House Sapreen Selah (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1.XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-10 Jaina Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, Delhi 65 sq.ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-6-84

Scal:

(1) T. M. Apartments (P) Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prakash Chand Aggarwal S|27 Panchwatti Azadpur Delhi-110033.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC Acq. II | 37EE | 10.83 | 183.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |

and bearing No. C-7 Shakti Nagar Chowk situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at IAC (Acq.) R II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-7 (on ground floor) in Jaina's Cloth Market (A|C) Shakti Nagar Chowk (Roop Nagar) Delhi 65 sq.ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|104.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

B-22 (Basement) Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering officer at IAC (Acq.) R II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. T. M. Apartment (P) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raman Kapoor and Shri Rakesh Kapoor, 117 Old Gupta Colony, Delhi-110009.

(Transferec)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-22 (Basement) in Jaina's Cloth Market (A.C.), Shakti Nagar, Delhl. 65 sq ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 18-6-1984,

(1) M|s. T. M. Apartments (P) Ltd., Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10|83|106.-Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

UG-16 (Upper Group) Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Shri Anil Kumar Jain, Clo P. C. Jain, 90, Veer Nagar, Delhi-7, Jain Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG,16(Upper Ground) Jaina Cloth Market (A.C.) in Shakti Nagar, Delhi, Area 65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 18-6-1984. Seal :

39---166 GI|84

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.|U|37EE|10.83|105.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. UG-21 Jaina Cloth Market situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. Il in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fafteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

(1) M/s. T. M. Apartment (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferou)

(2) Shri Sham Sunder Verma & Mohinder Kumar, R|o 127-6 LIG Flat, Ashok Vihar Phase-II, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-21 Jaina Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi Super Area 65 ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 18-6-1984.

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|II|37EE|10.83|107.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

FF-107 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of ought to be disclosed by the transferee for the 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|S T. M. Apartment (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

Shri Shiv Kumar Goel,
 D.C.M. Retail Shop 17B, Khan Market,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA-of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.F. 107 First Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 18-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khachrumal, 125|156B, Shakti Nagar, Delhi,

may be made in writing to the undersigned -

Connaught Place, New Delhi.

(1) M|S T. M. Apartment (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-Π, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984 .

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|108.—WhWereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-31 Shakti Nagra situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be never that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-31 (Basement) Jaina's Cloth Market Shakti Nagar, Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (12 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-6-1984.

(1) MS T. M. Apartment (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Jain Agencies, A-294, Derawal Nagar, Ist Floor, Delhi-33. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. JAC|Acq.|I37EE|10.83|109.--Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing

Shop No. 111 (1ts Fl.) situated at Shakti Nagar, Deihi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. III in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. III (First Floor) Jaina Cloth Market, Shakti Nagar Chowk, Delhi-7, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ΛSAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC.Acq.II.37EE 10.83 115.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

B-11 Jaina Cloth Market, Shakti Nagar situated at Delhi Pattandur Agrahava, Whitfield, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in October 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 MS T. M. Apartment (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Goyal & Smt. Sharda Goyal, M-3A|75B Janakpuri, New Delhi-110058. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-11 (Basement) Jaina Cloth Market (AC) Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|S T. M. Apartment (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83|116.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. FF 103 Jaina's Cloth Market situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at JAC (Acq.) R. II in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any roome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri S. Ravinder Singh & Master Manvinder Singh (Minor), B-2|118 Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. F. 103 (First Floor) in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar, Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 18-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|37EE|10.83|117.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. B-212A mg. 35 sq. ft.. Shakti Nagar situated at Delhi

No. B-212A mg. 35 sq. ft., Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in October 1983

of transfer with the object of :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. T. M. Apartments (P) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Devi W/o Shri R, L, Dhingra, J-5/101 M Rajouri Garden, New Delhi-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30, days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-12A measuring 25 sq. ft. in Jaina Cloth Market Chowk, Shakti Nagar, Roop Nagar, Delhi.

R. P. RAIESF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi|New Delh

Delhi: 18-6-1984.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10-83|118.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

G-39 Daryagani, Jaina Electric Market situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at IAC (Acq.) R.-II on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—166 GI184

 Jaina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Ruhella, F-13, Mansarover Garden, New Delhi-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPRANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-39 (Ground Floor) in Jaina's Electronics Market (A.C.) Daryaganj, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-1984

FORM ITNS-----

NGTICE UNDER SECTION 269°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. M. Apartment (P) Ltd., Adinath Shee House, Opposite Super Bazar, Connauht Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Bassi, 2082, Rani Bagh, Delhi-110 034.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. 4 4 4A ASAF ALI ROAD, NEW DELHU

> > New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.li|37EE|10-83|119.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing B-16 (Basement) Shakti Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in October, 1983 reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or

any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

B-16 (Basement) Jaina's Cloth Market, (A.C.), Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, Delhi-65 sq. ft.

R. P. RAJESH Compet at Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date . 18-6-1984

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|37EE|10-83|121.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

B-10, Jaina's Cloth Market situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the registering officer at

IAC (Acq.) R.-U on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 vil of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub aeciton (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) T. M. Apartments (P) Ltd., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar, Connaug ht Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. S. Ahluwalia, 2746 Ranjit Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

B-10, Basement floor in the proposed Jaina's Cloth Market, Shakti Chowk, Delhi-65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 18-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. M. Apartment (P) Ltd., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar. Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Khanna, D-93, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. 4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10-83|125.---Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding and bearing No.

F-121, aina's Cloth Market situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

F-121 (First Floor), in Jaina's Cloth Market A.C, Shakti Nagar (Roop Nagar), Delhi-65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10-83|127.--

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing UG-6, Jaina's Cloth Market situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is rgistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq.) R-IIi October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) T. M. Apartment (P) Ltd., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal & Shri Roshan Lal, 4577 52, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons the period accepts the period acce whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

UG-6 (Upper Ground Floor) in Jaina's Cloth Market (A|C) Shakti Nagar Chowk, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 18-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-II. 4|14A, ΛSAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10-83|128.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- an! bcaring No. B-32 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at IAC Acq.) R-II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said. instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(1) T. M. Apaitment (P) Ltd., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Bimla Rani & Shri G. S. Sagar, 914, Dr. Mukherjee Nagar, near Batra Cinema, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-32, Jaina Cloth Market, Shakti Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 18-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ΛLI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10-83|130.— Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-UG-25 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acg.) R.-II on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have at been on which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followin, persons, namely:

(1) T. M. Apartment (P) Ltd., M. Block, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Jain, N-327, Sector-8, R. K. Puram, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG 25, Jama's Clour Market, Snokti Magar, New Deini-65 sq. it.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Lange II,
Delhi New Delhi

Date: 18-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. M. Apartment (P) Ltd., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Anita Gupta, 25 116A, Shakti Nagar, Delhi-110 007.

great be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10-83|131.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imanovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

B-28, Shakti Nagar, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R.-II on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-28, Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar (Roop Nagar). New Delhi-65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ,I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC Acq.II 37FE 10-83 132.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prpoerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thes aid instrument of transfer with the object of:—

(1) T. M. Apartment (P) Ltd., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Savitri Davi wjo Shri Badri Prasad Gupta, B-44, C. C. Colony, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are 'defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

G-1 (Ground Floor), in Jaina's Cloth Market. A. C. Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, Delhi—65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DelhijNew Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvition 269D of the said Act, to the following persons. Servely:

41-166 GI 84

Date: 18-6-1984

 T. M. Apartment (P) Lid., Addinath Shree House, Opposite Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Ramesh Kumari wo Shri K. N. Sehgal, B-12, R. P. Bagh, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10-83|133.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

G-13A, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said. Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the nid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-13A, measuring 37 sq. ft. in Jaina's Cloth Market (AC), Shakti Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi ,the 18th June 1984

Ref. No. 1AC|Acq. II|37EE|10-83|134.--Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F-11 A Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. M. Apartments (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Jatan Lal Daga, D-3/1 Rana Pratap Bagh, Delbi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-111A (First Floor) Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar Roop Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|10-83|135.—Whereas I. R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to helieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. FF 102 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartments (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

 Ishwar Dass Agarwal clo Mis N. C. Agarwala & Sons 1718 Pili Kothi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, aball have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.F. 102 (First Floor) Shakti Nagar Jaina's Cloth Market Roop Nagar, Delbi, 65 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|10-83|136.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. B-27 Shakti Nagar, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sessets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) T. M. Apartments (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Connought Place, New Delhi.

(2) Sh. Rakesh Katyal, 21 Sant Nagar, East of Kailash, New Delhi-65. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-27 in Jainas' Cloth Market Shakti Nagar, Delhi (Building under construction) 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range It
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18,6-84

 T. M. Apartment (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Gupta 25|116A Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

NOTICI! UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II[37EE|10-83|138.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. B-28 Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer at
IAC (Acq.) R. II in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-28 Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

subwing Date: 18-6-84 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|10-83|139.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Industrial Unit No. B-23A Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of Lay income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartments (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchal Kalla & Sh. S. P. Kaila B-I/93 Phase-II, Ashok Vibar Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. B-23A (Basement) in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, Delhi. 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|10. 83|140.—Whoreas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. UG-17 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartment (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dharm Pal Khanna A-62 Gujarauwal Town Pari-I, Delhi-9.

(Tivinsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-17 (Upper ground) in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk Roop Negar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge II
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84

Soal:

(1) T. M. Apertment (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Sham Sunder Khanna, A-62_Jhunjhunwala Town Part-I Delhi-9. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. (I]37FE|10.83|141.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. UG-18 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-18 (Upper ground) in Jaina's Cloth Market (A-C) Shakti Nagar, Chowk, Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—166GI|84

Date: 18-6-

T. M. Apartment (P.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Nani and Mrs. Soni Mir Chandani 9-1 Old Rajinder Nagar, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|10.83|142.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. G-20A Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at

IAC (Acq.) R. II on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

G-20A Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar Delhi-37 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84

Seni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE II 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|143|10.83.—Whereas 1. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F-101 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at

IAC (Acq.) R. II on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) T. M. Apartments (P.) Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Prem P. Aggarwal c|o Shrl N. C. Aggarwal Peeli Kothi, S. P. Mukerjee Marg, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

F-101 (First Floor) in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Date: 18-6-84

PORM ITNS-

(1) T. M. Apartments (P.) Ltd., M-Block Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Shanta Asiya 7736 Fasils Buildings near Clock Tower, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|144|10.83.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. G-13|B Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

G-13|B Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi. 28 eq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE]145|10.83,—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. B-15 Jaina Cloth Market, Shakti Nager situated at Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartments (P) Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Suit. Rita Wadhawan, 2082, Rani Bagh, Dolhi-110034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-15 Gasement Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Chowk Reop Nagar, Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. M. Apartments (P) Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi

(2) Sh. Rakesh Kumar Agarwal
Peeli Kothi, S. P. Mukherjee Marg, Delhi,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4-14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/146/10.83.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. FF. 116 Shekti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer às agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF 116 (First Floor) Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar, Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nation under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-6-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN') COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II 4-14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHE

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|147|10.83.---Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-26, Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acr.) R. II on October 1983

IAC (Acq.) R. II on October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason te believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) T. M. Apartments (P) Ltd.
 Adinath Shree House Opp. Super Bazar,
 Con. Place, New Defini
 (Transferor)
- (2) Sh. Bansi Lal Jain 88, Veer Nugar, Jain Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-26 (Basement) Jaina's Cloth Market (A.C.) in Shakti Nagar Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84

(Transferor)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4-14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|152|10.83.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. G-21A Daryn Ganj situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. If on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 86 agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Jaina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(2) Smt. Renu Khanna K-85 Subroto Park Dhaula Khau, New Delhi-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. G-21A Jaina's Electronics Market, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi, 21.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|153|10.83.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. F 167 Darya Gani situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer at
IAC (Acq.) R. II on October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 c 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

43---166GI|84

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Parveen Kumar Jupta G-5/7 Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. F-16% at Jajna's Airconditioned Market Darya ganj, Delhi.

16 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Impacting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 'THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II 4114A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|161|10.83.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. 116A Daryagani situated at Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred in the office of the registering office at IAC (Acq.) R. II on October 1983

for an apperent consideration which is less than the fair—market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jaina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Buzar, Con. Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) S. N. Chowdhary Clo R. S. Enterprises, 4350 Bhaigaonn Street, Nai Saruk. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 116A Jaina's Electronics Market, Netaji Subhas Marg, Daryaganji New Delni. 32 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Date: 18-6-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. $II_137EE|162|10.83$.—Whereas, 1, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

116 Ist FI. Daryagani situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred

in the office of the Registering officer at IAC (Acq.) R. II on October 1983

fac (Acq.) R. If on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jáina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Place. New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. V. K. Chowdhary C₂o R. S. Enterprises H-350 Bharidan Street Nai Sarak, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

116 Ist Floor, Irona's A_iC Market, Daryagam, Deihi. 32 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (1
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II[37EE]164|10.83.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. FF-105 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Admath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Gurjit Singh & Sharjit Singh Sio Sh. Suchit Singh, A-199, Gujrawala Town, G.T. Karnal Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF. 105 (Ist Floor) Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi. 65 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax
Acquisition Range II
New Delhi

Date: 18-6-84

**** ***** *** **

FORM ITNS

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kamaljeet D-13 C.C. Colony Opp., Rana Pratap Bagh Delhi. (Transforce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 4-14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. 1AC|Acq. II |37FE|10.83|168.—Whereas I, R, P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. B-2 Shakti Nagar situated at Delhi

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered in the office of the registering Officer IAC (Acq.) R. II on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-2 (Basement) In Jaina's Cloth Market (AC) Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date: 18-6-84

Scal

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|37EE|10.83|169,—Whereas I, R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section 269R of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00|- and bearing

No. G-6 Shakti Nagar situatel at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC (Acq) R. II on Oct, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) T. M. Apartment Pvt. Ltd. Addinath Shree House Opp Super Bazar, Conn. Place, New Delhi.

والا المعاورة المنافعة المستعلقة المستحدث والمستشهدة والمستشهدة والمستحدد

(Transferor)

(2) M/s. Desh Raj & Sons (Prop.) Subhash Chand Jain E-2/92 Shashtri Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-6 Jainas' Cloth Market Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Date: 18-6-84

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4/14A ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|10.83.170.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. FF 109 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R. II on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- T. M. Apartment (P) Ltd.
 Addinath Shree House Opp. Super Bazar
 Connaught Place New Delhi.
- (2) Shri Paras Ram Sharma C-3/32 Ashok Vihar Phase-II Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF 109 (First Floor) Jainas Cloth Murket (A.C.) Shakti Nagar, Delhi 65 sq. ft,

R. P. RAJFSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Calhi.

Date: 18-6-1984

NOTICE WINDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 4/14A ASAF ALI ROAD .NEW DELHI

New Delhi, the 18th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EF|10.83.171.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and

bearing No.

F/122 Shakti Ngr. situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at IAC (Acq.) R. II on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

- (1) T. M. Apartments (P) Ltd., Jaina Cloth Market (AC) Shakti Nagar Delhi. (Transferor)
- (2) Upkar Fabricators & Engineer
 Pyt. Ltd., 41-42 Punjab Exchange Building, Katra
 Baryana Fatehpuri Delhi-110007.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F/122 (First Floor) Jaina Cloth Market (AC) Shakti Nagar Delhi-110007. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi.

Date 18-6-1984

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|10-83|590.—Whereas, I, NARINDAR SINGĤ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
No. C-1|2 Rajouri Garden situated at Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Office
at IAC (Acq.) R. II on Oct. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than lifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44—166GI/84

(1) M/s. Nice Estates Pvt., Ltd., through its Director S. Sher Singh Chawla S/o Seth Trilok Singh Chawla Rio 16-B Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M[s. Nice Builders Pvt. Ltd. through its Director Smt. Gurdeep Kaur Sokhey Wo Sh. Daljit Singh Sokhey, R|o C-1|2 Rajouri Garden New Delhi.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-1|2 mg. 450 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of vill. Bassal Darapur Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Date: 11-6-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Smt. Sudesh Mittal Wo Sh. Bharampal Mittal

Ro No. 11 5 East Patel Nagar, New Delhi. (Transferec)

(1) Shri Chhunu Mal Kodia So Shri Madan Lal Kodia

Rlo No. B-4|80 Ashok Vihar Phase-II Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELMI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR,1|10,83|591,-Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 73 A Bazar Khari Baoli situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at at IAC (Acq.) R. II on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby lultiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice og the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor property No. 73 A out of Plot No. 6558 to 6622 & 6648 to 6653 Bazar Khari Basti Baoli Delhi 261,46 sq. ft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC.Acq.II|SR.I|10.83|604.-Whereas, I, NARINDAR SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. D|15 Kirti Nagar situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R-II in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market velue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Manohar Lal Chadha, So Sh, Fagir Chand Chadha, temporary residing at 83. Shafteshury Avenue, Kenton, Harrow, Middlese A2 (England) and resident of M-44, Greater Kailash-I New Delhi through his attorney Smt.

 Phoola Rani Chadha w|o Sh. Manohar Lal Chadha R|o M-44 Greater Kailash New Delhi.
- (Transferor) (2) Shri Bhushan Arora Slo Sh. Bhagwan Dass Rlo 1-120 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot land No. D|15 measuring 388.8|9 sq. yds, situated at Kirti Nagar on Najafgarh Road Bassi Darapur New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-6-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4)14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|10.83|607.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

ing the Competent Authority under Section

19-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing House No. 4 Rajouri Garden situated at Delhi Block E-36.

House No. 4 Rajouri Garden situated at Delhi Block E-36. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Manohar Singh S|o Shri Sobha Singh R|o E-36|4 Rajouri Garden New Delhi.

(2) Shri Sahib Chand Ahuja Slo Sh. Narain Singh Ahuja Rlo 3|22 Subhash Nagar New Delhi.

(Transferce)

(Transfero.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4 in Block E-36 mg. 200 sq. yds. situated at Rajouri Gagden area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-U
Delhi New Delhi.

Date: 11-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. LAC|Acq.II|SR.I|16.83|609.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Prop. No. 196A Katra Naval situated at Ch. Chowk Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vidhyawati Jain W|o Sh. Kundan Lal Jain R|o A-114 Vivek Vihar Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Suohma Devi Wo Sh. Naresh Chand Ro 3|163 Mohalla Gangaral Shahdara Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the taid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop Ground floor mg. 24 sq. yds. Property No. 196-A Katra ka Navab Sahib Chandni Chowk, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi.

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Amrit Choudhrie, 45 Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Govind Singh HUF Mrs. Sheila Singh Mr. Sanjeev Singh 1|1 Roop Nagar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|10.83|615.-Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 45/2 Mall Raod situated at Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi in October 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as extend to have the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

45|2 Mall Road, Delhi-110054 690.64 sq. metres Single unit.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 'ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acff.II|SR.I|10.83|619.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. H-69A Kirti Nagar situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Madan Parkash (M.P.),
 Pilani & Sh. Bal Krishan Sslo Sh. Gopal Dass
 Rlo H-69A Kirti Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Parkash & Smt. Raj Kumari R|o H-69A Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. M-69A Kirti Nagar New Delhi 200 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rango-II
Delhi New Delhi.

Date: 11-6-1984

FORM ITNS———

- (1) Dr. Subhash Chand Slo Diwan Chand Khandur Ro D-2111 Kidwei Nagar New Delhi.
- (Transferor) (2) Sh. Kawal Kishan So Sh. Kishan Chand Rlo 4596 Gali Sanghrashan Shish Mahal D Ihi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

4]14A ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC Acq.11 SR.1 10.83 622.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
House No. 7117 Beriwala Bagh situated at Delhi.
(and more ully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at in October 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House No. 7117 at Bariwala Bagh Gali Madarsa Wali Delhi 186 sq. yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delbi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11 6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 41|14 A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC Acq.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11 Sewa Kunj Raghunath Nagri situated at Rajpura Rd. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the Office of the registering Officer at in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—

45-166GI]84

(1) Sh. Jai Kishan Dass Vijay Slo Late Sh. Madan Lal Rlo C-22 Vivek Vihar Shahadara Delhi

(Transferor)

(2) Smt Raj Kumari Wo Sh. Tara Chand Rio 16|23 Basti Punjabi Bagh Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 11 built on land measuring 311 sq. yds. pvt. No. 4, Sewa Kunj Raghunath Nagri Raj Pura Road Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14 A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|10.83|629.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 39 G. T. Karnal Rd. situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M[s. Fancy Plastic Moulders through their partners S[Sh. Kishan Lal Mittal & Brij Mohan Mittal C-20 Kirtl Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) M|s. Delhi Plastic Moulders (P) Ltd. through its Directors S|Shri Kishan Lal Mittal and Brij Mohan Mittal C-20 Kirti Negar, New Delhi

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 39 in the layout plan of Small Scale Cooperative Industrial Estate. G. T. Karnal Road, Lease hold Delhi measuring 2288.89 sq. yds. or thereabout.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date : 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4 14 A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.J|10.83|636.-Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. M. C. No. 826 Katra Beenis Ganj situated at Delhi

nunster with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evaplon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) Sh. Haji Mohd Atin
 So Haji Ataullah
 Ro 1380 Haveli Hisamuddin Haider Bailimaran Delhi (Transferor)

(2) Sh. Mohd. Ismail So Mohd. Ayub (2) Mohd. Ishag (2) Mond. Ismail
(3) Mohd. Ismail
(4) Mohd. Ismail
(4) Mohd. Idria
So Mohd Ismail Ali
Ro 2345-46 Gali Mir Mandari

Mohalla, Rodgaran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop bearing M. C. No. 826 Katra Bashir Ganj Bailimaran Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 11-6-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 414 A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.1|10.83|640.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Prop. No. 43 Najafgarh Road situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on October 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely:—

(1) Ms. Delhi Iron & Steel Stockist (Civil Supplied) Association (P) Ltd. a company incorporated under Indian Comp. Act through its Director Sh. Mahendra Kumar Gupta at 4634, Ajmeri Gate Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Bhagwan Dass Pahwa Slo Shri Devi Ditta Mal Pahwa Rlo Meena Bazar Ludhiana (Pb.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 43 mg. 1091.5 sq. mts. at Industrial Area Scheme, Najafgarh Road area of vill. Bassai Darapur Delhi State Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IJ,
Delhi|New Delhi.

Date: 11-6-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 4|14 A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. 1AC|Acq.II|SR.f|10.83|642.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Prop. No. 26 Rd No. 73 Punjabi Bagh, Cl-B

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, mamaly :~

(1) Shri P. L. Dhawan (Parshotam Lal Dhawan), So Late Sh. Lal Chand Dhawan Rlo 26 73 Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur Sahani Wo Bakar Singh Sahani (2) S. Harcharan jeet Singh Sahani & (3) S. Gunvinder Singh Sahani, So S. Onkar Singh Sahani, all Ro B-5 Paari Queen Building, North Avenue Road, Santa Cruz (West) Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26 Road No. 73 Class-B mg. 1098.83 sq. yds. situated at Punjabi Bagh area of Vill. Basai Darapur Delhi. state Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4|14 A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|10.83|656.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra 25,000]— and bearing

No. C-563 Gali No. 12 Majlis Park

situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as segreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Dhan Devi W|o Sh. Sohan Singh Sayal R|o C.563 Gali No. 12 Majlis Park Delhi-110033

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh Kohli S|o Sh. Jagdev Singh Kohli R|o C-1|15 Rana Partap Bagh Delhi-9

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used here: as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-563 Gali No. 12 area 111 sq. yds. Colony Majlis Park, area of vill Barola out of Khasra No. 262 258 217 4.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 41|14 A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. IAC|Acq.II|SR.I.10.83|656.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 22 Shanti Nagar Tri Nagar, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hazara Rao
 Slo Sh. Ujagar Ram
 Rlo 249|1785 Shanti Nagar, Delhi-35

(Transferor)

(2) Shri Phoof Chand Jain So Late Sh. Busant Lal Jain Ro Vill & P.O. Khatkar, Distt. Jind (Haryana)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22, out of Kh. No. 109 of vill, Chewkri Mubarikabad, Delhi bearing Municipal No. 249 1785 new colony khunti as Shanti Nagar, Tri Nagar, Delhi 35.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|10.83-662,—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as he 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

and bearing No. No. Prop No. 2118 Munshi Gauri Sahai situated at Masjid Khajoor Wd. No. V Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Girdhari Lal Sjo Sh. Munshi Gauri Sahai 2117, Gali Munshi Gauri Sahai, Masjid Khajoor, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Sh. Chedi Lal S|o Jai Ram Smt. Pannadevi W|o Sh. Chedi Lal, Sh. Laxmi Narayan, Om Prakash, Vinod Kumar sons of Shri Chedi Lal R|o 2119 Gali Munshi Gauri Sahai Masjid Khajoor, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2118 measuring 95 sq. yds. situated at Gali Munshi Gauri Sahai Masjid Khajoor Ward No. V. Delhi-6.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-6-1984

gament supported to a supplementation of the supplementation of the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 41,14 A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1984

Ref. 1AC|Acq.II,SR.I|10.83|663.--Whereas,I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Prop No. 24 Punjabi Bagh situated at Delhi

(and morefully described in the Schedule appreced hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on Oct. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid propercy, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- 46--166GI/84

(1) Sh. Joginder Singh Slo Jawala Singh Rlo 24 East Avenue Road Punjabi Bagh Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Moji Ram Slo Sh. Manohar Lal Rlo 24 East Avenue Road Punjabi Bagh Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- able property, within 45 days from the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiv as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground floor only of property No. 24 mg. 279,55 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, Fast Avenue Road area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi.

Date : 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE|643|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000; and

bearing Block No. 4, Vishawa Co-op. Society

Apte Road situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M|s. Vishwas Grahanirman Sahakari Sanstha (Maryadit) 1264|3, Shivajinagar, Punc-411 005. (Transferor)
- (2) Kumari Asha P. Doshi, 1264|3, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, Apte Road Vishwas Co-operative Society. Pune-4.

(Area-568 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2452 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-6-84

See! 1

FORM ITNS----

(1) Sh. Shridhar Vishnu Kane, Talegaon Dabhade, Taluka Maval Dist. Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. A. V. Bhat & Co. 1347, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|644|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanivg a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Hissa No. 1 S. No. 729 S. No. 720|1 (Part) S. No. 720|2 (Part) Hissa No. 5+6 S. No. 17B, Talegaon Dabhade situated at Tal. Maval, Dist. Pull (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Hissa No. 1, S. No. 729, S. No. 720|1, (Part) S. No. 720|2 (Part) Hissa No. 5+6|1 of S. No. 178 Talegaon Dabhade. Tal. Mayal. Dist. Pune.

(Area—16 acres 1 guntha).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1824 in the month of Oct. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Darshana Builders, 813|14, Bhavani Peth, Pune-2, (Transferor)

(2) Smt. Hansraj Venimal Kishani, Kamal Mahal, Plot No. 3, Padamjee Road, Pune-2. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|645|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having

No. Flat No. 7, Bldg. No. 1, Kagalwala Apartment, F.P. No. 364/12, Bhavani Peth, Pune-2 situated at Pune-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC Acqn. Range. Pune on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Bldg. No. 1 Kagalwala Apartment, F.P. No. 364|12, Bhavani Peth, Pune-2.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune under document No. 1958|83-84 in the month of Oct. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-6-1984

FORM 17NS---

 Mls. J.M.P. Construction Corporations, NAVIPETH, Jalgaon.

J.M.P. Market, Polanpeth, Jalgaon.

(2) Dr. Vishwesh H. Agrawal,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37G,1129]84-85.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. C.T.S. No. 1862, 2nd floor, Bldg. No. 2, JMP Market, Jalgaon situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Jalgaon on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transferandlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 2nd floor, Building No. 2, C.T.S. No. 1862, Jalgaon.

(Area-363.20 sq. metre).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon under document No. 3001 in the mouth of Oct. 1983).

Inspecting Asstt. SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-6-1984

Scal:

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-CA-5|37G|1130|84-85.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No. Land at S. No. 623|3, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fast market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Omprakash Diwanchand Mehta, Krishna Kutir, Tilakwadi, Nasik.

(Transferor)

(2) The Chairman, Shree Snehavardini Sahakari Griha Nirman Sanstha, Maryadit, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Survey No. 623 3, Nasik. (Area-3800 sq. metre).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 3981 in the month of Oct. 1983).

SHASHIKANT KULKAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 7-6-1984

(1) Sh. S. S. Bhadade Kinod, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Ganesh N. Bhadade, Kinod, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1131|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. Land at Kinod Shet Gat No. 108,

situated at Jalgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at S.R. Jalgaon on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not occur of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kinod, shet gat No. 108, Tal. & Dist. Jalgaon. (Area—H-5).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon under document No. 276 in the month of Oct. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5 1984

Sea

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sou. Gangubai T. Kathe, Bhagur Darwaja, Nasik Sh. M. S. Kashmire, Nasik Shewali, Nasik.

(2) Sh. Ambadas J. Lonari Manakshaw Nagar, Nasik (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1132|84-85.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable bearing No. S. No. 426-A-4-Plot No. 4, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at S.R. Nasik on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-sax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Survey No. 426A|4, Plot No. 4, Nasik.

(Area—298.82 sq. mt.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 198 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-6-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Fune, the 7th June 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37G|1133|84-85.—Whereas, J. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Gat No. 186, at Terwad, Tal. Shirol

situated at Dist. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at S.R. Shirol

on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---47-166GI 84

(1) Sh. R. B. Kothawale, 1004, Navin Bhavani Peth, A.D. Camp Chowk. Pune-2.

(Transferor)

(2) Sh. Hajimahmod R. Nadaf & others (3) Ghar No. 1026 D-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XMA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Gat No. 186 at Terwad. Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.

(Area-1 H-80R).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrat. Shirol under document No. 280 in the month of Oct. 83).

> AHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 7-6-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1134|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.S. No. 1820, R.S. No. 270, H. No. 2, Plot No. 3, Kalyan situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the Projection of the Registration Company).

of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Kalyan on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Jain Builders, Shivaji Path, Kalyan, Dist. Thanc. THANE.

(Transferor)

(2) Sou. Muribai M. Gandhi, Clo Power of Attorney holder Sh. Chandulal Manilal Gandhi, 'Om' Jaylakshmi Sadan, Bombay-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at C.S. No. 1820, R.S. No. 270, H. No. 2, Plot No. 3, Kalyan Dist. Thane. (Area—468.23 sq. metres).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 542 in the month of Oct. 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ret. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1135|84-85.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Gat No. 326, R-55, Lasalgaon sunated at Tal. Niphad, Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto). nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at S.R. Niphad on Nov. 83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Sh. K. G. Patil, Lasalgaon Tal Niphad, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) M|s. Sumati Co-operative Housing Society Ltd., Chairman Sh. S. J. Avhad, at Lasalgaon, Tal. Niphad, Dist. Nasik (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gat No. 326, R-55, Lasalgaon, Tal. Niphad, Dist. Nasik.

(Area-55 R).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Niphad, under document No. 1786 in the month of November, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-6-1984

Scal:

(1) Sh. Mirza Mahmoodbeg Aminbeg Mogul, at 443, North Kasba, SOLAPUR.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Virappa K. Honparkhe, 443, North Kasba, Solapur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1136|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.S. No. 872|17, situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Solapur on Oct. 83

at S.R. Solapur on Oct. 83
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at C.S. No. 872/17, Solapur,

. (Area-148 sq. metres).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Solapur under document No. 3030 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1137|84-85,—Whereas, I, No. Land at R.S. No. 50, Nazargaon, Tal, Maval

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. Land at R.S. No. 50, Nazargaon, Tal. Maval situated at Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on Oct. 83 at Bangalore under Document No. 643|83-84 on 12-10-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1 Snut. Leelavati Ramdas Shah, House No. 210 Raviwar peth, Punc-2.
 2. Smt. Kumudini Ramdas Shah House No. 402, Shivajinagar, Punc-16.
 - (Transferor)
- 1. Sh. Dagadudas Ganpatdas Mehta,
 2. Sh. Mukund Ganpatdas Mehta and
 3. Sau. Savita Arvind Mehta.
 All residing at House No. 17A Bhangarwadi, Lonavala, Dist. Pune.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 50, Hissa No. 2, at Nagargaon Tal. Mayal Dist. Pune.

(Area-2 acres 3 gunthas).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1793 in the month of Oct. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 21st June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3643|83-84.--Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and bearing Flat No. 203 Wing (19)

Flat No. 203, Wing 'B' Goryina Sharley Rajan Road, Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer to such apparent to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated it the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Reshma Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Arvind N. Pathare.

(Transferee)

(3) Mr. Arvind N. Pathare, Mrs. Sunita A, Pathare. Miss Rashma A. Pathare. Miss Kashmira A. Pathare.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Wing 'B' Gorgina Sharley Rajan Road, Sharley Village, Bandra, Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 3643 83-84, dated 17-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 21-6-1984.

FORM ITNS-

(1) Deshmukh Builders Pvt. Itd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratnakar Raju Suvarna. Mrs. Shashikala R. Suvarna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3412|83-84.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 307, 3rd floor, Ajit Park, Somwar Bazar, Road, Malad West, Bombay-64 situated at Malad (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority nt Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri L. R. Narvekar. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road. Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide scrial No. AR.III:37EE|1506|83-84 lated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Date: 15-6-1984.

(1) Shri B. P. Bodhawani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Presision Machinery and spares.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III|27EE|3708|83.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Industrial premises No. 104 K. K. Gupta Industrial Estate, Mulund (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Premises No. 104 K. K. Gupta Industrial Estate Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III | 37EE | 1465 | 83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 15-6-1984.

FORM ITNS----

(1) Shri Kantilal V. Eindocha

('transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Quaser Electronics (P) Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3777|83-84.—Whereus, f. A. LAIIIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Bldg. No. A. Group floor, Gala No. 21, Nand Jyoti Indl. Estate, Near Safed Pool, Kurla-Andheri Road, Andheri (E).

Sombay-72.

48---166GI|84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as wre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Bldg. No. A, Ground floor, Gala No. 21, Nand Jyoti Ind. Estate, Near Safed Pool, Kurla-Andheri Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EF|1525|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984.

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. $\Delta R - III [371^{\circ}E] 3406 [83-84, —Whereas, I, A. LAHIRI,$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Figt No. 106, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West) Bombay-400 064 situated at Malad (West)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Shivaji Atmaram Sawant, Shri Nitin Shivaji Sawant.

(Transferee)

- (3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Shri L. R, Nervekar.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-4000 64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1501|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
. Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-6-1984,

FORM ITNS----

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradeep J. Kurdekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3413|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and bearing

Flat No. 108, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid erceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person sec.

 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1507|83-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984.

FORM ITNS ---

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Miss Antionette Raphael.

(Transferee)

(3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Narvekar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|34II|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and beging and bearing

Flat No. 3, Ground floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-64 situated at Malad (West) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay, on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West) Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III|37EE|1505|83-84 dated 3-10-1983.

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Date: 15-6-1984.

FORM ITNS ---

(1) Sri P. Shankara Reddy slo P. Chenna Reddy, Kogilithota, Aluru Tg., Kurnool District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. G. K. Kesava Murthy, slo K. Govindaiah, Vysya Bank Manager, Holagundi, Aluru Tq., Kurnool

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Hyderabad, the 12th June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 80;84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 64 are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as green in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Holagundi Alur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Alura in October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 27 acres 41 guntas situated at Holagundi. Alur Tq., Kurnool District, registered by the S.R.O., Aluru vide document No. 1030|83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-6-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMUTAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Vinnakota Hussainamma. wlo Raghavulu. Pamarru village, Post, Krishna District.

(Transferor)

 Sri Jaffar Ali and Other, Ahmednagar, Near Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC No. 81|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Land situated at Pamarru village Krishna District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Masula in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

ahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House site situated at Pamarru village, Krishna District, registered by the S.R.O., Pamarru vide document No. 3522/83 and 3480/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1984.

Scal:

(1) Smt. K. Kanakamma, wo Venkaiah, Mamillagudem, Burhanpuram post, Khammam Towa,

(Transferor)

(2) Sri Pola Mohanrao and other, 8-3-2032, Wyra, Road, Khammam

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref No. RAC No. 82|84-85.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Wyra Road Khammam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Crice of the Kegiste ing Officer at Khammam in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer—with the object of: of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ør

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. for the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-3-203/2 situated at Nizampet (Wyra Road) registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 3434|83 and 3435|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-6-1984.

(1) Sri Penuattcha Lakshmipathi Raju and Others, Sivaraopeta, Bhimavaram, W.G. District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Indukuru Ramakrishna Gandhi, Sivaraopeta, Bhimavaram, W.G. District.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC No. 83/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the (ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transformed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhimavaram in October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aforesaid exceeds the apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bhimavaram registered by the S.R.O., Bhimavaram vide document Nos. 3510, 3511, 3512 and 3513 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 84|84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer
at Vijayawada in October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 49-166GI|84

(1) Sri Venkata Subrahmaneswara Rao & Others. Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Sri V. Janakirama Sundari, Wo Madhavarao, D. No. 11-50-44. Ramulavari Veedhi, Vijayawada-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. House property bearing D. No. 11-50-44 situated at Ramulavari Veedhi, Old Town registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 6473. 6474 and 6475/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 85|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
House situated at Khammam
(and morefully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Khammam in October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the enid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1). Sri A. Krishna Murthy, 2-1-179 and 284, Pottisriramulu Road, Khammam.

(Transferor)

(2) Snit. A. Aruna and Smt. Vijaya Laxmi, H. No. 5-1-176, Church Compound, Khammain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Church Compound, Khammam bearing No. 5-1-176 registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 3389[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984...

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Ooti Bai. Woo late Phoolchand, 4th Ward, Gudivada, Krishna Dt.,

(Transferor)

(2) Sri A. Laxminarayana, 18th Ward Gudiyada, Krishna Dt.,

(Transferos)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 86|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. House situated at Gudivada
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Gudivada in Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Actishall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 4|289, 290, 291 and 291-A situated at Gudivada registered by the S.R.O., Gudivada vide document No. 4127|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-6-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC No. 87 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Vijayawada in Oct., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfe transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. Rajendra Rao and 25 Others, Rajagopalachari Market Street, Gandhinagaram, Vijayawada,

(Transferor)

 Smt. P. Venkata Bala Saraswathi, Wlo P. S. Subbaiah, D. No. 11-29-25|1, Aavulavari Veedhi, Ganganamma Temple Street. Vijavawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of * 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gandhinagarm, Dr. No. 26-26-2 Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6516 83.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 88 84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Gunadala Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registra-tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any increess or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); i) Smt. K. Lalitha, Wo Satyanarayana Technical Nagar, Labbipeta, Vijayawada

(Transferor)

(2) Smt. Muppalla Mani, Wo Gangadhara Rao Seveniketan Road, Patamatalanka, Vijavawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 27-101-5 situated at Gunadala Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 6540 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC No. 89 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. House situated at Governorpet Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. Govinda Janardhana Rao, S|o Sobhana Chalapathirao, Kodada, Krishna Dt..

(Transferor)

 Sri Malepati Hanumantha Reddy, Slo Kondalarao, Chowdarypeta, Krishnalanka, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 27-16-109 situated at Governorpeta, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6188|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION. RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 90[84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. House situated at Narasaraopet

(and, more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Narasaraopet on Oct., 83

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and fer

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. J. Mary, Do J. Kotaiah Wo Raja Rao Arundalpeta, Narasaraopeta.

(Transferor)

(2) Sri Satyanarayana, Slo Anjaneyulu, Main Bazar , Narsaraopeta. Chinur Dt..

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Narsaraopeta, Guntur Dt., registered by the S.R.O., Narasaraopeta, vide document No. 5733|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 91|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Mohd. Abdul Rahman, and Other, Islampet, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) South India Corporation (Agencies) Ltd., Door No. 12-11-26 and 27, Rajarangayyappan St.. Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 12-11-27 situated at Raja Rangayyappan Street, Vijayawada-1, registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 6543 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM ITNS ----

(1) Sri K. Dr. Prasada Rao, and Other, Vijayawada-1 town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri T. Jayaramprasad, So Bapanaiah, Mekalavari Veedhi, Vijayawada-1 town.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 92/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a thir market value exceeding Re. 25 000/s

and bearing No. House situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of

property having a fair market value exceeding Rs. 25,0001-

1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated at Mckalavari Veedhi, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6559 83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:-50-166GI 84

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC No. 93|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Guntur on Octob., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ch. Annapurna and Sri Ch. Radhakrishna Murthy Lalapeta, Cloth Bazar, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Manchalal, S|o Kundanlal, Lalapeta, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 22-2-73 situated at Lalapeta, Guntur Cloth Bazar, registered by the S.R.O., Guntuvide document No. 8411|83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Ch. Sukanya and Prameela Devi Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Talwar, Wo Balakishan Talwar, D. No. 29-10-21, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 94/84-85.—Whereas, I, I. JEGAN MOHAN,

eing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/nd bearing to House situated at Durgapuram Vijayawada

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred as per deed registered under the Indian legistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the legistering Officer at Vijayawada on Oct., 1983

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trensfer; nd/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at D. No. 29-10-21, Durgapuram, Vijaya-wada registered by the S.R.O, Vijayawada vide document No. 6435 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 95|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. House situated at Vijayawada

transfer with the object of :---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Vijayawada on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. Sriramulu and Others, Partners in Sanitary Syndicate, Viinvawada.

(Transferor)

(2) Sri K. Venkata Krishna Rao, S|o Sambaiah, D. No. 2713-7|1, Governorpeta, D. T. Rao Street, Vijayawada-1 town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 27-13-7|1 situated at Governorpeta, D. T. Rao, Veedhi, Vijayawada Town registered by the S.R.O., Vijayawada vide domument No. 6378|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-6-1984

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. 96|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of that notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Smt. R. Padmavathi, Wlo Ramakrishna, Sundaramma Veedhi, Gandhinagaram, Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) Smt. Guntur Sarada and Gunturu Sundararamasastry, D. No. 26-13-14, Sundaramma Veedhi, Gandhinagaram, Vijayawada.

(Trunsferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gandhinagaram, Vijayawada bearing Door No. 26-13-14 registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 6290[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. K. Saradamba, and others, Vijayawada Town.

(Transferor)

(2) Sri B. Vonkateswara Rao, H. No. 11-56-11, Marwadigudi Veedhi, Vijayawada-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC 97/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Vijayawada

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 11-56-11 situated at Marwadigudi Veedhi Vijayawada-1 town registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 6590|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 98|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Guntur on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Ashok, Laxmipuram, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri U. Krishna Tulasi, Wo Sri Venkata Surya Bala Krishna, Laxmipuram, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 5-87-23 situated at Brodipet, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8542[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

(1) Sri K. Malakondaiah and Other, 2nd Lline, Laxmipuram, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Sambasivarao,

So Sri Koteswara Rao, R. Agraharam, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 99|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur in October, 1983 Rewa in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Guntur bearing D. No. 5-87-25 registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8729 83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM TINS-

(1) Sri T. Sambalah & Others, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 100|84-85.--Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the irimovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

I and situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer at

Guntur on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

51—166GI|84

(2) The Guntur Bulion Jewellery and Pawan Brokers Merchants Co-op. House Building Society Ltd., Rep. by Sn N. Sambasiva Rao, President Guntur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8814 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SHIP OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 101/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Boyapati Sambasiya Rao and Other, Mogalrajjuram, Vijayawada, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) M/s. Bhanu Builders. Vijayawada, Rep. by Sri K. Durgaprasad, Congress Office Road, Governorpeta, Vijaywada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land situated at Mogalrajpuram. Vijayawada registered by the S.R.O. Vijaywada vide document No. 6190[83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43.OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 102/84-85.—Whereas. 1, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the olice of the Registering Officer at Bhimavaram on 10/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kalidindi Parvathi, Wio China Tammiraju 6th Ward, Bhimavaram, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Smt. B., Venkata Vijayanagamani, Wlos Sri Naga Venkata Narasimha Raja Kumar, 13th Ward, Bhimavaram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used tierein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property situated at Bhimavaram registered by the S.R.O. Bhimavaram vide document No. 3525 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

(1) Sri Padarti Venkateswara Rao & 11 others, Eluru, W.G. Dt.

(2) Sri Boddu Harshavardhanudu & 4 Others,

Eluru, W.G. Dt.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 103/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Land situated at Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Eluru on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein **

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property under consideration is land situated at Eluru admeasuring 879 sq. yds. registered by the S.R.O., Eluru vide document No. 5750|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 104|84-85.—Whereas, I. M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Land, Shed & Mill situated at Tondangi E.G.Dt.,

No. Land, Shed & Mill situated at Tondangi E.G.Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada on October 83

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration ico such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Kapaganti Subba Raju, So Suryanarayana Tondangi, Tunk Taluk, E.G. Dt.
 - (Transferor)
- (2) Sri M. Appa Rao, So Venkata Ratnam, Todangi, Tuni Taluk, E.G. Dt.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land admeasuring 0-50 acres consisting of Mill, shed and machinery situated at Tondangi Tuni Taluk, E.G. Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 9078[83].

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Rct. No 105/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Penugonda W.G. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Penugonda on October 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sain instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. Padmarcddy and Others, Penugouda W.G. Dt.,

(Transferor)

(2) Sri K. Somireddy, Managing parmer of would be constructed Venkata Murali Rice Mill, Aravilli, Tanuku taluk, W.G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later.
- (b) by my other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeastring 2 acres 75 cents situated at Penugonda village W.G. Dt., registered by the S.R.O., Penugonda vide document No. 2078, 2079 and 2080[83]

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) -

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 106/84-85.—Whereas, 1, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated at Sompeta Srikakulam Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer at Sompeta on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. China Veerabhadra Rao Sjo Krishna Murthy, (2) Sana Satyavati, Wo Koteswara Rao & Others, Sompeta.

(Transferor)

17355

(2) Sij Sana Venkataratnam, Slo Pattabuiramiah, Sommeta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Sompeta registered by the S.R.O., Sompeta vide document No. 1632/83.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A,P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. 271/84-85.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land situated at Pannamguda village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sullurpet on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. Appa Rao, So Satyanarayana, Sydhen House Road No. 226, Madras-112. (Transferor)
- (2) Mr. M. V. Jayaraman, Managing Director, M/s. Jayaraman Oil and Distilleries Pvt. Ltd., Thruvengadam Street, R.A. Puram, Madras-28. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 17 acres situated at Pannamgudu village Sullurpet Tq., Nellore Dt., registered by the S.R.O., Sullurpet vide document Nos. 869|83 and 870|83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A,P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC.236|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot situated at Banjara Hills Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—52—166G184

 MJs. Sunil Constructions Promoters, Rep. by Sri B. S. Krishna Reddy, 10-2-289/25, Santinager Col Hyd.,

(Transferor)

(2) Smt. Soghra Begum Amil Ali & Other, Flat No. 101, Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, in Sarita Apartment, Road No. 4 Banjara Hills, Hyd., admeasuring 1790 sft. regd, by the SRO, Khairatabad, vide document No. 2771 83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC.237/84-85.--Whereas, J, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Humayunnagar, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyd, on November 1983
fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Syeda Hafiza Anwar, GPA Sri Sued Hamid Hussain 21-6-342 Ghansi Bazar, Hyd.,

(Transferor)

(2) Smt. Rahamtulnisa Begurn 10-3-68|A|2, Humayunnagar, Hyd.,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 10-3-68 A 2 Humayunnagar, Mehdipatnam, Hyd., regd. by the SRO Hyd., vide document No. 5553|83.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-6-1984

FORM ITNS----

NVIICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.,

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 238/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat, situated at Beginnpet, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of Registering Officer at Vallabhangar on 10/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Shyamala & Other, 6-3-907[5, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Adil Alvi, Flat No. 3, M. No. 6-3-1216[99 to 101, Methodist Col. Begumpet, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, in Sharan Apartments, Methodist Col, Begumpet, Hyd, admeasuring 710 sft. regd, by the SRO Vallabhnagar, vide document No. 3048|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date : 1-6-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Crosent Towers, Rep. by Smt. Wajidunnisa Begum, 10-1128/1, Masabtank, Hyderabad. (Transferor)

(2) Shri V. Franklin. 10-1-128[1]A[20, Masab Tank, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC.239 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Flat situated at Masabtank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E 405, in Crescent Towers, Masab Tank, Hyderabad, admeasuring 1250 sft regd. by the SRO Hyd., vide document No. 5551/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

. Date: 1-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bedshah Begum, 11.3-877, Net Mallepully, Tyderabad.

(2) Syed Amir Hussain Regri & other, H. No. 44, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferee)

17361

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC.241 84-85.—Whereas, I.M., JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. House situated at Mallepalli, Hyderabad and hearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Khairatabad on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice respective persons, whichever period a later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11-3-880, Net Mallepalli, Hyd., admeasuring 1552 sft. plinth area & 486 sq. yds. of land area regd. by the SRO Khairatabad vide document No. 3054|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th June 1984

Ref. No. RAC. No. 245/84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent structury under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (49961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri A. Mohan Reddy, s|o A. Shanker Reddy, Himayathuagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Srinivasa Iyengar, C.A., 4-1-938 R 14 & 15, Tilak Road, Krishna Complex, 2nd floor, Hyderabad. Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. R-5 in premises No. 4-1-938, Second Floor, Tilak Road, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad document No. 5421|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date: 11-6-1984

FORM I.T.N.S.-

var era at a si sus coma e sum e a quanti a <u>e qu</u>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.F.)

Hyderabad, the 11th June 1984

Ref. No. RAC. No. 246|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated at Nampally Station Rd., Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Sunil Kumar S. Chungi, alias Chungi Kishen Rao, 6-1-105 A, Padmaraonagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Sham Kumar soo late Ghisalal, 11-5-128, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 5-8-4, Nampally Station Road Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5529[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hydernbad(A.P.)

Date: 11-6-1984

FORM ITNS----

 Sri Hariram B. Dayal, 1-2-8|2, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER-SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th June 1984

Ref. No. RAC.No. 247/84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing
No. House situated at Domalguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed here(o),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer
at Hyderabad in 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

.
Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sri Kewal Ram, 1-2-8 2, Domalguda, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor in the premises of 1-2-8|2, Domalguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vice document No. 5416|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely::—

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th June 1984

Ref. No. RAC.No. 255 84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chikkadpally in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following peome, namely:—53—166GI/84

 Smt. Zalnab Khatoon, wo Iftekhar Mehdi Khan, Through GPA Sri Ali Khaja, M.D., of Banjara Constructions, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(2) Sri S. Raghunath s|o S. T. Rajan, H. No. 35|4, RT, LIGH, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207 in IInd floor of 3-6-782, Himayathuagar. Hyderabad admeasuring 795 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 735|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 16-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

> > Hyderabad, the 11th June 1984

Ref. No. RAC. No. 256 84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Himayathnagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Competent Authority at Chikkadpally in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appurent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Smt. Zainab Khatoon, wo Iftekhai Mehdi Khan, through G.P.A. Sri Ali Khaja, Banjara Constructions Ltd., Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mrs. Leela Vinodni, 3-4-484/4, Lingampally, Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period is 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 in 3rd floor of 3-6-782, Himayathuagar, Hyderabad admeasuring 795 eft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 734|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th June 1984

Ref. No. RAC No. 257|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadapally on October, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mathrusri Engineers & Builders (P) Ltd. 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Saraswathi Ramana Rao, wlo A. Ramanarao, 6-3-628/13, Ravundranagar, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 in A Block at Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1150 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 737 83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 11-6-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th June 1984

Ref. No. RAC No. 258/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Rs. 23,000]- and bearing
No. Flat situated at J. N. Road, Hyderabad
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer
14 Hyderabad, on 10193

at Hyderabad on 10/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmy persons, namely; -

(1) Mls. Beena Builders, by its partners Srl K. N. Venkatachalam, and Others, 4-1-826, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Hyderabad Electric Syndicate, Rep. by Sri C. Ramakrishnarao, and Other, 4-1-314, Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenement No. 3 in Ground floor, Victoria Chambers, 4-1-826, J. N. Road, Hyderabad, admeasuring 647 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5256 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

> > Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC No. 259/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Land situated at Punjagutta Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 10 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri K. Satyanarayana Rao and Others H. No. 1-9-312|5|2|C, Vidyanagar, Hyderabad. (Transferor)
- Ms. Mahalaxmi Motors (P) Ltd.,
 Bheemanagar, LIC Colony, Opp. Indira Park,
 Secunderabad. Rep. by Sri R. Vijaya Kumar Rao,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Punjagutta bearing M. No. 6-3-788| 33, 34, 35, 32, 36 and 37, admeasuring 900 sq.yds., 800 sq. yds. 800 sq.yds., 1000 sq. yds., 750 sq.yds. and 750 sq.yds. respectively registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 5514, 5516, 5515, 5517, 5584 and 5513|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely - -

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1th June 1984

Ref. No. 260|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at Chiragali Lane, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hyder Ali Kajani,

5-8-505, Chiragali Lane, (Transferor)

5-8-505, Chiragan Lane, Hyderabad.

(Transferce)

(2) Mrs. Begum, Wlo Sri Abdullah Rasheed, 23-2-418, Moghulpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have-the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 in Chiragali Lane, Hyderabad admensuring 1170 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5404|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-6-1984

 M|s. Feroz Builders, Karimabad H. Colony, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dawood Ali, Karimabad Colony, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th June, 1984

Ref. No. 261]84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Hyderabad on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor is more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 5-8-492 and 593, Chirag Ali Lane, Hyderabad admensuring 398 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5330|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-6-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M|s. Kamath Builders,
 Rep. by S. R. Kamath,
 B-3, Bindu Shopping Centre,
 Bombay.

(Transferor)

(2) Sri Shankar Narayana, 1-8-522|38, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 1th June 1984

Ref. No. 262|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.
Flat situated at Gandhinagar, Hyderabad
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on 10|83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-2 in H. No. 1-1-524 A and AI, Gandhinagar, Hyderabad admeasuring 960 aft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5442 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1th June 1984

Ref. No. RAC No. 263|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at Basheerbagh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1901 in the Office of the Competent Authority at Hyderabad on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54—166GI/84

 Meridian Construction Co., 5-8-612, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ramniklal Tunna, and Sri J. R. Tunna, 3-4-376|6|5, Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in 3rd floor of 5-9-24, Lake Hill Road. Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5473[83].

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri J. Prabhakar and Other, Clo Prabhu Electronics, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 1th June 1984

RAC No. 264|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 70183

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(2) Sri Surendra Gupta, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 900 sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5346|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-6-1984

Seal;

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 11th June 1984 Hyderabad, the 1th June 1984

RAC. No. 265/84-85.—Whereas, 1, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing No.

Hat situated at Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri J. Prabhakar Rao and Other, Clo Prabhu Electronics, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Savithri Aao, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5347|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri N. Venkatanarayana & Others, Atmakur village Atmakur Tq., Kurnool Dt.

(Transferor)

(2) Sri Venkataranana Estate Traders. Rep. by Sri M. Sivaprasad, Atmakur village, Kurnool Dt.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 266|84-85-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Land situated at Armakur village, Kurnool Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Atmakur on 10-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any momen or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 7 acres 11 cents situated at Atmakur village Kurnool Dt., registered by the S.R.O., Atmakur vide Document No. 2784, 2788, 2789, 2790, 2791 and 2792 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Jucome-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th May 1984

HYDERABAD (A.P.)

Ref. No. RAC. No. 267/84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land situated at Brahmanakraka Agraharam, Kavali (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Kavali in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri N. Subbaiah and Others, Marellaguntapalem, Prakasam Dt.

(Transferor)

(2) M|s. Kollipara Rajeswara Rao & Co., Rep. by Sii K Rajeswara Rao, Amaravathi Road, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fator:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands situated at 72.69 acres situated at Brahmanakraka Agraharam registered by the S.R.O. Kavali vide Doc. No. 1523, 1524, 1522, 1520, 1519, 1518, 1514, 1512, 1513 and 1494|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
'Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 268|83-84.-Whereas, L. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Land situated at Brahmanakraka Agraharam, Kavali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavali in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Sri S. Sivasankar Reddy & Other. Brahmanakraka Agraharam, Kavali, Nellore Dt

(Transferor)

(2) M[s. Kollipata Rajeswara Rao & Co., Rep. by Sri K, Rajeswara Rao, Amaravathi Road, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands admeasuring 49 acres 25 cents situated at Brahmanakraka Agraharam, Kavali Tq., Nellore Dt., registered by the S.R.O., Kavali vide Document Nos. 1528, 1529, 1530, 1531, 1533, 1534 and 1536[83].

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acquisition of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 269[8-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1.and situated at Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Sri Gujja Erramma and Others, Vinayaknagar, Nizamabad.

(Transferor)

 Navjeevan Co-operative House Building Society Ltd. Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 11 guntas situated at Phulong. Nizamabad registered by the S.R.O., Nizamabad vide Document Nos 4556, 4557, 4594, 4596, 46/84 and 3/84, (vide 6 separate sale deeds)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 12-6-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. N. Madhulika
 Wo Sri Ananda Reddy,
 3-0-467, Himayathnagar,
 Hyderabad.

(2) Sri E. Narsimha Reddy Slo E. Raja Reddy, 5-5-754 Goshamahal, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 270|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

House situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Intitan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore iid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-1-380|30|1 at Gagan Mahal, Domalguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 5404|83,

M. JEGAN MOHAN
Compresent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC, 64|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tenali in Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

55---166GI/84

 Sri K. Upendra Gupta & Others, Shroff Bazar, Tenali,

(Transferor)

 Sri Dada Saheb Siddahanadh Devakar & Other, Shroff Bazar, Tenali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property situated at 3rd Ward, Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide Document No. 4941 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 65|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tenali in Oct. 1983

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons name:

 Sri A. Rajendra Prasad and Others, Ganganammapeta, Tenali.

(Transferor)

(2) Sri Y. Nataraj, Minor Rep. by Guardian Sri Haraharanath Main Road, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide 2 separate sale deeds bearing Document Nos. 3972'83 and 3998[83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Muthyam Satyanarayana, 49-48-1, Abbayapalem, Visakhapatnam-16.

(Transferor)

(2) Sri O. Subbirami Reddy. Near Patha Gajuwaka, Near Pathrulugari Meda, Visakhapatnam-26.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC, No. 66|84-85,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing House situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in Oct, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 47-11-25 situated at Allipuram Ward, Dwarakanagar, Diamond Park Vizag registered by the S.R.O., Visa-khapatnam vide Document No. 11563/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1984

 Sri N. Srihari Rao and Other, Muvvali Mouli, Kakinada.

(Transferor)

<u>:</u>-

(2) Mis. Sudha Kiran Hotels (P) Ltd., 24-11-23, Bheemavaram, W.G. Dt.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 67/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing No.

House situated at Allipuram vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Vizag in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 47-11-15 situated at Allipuram registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide Document No. 12287 and 12288/83.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Rc. No. RAC. No. 68;84-85.—Whereas; I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

House situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred at per deed registered under the Registartion Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforea id exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Paramount Constructions. Rep. by Mrs. B. Laxmi, Prasanth, Daspalli Hills, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Sri P. Chinnadri, soo Neeladri Rao, 14-37, 38, Krishna Gardens, Vizag.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 16-1-16|C-4 situated at Visakhapatnam registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 11968|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dote: 12-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 69/84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mis. Paramoimt Constructions. Rep. by Mrs. B. Laxmi, Prasanth, Daspalli Hills, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Sri C. Vijaya Kumar, spo C. Venkatappaiah, C.B.M. Compound area, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. No. 16-1-16|C-3 situated at Maharanipeta Ward, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 11970|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tan
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hylerabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 70|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Paramount Constructions, Rep. by Mrs. B. Laxmi, Prasanth, Daspalli Hills, Vizug.

(Transferor)

1.7387

(2) Sri B. K. Gupta, sjo Jagannadha Rao, Palakonda, Srikakulam Dt.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 16-1-16 B-1, Maharanipet Ward, Visakhapatnam repistered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 11964 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Agett Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabid (A.F.)

Date: 12-6-1984,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGI, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 71[84-84.—Whereas, I M. JEJAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Vizag (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Paramount Constructions, Rep. by Smt. Bolisetty Laxmi, Managing Partner, Prasanth, Despalli Hills, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Vasavi Jute Twine Mills (P.) Ltd., Rep. by Sri G. Mallikarjuna Rao, M. D. Rajam, Vizianagaram Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 16-1-16|D-2 stuated at Maharanipet Ward, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Visakhapatham vide document No. 11967 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Anthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabed (A.P.)

Date: 12-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

\(\) \(

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 72/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Tatiparthi village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Visakhapatnam on 10|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acx or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56—166GI/84

(1) Eri A. Appalakonda, soo Jogulu and Others, Laxmidevipeta, Anakapalli.

(Transferor)

(2) M/s. Viswanath Agro Farmers (P) Ltd., Rep. by Sri Budharajupullam Raju, MIG 1A/5, Muvvalavanipalem, Vizag-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 100 acres situated at Tatiparthi village. Madingula Taluk, registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 12086/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 73/84-85,—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House, situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri V. Venkateswarlu, Ganganammapeta Post,

(Transferor)

(2) M|s Vijaya Bhuskara Iron Co., Rep. by Sri D. Venkata Subba Rao. Salipeta Post, Tenali, Guntur Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 7-33-6 situated at Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide document No. 3819/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-6-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Sri P. Kesava Narayana and Smt. I. Satyavathi, Marrispet, Tonali.

(2) Sri B. Venkatramaiah and Smt. B. Kalyani, Uppu Bazar, Tenali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 74|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000, and bearing No.

House situated at Tenali

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tangli of October 1983

Tenali on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide document No. 4012 and 4013 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of result property by the issue of this notice under subscation (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dote : 12-6-1984.

(1) Sri Jaladi Bhayannarayena, Tenali.

Near Railway Station, Tenali.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 75/84-85.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
share in theatre situated at Tenali
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has' been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tenali on October, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Sri Jaladi Venksteswara Rao, clo Alankar Talkies,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0.05 paise share in Alankai Talkies, Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide document No. 3868[83].

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely-:—

Date: 12-6-1984.

(1) Sri Jaladi Venkateswara Rao. Moparru post, Tenali Tq., Guntur Dt. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jaladı Kıshore Kumar, c|o Alankar Talkies,

(Trensferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC No. 76/84-85.—Whereas, J M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Share in theatre, situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on October, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the sald Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Near Railway Station, Tenali.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immeraable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the with Acc shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

0-06 paise share in Alankar Talkies, Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide document No. 3867 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date: 12-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th June 1984

Ref. No. RAC. No. 77/84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

(1) Sri Gali Vijaya Prakasa Rao, sjo Venkateswara Rao, Kancherlapalem post, Tenali Tq., Guntur Dt. (Transferor)

(2) Sri Kothamasu Vittal Kutumba Rao, Shroff Bazar, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 10th Ward. Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide document No. 4051|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-6-1984

Sual :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 78|84-85-Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. K. Savitri and K. Krishnamohana Rao, Vullithota Veedhi, Rajahmundry. (Transferoi)

(2) Smt. Mohd. Habcebunnisa Begum, wlo Ayub, Danavaipet, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used aerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 4|92 C.S. No. 7-7-1 situated at Vullithota Veedhi, 4th Ward, Rajahmundry registered by the S.R.O., Rajahmundry vide 2 separate sale deeds bearings document Nos. 6558|83 and 6560|83.

M., JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-6-1984.

(1) Smt. P. Kotamma wo Guravaiah. and Others, Lalapeta, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Srí Ch. Venkataswamy and Other, R. Agraharam Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th June 1984

Ref. No. RAC. No. 79 84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Lalapet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property, situated at Lalpet, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document Nos. 8452 and House 8458|83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Hyderahad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-6-1984.

(1) Sri Satyendra Nath Das & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Reba Basak

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th June 1984

Ref. No. 1488|Acq. R-III|Cal|84-85.—Whereas, I S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25|3|C, situated at Garpar Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Calcutta on 12-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1K-37 sft. together with building being Premises No. 25|3|C, Garpar Road, Calcutta, Reg. before R|u being No. I—10715 dt. 12-10-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—166GI/84

Date: 7-6-1984

FORM ITNS----

(1) Sri Amitaga Roy & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gayatri Mukherjee & Dwijendra Lal Mukherjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th June 1984

Ref. No. 1489|Acq. R-fH|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and hearing

and bearing
No. 32/2, situated at Gobinda Bese Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Calcutta on 10-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this works in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this socice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4 K—8 ch, with two storeyed Building being Premises No. 32/2, Gobinda Bose Lane, Calcutta Reg. before R/A being No. I—10553 dt. 10-10-83.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Ki wai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1984

(1) Smt, Rambha Bai Rathi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dudh Nath Gupta Smt. Tarak Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1984

Ref. No. 1490]Acq. R-III[Cal]84-85.—Whereas, I $^{\circ}$ 3. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 28|3-B situated at Tagore Castle St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the section of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the inchlication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or pervel of land measuring 10K-8 ch. (undivided 4th share) being Premises No. 28/3-B, Tagore Castle Street, Calcutta. Reg. before S/R/A vide deed No. I-10857 dt. 27/10/83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 15-6-1984

(1) Lakshmi Bala Ray

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bikrama Singh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1984

Ref. No. 1491 Acq. R-III | Cal | 84-85 .-- Whereas, 1 S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-B situated at Kusthia Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 24-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3k-11 sft. being Premises No. 1-B, Kusthia Road, Calcutta. Reg. before S.R.A. Vide deed No. I—10777 dt. 24-10-83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-6-1984

(1) 1. Sanatan Dey 2. Sukumar Dey

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kishori Debi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1984

Ref. No. 1492|Acq. R-III|Cul|84-85.--Whereas, I S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing

No. 1-B situated at Kusthia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-10-83 7-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece or Parcel of land measuring 2K—9 ch. being Premises No. 1-B. Kusthia Road. Calcutta. Reg. before S.R.A.. Calcutta, vide Deed No. I—10778 dt. 24-10-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 15-6-1984

(1) Dilip Kumar Saha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Naba Kumat Saba

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 15th June 1984

Ref. No. 1493|Acq. R-JH||Cal₁84-85...-Whereas, 1 S. K. CHAUDHUR1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

17 situated at Faqir Chand Mitra Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutte on 7-10-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or percei of land measuring J K-6 ch. 40 sft. being Premises No. 17, Kakir Chand Mitra Street, Calcutta, Reg. before R.A. Calcutta vide Deed No. 1-10351 dt. 7-10-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 15-6-1984

(1) Smt. Amiya Dey

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Joydeb Basak & Ors

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 16th June 1984

Ref. No. 1494]Acq. R-711]Cul;84-85.--Whereas, I S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3 situated at Golok Dutta Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; straighter
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the state of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or percel of land measuring 1 K—11 ch. —9 sft. bein Premises No. 3. Golok Dutta I ane, Calcutta, Reg. before R|A, Calcutta vide Deed No. I—10797 dt. 16-10-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid set, \(\lambda\) hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '---

Date: 16-6-84

(1) Sri Ranajit Kumar Roy Chowdhury & Sri Asit Kumar Roy Chowdhury

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sushil Kumar Brahma

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 15th June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-313|84-85|Sl. 876.I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- bearing No. 50, situated at Akhil Mistry Lane, Calcutta-9

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

No. 50, situated at Akhil Mistry Lane, Calcutta-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

All that partly two and partly three storeyed brick built building with land measuring 1.52 Cottahs being premises No. 50, Akhil Mistry Lane, Calcutta Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-10134 dt 3-10-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 15-6-1984

(1) Sri Samarendra Nath Koruri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Tan Jung Fu.

(3) Tenants.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

CALCUTTA

Calcutta, the 11th June 1984

Ref. No. TR-316|84-85|Sl.877.—Whereas, I, S. K. CHAUDHARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. 33 & 34, situated at Blackburn Lane, P.S. Bowbazar, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 12-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—58—166GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the properyt

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at premises No. 33 & 34, Blackburn Lane, P.S. Bowbazar, Calcutta, land with mainly one storeyed and partly two storeyed building (7 Cottah 5 Chittack 12 Sq. ft.). Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-10675 dt. 12-10-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-{
Calcuttn

Date: 7-6-1984.

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bimla Devi Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th June 1984

Ref. No. TR-319[84-85]Sl. 878.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 75C, situated at Park Street, Calcutta-16 has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Cal. on 4-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 3 on 10th Floor of premises No. 75C, Park Street. Calcutta-16. Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-13070 dated 4-10-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Calcuita

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-6-84

N'TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1984

Ref. No. IR-326 84-85 S1.879 IAC Acqn.R-I Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. 15, situated at Gangadhar Babu Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S.R.A., Cal. on 8-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Sri Ramesh Kumar Saraogi.

(Transferor)

(2) Sri Gaurishankar Gupta.

(Transferee)

(3) Amar Nath Saraogi.

(4) Smt, Mani Devi Saraogi.

(Persons in occupation)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undevided one half share of a vacant land measuring 5K-12 Ch.—42 Sq. ft. at premises No. 15, Gangadhar Babu Lane, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-10481 dated 8-10-83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14.6.84 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1984

Ref. No. TR-327 84-85 St. 880.—Whereas, I. I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

15, situated at

Gangadhar Babu Lanc, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office or Registering Officer at SR.A. Calcutta on 8.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Ramesh Kr. Saraogi,

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Kanta Devi.

(3) Shri Amar Nath Sarogi.

(Transferee)

(Person in occupation)

(4) Smt. Mani Devi Saraogi,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undevided one half share of land measuring 5K-12 Ch.—42 Sq. ft. at premises No. 15, Gangadhar Babu Lanc, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. I-10482 dt. 8.10.83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 14-6-84

__ ---_ --_-

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Rabindia Nath Datta.

....

(2) Smt. Abharani Duari.

(Transferor)

(3) Vendor.

(Transferee)

(Person in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1984

Ref. No. TR-328[84-85]Sl.881. I.A.C.[Acq. R-1]Cal.—Where-

I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

14, situated at

Asgar Mistri Lane, Calcutta-46.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Pagistering Officer at

of Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 4.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land measuring 2K-17 Sq. ft. with building a 14, Asgar Mistri Lane, Calcutta-46. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-10188 dt. 4 10.83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority,
Inspecting Assist. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14.6.84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th June 1984

Ref. No. TR-33|84-85|Sl. 882 IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

111, situated at

Lower Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.A., Calcutta, on 1 10 83,

S.R.A., Calcutta, on 1.10.83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Samar Kr. Ghosh, Prabir Kr. Ghosh, Subir Kr. Ghosh, Ujjal Kr. Ghosh, Bidyut Kr. Ghosh, Partha Pralim Ghosh and Atanu Ghosh (Minor).

 (Transferor)
- (2) Ranjit Kr. Hazra and Ajpit Kr. Hazra, (Transferee)
- (3) Tenant.

(Person in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at premises No. 111. Lower Circular Road, (Now Acharya Jagadish Chandra Bose Road) Calcutta registered before the office of the Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I—10083 dt. 1.10.83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority. Inspecting Assist, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11.6.84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th June 1984

Ref. No. C.A.62 84-84 S1.883 I.A.C. Acq.R-I Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

67, situated at

Park Street, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

C.A., Calcutta on 15.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mool Chand Raj Sikka, Shri N. K. Sikka & Shri Madan Sikka.

(2) Smt. Radha Bhardwaj.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat A-3, Apsara Apartments, 67, Park Street, Calcutta-16. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 62 dated 15.10.83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Author-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 12-6-84

(1) Dr (Miss) Duru Lilaram.

(Transferor)

(2) P. D. Bhartiya Family Trust, Prabhudayal Bhartia, Mrs. Bimla Devi Bhartia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th June 1984

Ref. No. C.A. 63|84-85|Sl. 884 I.A.C. |Acq.R-I|Cal.—Whereas,

I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25B, situated at

Camac Street, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Calcutta, 21.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subservion (1) of Section 269°D of the said Act, to the following performs, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that ownership Flat No 8B, 8th floor, "Camac Court", 25B, Camac Street, Calcutta-16. Registered before the office of the Competent Authrity, I.A.C., Acqu. Range-1, Calcutta vide Sl. No. 63 dt. 21.10.83.

S K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 12-6-1984.

(1) M/s. Housing Estate Private Ltd.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Engineering Construction Corporation Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, CALCULTA

Calcutto, the 15th lune 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C.A.32|84-85|S1.885 I.A.C.|Acq.R-J|Cal.—Wherens,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the

and bearing No. 4B, situated at Wood Street, Calcutta-16, (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C.A., Calcutta on 10-10-83 10.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flot No. 12 measuring about 1051 Sq. ft. on 4th floor at premises No. 4B, Wood Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Calcutta vide Sl. 32 dt. 10.10.83.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Seal :

Data: 15-5-84

59—166GI 84

(1) Ms. Housing Estates Private Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

- (Trønsferot)
- (2) M/s. Engineering Construction Corporation Ltd. (Transferee

Objection, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutto, the 15th June 1984

Ref. No. C.A. 33|84-85|S1.886 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Where-

I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

4B, situated at

Wood Street. Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

C.A., Calcutta, 10.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent

consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 il of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Fla. No. 9 measuring about 1051 Sq. ft. on the 3rd floor at premises No. 4B, Wood Street, Calcutta-16, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. R-1-Calcutta vide Sl. No. 33 dt. 10.10.83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 15.6.84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 12th June 1984

Ref. No. AC-49 ACO.R III Cal 84-85. -- Whereas, I S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

23AH42, situated at

Diamond Harbour Road, Calcutta-53,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at S. R. Alipore, 24 Parganas, 5,10,1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnasfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following s, namely ---

- (1) 1. Hemant Kumar Chaturbhuj, 2. Smt. Vijaya Gauri Chaturbhuj.
 - Srit. Vijaya Gaun Guan
 Deepak Kumar Kantilal.
 Kiran Kumar Kantilal.

5. Prokash Kumar Kantilal.

(Transferor)

(2) Smt. Sulochana Agarwal of Flat No. 2, 142 Block G' Alipore, Calcutta-53.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No 2, measuring 118.51 Square metre situated at 23A 142. Diamond Harbour Road, Block-G, New Alipore, Calcutta-53. More particularly described in Deed No. 4948 of S.R. Alipore, 24-Parganas of 1983.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 12.6.84

KIRM ITNS----

(1) 1. Hemant Kumar Chaturbhuj. 2. Smt. Vijaya Gauri Chaturbhuj.

Deepak Kumar Kantilal.
 Kiron Kumar Kantilal.

5. Prakash Kumal Kantilal.

(Transferor)

(2) Sri Pramod Narayan Deulgaonkar of Flat No. 4. 142, Block 'G', New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA.

Calcutta, the 12th June 1984

Ref. No. AC-50[ACQ[R-II]Cal]84-85.--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

23A/142, situated at
Block-G. New Alipore, Calcutta-53,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Alipore, 24-Parganas,

on 5-10-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. 4, measuring area of 127.673 square m situated at 23A/142. Block-G', New Alipore, Calcutte More particular by described in deed No. 4949 of S.R. Al 24-Parganas of 1983.

> S. K. BAN Competent Au luspecting Assistant Commissioner of Inco Acquisition Range-II, (

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Syamal Kumar Mallik of 8|2A, Alipore Park Road, Calcutta-27.

(Transfecor)

(2) Sh. Anil Kumar De De of 108, Bangur Avenue, Calcutta-55.

(Transferoc)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 12th June 1984

Ref. No. AC-51 ACQ.R-II | Cal | 84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500|- and bearing

No. 104 situated at Block-A, Bangur Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of lande measuring 5 Cottabs 2 Chittacks 20 Square feet with Building situated at Plot No. 104 of Block-A of Bangur Avenue, Mouja Krishnapur. More particularly described in Deed No. 1 10147 of R. A. Cal. of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range-II, Calcutta

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-6-1984

FORM UTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Dilip Kumar Mallik of 27/3, Baithak Khana Road, Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kumar De of 108, Bangur Avenue, Calcutta-55.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th June 1984

Ref. No. AC-52|ACQ.R-II|Cal|84-85.--Whereas, 1, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 104 situated at Block-A Bangur Avenue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half—share of the land—measuring 5 Cottahs 2 Chittacks and 20 square feet with Building situated at Piot No. 104 of Block-A of Bangur Avenue, Mouja Krishnapur, More particularly described in Deed No. I 10146 of R. A. Cal. of 1983.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range-II, Calcutta

Date : 12-6-1984

FORM ITNS----

- (1) Castle Properties Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (1) Bhartia Bachat Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th June 1984

Ref. No. C.A.60[84-85[SI.887]], A.C. [Acq.R-I]Cal. -- Where-

S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 511A situated at Hungarfood Street Colours 700017

No. 5/1A, situated at Hungerford Street, Colcutta-700017, taid more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of Registering Officer at C. A. Cal. on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for unit transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income acising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the onceolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Office space No. 4B at 3rd floor at premises No. 5/1A, Hungerford Street, Calcutta-700017. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I Calcutta vide SL 60 dt. 10-10-83,

> S. K. CHAUDEURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition-Range-1), Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 18-6-1984

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt Usha Rani Debi.
2. Tapun Kumar Mukherjee.
all of 91, Dharmatala Street,
Calcutta-13.

(Transferor)

(2) Sri Sailendra Nath Ghosh of 16/9, Beliaghata Main Road, Calcutta-10.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th June 1984

Ref. No. AC-53|ACQ.R-II|CAL|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 9 situated at Hazara Bagan Lane, Calcutta-15. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. A. Cal. on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.55 Cottahs of land with Building situated at 9, Haza Bagan Lane, Calcutta-15. More particularly described Deed No. I 10564 of S. R. A. Cal of 1983.

S. K. BANERI Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition-Range-II, Color

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 18-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritage, the 11th June 1984

Ref. No. ASR|84-85.—Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

No. One plot of land situated at Sultanwind, Amritsar (and more fully described in the Schodule annual hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

it S. R. Amritsar on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act. to the following errors, namely:—

50-166GI[84

(1) Sh .Baljit Singh So Sh. Partap Singh, Vill: Sultanwind. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Podar W/o Shri Brij Mohan Podar, No. 2 Parkash Chand Road, Amritsai.

(Transferce)

(3) As at S No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 750.56 sq. yds., situated at Road connecting Partap Nagar and Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8613 dt. 19-10-83, of registering authority, Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-6-1984

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACΓ, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1984

Ref. No. ASR|84-85|39.—Whereas, 1, S. C. KAPIL, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 |- and bearing

No A plot of land situated at Majitha Road. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely 1---

(1) Shri Surjit Chand S o Shri Krishan Chand. Rio Tehsilpura, Amritsar and Smt. Neelam Kanta Wio Sh. Vijay Kumar, R|o Sharifpura, Amiitsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Parminder Singh So Shri Gurpinder Singh, Sh. Amarbir Singh So Shri Bhan Singh, Vill: Seeda, Distt. Gurdaspur.
- (Transferee) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afor-said persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ane plot of land measuring 220.0 sq. yds., situated Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8531 dated 17-10-83 of registering authority, Amritsar.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1984

Ref. No ASR₁84-85|38.—Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. A plot of land situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Surjit Chand So Shri Kishan Chand Rlo Tehsilpura, Amritsar and Smt. Neelam Kanta Wo Sh. Vijay Kumar R o Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Amrik Singh Slo Shri Gurdin Singh, Vill , Harsa Chhina, Distt. Amritsar

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 215.8 sq. yds., situated at Circle No. 110, Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8529 dt. 17-10-83 of registering authority, Amritsar.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 16th June 1984

Ref. No. AIR|84-85|42.—Whereas, I,

S. C. KAPIL, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-

and bearing
No. One Property situated at Fatchgarh Churian ,Teh .

Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Batala on Oct., 83

for an apparent consideration which is less than the fair mar ket value of the aforesaid property, and I have reason to belleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Om Parkash Slo Shri Sarn Dass, Fatchgarh Churian, Teh : Batala, Disst. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) M/s. Krishna Rice Mills, Sangatpura Road, Fatehgarh Churian, through Sh. Hari Krishan Partner, Tch : Batala, Disst. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One property measuring 8 K-19 marias situated at Fatchgarh Churian, Teh: Batala, Distt, Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 3417 dated 7-10-83 of registering authority. Batala.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 16th June 1984

Ref. No. ASR|84-85|41.—Whereas, 1,

S. C. KAPIL. IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Land Vill: Shahabpur, Teh: Batala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S. R. Batala on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income using from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. Harinder Singh S'o Sh. Jashir Singh Vill : Shahabpur. Diest. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) M/s Hind Fero Castings,G. T. Road. Batala,through Shri Ramesh Chander, Partner.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions ued herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 6 kanals, 8 marles, situated at Vill: Shahabpur, Teh: Batala, Distr. Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 3494 dt. 17-10-83 of registering authority, Batala.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date - 16-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 14th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5444.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. as per schedule situated at Raman Maudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Talwandi Sabo on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Shri Bur Mal, Anraj Sslo Duli Chand Clo Mls. Anraj Rewa Lal, Raman Mandi Distt. Raman Mandi Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sukkan Raj, Mohinder Kumar Sslo Sh. Chandan Mal Co Mis. Anraj Rewa Lal, Distt. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2008 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandbar

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5445.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing

No as per schedule

situated at Talwandi Sabo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Talwandi Sabo on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

(1) Shri Gurtej Singh So Harnek Singh

Ro Fateh Garh Naun Abad.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh Slo Sukhácy Singh Rjo Talwandi Sabo

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2013 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-6-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1984

Ref. No. A.P. No: 5446.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sakl Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/-

and bearing
No. as per schedule
situated at Raman Mandi

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more interpretation for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument with the said instrument with the said instrument with the said instrument with the said inst

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Norang Rai, Raja Nand. Babu Ram Sso Sh. Banwari Lal Ro Madras through Mukhtiar-a-am Sh. Ram Krishan Maheshwary So Jagan Nath, Raman Mandi, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Balwinder Kumar, Kewal Krishan. Ashok Kumar & Kidar Nath Ss|o Sh. Hans Raj, C|o Sh. Hari Chand Hans Raj. Ramon Mandi, Distt. Bhatinda, Jiwan Rani Wo Pawan Kumar, Sondha Devi Wlo Sh. Madan Lal Clo Madan Lal Atta Chakki. Raman Mandi. Distt. Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2100 of Nov., 1983 of the Registering Authority and Property and P rity, Talwandi Sabo.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-6-1984

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th June 1984

Ref. No. A.P. No .4553.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|-and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kapurthala on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Acr in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61-166GT[84

Arvind Suri
 Sh. Chaman Lal^{*}
 W. G. 595, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2.) Shri Charanjit Lal S|o Ramji Lal 3-Mall Road, Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socies in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1957 of Oct.. 1983 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 15th June 1984

Ref. No. A.P. No. 4554.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala

(and more fully describes in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kapurthala on Oct., 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inclinating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (It of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Arvind Suri, Slo Chaman Lal W. G. 595, Nakodar Road, Jalandhar

(Transferor)

(2) Shri Narinder Kumar S|o Ramji Lal 3-Mail Road, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1878 of Oct., 1983 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-6-1984

Seal ;

(1) Shri Arvind Suri So Chaman Lal W.G. 595, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th June 1984

Ref. No. A.P. No. 4555.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No: as per schedule situated at Kapurthala

has been transferred

(and more fully described in the schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Kapurthala in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :-

(2) Smt. Suman Rani Wo Narinder Kumar 3-Mall Road, Kapurthala.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1887 of October, 1983 of the Registering Authority, Kapurthala,

J L. GIRDHAR

Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th June 1984

Ref. No. A.P. No. 4556.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed heroto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kapurthala on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arvind Suri So Chaman Lal W.G. 595, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Wo Charanjit Lal 3-Mail Road, Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as two defined in Chapter XXA of the said Act, rhall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1999 of October, 1983 of the Registering Authority, Kamurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. 5413,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value o fitte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the Issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following traons, namely:—

- (2) Sint. Mohinder Kaui wo Harbhajan Singh ro V. Baluch District Hoshiarpur and Sint. Gian Kaur wo Rachhpal Singh ro V. Bhure District Hoshiarpur.

 (Transferer)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 48 (31 Mis. 23 sq. it.) situated in Defence Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 4396 of October 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5414.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. as per schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of

1908) in the Office of registering Officer at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratios therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Puran Singh so Labh Singh ro V. Garha Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Lakhbir Singh slo Pritam Singh rlo V. Tilowal Teh. Dasuya Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 5-3|4 M|s. situated in Garha and Persons as mentioned in the registered sale deed No. 4637 dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN1 COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5415.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transserred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Furan Singh slo Labh Singh rlo V. Garha Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

 Shri Surrinder Kumar s|o Harbans I.al r|o Gurjit Nagar, Garha Teh, Jalandhar. (Transferee)

- (3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property area 12 Mls. situated in Garha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4636 dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissione: of Income-tax
Acquisition Runge, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5416.—Whereas, I., J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jai Parkash slo Bawa Deen rlo Indl. Area, Jalandhar Mukhtiar-khas of Gurlit Singh slo Amarjit Singh self and Mukhtiar-am of Smt. Narinder Kaur wdlo Partap Singh.

(Transferor

(2) Smt. Santosh Bhandari wlo K. K. Bhandari rlo Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 28 M/s. 107 s.ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4280 dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5417.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

62-166G1/84

(1) Shei Joi Parkash s|o Bawa Din 1|o Indl. Area, Jalandhar Mukhtiar khas of Gurjit Smgh slo Amarjit Singh Mukhtiar am of Smt. Narinder Kaur wd/o Partap Singh.

(Transfere

(2) Shri Brij Mohan Dhawan slo Narain Singh rlo EK-187, Phgwara Gate, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 17 Mis. 81 s.ft. situated in V. Kingra and persons mentioned in the registered sale decd No. 4279 dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5418.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the swid instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the burposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagjit Singh soo Rala Singh roo V. Khurla Teh, Jalandhar.
- (Transferor)
- (2) Shri Swaran Dass slo Ishar Ram rlo V. Rampur P.O. Lambra Teh, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4527 of October 1983 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-6-1984. Seal;

- (1) Shri Hari Pal Singh s|o Ujagar Singh Cold Storage, V. Kingra Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Smt, Surjit Kaur woo Balbir Singh roo V. Sajanpur Teh. Phillaur Disit, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- NOTICE UNDER SECTION 289D(1) OF THE INCOME.
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
 - GOVERNMENT OF INDIA
- OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR BOMBAY

Jalandhar, the 1st lune 1984

Ref. No. A.P. No. 5419.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

of transfer with the object of :-

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on October, 1983
fot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the iformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely them

THE SCHEDULE

Property area 4500 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4506 dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-6-1984.

FURM LINS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5420.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Hari Pal Singh so Ujagar Singh Cold Storage, V. Kingra Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Harbhajan Kaur wjo Amrik Saigh 1 o V. Kingra Teh, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 4500 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4167, dated Oct., 1983 of Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Date: 1-6-1984.

(1) Shri Hari Pal Singh so Ujagar Singh Cold Storage, V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Tarsem Kaur wo Harjinder Singh το V. Sharin District Jalandhar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5421.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 4500 Sq. ft. situated in V. kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4166, dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-6-1984,

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5422 -- Whereas, I. J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Awa'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at V. Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapsfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Pushwant Kaur wo Swaran Singh tlo W.P. 83, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Bhan Singh so Piara Singh rlo V. Pandori Nizar, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the understaned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 15 Mls. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4186 of October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhai.

> 1. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-6-1984.

CONTRACTOR SECTION AND ADMINISTRA

FORM ITNS---

(1) Shri Dalip Singh Son Narain Singh roo 70 Guru Nagar, Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferor)

(2) Maj. Dhiraj Singh Dhillon Sjo Nagina Singh V. & P.O. Manko Teh. Jalandhar.

(4) Any other person interested in the property.

(Person in occupation of the property)

interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5423.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. as per schedule situated at Khurla (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property area 10 Mls. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 4414 dated Oct., 1983 of the Registering Authority—Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Date: 1-6-11984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A. P. No. 5424 and 5425.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per schedule situated at Kingra *

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration A.t. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sohan Singh S₁o B'aulla Singh rlo V. Kingra teh. Jalandhar through Mukhtiar Ram Avtar.
- (2) Shtimati Charan Kaur Wo Joginder Sigh Dhillon roo Rurka Road, Goraya Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 1 Kl. (each deed) situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deeds. No. 4599 and 4614 dated Oct. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Date: 1-6-11984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5426.--Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the take market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than form over the property as a solution of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely :-

63---166GI/84

- (1) Shri Prem Mittar So Amar Nath t o Basti Pir Dad Khan, Jalandhar Mukhtiar Puran Singh So Labh Singh. (Transferor)
- (2) Shrimati Om Kumari Wdlo Subash Chand and Anil Kumar ro Chowk Qadai Shah, Jalandhar.

(Transferce) (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 31 Mls. 93 Sq. ft. situated in V. Garha Wahinda and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4342 of Oct. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date 1-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A. P. No. 5427.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on Oct. 1983

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mls. New Finance & Credit Corporation Pvt. Ltd., Jalandhar through Sh. Ram Kumar Bhardwaj c'o Pt. Sat Pal & Co. Milap Chowk, Jalandhar. '(Transferor)
- (2) Sheimati Sunita Churra Wlo Narinder Kumar rlo V. Dalla Distt, Kapurthala.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 107 area 3281 S. Ft. siutated in Jyoti Nagar extension and person mentioned in the registered sale deed No. 4296 of Oct., 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Jalandhar.

Date 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Rcf. No. A. P. No. 5428.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gumam Singh Slo Harnam Singh slo H. No. 2978, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Udham Singh, Sarup Singh, Inder Singh Kishan Singh Sslo Joginder Singh rlo V. Tam Kot Teh. Muktsar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. situated at Abohar Read, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2109 of dated Oct., 83 of the Registering Authority—Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 1-6-1984

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A.P. No. 5429.—Whereas, i, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Charewan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Muktsar on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Assa Singh S[o Pyara Singh r|o V, Charewan, Teh. Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh Slo Mohinder Sigh ro V. Udhe Karan Teh, Muktsar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 40 Kls. situated in V. Charewan and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1964 of dated Oct., 83 of the Registering Authority. Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 1-6-1984

FORM TENS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

lalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A. P. No. 5430.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing

No. as per schedule situated at Charewan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Muktsar on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Assa Singh Slo Pyara Singh rlo V. Charewan, Teh. Muktsar.

(Transferor)

(2) Kuldip Sigh, Tursem Sigh ssio Puran Singh rio V. Udhey Karan Teh. Muktsar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 30 Kls. 6 Mls. situated in V. Charewan and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2040 of dated Oct. 1983 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jalandher.

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAN

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A. P. No. 5431,--Whereas, I.

Ref. No. A. P. No. 5431.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu on Oct 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Shri Punjab Singh, Gurbax Singh Sslo Bachan Singh rjo Pati Sada, Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh So Jarnail Singh, Surrinder Pal Singh, Satinder Pal Singh Sslo Dhana Singh and Jagroop Kaur Do Balwinder Singh ro Jaitu Mandi Distt, Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 5 Kls. 3 Mls. situated in Pati Sada, Jaitu and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1193 of Oct. 1983 of the Registering Authority Jaitu.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 1-6-1984

FORM ITNS---(1) Shri Gurdial Singh So Pala Singh

rio Pati Kado, Jaitu.

(2) Shri Dhani Ram So Sandu Ram r'o Jaitu Mandi Distt. Faridkot.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

JALANDHAR

Jalandhar, the 1st June 1984

Ref. No. A. P. No. 5432.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1906) in the Office of the Registering Officer

at Initu on Oct 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wedth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sold Act, to the following persons, namely : --

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 11 Mls. situated in Pati Sada, Jaitu and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1177 of Get, 1983 of the Registering Authority, Jaltu.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 11-6-1984

Scot

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 11th June 1984

Ref. No. A. P. No. 5433 and 5434.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 • (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ravinder Kalia, Kailash Kalia Sslo Kishan Chand Kalia and Smt. Durgesh Nandhi Sharma wlo K. J. Sharma rlo EK-100, Shiv Raj Garh, Jalandhar Partners Mls Kalia Industries through Sham Kumar

(Transferor)

(2) M/s. Tee Emm Traders B-19, Industrial—Estate, Jalandhar through Sh. Manmohan Singh, Partner Firm.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property factory Shed area 35×80 (C-10) situated at Indl. Estate, Jalandhar as mentioned in the registered sale deed Nos. 4294 & 4659 of dated Oct., 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jalandhar.

Dato: 1-6-11984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 28th May 1984

Ref. No. A. P. No. 5407.—Whereas, I, I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Talwandi Sabo on Oct., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
64—166GI|84

(1) Shri Budh Singh Slo Sh. Dhana Singh Rlo Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Shri Biker Sigh, Sh. Sukhvinder Singh Selo Sh. Jora Sigh Rlo Talwandi Sabo

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same making as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 1962 of Oct., 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandher,

Date: 28-5-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 28th May 1984

Ref. No. A. P. No. 5408.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Not. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

No. 33 per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per certain of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nahar Singh Labh Singh, Harnek Singh Salo Sh, Karnail Singh & Kaur Singh, Gurdev Singh Salo Bachan Singh Rlo Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shrimati Amarjit Kaur Wd\o Junior Werrant Officer Gurcharan Sigh S|o Kishan Singh R|o Vill. Bhagta Distt. Bhatinda.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2565 of Nov., 1983 of Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar.

Date: 28-5-1984.

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 29th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5409 .- Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Moh. Har Gobind Nagar, Phagwara

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on October, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

(1) Shrimati Kamlesh Kumari Wo Surinder Nath Moh. Nagahan Mehli Gate, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shrimati Suman Chadha wo Sukhchain Lal Chadha G. T. Road, Phagwara,
- (3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property, (4) Any other person interested in the property. (Person whom the unders gned interested in the property, (Transfereet

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1600 of October, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GJRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandh

Date: 29-5-1984.

* 2. 1. 2000 Compa

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 17th May 1984 Ref. No. A.P. No. 5410.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. as per schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Santosh Kumari Wo Keshav Lal Gupta Ro 2085-A, Birla Mill Colony, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Slo Shri Tilak Ram Rlo 2085-A, Birla Mill Colony. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

to be interested in the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as niven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3511 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Bhatinda

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-5-1984.

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 17th May 1984

Ref. No. A.P. 5411.—Whereas, I.

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. as per Schedule situated at Ehatindo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transfered for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following cersous, namely :--

(1) Shrimati Santosh Kumari Wlo Shri Keshav Gupta Rlo 2085-A, Birla Mill Colony, Bhat nda.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand S|o Shri Tilak Ram R|o 2085-A, Birla Mill Colony, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE PCHEDAITE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3571 of Nov., 1983 of the Registering Authority. Bhatinda

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range lalandhar

Date: 17-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5412,---Whereas, 1 J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule siturded at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexted hereto) has been unsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

(1) Shri Pritam Singh Slo Shri Kirpal Singh Kothi Amarpura, Joganand Road, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shrimati Normal Kumari Bhandari Wo Sh. Ashwani Bhandari Clo Bhandari Sons, near Old Bus Stand, G. N. A. Road, Bhatinda. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3092 of Oct., 1983 of the Registering Authority, Buntinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 24-5-1984.

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5435.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Danishmander.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri Mohinder Far S|o Shri Daulat Ram R|o Bastj Sheikh, Jalandhar Mukhtiar-Khas Revi Kant S|o Shri Roshan Lal Mukhtiar-Am Gurbachan Singh S|o Shri Kartat Singh & Jasbir Kam Wd|o Shri Kamaljit Singh R|o B-34|1376 Basti Danishmandan, Jalandher.

(Transferor)

(2) Sh. Batjit Singh S|o Shri Sunder Singh R|o Pucca Bagh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the unders gned interested in the property)

'MObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 KI-1 MI, situated in Basti Danishmandan. Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 4689 of dated October, 1983 of the Registering Authority. Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jafendhar

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE !NCOMI EAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5436 —Whereas, 1, 3. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referral, to as the 'said Act'), have reason to believe that minmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. as per Schedule

situated at Basti Danishman fen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Palandhar on October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person namely:—

(1) Shri Dinesh Kumar Slo Shri Rajinder Pal, N. D. 160, Mohalla Bikrampura, Jalandhar Mukhtiar-Khas of Pokhar Singh Slo Shri Kartar Singh & Mukhtiar am Jasbir Kuur Wdlo Shri Kamaljit Singh Gurbachan Singh Slo Kartar Singh,

(Transferor)

 Shrimati Sunita Rani Wlo Shri Dinesh Kumar Rlo ND-160, Bikrampura, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 27 Mls. & 54 S. ft. situated in Basti Danishnundan, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 4588 of October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
suspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
lafandhar

Date: 13-6-1984

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri P. Sehgal
So Ved Prakash
Ro 14 Sat Nagar, Mohalla Chandan Nagar,
Islandhar.
(Transfetor)

(2) Shri SatishChander
 Slo Banarsi Dass
 Rlo 149, Industral Area,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 65 Mts. situated at V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4526 of October, 1983 of the Registering "Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAP
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
65—166GI|84

Date: 13-6-1984.

Seal :

Ref. No. A.P. No. 5437.—Whereas, J.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 13th June 1984

as per Schedule situated at Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5438. --Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

as per Schedule

situated at Maksoodpur

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Promila Sehgal
 Wo Sunil Kumar
 Ro 14 Sat Nagar, Mohalla Chandan Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Nishchint Sondhi Wlo Naresh Sondhi Rio 625, Model Town, Jalandhar.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 65 Mls. situated in V. Masoodpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4579 of dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalendhar

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. |5439.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Nos as per Schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh Slo Gujjar Singh Rlo Basti Sheikh, Jalandhar.

(Iransferor)

(2) Shijmati Kuldip Kaur Wlo Kuldip Singh Rio Gali No. 1. Opposite Civil Hospital, Kapurthalal

('Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property)
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 4 Kls, 144 Sq. ft. situated in Basti Sheikh, Jalandhai and persons as mentioned in the registered safe deed No. 4218 of October, 1983 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalaudhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. | 5440.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

as per Schedule

situated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Officer at Jalandhar, in October.
(1) Shri Chanchel Singh
Sto Bhan Singh
R o Pilli Kothi, Garha Roal,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Katir Wo Mohinder Singh Ro V. Passla Disti.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property)
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 9 Mts. situated in V. Garha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4597 of October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13-6-1984.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. | 5441.—Whereas, 1, 1 | 1 | GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Satwant Kaur Wo. Jaswant Singh Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jarveen Jain Wo Satish Kumar Jain Ro House No. N. K. 16, Kotwali Bazar, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property)
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 House No. N. K. 16 situated in Kotwali Bazar Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 4537 of dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

Jalandhar
J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13-6-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5442.—Whereas, I. J. J., GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. as per Schedule

situated at Kartarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more whan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimmati Chamapa Rani Wo Siri Remo Rio Furniture Bazar, Kartarpur.

(Transforst)

(2) Shri Tarlochan Singh So Jagat Ram Gujarat Palace, Furniture Bazar, and Shri Gurbax Lal Ro Furniture Bazar, Kartarpur. Kartarour.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter. XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated in Furniture Bazar, Kartarpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 618 of dated October, 1983 of the Registering Authority, Kartarpur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-6-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5443.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kartarpur

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nation under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raj Kumarl Wd|o Shri Sukhdyal R|o Kothi No. 2812 Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh Slo Shri Jagat Ram, Gujrat Palace, Furniture Bazar, Kartarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above and Shri Siri Ram Slo Shri Jagat Ram, Furniture Bazar, Kartarpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop situated in Furniture Bazar, Kartarpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 643 of dated October, 1983 of the Registering Authority, Kartarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1984

Ref. No. A.P. No 5447.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the humovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'ransfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kanhiya Lal Slo Shri Hira Lal Rlo House No. 9, Globe Colony, Indl. area, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Slo Shri Attar Ram Rlo House No. NG-334, Ram Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property portion (factory bldg.) No. 9, situated in Globe Colony, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered saled deed No. 4163 of October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1984

Rcf. No. A.P. No. 5449.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

66-166GT/84

 Shri Mohinder Singh S|o Shri Natha Singh R|o 27-R, New Colony, Cool Road, Opposite Mota Singh Nagar, Jalandhar, through Shri Labh Singh.

(Transferor)

(2) Shri Harminder Singh So Shri Mehar Singh Ro V. Litran Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 2 of 27-R, New Colony, Cool Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4264 of dated October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-6-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5450.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-bearing No.

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhai on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh Slo Shri Natha Singh Rlo 27-R, New Colony, Cool Road, Opposite Mota Singh Nagur, Jalandhur.

(Transfegor)

 S|Shri Gurdip Singh, Avtar Singh Ss|o Shri Mehar Singh R|o V. Litra Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

.(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1 of 27-R. New Colony, Cool Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4295 of October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Jalandhar

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5451.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in October, 1983

Jalandhar in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons nonely:—

 Shri Mohinder Singh Slo Shri Natha Singh Rlo 27-R, New Colony, Cool Road, Opposite Mota Singh Nagar, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh Slo Shri Mehar Singh Rlo V. Litra Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1 of 27-R, New Colony, Cool Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale dead. No. 4308 of October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Inhandhar

Date: 14-6-1984

<u>- 45-7, 18-1, 18-</u>

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5452.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I neerby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh Slo Shri Natha Singh Rlo 27-R. New Colony, Cool Read, Opposite Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

 S|Shri Manjit Singh and Nirpinder Singh Ss|o Shri Mehar Singh R|o V. Litra Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1 of 27-R, New Colony, Cool Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4333 of October, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ialandhar

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th June 1984

Ref. No. A.P. No. 5457.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at Jalandhar in October. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Smt. Pushpa Devi Wlo Shri Vinod Kumar Clo Mls. Mohan Lal Suraj Bhan, Tanda Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) M|s. Rashtriya Metal & Steel Industries, BII-344-B|190, Globe Colony, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property factory situated in Globe Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale Deed No. 4567 of dated October, 1983 of the Registering Authority. Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 15th June 1984

Ref. No. SML|11A|83-84.-Whereas, I.

JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B ol the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Set No. A of First Floor of building known as Daizy Bank, situated at Station Ward, Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Simla in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ishwan Datt Sharma Slo Shri Sunder Lal Sharma, Ro Sunder Niwas, Chamba now Deputy Ranger, Talend, Simla.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Wati Wo Shri Tarlok Chand & Smt. Sudesh Bala Wo Shri Surinder Mohan Rlo House No. 78, Street No. 15, The Mall Simla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Set No, A of First floor of Daizy Bank, Station Ward, Simla. (The property as mentioned in the sale deed No. 641 of October, 1983 of the Registering Authority, Simla).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-6-1984

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME/TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th June 1984

Ref. No. CHD|80|83-84,-Whereas, f. OGINDER SINGH.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

reing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovtble property, having a fair Rs. 25,000|- and bearing market value exceeding

Plot No. 1691, Sector 33-D situated at Chandigarh and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in October, 1983 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to sclieve that the fair market value of the propetry as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Statistical Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Lt. Col. Amarjit Singh Bal So Major General Tara Singh Bal Rlo C-140, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amardeep Singh Sarma minor son of Shri Amarjit Singh Sarma, Rlo 182, New Jawahar Nagar, Jalandhar City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1691 Sector 33-D Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 329 of October, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh),

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th June 1984

Ref. No. CHD|85|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing H. No. 3034, Sector 21-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narendra Dev Singh Slo Shri Rattan Singh Rlo H. No. 518, Borla Co-op. Housing Society, Near Basant Clinema, Chembur, Bombay.

(Transferee)

(2) 1. Shri Narender Kumar Jain So Shri Bipen Chand Jain

Smt. Manju Jain
 Wlo Shri Narender Kumar Jain
 both Rlo H. No. 1545 Sector 18-D
 Chandigarh,
 Now at H. No. 3034 Sector 21-D,
 Chandigarh,

(Transferee)

(3) 1. Surinder Singh :

2. Dayal Chand both Rlo H. No. 3034 Sector 21-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used b(zein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3034 Sector 21-D Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 777 of October, 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th June 1984

Ref. No. CHD|97|83-84.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

SCF No. 250 situated at Motor Market Mani Majra, U.T.

Chandigarh

(and more fully described in the Schedule sunexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---67-166GI|84

Shri Khazan Singh Slo Sh. Hazura Singh Rlo 2368, Sector 19-C. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Neclam Ram Pal Wo Sh. Jagdish Ram Pal Clo Sh. Ram Nath Ram Pal Rlo 120 Sector. 15-A. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 250 Motor Market Mani Majra U. T. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 816 of Oct., 1983 of the Regstering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING J.UDHIANA

Ludhiana, the 14th June 1984

Rel. No. CHD|101|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the measure-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and braving No.

H. No. 3305, Sector 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Chandigarb on Oct., 1983

randingary on Oct., 1963 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Krishan Singh Slo Sh. Sadhu Singh Rlo 1030, Railway Road, Adampur (Jalandhar) through his General Power of Attorney Sh. Qeemat Rai Slo Sh. Kulwant Rai Rlo H. No. 17 Sector 10 A. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Dalbir Singh Kalra S|o Late Sh. Kesar Singh Mrs. Bhupinder Kaur W|o Sh. Dalbir Singh Kalra R|o H. No. 1275, Sector 15-B, Chandigarh,

(Transferec')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3305, Sector 35-D. Chandigarh. (The property as mentioned in the safe deed No. 827 of Oct., 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I adhuma

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th June 1984

Ref. No. CHD|81|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 0001- and hearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. 15% share SCO No. 111-112-113 Sector 17-B situated at

Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh on Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Deepak Gupta Slo Sh. Raj Kumar Gupta and Sh. Sham Sunder Gupta H.U.F. Slo Sh. Dev Raj Aggarwal Rlo 26, Sector 8-A, Chandigarh, through their General Attorney Sh. Balraj Singh Slo Sh. Darshan Singh Rlo 332, Sector 9-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Harter Singh Sangha Slo Sh. Bikramjit Singh Sangha Show Room No. 58, Sector 26.

(Transferee)

(3) 1. Haryana Tourism Corporation2. State Bank of India

3. Deputy Collector of Custom & Central Excise. All Ro SCO No. 11-112-113 Sector 17-B, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15% Share of SCO No. 111-112-113, Sector 17-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 742 of Oct., 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th June 1984

Ref. No. CHD|87|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing SCO No. 419-420, Sector 35-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. M. K. Bhalla R|o House No. 1606, Sector 34, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Karnail Kaur & Sh. Inderjit Singh Dhillon, Raj Shree R o Hastings Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bereiv as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 419-420 Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 781 of Oct. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-6-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th June 1984

Ref. No. CHD[82]83-84[337 — Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

H. No. 1250 Sector 33-C, situated at

Chandigarb,

(and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue or tak notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri B. K. Kaushal soo Shri Narata Ram ro H. No. 340, Sector 35-A, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Narioder Pal Singh slo S, Bhagat Singh rlo H. No. 1720-Phase VII Mohali Now at House No. 1250, Sector 33-C. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1250 Sector 33 C. Chandigarb. (The Property as mentioned in the sale deed No. 758 of Oct. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th June 1984

Ref. No. CHD|92|83-84|338.—Wheras, I, JOGINDER_SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 2184 Sector 35-C, situated at

Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Mehar Chand Mittal slo Shri Thakar Mal and Smt. Sudesh Mittal wlo Shri Mehar Chand Mittal rlo 158, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Kaushal & Smt. Raj Kaushal rlo H. No. 340, Sector 35-A, Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2184, Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 796 of Oct. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh...

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th June 1984

Ref. No. Paonta Sahib|1|83-84|339.---Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 15-B.6 B at Vill. Kunjah,

Paonta Sahib,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (ii) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income anxing from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Man Kaur wd|o Shri Mehboob Singh & S. Harjit Singh Bhupinder Kaur, Ravinder Kaur & Amarjit Kaur & Narinder Kaur son|dnughters of S. Mehboob Singh r|o Paonta Sahib now C|o Manson Motor, Kashmiri Gate, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Adam Paper Products, E-222, East of Kailash, New Delhi at present Devi Nagar Poanta Sahib, Distt. Sirmaur (H.P.)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land 15 B 6B at Vill. Kunjah, Paonta Sahib. (The property as mentioned in the sale deed No. 527 of Oct. 1983 of the Registering Authority, Paonta Sahib).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15.6.84.

Sen! :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I UDHIANA

Ludhiana, the 15th June 1984

Ref. No. LDH|126|83-84.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

House Land 1010 sq. yds. at Barewal situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh slo S. Chanan Singh rlo Vill. Thrike, Tehsil, Ludhiana. (Transferor)

(2) M/s. Dadoo Industries, Ferozepur Road clo M/s. Dadoo Hosy Factory, Chawal Bazar, Ludhiana, (Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Land 1010 sq. yds. at Barewal, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8702 of Oct. 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGE Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tan Acquisition Range. Ludhians

Date: 15.6.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Lt. Col. K. S. Caveashar s|o Sh. S. S. Caveashar c|o Electric Data Processing Team, Signals Records, Post Bag No. 5, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Khairati Lal Bhatia, Mrs. Anita Bhatia and Master Man Bhatia r/o 1054 Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Ludhiana, the 14th June 1984

Ref. No. CHD|86|83-84.—Mhereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Sestion 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act' have reason to believe that the immovable property ,having a fai rmarket value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Plot No. 252, Sector 33-A, situated at

Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 252, Sector 33-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 778 of Oct. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

68—166 GI|84

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 14th June 1984

Ref. No. CHD|81|83-84, ---Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot No. 1293. Sector 34-C, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :--

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Maor S. K. Bhasin slo G. L. Bhasin clo 121, Infintery Battalion (TA) Shahpur Camp, New Alipore, Calcutta. (Transferor)

(2) Shri Kewal Kiishan soo Late Inder Mall ro H. No. 2160. Sector 21-C, Chandigath.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein M are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 1223, Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 795 of Oct. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 71 Oct 83.--Whereas, I, S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 'o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

18|468, II Agraharam Car Street, situated at Salem Town

(Doc. No. 2164/83)
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Salem J.S.R.I. on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. Subramaniam, S_io S_io Shri T. Kandhasamy Pillai, Vulundurpettai, S. A. Dt.

Transferor(s)

 Shei K. R. Shanmugha Sundaram, S₁o Shii K. Ramaswamy Mudaliar, 2nd Agraharam, 19 Car Street. Salem Town.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

UNPLANATION: -The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 18/468, II Agraharam Car Street, Salem Town---(Doc, No. 2164/83),

> S. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-,I Madras-600006

Date: 13-6-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 78[Oct.|83.—Whereas, I, S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Appu Chetty Street situated at Shevapettai, IInd Ward, Salem Town (Doc. No. 1230|83)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. III Salem on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Thirganam and another, Slo Shri S. K. Manickam Chettiar, No. 16 Nagalingham Chetty Street, Arisipalayam, Salem.

(Transferor)

 Shri M. N. Gopalan, Sio Shri S. Narasimma Iyer, 8A Lakshmaiah Cheety Street, Salem-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Appu Chetty Street, Shevapettai, Salem—(Doc. No. 1230[83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-,1
Madray-60006

Date: 13-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 78|Oct.83.—Whereas, I, S. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. — situated at Pallapatti Village Salem Tk.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Salem (Doc. Nos. 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132 and

1133[83] on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. C. Krishnaveni Ammal Wo Chandrahasa Cheethiar, No. 8 Bangaru Chetti St., Shevapet, Salem Town.

(Transferee)

 Mrs. V. Sujatha (and others) Wo Mr. S. Viswanathan, No. 4 Sarada College Road, Salem Town.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Pallapatti Village, Salem Town—(Doc. Nos. 1127[83 to 1133[83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-60006

Datz: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 86|Oct|83.—Whereas, I, S. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Annathanapatti, Village Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapatti (Doc. No. 3232183) on October 1983

of 1908) in the Office of the Registration Act, 1906 (to of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapatti (Doc. No. 3232/83) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 £27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. Sckar
 L. Krishnaswamy Chettiar,
 Navalar Road, Sevapet,
 Salem.

(Transferor)

(2) Shii K. Gopalakrishnan Sjo Sri T. S. Krishnappan Chettiar, 313 Navalar Salai. Shevapet, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Annathanapatti Village, Salem—(Doc. No. 3232|83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600006

Date: 13-6-1984

Séal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

e Ref. No. 121 Oct 83.- Whereas, 1,

e Ref. No. 121 Octions.— whereas, i.,

S. SUBRAMANIAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.

146 Diedical Point Madural situated at Madural

146 Dindigul Road, Madurai situated at Madurai (and morefully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at J. S. R. I. Madurai. (Doc. No. 5395|83, 5420|83 & 5421|

83) on October 1983

on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating one concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rajathi Durai Rajan, No. 13, Lakshmipuram, 8th Street, Madurai,

(Transferor)

(2) Devagi, No. 6|115 Jawahar Street, Paramakudi Town, Rammad District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Kazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Street House at No. 146 Dindigul Road, Madurai—(Doc. No. 5395[83, 5420[83 and 5421[83).

S. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-,I Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-6-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS 600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 129|Oct|83,---Whereas, I, S. SUBRAMANIAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 26 Besant Road, situated at Chokkikulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Tallakulam (Doc. No. 4783 83) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. T. R. Annalakshmi Ammal Wio Late V. R. Subramaniam E-1 F Avenue, C.F.T.R.I. Mysore-13. Smt. R. Sundarammal Wo M. K. Venkatachalam, Gitanjali E-340 Nirman Vihar Shakarpur, Delhi-92.

(2) Smt. R. Jayalakshmi Wo Sri A. Rajusekaran, Co Sri N. Chellaiah Thambi Patti, Village, Tiruppur, Ranmad Dt.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 26 Besant Road, Chokkikulam, Madurai —(Doc. No. 4783[83).

> S. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600006

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Raji Srinivasan Wo Sri Srinivasan Travelers Bungalow Road, Madurai.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. Ponnammal, 113 Madurai Road, Sivagangai.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 134|Oct|83.—Whereas, I, S. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. situated at 43 Travellers Bungalow Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifte in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Gays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building 43 Travelers Bungalow Road, Madurai (Document No. 2579|83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-, I
Madras-60006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 150|Oct|83.-Whereas, I, S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at B-3 1st Street, Chidambaranagar,

Meclavittan, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

Melur (Tuticorin) Doc. No. 598) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rajeswari Ammal Wo late P. V. K. Vannamuthu Pillai Sri Kuthalingam Smt. S. Villiyammal Smt. S. Valliyammal Minor S. Ramakuthalingam and others, 58 Parthasarathinaicker Theru, Tuticorin,

(Transferor)

(2) Sri M. V. Muthuraj, 28 North Cotton Road, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building B-3 1st Street, Chidambaram Nagar Meclavittan Melur (Tuticorin)—(Doc. No. 598|83).

> \$. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-,1 Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 151|Oct|83.—Whereas, I, S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Sattur Town situated at Sattur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur Town (Doc. No. 2018|83, 2019|83, 2041|83, 2043|83 and 2049|83) on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Shri Kanagasabapathy,
 Chidambara Nagar,
 Sattur.
 Shri P. S. L. Narayana Rao,
 No. 22 Badagayeda Padavu,
 Mangalore.

(Transferor)

Shri R. Palanichami Nadar,
 Padanthaal Road,
 Sattur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant House Site at Sattur Village & Town—(Doc. No. 2018|83, 2019|83, 2041|83, 2043|83 and 2049|83).(

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600006

Date: 13-6-1984

— aan GinaC. kk. G. kkyDaA, JUDa 2 , kr. (oRA , AkyA, 6, Lr.). — [xAna [∐—, -, 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 153[Oct|83.—Whereas, I, S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. — situated at 13 Bunder Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrering Officer at Madras (Central) Doc. No. 249 83 on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:—

 Shri T. K. Thandava Krishnan, No. 26 Pudupt Garden Street, Rayapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Sri T. Padmanabha Chettiar, S|o Sri Tholasingam Chettiar Sri N. S. Krishnaiah Chetti S|o Seshadri Chetti 59 Bunder Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 13 Bunder Street, George Town, Madra —(Doc. No. 249|83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-,1
Madras-600006

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFITCE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 165|Oct|83.—Whereas, I, **S. SUBRAMANIAN;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. — situated at Vacant land Kaspa Namakkal

Village Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Namakkal (Doc. No. 1621 8 3) on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Muthuswamy
Slo Late Palaniappa Gounder
63 Thottathusalal,
Trichengode Road,
Kaspa Namakkal,
Sulem Dt.

(Transferor)

(2) Dr. K. Manoharan M.S. 2-A Thillaipuram, Namakkal-637002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land Kaspa Namakkal (Doc. No. 1621/83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-,I
Madras-60006

Date: 13-6-1984

 Shri S. Balasubramaniam, 37 Third Street, Rajaannamalaipuram, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Iqbai Rahman 5 Choudhary Colony, Madras-34.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th June 1984

Ref. No. 17|Oct|83.—Whereas, I, S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

--situated at Koyambedu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar (Doc. No. 3510|83) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Koyambedu village—(Doc. No. 3510|83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquision Range-I,
Madras-600006

Date: 13-6-1984

FORM LT.N.S.

S. Sulochana,
 Wo K. Sandanaraj Rao,
 48, Subramaniam Road,
 R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

 B. Bhagavathiraj, s|o Balappan Achari, 32|66 & 67, Sallivan St., Coimbatore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 173 Oct.83.—Whereas, I, SRI'S. SUBRAMANIAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. R. S. Puram, Subramaniam Road, Coimbatore Town situated at Coimbatore (Doc. No. 4337|83) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrering Officer at at Coimbatore on October 1983 for an apparent coinsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

at Coimbatore on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land and building, R. S. Puram, Subramaniam Road, Coimbatore Town. (Doc. No. 4337|83).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I|z) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006 13th June 1984

Ref. No. 136R.H.-Whereas, I. SRI S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Doc. No. 2176|83, 32, Sakthi Vinayagar Koil Street, Mahalingapuram, Pollachi Taluk situated at Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pollachi on Octeober 1983

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

How, therefore, in trustance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) T. S. Dandapani. So Subramaniam Chettiar, Sarvalochani, wo T. S. Dandapani, Hikari, so Dandapani, Blc. 32, Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferor)

(2) 1. Namagiridayar and another, wlo Sathianarayanan,

2. Mahalakshmi, wo Srinivasan, 141, Karuppukandar Veedhi, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 32, Sakthi Vinayagar Koil Street, Pollachi (Doc. No. 276|83).

> S. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, (I|c) Madras-600 006

Date: 14-6-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION (69D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 004

Madras-600 006, the 14th June 1984

Kef. No. 59 R.II.—Whereas, I, ERI D. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Document No. 2854;83 Plot No. 22 (part) of the lay out No. 166,72 total extent of 3600 sq. it T. S. No. 2 (part) Block No. 14 and T. S. No. 6 (part) tand more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offiffice of the Registering Officer at Adayar on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market aviue of the aforestaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more when fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-70-166 GII8 4

(1) K. Thyagu & K. Papa, No. 12, First Street, Mandanam, Madras-35.

(Transferor)

(2) Mr. M. V. Kothandapani, No. 13. Thyphoon Alikhan Bhadur Street, Chepauk, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: Housing site, Plot No. 22 (Part) of the lay out No. 166|72 total extent of 3600 sq. ft, T. S. No. 2 (Part) Block No. 14 and T. S. No. 6 (Part). (Doc. No. 2854).

> S. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, (I|c) Madras-600 006

Date: 14-6-1984. Seal:

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

EXCENSE OF THE RESERVE AND A SECOND TO THE PROPERTY OF THE PRO

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th June 1984

Ref. No. 55|R.H.—Whereas, I. SRI S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Doc. No. 1168[83 Ground floor—1, Block 'D' in 22 Ponniamman Koil Street, Kottur, Madras-85 and land 1933

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Palamswamy, No. 3, New Giri Extension Road, T. Nagar, Madias-17.

(Transferor)

(2) O. L. Joseph, 21, Ponnjamman Koil Street, Kettur, Madras-85.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Laud and building: Ground floor No. 1 Block 'D' of 600 sq. ft. 22, Ponniamman Koil Street, Kottur, Madras-85.

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I|c) Madras-600 006

Date: 14-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shanmugham, slo Nagappa Chettiar, 2. Rukmani, wo Shanmugham, 160, Karuppana Gounder Street, Coin batore.

(Transferee !

(2) Duraisamy. slo Thirumalai Achari, 547, B. B. Street, Coimbatore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th June 1984

Ref. No. 291 R.H.-Whereas, I, SRI S. SUBRAMANIAN, SKI S. SUBKAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. DOC. No. 3918[83 & 3840]83 160, Karuppanna Gounder St. situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule appeared hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the feduction or evasion of the landity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

71-166 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

Doc. No. 3918|83 and 3840|83. Land and building: Katuppana Gounder Street, Coimbatore,

> S. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, (I)c) Madras-600 006

Date: 14-6-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 R. G. Santhanam, s|o Gopalakrishnan, Trichy Town, Thillainagar, Trichy.

(Transferor)

 M. Thottichi Ammal, wo Marippa, Samandur, Lalgudi Taluk, Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th June 1984

Ref. No. 74|R.II.—Whereas, I, SRI S. SUBRAMANIAN, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Doct. No. 2551|83 T.S. No. 77—New Block 4, Tricby (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrering Officer at Worniyur on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (n) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Trichy Town T. S. No. 77 and 77 (part).

S. SUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I|c) Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 134 R.H.—Whereas, I. SRI S. SUBRAMANIAN, being being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having Rs. 25,000/- and bearing
Doc. No. 2279|83 (land and bldg.) 53, Imamkhan Street, Door
No. 4 Udumalai Road, Pollachi T. S. No. 782-871 sq. ft. in
T. S. No. 783—1938 sq. ft., in T.S. No. 790|2 30 sq. ft. Total (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent, of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Kumaraswamy Gounder. s o Muthuswamy Gounder, Modirapuram, Suleswarampetty Post, Pollachi, T.K.

(Transferor)

(2) Smt. K. A. Pathima—1. wo K. A. Mohd. Tayoob, K. M. Mustaq Ali, 2. slo Mohd. Tyoob (Minor), K. M. Anchor Ali, (3) K. M. Abdul Salam, 4. Guardian Father K. A. Mohd. Taheeb 234/1, Madhava Krishnan Street, Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building:
Pollachi Town, Survey Ward 5 in
T.S. No. 782—871 sq. ft.
T.S. No. 783—1938 sq. ft.
T.S. No. 790|2—30 sq. ft.
Total 2839 sq. ft, and bldg. including Near Udumalai Road Door No. 53, Imamkhan Street at Door No. 4 (Document No. 2279[83].

> S. SUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, (I|c) Madras-600 006

Date: 13-6-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 175 R.H.-Whereas, I, SRI S. SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4219 83 Door No. 11 40-C, Ramnagar Nehru Street,

Aruppupalayam Village, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) L. Subramaniam, son of A. Lakshmi Narasimhan, No. 40-C, Nehru Street, Ramnagar, Colmbatore.

(Transferor)

V. K. Dorian, slo Krishnaswamay Naidu, No. 7/8, A. T. T. Colony, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons," whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 40C, Nehru Street, Ramnagar, Coimbatore.

S. SUBRAMANIAN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, (I|c) Madras-600 006

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 122|R.H.—Whereas, I. SRI S. SUBRAMANIAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. 354 Pandit Jawaharlal Street, Villupuram

Door No. 334 Pandit Jawaharlal Street, Villupuram "Savetha Palace"

Door. No .354 Pandit Jawaharlal Street, Villupuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Villupuram on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mr. V. Sadasivam,
 M. S. Sivakumar, S. Sivaprakash (Minor) &
 S. Ravikumar (Minor), 7A, Chairman.
 D. S. Pather Street, East Shanmughapuram Colony.
 Villupuram, South Arcot District.

(Transferor)

(2) R. Selvanathan Armol, 51, Ranga Pillai Street, Pondichery.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and and building: Theatre building known as "Savetha Plalace", Door No. 354 Pandit Jawaharlal Street, Villupuram Grama Natham Site No. 402, (Doc. No. 1746/83).

S. SUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Date: 13-6-1984.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 163|R.II.—Whereas, I, SRI S. SUBRAMANIAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Doc. No. 3737|83 situated at Sanganur Village, S.F. No. 190 and 191 T.S. No. 11|260|3, 12 cents & 247 Sq. Ft. with bldg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at GANDHIPURAM on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the sa

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- K. R. Ranganathan,
 s M. Rajagopalachari,
 Ramachandra Road, T'Nagar, Madras-17.
 (Transferor)
- (2) Santhosh Arora, w|o Baldevraj, 24, Cox Street, Coimbatore-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice.

 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Sanganur Village, S.F. No. 190 and 191 T.S. No. 11|260|3 12 cents and 247 sq. ft. (Doc No. 3737|83).

S. SUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. (1|c) Madras-600 006

Date: 13-6-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 5 R.II.—Whereas, 1, SHRI S. SUBRAMANIAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. (Document No. 1112/83) situated at Block No. 117, T. S. No. 5064 Part of T'Nagar Village (2700 sq. ft.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at T'Nagar, Madras-17, on October, 1983.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri M. Jagannathan, 18, Singara Mudaly St., Madras-600 017.

(2) Smt. C. H. Kamala, 12, Xavier St., Madras-600 006.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND-Block No. 117, T. S. No. 5064 1, Part of T'Ngr Village, (DACUMENT No. 1112|83).

> S. SUBRAMANIAM Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II(I|C) Madras-600 006.

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 15 Range-II.—Whereas, I. SHRI S. SUBRAMANIAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. (Document No. 138|83) Old. Door Nos. 212 and 174) Dr. Natesan Road, situated at Krismunget Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Thousand Lights (Doc. No. 138/33), on October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax.

 Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 H. H. The Prince of Arcot Endowment represented by its Agent Mr. Mohamed Ali having office at Amir Mahal Pycofts Road, Madras-14.

(Transferor)

 Mrs. S. Vasantha Ammal No. 3, Muthugramani St., Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Old door (Nos. 212 and 174) Dr. Natesan Road, Krishnampet, Madras. (Doc. No. 138|83).

S. SUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-II(I|C)
Madras-600 006.

Date: 13-6-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 26|R.II|MDS.—Whereas, I, SRI S, SUBRAMANIAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 2821|83 situated at Kodambakkam Village, Ashok Nagar Scherne, T. S. No. 47, Block No. 52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodombakkam on October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. V. Madhavi Amma,
 Pedariar Koil St.
 Madras-1.

(Transferor)

(2) A. L. Subash, 148, Kalinga Colony, K. K. Nagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING:

Kodambakkam Village, Ashok Nagar, Scheme T. S. No. 47 Block No. 52.

S. SUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-II(I|C)
Madras-600 006.

Date: 13-6-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 13th June 1984

Ref. No. 177 [R.II.—Whereas, I, SHRI S. SUBRAMANIAM] being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Document No. 4199 [83 situated at D. No. 20] 220, Coimhatore Town, N. H. Road, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kader Mohd.
and another Slo. Late Chinnappa Rauther.
East Lokmanya St.,
R. S. Puram,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. K. Ummar,
Sjo Kattuvaraputhur
K. S. Raheedha,
Wlo S. K. Ummar
Saibu Thottam,
Porur Road,
Vedappatti, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building:
Door No. 20|220, Coimbatore Town,
N. H. Road, Coimbatore.
(Document No. 4199|83).

S. SUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-II(I|C)
Madras-600 006.

Date: 13-6-1984.

FORM I.T.N.S .--

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th June 1984

Ref. No. 16|R.H]Oct.|83.—Whereas, I, SHRI S. SUBRAMANIAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Part of Door No. 10, Chamiers Road, Madras-35, situated at Madras-35. (Doc. No. 139|83 & 140|83)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Thousand Lights on October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. Lalita
 W|o P. Ramakrishna Rao,
 Chamiers Road,
 Madras-35.

(Transferor)

(2) B. Jayakrishna (Minor) by father and natural guardian Dr. B. R. R. Mohan Rao, No. 7, Ashoka St., Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that, Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building;
(Doc. No. 139, 140/83).
Pixt of 1900; Ho. 14 Standards Road, Madrae 35.

S. SUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras.

Date: 16-6-1984.

(PART >

FORM ITNS-

(1) C. Sundaram, Thirumathi Sathyavani, do

(Tra

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Visalakshi, Wlo R. M. Alagappa, Karaku di.

(Transfer

4

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Madras-600 006, the 16th June 1984

Ref. No. 165A|Oct.83|R.II.—Whereas, 1, SHRI S. SUBRAMANIAM. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Ward 18, 29 Throdu St., Karaikudi, situated at Karaikudi (Doc. No. 1716/83), situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karaikudi on October, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen net cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tonly stated to the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fractiere for the purpose stand indian income tax. Act. 1922 the said Act, of the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

LAND AND BUILDING: Land-building: -Ward 18, 29th Therodu Veadhi, (Doc. No. 1715|83).

> S. SUBRAMANIAM Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II(I|C) Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-6-1984

Soal: